राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

प्रधान-सम्पादक
शैली किशनानी
आर. ए. एस.
[निदेशक, राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर]

ग्रन्थांक–203

राजस्थानी हिन्दी हस्तलिखित ग्रन्थ सूची

भाग–18

(बीकानेर–संग्रह)

सम्पादक
डॉ. कृष्णलाल विश्नोई

प्रकाशक
राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर (राज.)
Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur

2002

प्रथमावृत्ति

मूल्य–145/-

राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

राजस्थान राज्य द्वारा प्रकाशित

सामान्यतः अखिल भारतीय तथा विशेषतः राजस्थान, प्रदेशीय पुरातनकालीन संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, हिन्दी, राजस्थानी आदि भाषा-निबद्ध विविध वाङ्मय प्रकाशिनी विशिष्ट ग्रन्थावली ।

प्रधान सम्पादक
शैली किशनानी
आर.ए.एस.

ग्रन्थाङ्क – 203

हिन्दी राजस्थानी सूचीपत्र भाग – 18

(बीकानेर संग्रह)

सम्पादक
डॉ. कृष्णलाल विश्नोई

© प्रकाशक
राजस्थान राज्य संस्थापित
राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर (राज.)

मुद्रक
हिमालय प्रेस, जोधपुर
राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर

प्रथमावृत्ति 500 2002 मूल्य : 145.00

अनुक्रम

प्रधान सम्पादकीय

बीकानेर के हिन्दी राजस्थानी ग्रन्थों के सूचीपत्र प्रकाशन के क्रम में यह द्वितीय पुष्प आपके हाथों सौंपते हुये मुझे प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है। ग्रन्थ प्रदाता श्री मोतीचन्द खजांची के संग्रहान्तर्गत इसमें ग्रन्थांक 4001 से 8000 तक के 2047 ग्रथों का समावेश है जिनमें से 1574 ग्रन्थ जैन विषयक हैं।

परम्परानुसार इस सूचीपत्र में ग्रन्थ कर्त्तानुक्रमणि एवम् लघुकृतियों के अलग-अलग परिशिष्ट जोड़े गये हैं जिससे शोधार्थी एवं जिज्ञासुगण समान रूप से लाभान्वित होंगे।

रचनाकाल की दृष्टि से महत्वपूर्ण ग्रन्थों में वि. सं. 1512 का कान्हड़दे प्रबन्ध 35(7808), 1636 वि. सं. की हीर कलश रचित सिंहासन बत्तीसी 239(5897), 1412 वि. सं. का गौतमस्वामीरास 782(5002) तथा 1493 वि. सं. की सुदर्शन सेठ कथा 1037(5268) आदि कृतियां परिगणनीय हैं। इसके अलावा इस संग्रह में पुराण, सन्त साहित्य, दर्शन, काव्य शास्त्र एवं भक्ति आदि के कई महत्वपूर्ण ग्रन्थ हैं। इसके साथ ही कुछ सचित्र व शोभन प्रतियां भी इस संग्रह में अलंकार स्वरूप हैं।

शैली किशनानी
आर. ए. एस.
निदेशक

भाग–18

सम्पादकीय

राजस्थानी-हिन्दी ग्रंथ सूची पत्र, भाग-2, मोतीचन्द खजांची संग्रह, बीकानेर में क्रमांक 4001-8000 तक के हिन्दी-राजस्थानी के 2047 ग्रंथों को शामिल किया गया है। इसमें दर्शन-4, धर्मशास्त्र-1, पुराण-19, इतिहास-9, ऐतिहासिक काव्य-5, काव्य-11, स्फुट काव्य-57, नीति शास्त्र-21, भक्ति शास्त्र-82, कथा वार्ता-38, नाटक-1, काव्य शास्त्र-12, व्याकरण-2, कोष-3, आयुर्वेद-47, ज्यौतिष-83, गणित-22, संगीत एवं नृत्य-3, काम शास्त्र-2, रत्न शास्त्र-2, मंत्र तंत्र शास्त्र-21, स्तुति स्तोत्र-28, जैनागम एवं दर्शन-44, जैन प्रकरण-137, जैनाचार-89, जैन रास-चउपई-352, जैन कथा गद्य-32, जैन स्तुति स्तवन-920 आदि ग्रंथ हैं। इसमें वास्तुशास्त्र एवं अन्य विविध ग्रंथ नहीं है। इस संग्रह में 473 अजैन एवं 1574 जैन ग्रंथ हैं। अधिकतर ग्रंथ 17वीं, 18 वीं शताब्दी में लिपीकृत हैं।

राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान शाखा कार्यालय बीकानेर की स्थापना 24-3-1962 को सम्मान्य संचालक मुनि जिन विजय जी द्वारा की गई। सर्व प्रथम श्री मोती चन्द खजांची ने ही अपने निजी हस्तलिखित ग्रंथ संग्रह के 6914 हस्तलिखित ग्रंथ इस शाखा को प्रदान किये थे। मोतीचन्द खजांची संग्रह के प्रदाता श्री मोतीचन्द खजांची का जन्म सन् 1925 में बीकानेर में हुआ था। आपके पिता का नाम श्री प्रेमचन्द खजांची एवं माता का नाम श्रीमती फताबाई था। आपका मुख्य व्यवसाय जवाहरात का था परन्तु आपकी रुचि कला, साहित्य एवं इतिहास में भी थी। इन विषयों में रुचि होने के कारण आप इन ग्रन्थों के अध्ययन के लिए प्राचीन ग्रंथों के ज्ञान भण्डारों में जाते रहते थे। सन् 1944 में आपने हस्तलिखित ग्रंथों के संग्रह का कार्य शुरु किया। इस संग्रह को आपने अपनी रुचि और अपनी ही प्रेरणा से अजमेर, किशनगढ़, चित्तौड़, उदयपुर, मारवाड़ एवं जैसलमेर आदि स्थानों से प्राप्त कर एकत्रित किया था। ग्रंथ संग्रह के साथ-साथ प्राचीन चित्रों के संग्रह में भी आपकी रुचि उत्पन्न हुई और हस्तलिखित ग्रंथों के संग्रह के साथ आपने हस्तचित्रों का भी संग्रह कर लिया। राष्ट्रीय महत्व की दृष्टि से सर्वसाधारण को आसानी से हस्तलिखित ग्रंथ उपलब्ध हो सके, ऐसा सोच कर इसके संरक्षण की जिम्मेदारी आपने राज. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, बीकानेर को सौंप दी। 3 मार्च, 1979 में आपका देहान्त हो गया।

इस संग्रह में रचनाकाल की दृष्टि से ये ग्रंथ महत्वपूर्ण हैं-35(7808) कान्हड़दे प्रबन्ध-पद्मनाभकवि, रचनाकाल 1512, 239 (5897) सिंहासन बत्तीसी-हीर कलश गणि, र. का-1636 वि. स., लि. का. 1679 वि. सं.; 782 (5002) गौतम स्वामी रास-विनयप्रभ, र. का. 1412 वि. सं. 1026 (5665), सिद्धचक्र-ज्ञानसागर उपाध्याय, र. का. 1531 वि. सं. 1037 (5268) सुदर्शन सेठ कथा कवित दीपचन्द ऋषि, र. का. 1493 वि. सं., 1751 (4764) शंखेश्वर स्तवन-हंसभवन सूरि, र. का. 1610 वि. सं.; 1939 (6912) सीमन्धर गीत-लावण्यसमय, र. का. 1562 वि. सं.।

लिपिकाल की दृष्टि से महत्वपूर्ण ग्रंथ हैं-3(5232) सत प्रश्नोत्तरी भाषा-मनोहर निरंजनी, लि. का. 1757 वि. सं., 73(4615) दातार-सूर संवाद पच्चीसी-शंकर बारहठ, लि. का. 1676 वि. सं., 134(6589) उपदेश-चौपई-वाजिंद, र. का. 1657, वाजिंद की अधिकतर रचनाओं का लिपिकाल भी यही है। 510 (5326) सिद्ध पंचाशिका बालाव बोध-देवेन्द्र सूरि, लि. का. 1651 वि. सं; 1623 (6722) महावीर स्तवन-समयसुन्दर, र. का. 1654 वि. सं., 1981 (6718) स्तम्भनक पार्श्वनाथ लघु स्तवन-समय सुन्दर, लि. का. 1654 वि. सं.।

अन्य विविध ग्रंथ हैं-526 (7294) उनसितर बोल-महाजनी लिपि में लिपीकृत एक लम्बा पत्र है; 531 (7295) गर्भ चेतावनी-जिनहर्ष, यह भी एक लम्बा पत्र है, 423 (7800) आभूषणों का नक्शा, इस ग्रंथ में आभूषणों के रंगीन चित्र हैं, 150(7812) जपजी साहिब-नानक कृत पंजाबी भाषा का ग्रंथ है, 247(7845) हितोपदेश चोरां भेद भाषा-यह ब्रज भाषा का ग्रंथ है, 1294(6561) चौबीस जिन गीत-जयसागर, लि. क. सुन्दर मुनि, यह शोभन प्रति है, 1888(5380) साधु वन्दना-समयसुन्दर, र. का. 1697, लि. का. 1775 वि. सं., 1912(7818) साधु वन्दना-रूपसुन्दर, र. का. 1624 वि. सं., र. का. 1884 वि. सं., 1956 (6486) सीहचलो छन्द-रूपचन्द, यह सिन्धी भाषा में लिपीकृत हैं।

इस संग्रह के अन्य महत्वपूर्ण ग्रंथ हैं-1(7672) गुणादि बोध-ध्यानदास, र. का. 1840 वि. सं, 11(7843) भागवत महापुराण एकादश स्कन्ध भाषा-चतुरदास शिष्य संतदास, र. का. 1642 वि. सं., लि. का. 1841 वि. सं., 14(6987) विजय-मुक्तावली (महाभारत भाषा)-छत्र कवि, लि. का. 1898 वि. सं., 39(7844) गुण रामरासौ-माधोदास दधवाड़िया, लि. का. 1841 वि. सं, 40(7784) जैन जवाहर-करणीदान कविया, र. का. 1947, करणीदान कविया का ही डिंगल शैली का एक अन्य ग्रन्थ है 43(7785) महरि मजेज. 50(7462) अजरूपदे रा दोहा, एक स्वतन्त्र रचना है, जो सूची पत्र क्रमांक 65 पर है खेमसायर कृत छप्पय-दोहादि यह रामदेवजी के जीवन चरित्र से सम्बन्धित है, लि. का.

1725 वि. सं. है; 105(5972) हीर रांझा छत्तीसी बसंत, लि. का. 1905, लि. क. रामसुख ऋषि, लि. स्था. बीकानेर । इसमें पंजाब की प्रसिद्ध प्रेम कथा वर्णित है, 114(7795) शिक्षा सार–नाथूराम मथेरण, लि. का. 1947, इसमें नीतिपरक 154 सोरठे हैं, 166 (6989) परमहंस गीता–धरमराय, लि. का. 1846, लि. क. राघोदास, 180 (7799) रामचन्द्राख्यान कवित्त–धर्मविजय, इसमें रामचन्द्रजी के जीवन के चरित सम्बन्धित कवित्त हैं; 199 (5823) साखियां जाभाणी– वील्ह आदि, इस रचना में जाम्भोजी के जीवन चरित सम्बन्धित वील्ह आदि विश्नोई कवियों की साखियां हैं, 206 (7648) हरिचन्द सत ग्रंथ–ध्यानदास, लि. का. 1840, 216(4367) प्रभावती की वारता, यह खड़ी बोली में लिखित प्रेम वार्त्ता है, 227(4292) वैरिसिंह कुंवर नो दृष्टान्त प्रेम सम्बन्धी राजस्थानी की अनोखी बात है, 239 (5897) सिंहासन बत्तीसी चौपई–हीरकलश गणि, र. का. 1636, लि. का. 1679 वि. सं. 250(7792) नैन रूपारस सांवतसिंह राजकुंवर, लि. का. 1947, यह शृंगार रस की रचना है । कुंवर सांवतसिंह की एक अन्य शृंगारिक रचना है 252(7794) बैन विलास, 251(7815) प्रवीणसागर, लि. का. 1838 वि. सं., यह काव्यशास्त्र का ग्रंथ है ।

डॉ. कृष्णलाल बिश्नोई,
वरिष्ठ शोध सहायक
राज. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान
बीकानेर ।

इस संग्रह में रचनाकाल की दृष्टि से ये ग्रंथ महत्वपूर्ण हैं–35(7808) कान्हड़दे प्रबन्ध–पद्मनाभकवि, रचनाकाल 1512, 239 (5897) सिंहासन बत्तीसी–हीर कलश गणि, र. का–1636 वि. स., लि. का. 1679 वि. सं.; 782 (5002) गौतम स्वामी रास–विनयप्रभ, र. का. 1412 वि. सं. 1026 (5665), सिद्धचक्र–ज्ञानसागर उपाध्याय, र. का. 1531 वि. सं. 1037 (5268) सुदर्शन सेठ कथा कवित दीपचन्द ऋषि, र. का. 1493 वि. सं., 1751 (4764) शंखेश्वर स्तवन–हंसभवन सूरि, र. का. 1610 वि. सं.; 1939 (6912) सीमन्धर गीत–लावण्यसमय, र. का. 1562 वि. सं.।

लिपिकाल की दृष्टि से महत्वपूर्ण ग्रंथ हैं–3(5232) सत प्रश्नोत्तरी भाषा–मनोहर निरंजनी, लि. का. 1757 वि. सं., 73(4615) दातार–सूर संवाद पच्चीसी–शंकर बारहठ, लि. का. 1676 वि. सं., 134(6589) उपदेश–चौपई–वाजिंद, र. का. 1657, वाजिंद की अधिकतर रचनाओं का लिपिकाल भी यही है। 510 (5326) सिद्ध पंचाशिका बालाव बोध–देवेन्द्र सूरि, लि. का. 1651 वि. सं; 1623 (6722) महावीर स्तवन–समयसुन्दर, र. का. 1654 वि. सं., 1981 (6718) स्तम्भनक पार्श्वनाथ लघु स्तवन–समय सुन्दर, लि. का. 1654 वि. सं.।

अन्य विविध ग्रंथ हैं–526 (7294) उनसितर बोल–महाजनी लिपि में लिपीकृत एक लम्बा पत्र है; 531 (7295) गर्भ चेतावनी–जिनहर्ष, यह भी एक लम्बा पत्र है, 423 (7800) आभूषणों का नक्शा, इस ग्रंथ में आभूषणों के रंगीन चित्र हैं, 150(7812) जपजी साहिब–नानक कृत पंजाबी भाषा का ग्रंथ है, 247(7845) हितोपदेश चोरां भेद भाषा–यह ब्रज भाषा का ग्रंथ है, 1294(6561) चौबीस जिन गीत–जयसागर, लि. क. सुन्दर मुनि, यह शोभन प्रति है, 1888(5380) साधु वन्दना–समयसुन्दर, र. का. 1697, लि. का. 1775 वि. सं., 1912(7818) साधु वन्दना–रूपसुन्दर, र. का. 1624 वि. सं., र. का. 1884 वि. सं., 1956 (6486) सीहचलो छन्द–रूपचन्द, यह सिन्धी भाषा में लिपीकृत हैं।

इस संग्रह के अन्य महत्वपूर्ण ग्रंथ हैं–1(7672) गुणादि बोध–ध्यानदास, र. का. 1840 वि. सं, 11(7843) भागवत महापुराण एकादश स्कन्ध भाषा–चतुरदास शिष्य संतदास, र. का. 1642 वि. सं., लि. का. 1841 वि. सं., 14(6987) विजय–मुक्तावली (महाभारत भाषा)–छत्र कवि, लि. का. 1898 वि. सं., 39(7844) गुण रामरासौ–माधोदास दधवाड़िया, लि. का. 1841 वि. सं, 40(7784) जैन जवाहर–करणीदान कविया, र. का. 1947, करणीदान कविया का ही डिंगल शैली का एक अन्य ग्रन्थ है 43(7785) महरि मजेज. 50(7462) अजरूपदे रा दोहा, एक स्वतन्त्र रचना है, जो सूची पत्र क्रमांक 65 पर हैं खेमसायर कृत छप्पय–दोहादि यह रामदेवजी के जीवन चरित्र से सम्बन्धित है, लि. का.

1725 वि. सं. है; 105(5972) हीर रांझा छत्तीसी बसंत, लि. का. 1905, लि. क. रामसुख ऋषि, लि. स्था. बीकानेर। इसमें पंजाब की प्रसिद्ध प्रेम कथा वर्णित है, 114(7795) शिक्षा सार-नाथूराम मथेरण, लि. का. 1947, इसमें नीतिपरक 154 सोरठे हैं, 166 (6989) परमहंस गीता-धरमराय, लि. का. 1846, लि. क. राघोदास, 180 (7799) रामचन्द्राख्यान कवित्त-धर्मविजय, इसमें रामचन्द्रजी के जीवन के चरित सम्बन्धित कवित्त हैं; 199 (5823) साखियां जाभाणी- वील्ह आदि, इस रचना में जाम्भोजी के जीवन चरित सम्बन्धित वील्ह आदि विश्नोई कवियों की साखियां हैं, 206 (7648) हरिचन्द सत ग्रंथ-ध्यानदास, लि. का. 1840, 216(4367) प्रभावती की वारता, यह खड़ी बोली में लिखित प्रेम वार्त्ता है, 227(4292) वैरिसिंह कुंवर नो दृष्टान्त प्रेम सम्बन्धी राजस्थानी की अनोखी बात है, 239 (5897) सिंहासन बत्तीसी चौपई-हीरकलश गणि, र. का. 1636, लि. का. 1679 वि. सं. 250(7792) नैन रूपारस सांवतसिंह राजकुंवर, लि. का. 1947, यह श्रृंगार रस की रचना है। कुंवर सांवतसिंह की एक अन्य श्रृंगारिक रचना है 252(7794) बैन विलास, 251(7815) प्रवीणसागर, लि. का. 1838 वि. सं., यह काव्यशास्त्र का ग्रंथ है।

डॉ. कृष्णलाल बिश्नोई,
वरिष्ठ शोध सहायक
राज. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान
बीकानेर।

विषय तालिका

राजस्थानी-हिन्दी हस्तलिखित ग्रंथ-सूची

भाग–१८

(मोतीचन्द खजाञ्ची संग्रह-बीकानेर)

राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

जोधपुर (राज०)

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1-दर्शन			
1	7672	गुणादि बोध	ध्यानदास
2	7545	देवलोक में इन्द्रनाम	
3	5232	शत प्रश्नोत्तरी भाषा	मनोहर निरंजनी
4	6258	स्वरोदय नाड़ी तत्त्व-विचार	
2-धर्मशास्त्र			
5	6901	साधु का नुकता	लालदास
3-पुराण			
6	6539	गणपत चौथ माता की कथा	
7	6542	गर्भोपनिषद् भाषा	अन्तर्यामी
8	6796	चित्रगुप्त कथा	
9	6673	नासिकेत उपाख्यान भाषा	
10	6682	" "	
11	7843	भागवत महापुराण एकादश स्कन्ध-भाषा	चतुरदास संतदास शिष्य
12	6795	महालक्ष्मीजी री कथा	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
10×14.5 17; 18	241–242	पूर्ण	1840	
27×12 18; 44	2	"	20वीं	साथ में—सात प्रकार के भय
29.4×10.8 12; 43	15	अपूर्ण	1757	लि.क. चेतनदास स्वामी शिष्य परमानन्ददास लि.स्था. नितुरी; प्रथम पत्र अप्राप्त
22.6×14 9; 20	7	पूर्ण	1927	जीर्ण; लि.क. जवाहर नेगी लि.स्था. पनारी
14.7×10.7 9; 14	6–112	अपूर्ण	19वीं	धर्मार्थकाम अध्ययन-पर्यन्त अप्राप्त पत्र 3-5
15×11.3 8; 16	2–10	"	1952	लि.क. सालग्राम; प्रथम पत्र अप्राप्त
31.5×14.5 14; 36	9	पूर्ण	19वीं	
11.3×9 10; 14	11–27	"	20वीं	पद्मपुराणगत
15.5×19 14; 20	1–60	अपूर्ण	1793	लि.क. दीपचन्द; आदि रहित
14.8×17.8 33; 18	7	पूर्ण	1803	लि.क. देवचन्द; लि.स्था. बाहड़मेर
22.5×30.5	1–81	"	1841	भा. र.का. 1692
11.3×9 10;14	1–10	"	20वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
13	6791	मुनि दत्तात्रेय चोवीस गुरु वार्ता	
14	6987	विजय मुक्तावली (महाभारत-भाषा)	छत्र कवि
15	6828	वैशाख मास कथा	
16	4716	शनि कथा	जोरावरमल कायस्थ
17	4912	शनि महाराज री कथा	गणपति
18	4830	शनिश्चर कथा	
19	5028	शनिश्चरजी की कथा	नगजी ओझा
20	6695	" "	
21	4981	शिवरात्रि कथा	
22	6256	सिवरात्रि नी पोथी	
23	7392	सूर्यकथा	
24	6960	सृष्टि पुराण (श्रीनाथजी का)	
4-इतिहास			
25	7429	ओशवंश व भोजकवंश उत्पत्ति	नानग कवि

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.सवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15.7×20 7 19; 16	7	अपूर्ण	1846	लि.स्था. देशनोक आदि अप्राप्त, किनारे फटे
17×20.7 14; 18	187	पूर्ण	1898	लि.क. चंनराम; लि स्था. कहुभरि
15×12 11; 16	12	"	20वीं	पद्मपुराणान्तर्गत
25.4×11.4 10; 39	9	"	"	
15.7×11.3 7; 17	54	"	"	र.का. 1820
24.9×12.7 12; 33	5	"	"	
15.2×9.8 8; 17	8-27	अपूर्ण	1865	लि.क. नगजी ओझा लि.स्था. लश्कर
16×11.3 10; 16	2	"	20वीं	आद्यन्त रहित
23×10 8; 18	10	पूर्ण	"	
25.9×14.9 12; 27	30	अपूर्ण	"	लि.क. खुशालचन्द अन्तिमांश अप्राप्त
11.5×8 4; 11	18-61	"	20वीं	आदि व अन्तिमांश रहित
27 5×9.8 8; 35	1-2	पूर्ण	20वीं	
23×11.3 10; 33	1	"	19वीं	जीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
26	6287	ओश वंशावली-साढे बारह न्यात	
27	7831	उदयपुर राणाओं की पीढी	
28	5677	चौरासी गच्छ नामावली	
29	6980	निम्बार्काचार्य परम्परा	
30	7311	पट्टावली (स्थानक वासी)	
31	4104	राजा रामसिंह की वार्त्तादि	
32	4102	राठोड़ां री वंशावली व पातशाही हकीकत	
33	6849	व्रज की वन यात्रा	
5(1)ऐतिहासिक-काव्य 34	7298	अमरसिंह राठौड़ रो सिलोको	
35	7808	कान्हड़दे प्रबन्ध	पद्मनाभ कवि
36	7079	जुगल विलास	पृथ्वीसिंह नृपति
37	6485	राठोड़ कुशलसिंह-शेरसिंह संवाद	
38	4512	राजा रतनसिंह की वचनिका	खड़िया जग्गा

माप सें. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.3×11.4 15;40	24	अपूर्ण	1903	लि.क. देवराज; लि.स्था. देशनोक अन्त में '24 बोल' है
19.5×26.7 30;21	164वां	पूर्ण	1884	
24.8×10.6 11;27	5वां	"	1890	वडगच्छ से आचलगच्छ तक; लि. स्था. बीकानेर
15.3×10.2 10;22	2	"	1923	
25×12 20;44	4	अपूर्ण	19वीं	टोडरमल तक (1846) लि.क. जोधराज माणकचंद शिष्य
17.5×11.7 11;19	12	"	"	स्फुट कृतियां हैं—1. आतम-सज्झाय 2. दान-सज्झाय 3. लावणी
25.3×11.5 15;41	15	"	20वीं	
16.7×26.5 22;22	24	"	19वीं	
18.7×15.5 13;24	1–3(क)	"	"	आदि का अंश अप्राप्त
26.8×11 13;39	2–52	"	17वीं	र.का. 1512; आद्यन्तरहित
13.8×13.8 12;22	71–83	"	19वीं	व्रजभाषा मिश्रित
17.2×20.9 25;19	8–11	पूर्ण	20वीं	लि. क पं. देवचंद लि. स्था. वालरवा
24.7×12.i 16;36	19–25	अपूर्ण	"	आद्यन्तरहित

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
5 (2) काव्य 39	7844	गुण रामरासो	माधोदास दधवाड़िया
40	7784	जैन जवाहर	करणीदान कविया
41	74 3	भर्तृहरी शतक-भाषा	सवाई प्रतापसिंह महाराजा
42	7677	भाव पंचाशिका	वृन्द कवि
43	7785	महरि मजेज	करणीदान कविया
44	4060	रामचन्द्रिका-सटीक	केशव कवि
45	4055	रूकिमणी विवाहलो	
46	4502	वृन्द सतसई	वृन्द कवि
47	4679	"	"
48	7829	"	"
49	5241	सुदामा चरित्र	
5 (3) स्फुट-काव्य 50	7462	अजकु:दे रा दोहा	

माप से. मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
22.5×30.5 32;31	83–116	पूर्ण	1841	
18 5×25 8 21;19	196-198	"	1947	डिंगल शैली में लिखित
13.2×7.5 70;15	2–4	अपूर्ण	20वीं	र.का. 1852; लि.क. फतेहलाल प्रथम पत्र अप्राप्त
18.5×25.8 21;19	24–34	पूर्ण	1947	र. का. 1743
18 5×25.8 21;19	198-205	"	"	डिंगल शैली में लिखित
29.5×16.7 18;51	4	अपूर्ण	19वीं	
22.7×10 13;36	2-10	"	1790	आदिहीन; लि.क. जयमल्ल मुनि लि. स्था. कोसाणा
24.5×10.8 16;45	9	"	20वीं	
15.8×12.1 9;18	1	"	"	केवल पांच दोहे हैं
19.5×26.7 30;21	141-162	पूर्ण	1884	ब्रज मिश्रित भाषा है; र.का. 1761 र. स्था. ढाका शहर
25.5×11.1 9;45	9	"	20वीं	
21×31.5 26;17	8	"	"	जीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
51	7625	अमृतध्वनि छन्द-दोहा	
52	4183	कक्का-बत्तीसी	
53	4909	" "	
54	6534	" "	लालचन्द
55	4910	" "	
56	6967	कवित्त	वीरबल
57	6173	कवित्त कुण्डलियां संग्रह	गङ्ग, केशरीसिंह जैतावत, वाजिद आदि
58	6524	कवित्त दोहा आदि	सुन्दरदास, लालऋषि, रेखलाल, दुलीचन्द, रामचरण, बनारसी आदि
59	6527	कवित्त सवैया-रेखता आदि	सुन्दरदास, प्रताप, चन्द्रमणि, रसखान, दुल्हे आदि
60	6100	कवित्त सवैया संग्रह	गङ्ग. सुन्दरदास. जिनहर्ष, माधोदास, तुलसी आदि
61	7832	कवित्त संग्रह	
62	5986	कुण्डलियाँ कवित्त आदि संग्रह	गंग कवि
63	6523	कुण्डलियाँ बावनी	धर्मसिंह

माप से मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×12.5 11;42	1	पूर्ण	20वीं	
25.1×12.1 15;36	20–21	"	19वीं	
21.7×11.7 13;29	3–4	"	"	
25.9×12.1 14;35	6	अपूर्ण	"	
21.7×11.7 13;39	4–6	"	"	अन्तरहित
28.5×13 13;34	प्रथम	पूर्ण	1860	
23.5×11.1 13;37	3–10	"	1885	लि. स्था. आणन्दपुर
26.5×12 13;28	5	अपूर्ण	20वीं	
15.2×22 13;13	1–45	पूर्ण	"	
26.1×12.8 19;39	3–7	अपूर्ण	19वी	जीर्ण; आद्यन्तरहित
19.5×26.7 30;21	166	पूर्ण	1884	
30.5×14.1 13;41	48-49	"	1905	अप्राप्त पत्र 56-85
15.9×11.7 16;24	2	अपूर्ण	19वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
64	7838	केशव बावनी	केशवदास लावण्यरत्न शिष्य
65	6537	खेमसायर कृत छप्पयदोहादि	खेमसायर
66	7787	गिरधर कवि की कुण्डलियां	गिरधर कविराय
67	6585	गुण अरिल्ल कवित्त	
68	7680	छूटक कवित्त-सवैया संग्रह	सुजान, घनानन्द भूषण, केसोदास आदि
69	7681	" "	घनानन्द आदि
70	7682	" "	हीर, सेवक, गोपीनाथ सूरत भूषण, वृन्द, मंडन, गंग आदि
71	5540	जोबन पच्चीसी	खोड़ीदास वृद्ध ऋषि शिष्य
72	7026	झालीजी रो गीत	
73	4615	दातार-सूर संवाद पच्चीसी	शंकर बारहट
74	5973	दोहा सवैया संग्रह	
75	7839	धर्म बावनी	धर्मसिंह विमलचन्द शिष्य
76	5978	नवरत्न-कवित्त	

माप से मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
19.5×26.7 30;31	208-212	पूर्ण	1894	र. का. 1736
15.6×10.5 45;26	2	,,	1725	लि. स्था जालोर
18 5×28.8 21;19	206-215	,,	1947	
13×14.5 18;20	22–24	,,	1657	
18.5×25.8 21;19	44–124	,,	1947	500 कवित्त हैं।
18.5×25.8 21;19	124-140	,,	,,	101 कवित्त हैं।
18 5×25.8 21;19	141-193	,,	,,	325 कवित्त हैं।
24.2×10.2 20;52	3–4	,,	1930	र.का. 1916; र.स्था. गोण्डल
10 6×7.9 8;12	2–3	,,	19वीं	
24.2×10.9 13;38	,,	,,	1676	लि. क. रूपसुन्दर
30.5×14.1 13;41	8–9	,,	1905	लि. क. रामसुख ऋषि लि. स्था. बीकानेर
19.5×26.7 30;31	212-220	,,	1894	र.का. 1725; र.स्था. रिणी चार पत्र अलिखित
30.5×14.1 13;41	13–14	,,	1905	लि. क. रामसुख ऋषि लि. स्था. बीकानेर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
77	7676	नवरत्न-कवित्त	
78	7786	नाथ कवि की कुण्डलियां	
79	6882	पद व कवित्त संग्रह	कबीर गद्द, मुंज
80	5259	प्रास्ताविक कवित्त	
81	7834	,, ,,	
82	6174	प्रास्ताविक दोहा संग्रह	
83	7806	,, ,,	
84	7304	फुटकर पहेलियां	उदैराज
85	7789	भूषण कवि के कवित्त	भूषण कवि
86	7070	भोजे मोहते की कुण्डलियां	
87	4596	यौवन-पच्चीसी	रायचन्द ऋषि
88	5681	,, ,,	,,
89	6815	वर्णात्मक सवैया संग्रह	तिलोक ऋषि

माप से. मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल वि सव।)	विशेष ज्ञातव्य
18 5×25 8 21; 19	22–24	पूर्ण	1947	
18.5×25 8 21; 19	205-206	,,	,,	
15×18 29; 24	1 वां	,,	1803	
24.5×11.2 15; 51	8-9	,,	1795	लि. स्था. विदुपुर
19.5×26 7 30; 21	167-194	,,	1884	322 नीति एवं जैन कवित्त हैं।
23 5×11.1 13; 37	10–11	,,	1885	लि. स्था. आणन्दपुर
15×12.8 19; 19	25–27	,,	1880	अन्त में जिन पद हैं।
18 7×15.5 13; 24	18–19	,,	19वीं	
18.5×25 8 21; 19	225-229	,,	1947	
13.4×9.8 11; 22	9वां	,,	19वीं	जीर्ण-शीर्ण एवं चिपके पत्र
21.1×9.9 16; 31	तीसरा	अपूर्ण	,,	र का. 1840; र.स्था. जोधपुर आदि का अंश अप्राप्त
25 6×11.6 13; 37	दूसरा	,,	,,	र.का. 1840; र.स्था. जोधपुर
24.7×11.7 19; 42	2–3	,,	,,	आद्यन्तरहित

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
90	4594	वय-पच्चीसी	रायचन्द ऋषि
91	6681	"	"
92	4960	शृंगारिक दोहा सवैया-संग्रह	कवि गंग, हेम, दलपत, वृषभाण आदि
93	5286	संगम बत्तीसी	मानकवि
94	7078	संजोग बत्तीसी	मान गिरापति
95	7303	समस्या गर्भित दोहे	
96	5627	सवैया-दूहा-संग्रह	गद्द, दान, नरहरि आदि
97	7526	" "	राय माधोसिंह
98	5931	सवैया संग्रह	केशव, जिनहर्ष, उदैराज
99	5971	"	शिवचन्द कवि
100	6909	"	दीन दरवेश
101	7027	सार बोल	गद्द कवि
102	6114	सिलोक दूहा प्रास्ताविक	

माप से. मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21.1×9.9 16;31	1–2	पूर्ण	19वीं	र.का. 1831; र स्था. डीडवाणा
17×11.2 11;26	3–4	"	20वीं	
19.8×8.7 10;29	7	"	1880	लि. स्था. नागौर
22.2×10.6 17;46	5	"	1828	र. का. 1731 लि. क. कुशलभक्ति गणि लि. स्था. पचपदरा
13 14×13.8 12;22	70वां	अपूर्ण	19वीं	र. का. 1731 अप्राप्त पत्र 1-69; कटे पत्र
18.7×15.5 13;24	17–18	पूर्ण	"	
25.1×11.6 16;46	3	"	"	
25×12.2 15;37	26–28	अपूर्ण	20वीं	
26.4×11.8 16;44	5	"	19वीं	
30.5×14.1 13;41	2–4	पूर्ण	1905	लि. क. रामसुख ऋषि लि. स्था. बीकानेर
16.5×10.9 11;26	2–3	"	20वीं	
10.6×7.9 8;12	तीसरा	"	19वीं	
25.8×11.5 15;41	2–7	अपूर्ण	"	लि.स्था. बीकानेर; अप्राप्त पत्र 1,4

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
103	5240	सूरत की बारखड़ी	सूरत
104	6302	हियाली-सार्थ	देपाल कवि
105	5972	हीर-रांझा छत्तीसी	बसंत
106	6368	" "	
(6) नीतिशास्त्र 107	7028	नीति कवित्त	
108	7796	मन शिक्षा ग्रंथ	
109	4087	राजनीति के कवित्त	देवीदास
110	7675	" "	"
111	6839	विनय आदि सवैया-संग्रह	
112	5969	विवेक बिलास भाषा	कुशला महर्षि
113	5981	" "	"
114	7795	शिक्षा सार	नाथूराम प्रथेरण
115	4833	शुभाक्षत	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.2×11.8 13;37	5	पूर्ण	20वीं	
24.7×11.9 12;36	2	"	"	
30.5×14.1 13;41	4-8	"	1905	लि. क. रामसुख ऋषि लि. स्था. बीकानेर
25.5×11.4 13;37	4	"	1888	
10.6×7.9 8;12	4-5	"	19वीं	
18.5×25 8 21;19	242-246	पूर्ण	1947	
10.3×11.9 17;15	20	अपूर्ण	1822	लि. क. जीवण व्यास लि. स्था. बीकानेर; स्फुट संग्रह
18.5×25.8 21;19	1-22	पूर्ण	1947	लि. क. रामनारायण
24.5×11.3 23;52	3-6	अपूर्ण	1818	लि.क. लिछमाजी; लि.स्था. जयपुर
30.5×14.1 13;41	प्रथम(व)	"	1905	लि. क. रामसुख ऋषि लि. स्था. बीकानेर
30.5×14.1 13;41	21-29	पूर्ण	"	
18.5×25.8 21;19	234-242	"	1947	154 सोरठा हैं
26.6×11.4 13;34	18	"	1831	लि. स्था. खाचरोद

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
116	5310	सज्जन दोहा	
117	7441	सज्जन विषयक प्रास्ताविक दोहा	
118	5192	सवासो सीख	धरमी उपाध्याय
119	5191	"	"
120	5932	"	"
121	6102	सुभाषित	
122	5260	सूक्तिमाला	केसर विमल
123	5261	"	"
124	5654	"	"
125	6101	"	"
126	5787	"	
127	6146	"	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.सवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21×10.9 8; 23	4	पूर्ण	1935	लि. क. अनूपचन्द्र लि. स्था. मकसूदाबाद
20.5×10 12; 30	2	„	20वीं	फटे पत्र
23.5×11.3 12; 33	3	„	1905	लि.क. वेणीदत्त; लि.स्था. जावरो
26×12.3 16; 49	2-4	„	20वीं	पहले जिनहर्ष कृत रिख बत्तीसी (अपूर्ण) है; प्रथम पत्र अप्राप्त
24.7×12.2 14; 30	1-3	„	19वीं	लि. स्था. सालावास
25.9×11.2 15; 39	12-15	अपूर्ण	17वीं	पत्र 1-11 अप्राप्त
24.8×12 11; 37	15	पूर्ण	20वीं	
23.3×10.8 13; 42	8	„	1806	र.का. 1754; लि.क. विद्याविजय लि स्था. पदलिप्तनगर
25.6×11.5 18; 45	7	अपूर्ण	„	र.का. 1754; लि.क. मोहनविमल लि. स्था. सिरोही नगर चौथा पत्र अप्राप्त
25.8×10.7 14; 49	6-9	„	1831	र. स्था. बीकानेर लि. क. उम्मेद रुचि लि. स्था. जालन्धर
25.6×10.6 14; 44	5	„	19वीं	जीर्ण-शीर्ण पत्र 1, 4, 5 टूटे हुए हैं।
23.7×11.3 12; 34	40-52	„	20वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(7) भक्ति साहित्य			
128	7788	अगरदास की कुण्डलियां	अगरदास
129	7217	अध्यात्म पद	आनन्दघन
130	7645	अमृतफल योग ग्रंथ	हरिदास
131	7290	आत्म पद	आनन्दघन
132	7790	इश्क चमन	नागरीदास ।मारहज
133	7679	उद्धव का कवित्त	
134	6589	उपदेश चौपई	वाजिद
135	7612	कबीर के पद	कबीर
136	7653	कबीर की परिचयी	
137	4202	कवित्त संग्रह	
138	6586	गुण चिट्ठी	
139	65 4	गुणनाम माला	
140	6587	गुण प्रेम नाम	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
18.5×28 8 21; 28	21८–25	पूर्ण	1947	
17.5×7.5 8; 22	23वां	"	1867	
10×14 5 17; 18	70–71	"	1840	लि. क. कृपाराम निरंजनी लि. स्था. सोजत
17 5×7.5 9; 24	38–39	"	1865	
18.5×25.8 21; 19	229-32	"	1947	
18.5×25 8 21; 19	35–44	"	"	कृष्ण सम्बन्धी कवित्त हैं।
13×14 5 18; 20	32वां	"	1657	
25×12 10; 40	1	"	20वीं	
10×14 5 17; 18	128-161	"	1840	
24.9×11.5 16; 35	8–10	अपूर्ण	1892	
13×14.5 18; 20	25–26	पूर्ण	1657	
13×14.5 18;20	13–32	"	"	लि क. वनमाली
13×14.5 18; 20	26-29	"	"	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
141	6582	गुण हरि उपदेश	
142	7659	गुरुदेव को अंग-साखी	हरिदास
143	7673	" "	"
144	7660	गुरु शिष्य पारिख को अंग	"
145	7666	चाणिक को अंग	"
146	7663	चितावणी को अंग	"
147	6581	चेतावणी के अंग की चोपई	
148	7092	चेतावणी ग्रंथ	
149	7323	चौमासा-कान्हरुक्मिणी	
150	7812	जपजी साहिब	नानक
151	6310	तरक चेतावनो	सुन्दरदास
152	7791	नागरीदास के पद	नागरीदास महाराज
153	7793	"	"

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
13×14.5 18;20	9–10	पूर्ण	1657	
10×14.5 17;18	204-205	"	1840	लि. क. कृपाराम निरंजनी लि. स्था. सोजत
10×14.5 17;18	246-280	"	"	
10×14.5 17;18	205-206	"	1840	लि. क. कृपाराम निरंजनी लि. स्था. सोजत
10×14 5 17;18	216-219	"	"	" "
10×14.5 17;18	209-112	"	"	" "
13×14 5 18;20	1–8	"	1657	
10×7.7 8;13	2–9	अपूर्ण	20वीं	आदिरहित
13.5×9.8 11;20	2	पूर्ण	19वीं	
16×9 7;20	108	"	"	पंजाबी में लिखा हुआ है।
20.2×13.2 16;32	1–4	"	"	
18.5×25.8 21;19	232वां	"	1947	
18.5×25.8 21;19	233वां	"	"	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
154	7639	नाम निरूपण ग्रथ	हरिदास
155	7638	नाम माला ग्रंथ	"
156	7455	निर्गुण पद एवं दोहे	कबीर, आनन्दघन, नानक
157	7646	निरंजन लीला ग्रन्थ	हरिदास
158	7656	निवृत्ति प्रवृत्ति योग ग्रन्थ	"
159	7651	नैनूंदास के पद	नैनूंदास
160	6697	पद कृष्ण बधाई	कृपानिवास
161	7637	पद व कवित्त	धनसुख
162	7315	पद संग्रह	आनन्दघन
163	7662	परचा को अंग	हरिदास
164	7181	प्रभुदर्शन स्तुति पत्र	रामदास
165	7166	प्रभु विनती पद	
166	6989	परमहंस गीता	धरमराय

माप से मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
10×14 5 17;18	53–57	पूर्ण	1840	लि. क. कृपाराम निरंजनी लि स्था. सोजत
10×14.5 17;18	52–53	,,	,,	लि. क. कृपाराम निरंजनी लि.स्था. सोजत
12.1×31 36;18	8वां	,,	20वीं	
10×14.5 17;18	71–74	अपूर्ण	1840	अप्राप्त पत्र 72वां
10×14.5	172-177	पूर्ण	,,	
10×14.5 17;18	114-115	,,	,,	
31×14.5 11;38	7	,,	1881	
11.7×48 5 47;18	1	,,	20वीं	साथ में— 1. नेमी जिनप्यारा पद-सेवक 2. कवित्त
25×11 10;34	12	,,	19वी	
10×14.5 17;18	208-209	,,	1840	लि. क. कृपाराम निरंजनी लि. स्था. सोजत
17.5×7.5 8;22	8वां	,,	1887	
17.5×7.5 8;22	तीसरा	,,	19वीं	
21.3×21.5 27;32	52	,,	1846	लि. क. राघोदास

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
167	7493	भक्ति परक दोहे व चौपई	
168	7649	भरथरी महिमा पद	कालू
169	7667	भरम विध्वंस को अंग	हरिदास
170	7668	भेख को अंग	"
171	7642	मन अन्त योग ग्रन्थ	"
172	7643	मन उपदेश ग्रन्थ	"
173	7664	मन को अंग	"
174	7641	मन प्रसंग योग ग्रन्थ	"
175	7644	मन विधो संयोग ग्रन्थ	"
176	7640	मन हठ ग्रन्थ	"
177	7665	माया को अंग	"
178	7658	योग ध्यानयोग ग्रन्थ	"
179	7657	योग मूल सुख योगादि ग्रन्थ	"

माप से मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21 × 10 7 11;30	2	पूर्ण	20वीं	
10 × 14 5 17;18	109-112	"	1840	
10 × 14.5 17;18	219-220	"	"	लि. क. कृपाराम निरंजनी लि. स्था. सोजत
10 × 14.5 17;18	220-221	"	"	" "
10 × 14.5 17;18	61–63	"	"	" "
10 × 14.5 17;18	63–65	"	"	" "
10 × 14.5 17;18	212-214	"	"	" "
10 × 14.5 17;18	60–61	"	"	" "
10 × 14.5 17;18	65–70	"	"	" "
10 × 14.5 17;18	57–60	"	"	" "
10 × 14.5 17;18	214-216	"	"	" "
10 × 14.5 17;18	200-204	"	"	" "
10 × 14.5 17;18	117-200	"	"	" "

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
180	7799	रामचन्द्राख्यान कवित्त	धर्मविजय
181	7670	राम भक्ति पद	
182	4016	रामाज्ञा प्रश्नावली	तुलसीदास
183	6630	रुक्मिणी सम्बन्धित पद	
184	6966	रेखता तूती का	सुन्दरदास
185	5970	रेखता संग्रह	
186	4660	वल्लभाख्यान	गोपालदास
187	4642	विचारमाला	अनाथदास
188	7661	विरह को अंग	हरिदास
189	6311	विवेक चिंतामणी	सुन्दरदास
190	7654	वीररस वैराग्य ग्रन्थ	हरिदास
191	7647	शब्द पृच्छा योग ग्रन्थ	"
192	69 3	शब्दवाणी	कबीर

माप से. मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×11.5 16;42	5	पूर्ण	19वीं	
10×14.5 17;18	233-237	"	1840	साथ में राम-सीता, हनुमान आदि के दो चित्र हैं।
30.8×14.5 14;53	11	अपूर्ण	"	क्षतिग्रस्त; प्रथम पत्र त्रुटित
13×12.4 10;14	15	"	19वीं	
28.5×13 13;34	प्रथम	पूर्ण	1860	
30.5×14.1 13;41	"	"	1905	लि. क. रामसुख ऋषि लि. स्था. बीकानेर
13.9×17.3 16;16	14	"	19वीं	
20×12 11;24	16	"	"	र. का. 1726
10×14.5 17;18	206-208	"	1840	लि. क. कृपाराम निरंजनी लि. स्था. सोजत
20.2×13.2 16;32	4-5	"	19वीं	
10×14.5 17;18	161-167	"	1840	
10×14.5 17;18	74-78	"	"	
25.5×11.2 7;28	2	"	19वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
193	6934	शिक्षा पत्र सं. 5 से 40 सार्थं	हरिराय
194	6988	श्वास गुंजार ग्रन्थ	
195	7302	सगुण भक्ति के एक सौ सात दोहे	सुखदेव
196	6991	सत्य कबीर वाणी	कबीर, धरमराय
197	6900	सनेह लीला	रसिकराय
198	7669	सांच को अंग	हरिदास
199	5823	साखियां जाम्भाणी	वील्ह आदि
200	6588	साखी सती नामों की	वाजिंद
201	7650	साध का ब्योरा	
202	6992	सोढी मुलकी आदि	कबीर, धरमराय
203	7093	सुख संवाद ग्रन्थ	
204	5822	सुरजनजी का हरजस	सुरजनदास पूनिया
205	7655	सूर समाधि योग ग्रन्थ	हरिदास

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15×25 22;22	11–52	पूर्ण	1872	लि. क. खेतसी व्यास
21.3×21.5 27;32	41	"	1846	लि. क. राधोदास
18.7×15.5 13;24	7–13	"	1801	
15×20 18;16	40	"	19वीं	
14.6×10 8 7;11	28	"	1890	लि. क. आनन्दीबक्स गोड लि. स्था. रामगढ
10×14.5 17;18	221-233	"	1840	लि. क. कृपाराम निरंजनी लि. स्था. सोजत
29.3×13.3 13;40	40	"	20वीं	विश्नोई सम्प्रदाय के संस्थापक जाम्भोजी से सम्बन्धित
13×14.5 18;20	30–31	"	1657	
10×14.5 17;18	112-114	"	1840	
15×20 18;16	90	"	19वीं	
10×7.7 8;13	10–19	अपूर्ण	20वीं	
29.1×13.3 13;55	3	पूर्ण	"	विश्नोई सम्प्रदाय एवं जाम्भोजी से सम्बन्धित संत साहित्य की रचना
10×14.5 17;18	167-172	"	1840	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
206	7648	हरिचन्द सत ग्रन्थ	ध्यानदास
207	6339	हरिजस	
208	7652	हरिदास के फुटकर पद	हरिदास
209	6309	हरिबोल चिं ावणी	सुन्दरदास
(8) कथा वार्ता			
210	6484	अचलदास खीची री वार्ता	
211	6483	अनवर शहजादी का किस्सा	
212	5633	चंदकुंवर री वार्ता	
213	6558	" "	
214	6629	ढोला मारू री वार्ता	
215	6031	ढोला मारू री वार्ता (दूहा)	
216	4367	प्रभावती की वार्ता	
217	6175	पांच सहेल्या री वार्ता (दूहा)	छीहल कवि
218	5632	बींझा-सोरठ री वार्ता	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
10×14.5 17;18	79–180	अपूर्ण	1840	79वां पत्र अप्राप्त
21.2×10 6 6;15	3	पूर्ण	20वीं	
10×14.5 17;18	116-127	"	1840	
20.2×13.2 16;32	प्रथम	"	19वीं	
17.2×20.9 25;19	1–7	"	20वीं	लि. क. पं. देवचन्द्र लि. स्था. बालरवा
19.3×13.7 9;20	31–38	अपूर्ण	"	उर्दू मिश्रित भाषा
21.7×12.5 11;29	18–27	"	19वीं	
16×11.5 10;20	14	"	1838	लि. क. दीपविजय बीच में असम्बद्ध पत्र हैं
13×14.4 10;14	7	"	19वीं	आदिरहित
15.5×11.5 9;18	9	"	"	दोहा 204 से 308 तक
26.5×12.9 14;41	15	पूर्ण	20वीं	
23 5×11.1 13;37	11–13	"	1885	र.का. 1575; र.स्था. आणन्दपुर
21.7×12.2 11:29	1–18	अपूर्ण	19वीं	तीसरा पत्र अप्राप्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
219	6874	बींझा-सोरठ री वार्ता (दूहा)	
220	6999	" "	
221	7842	मधुमालती चौपई	चतुर्भुजदास
222	6792	राजा भोज-डोकरी री बात	
223	4012	राजा रिसालु री वार्ता	चारण नरवदो
224	4029	" "	"
225	6815	" "	"
226	6567	विलायत री वार्ता	बुलाकीदास खत्री
227	4292	वैरिसिंह कुंवर नो दृष्टांत	
228	4653	वैरिसिंह कुंवर नो बावना चन्दन चौपई	मोहन विमल
229	5311	सदावत्स सावलिंगा री बात	
230	5312	" "	
231	5313	" "	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.सवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15 × 18 29; 24	1–6	पूर्ण	1803	लि. क. देवचन्द्र लि. स्था. बाहड़मेर
11.8 × 14.2 15; 14	4-9	,,	20वीं	
23.5 × 25.5 24; 28	74	,,	,,	जीर्ण
10.3 × 40 56; 20	2	,,	19वीं	
24.3 × 12.7 14; 34	39	,,	18वीं	लि. स्था. बीकानेर
24.5 × 10 6 13; 36	10	,,	19वीं	
11.8 × 10 15; 30	35	,,	,,	लि.क. लालचंद; लि स्था. बादला
16.3 × 25.5 33; 22	8वां	,,	20वीं	र. का. 1684
25.2 × 10.9 13; 39	9	,,	,,	
26.4 × 11.3 15; 45	23	,,	19वीं	र.का. 1758; र.स्था देवगढ़
25.8 × 11.9 13; 50	4	अपूर्ण	20वीं	अन्तरहित
25.2 × 10.5 14; 40	2–22	,,	1855	लि. क. शम्भू आर्या लि.स्था. वारखाड़ (बीकानेर) आदिरहित
25.3 × 10.9 10; 32	34	पूर्ण	1859	लि. क. भवानी

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
232	5628	सदावत्स सार्वलिगा री वात	
233	7077	सदावत्स सार्वलिगा री वार्ता	
234	4518	सिंहासन बत्तीसी	हीरकलश गणि
235	5227	सिंहासन बत्तीसी चौपई	"
236	5228	" "	"
237	5229	सिंहासन बत्तीसी वार्ता (गद्य)	
238	5812	" "	"
239	5897	सिंहासन बत्तीसी चौपई	हीरकलश गणि
240	5954	" "	"
241	6104	" "	
242	6221	सिंहासन बत्तीसी (पद्य)	कवियण
243	5815	सुलेमान पातशाह री वार्ता	

माप से मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.9×11.7 15;36	17	अपूर्ण	19वीं	
12.5×14.3 11;14	24–31	,,	20वीं	आद्यन्तरहित
25.4×12.6 20;40	21–41	,,	19वीं	,,
27.1×11.2 16;48	57–143	,,	1804	आदिहीन; र. का. 1636 लि. क. भवानी लि. स्था. कोटला शहर
25.5×11.1 17;48	61	पूर्ण	18वीं	
24.7×11.7 11;28	48	,,	1902	लि. क. पदमचन्द्र लि. स्था. वालेचर नगर
23.5×10.7 15;40	19	,,	19वीं	र. का. 1717
27.6×12.4 15;40	59	,,	1679	र.का. 1636; लि.स्था. लाभपुर
24.8×10.7 16;46	2	अपूर्ण	19वीं	
25.5×11 18;35	2–34	,,	18वीं	आद्यन्तहीन सिंहासन बत्तीसी के आधार पर जैन कथाएं ढाल—चौपई में। मूल संस्कृत में हैं;
23.5×11.8 16;42	2–52	,,	19वीं	क्षतिग्रस्त; पत्र 49वां अप्राप्त
26.1×11.6 7;24	11	पूर्ण	20वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
244	5816	सुलेमान पातशाह री वार्ता	
245	6323	हितोपदेश-भाषा	
246	6327	हितोपदेश बालावबोध	
247	7845	हितोपदेश चोरांभेद-भाषा	
(9) नाटक 248	5282	सभासार नाटक	रघुराम कवि
(10) काव्यशास्त्र 249	7816	छन्द रत्नावली	हरिरामदास निरंजनी
250	7792	नैनरूपा रस	सावंतसिंह राजकुंवर
251	7815	प्रवीनसागर	
252	7794	बैन विलास	"
253	7797	रसरत्न ग्रंथ	सूरत कवि
254	4058	रस रहस्य	कुलपति मिश्र
255	4077	रसिक प्रिया (सटीक)	केशव कवि
256	7828	" "	"

माप से मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
19.8 × 11.4 8; 24	11	अपूर्ण	20वीं	अन्तरहित
25.7 × 11.6 18; 34	55	"	"	"
25.8 × 11.3 15; 39	92	"	18वीं	"
25.5 × 30.5 32; 21	116-163	पूर्ण	1876	लि. क. जेठमल महात्मा लि. स्था. फलोधी
28·1 × 12 16; 53	14	"	1846	र.का. 1757; लि.क. रार्यसिंह
33 × 27.5 22; 50	99–104	"	20वीं	र. स्था. डीडगढ़
18.5 × 25.8 21; 19	232-233	"	1947	
33 × 27.5 22; 50	1–99	"	1838	
18.5 × 25.8 21; 19	233-234	"	1947	
18.5 × 25.8 21; 19	246-252	"	"	र. का. 1768
25.2 × 10.7 10; 35	78	अपूर्ण	19वीं	अन्तरहित; 77वां पत्र अप्राप्त
22.6 × 11.8 10; 21	18	"	20वीं	"
19.5 × 26.7 30; 21	98–141	"	1884	ब्रजभाषा मिश्रित

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
257	4049	रूपदीपक	जयकृष्ण कटारिया
258	7798	रूपदीपक भाषा ग्रंथ	भवानीदास कटारिया कृपाराम शिष्य
259	4123	लघु पिंगल	चेतन विजय
260	5160	सुन्दर श्रृंगार वर्णन	सुन्दरदास
(11) व्याकरण 261	4523	व्याकरण पत्र	
262	5131	सारस्वत प्रक्रिया	
(12) कोश 263	5284	सभा-श्रृंगार	
264	5844	"	
265	7841	सहस अठोतरी नाम मालिका	
(13) आयुर्वेद 266	7459	औषधि-नुस्खा	
267	7461	औषधि-नुस्खा (खाज-खसरे का)	
268	7460	औषधि-नुस्खा (मुंह के छाला व आंख का)	
269	6519	औषधीय-योग	

माप से. मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत)	विशेष ज्ञातव्य
26.6×12.4 10;32	12	पूर्ण	20वीं	
18 5×25 8 21;19	252-259	,,	1947	र. का 1776
24.9×12.5 12;31	4	अपूर्ण	20वीं	
28.3×12 9 12;30	38	पूर्ण	1880	र. का. 1688 लि. क. मनसुख कन्दोई
21.6×11.5 13;29	3	अपूर्ण	20वीं	
23.7×11.5 19;54	5	,,	,,	पंचसन्धि के बाद
25.7×10.5 17;55	13	पूर्ण	1762	लि. क. महिमाविजय
26.1×12.1 17;42	9	,,	1895	लि. क. वदचन्द रूपचन्द
19.5×26.7 30;21	230-235	,,	1894	अपरनाम-जिन सहस्र नामावली
14.1×23.2 19;15	4	,,	1954	
17×35.5 32;27	1	,,	20वीं	
10.5×36 44;15	1	,,	1954	
15×12 7;14	33-54	अपूर्ण	19वीं	आद्यन्तरहित

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
270	6520	औषधीय-योग	
271	7358	फुटकर औषध-योग	
272	7610	फोड़ा व गांठ की औषधी (अभ्रक भस्म विधि)	
273	4083	रस-प्रकरण	
274	4072	रस मंजरी	
275	4081	रसादि निर्माण विधि	
276	4020	रामविनोद	
277	4021	"	
278	4076	"	
279	4095	"	रामचन्द्र गणि
280	4511	वैद्यक औषध प्रयोग	
281	4555	"	
282	4510	वैद्यक कल्पादि प्रयोग	

माप से मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.4 × 11 10;31	1–2	अपूर्ण	19वीं	
11 × 13.5 15;13	47	पूर्ण	,,	
10 8 × 1˚.5 18;14	1	,,	20वीं	
17 × 22.4 19;20	6	अपूर्ण	,,	स्फुट संग्रह
29 × 12.9 9;31	39	,,	,,	अन्तरहित
28.7 × 13.2 10;36	13	,,	19वीं	लि. क. हरकृष्ण लि. स्था. नागौर; स्फुट संग्रह 11वां पत्र अप्राप्त
26.6 × 13.9 11;31	12	,,	,,	अन्तरहित
26 × 11 18;41	3–12	,,	,,	क्षतिग्रस्त; आद्यन्तरहित 5वां पत्र अप्राप्त
25.8 × 11.4 13;44	68–73	,,	,,	आद्यन्तरहित
28.5 × 13.1 12;34	115	पूर्ण	1858	र. का. 1770 लि. क. हरकृष्ण मोहता लि. स्था. नागौर
24.8 × 11 11;31	4	अपूर्ण	20वीं	स्फुट पत्र
26 × 11.6 14;40	3	,,	19वीं	स्फुट पत्र; आद्यन्तरहित
24.3 × 10 13;34	104	,,	,,	,,

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
283	4273	वैद्यक ग्रन्थ	
284	4276	"	
285	4277	"	
286	4618	वैद्यक नाड़ी परीक्षादि	
287	4552	वैद्यक पत्र	
288	4553	"	
289	4554	"	
290	4626	वैद्यक सारोद्धार	
291	4617	वैद्य-मनोत्सव	नैनसुख
292	4628	"	"
293	4658	"	"
294	4279	"	नैनसुख केशवराज शिष्य
295	4280	"	"

आप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
27.4×12.1 11;38	14	अपूर्ण	19वीं	स्फुट पत्र; अन्तरहित; क्षतिग्रस्त
17.5×11.1 8;24	7–153	„	„	आद्यन्तरहित; अप्राप्त पत्र 1-6,8, 98-134
25.9×11 11;24	2–4	„	20वीं	लि. क. मोतीचन्द साधु लि. स्था. रामपुरा-कोटा आदिरहित; स्फुट पत्र
24.2×10.5 16;45	2	„	„	अन्तरहित
25.5×10 13;47	128-132	„	18वीं	आद्यन्तरहित; क्षतिग्रस्त
24.8×11.4 14;37	4–7	„	19वीं	„ , स्फुट पत्र
23×10.5 13;37	18–21	„	20वीं	„ „
26.3×13.4 13;36	11	„	19वीं	अन्तरहित
21.8×11.5 10;27	8	„	20वीं	„
22.8×11.8 11;34	27	„	„	„ , छठा पत्र अप्राप्त
21.1×10.5 9;24	18–31	„	1845	लि.क. परसराम; लि.स्था. कृष्णगढ़; आदिरहित
26.2×12.4 12;34	19	पूर्ण	1908	र. का. 1649
25.2×10.5 17;50	10	अपूर्ण	19वीं	अन्तरहित

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
296	4281	वैद्य-मनोत्सव	नैनसुख केशवराज शिष्य
297	4282	"	"
298	4416	"	"
299	4492	"	"
300	4425	वैद्य स्फुट-पत्र	
301	4426	"	
302	4664	वैद्यरत्न	जनार्दन भट्ट
303	5862	शालिहोत्र (अश्व चिकित्सा)	चेतनचन्द्र
304	6925	"	
305	5779	संतान होवण रो उपचार	
306	6606	सर्वजहर प्रयोग	
307	6254	सर्वरोग चिकित्सा	
308	6222	सार संग्रह	गंगाराम पुरुषोत्तम शर्मा शिष्य

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21.1×11.2 11;23	21	अपूर्ण	20वीं	अन्तरहित
21.2×10.4 9;22	17	"	"	"
25×11.1 7;18	94	"	1938	लि. क विष्णुचन्द्र लि. स्था. समाणा अप्राप्त पत्र 47-56, 80
21.7×11.3 11;24	4	"	20वीं	अन्तरहित
25.2×12.3 18;40	4	"	19वीं	"
25.1×12.5 17;43	11	"	"	" अप्राप्त पत्र 1-6
32.1×15.7 16;50	34	पूर्ण	1904	क्षतिग्रस्त
33.3×16.1 10;28	29	"	1962	लि.क. जानकीदास वैष्णव लि. स्था. कृष्णगढ़
16.5×22.5 25;20	5–13	अपूर्ण	19वीं	आद्यन्तहीन
25.6×11.8 13;42	1	पूर्ण	1955	
15.2×21.5 29;26	8–10	"	1934	लि. क. जसराज मथेरन
25.9×14.9 12;57	12–56	अपूर्ण	20वीं	लि क. खुशालचन्द; अन्तरहित
23.9×11.6 14;33	7–22	"	"	आदिरहित

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
309	4815	सुश्रुत शरीर-भाषा	
310	7582	स्तम्भन औषधि नुस्खे	
311	7486	स्त्री रोग चिकित्सा	
312	6348	हिम्मति प्रकाश (माधव निदान भाषान्तर)	श्रीपति भट्ट पुरुषोत्तम शिष्य
(14) ज्योतिष 313	7443	अर्घकाण्ड फलम्	
314	5968	अ-व-ज-दी प्रश्नावली	
315	5980	" "	
316	7317	एकादश भावफल	
317	6529	एक सो अठावन प्रकृति	
318	7132	ग्रहण जानने की विधि	
319	7333	चन्द्रार्की सारणी	
320	7127	चैत्रा ख्रात चक्र	
321	7224	चैत्री पूनम व अमावस्या विचार	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26.6×11.4 11;38	46	पूर्ण	1756	क्षतिग्रस्त
25.6×10.9 14;53	1	"	19वीं	
16.2×12.3 13;17	3	"	"	
30.8×15.4 14;40	53	"	1901	लि. क. विजैराम दुर्जनदासोत लि. स्था अजमेर
13 2×68 43;13	1	"	20वीं	
30.5×14 1 13;41	प्रथम	अपूर्ण	1905	लि. क. रामसुख ऋषि लि.स्था. बीकानेर; आदि अप्राप्त
30.5×14.1 13;41	16-20	पूर्ण	"	
24.5×11 12;38	2	"	20वीं	
25.2×11 6	3	"	1843	लि.क. दोला पंडित; लि.स्था. भगू
17×13 17;23	छठा	"	20वीं	
26×13	8	अपूर्ण	18वीं	जीर्ण-शीर्ण
17×13 17;23	प्रथम	पूर्ण	20वीं	
15.5×15 10;15	3	अपूर्ण	"	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
322	7366	ज्योतिष-पत्र	
323	7519	"	
324	6600	ज्योतिष प्रश्नावली	
325	7368	ज्योतिष मंत्र आदि पत्र	
326	7341	ज्योतिष सारणी पत्र	
327	7342	ज्योतिष सारणो पत्र	
328	7520	ज्योतिष सारणी पत्र	
329	6449	ज्ञान गगन स्वरोदय	रणजीत, मुरली शिष्य
330	6947	" "	चरणदास
331	7420	तुर्की शकुनावली	
332	7135	दुघड़िया विचार	
333	6605	दोष-पृच्छा	
334	7367	दोष शकुनावली	

माप से मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
9.5×11.5 18;12	5-6	पूर्ण	20वीं	
26×11.3 19;38	4	"	19वीं	
20.8×10.5 10;24	9–12	"	20वीं	
9 5×11.5 18;12	8–21	"	"	
26.3×12	7	अपूर्ण	19वीं	स्फुट पत्र
26×13.5 10;30	12	"	"	"
28×14.8	14	पूर्ण	"	
25.5×10.5 92;4	21	"	1850	लि. क परसराम
17.5×13 9;14	2–34	अपूर्ण	1907	
11×8 2 10;17	33–36	पूर्ण	1831	
24.5×16.5 10;32	8	"	20वीं	
15.2×21.5 29;26	6–7	"	1934	
9.5×11.5 18;12	6–7	"	20वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
335	7128	नक्षत्र फल	
336	6679	नाड़ी रे बाड़ि आदि का लेखा	
337	6663	नाम राशि फल	
338	7131	पल्लीपतन विचार	
339	7616	पुरुष-स्त्री जन्म पत्री देखवा री विधि	
340	6749	प्रश्न आम्नाय पत्र	
341	7331	भोम वक्र मार्कादि यंत्र	
342	7400	भोमदशा ज्योतिष पत्र	
343	7552	महादेवी टीका	
344	7329	मास काढणे री विधि	
345	4068	रमल शकुनावली	
346	6955	रमल शकुनावली	
347	7466	रमल शकुनावली	

माप से मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17 × 13 17; 23	दूसरा	पूर्ण	20वीं	
21 × 25.8 34; 32	1	"	"	
25.2 × 11.5 9; 46	2	"	1853	लि. क. माणिक्यराज मुनि
17 × 13 17; 23	चौथा	"	20वीं	
16.2 × 6.3 7; 20	1	"	"	
27 × 12.5 12; 21	13	"	"	
25.2 × 11.2	2	"	"	
27 × 13.5	2	अपूर्ण	"	स्फुट पत्र
20.7 × 11 20; 62	1	पूर्ण	1849	लि. स्था. बिलाड़ा; साथ में "उपकरण निकालने की विधि"
24.5 × 13.2	2	"	19वीं	
24 × 10.5 13; 35	4	"	"	लि. क. हुकमविजय
16 × 12.3 12; 30	46–54	"	1881	
24.8 × 10.8	2	"	19वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
348	4003	रमल शास्त्र	
349	4004	रमल शास्त्र	
350	4066	रमल शास्त्र	
351	4086	रमल शास्त्र	
352	6814	रमल-सार पत्र	
353	4048	रमल सूत्र	
354	4080	राशि फल	
355	4001	रोहिणी विचार	
356	4164	लग्न फलादि	
357	4210	लग्न साधन विधि	
358	4636	विवाह पटल-भाषा	
359	4233	व्यवहार सूत्र चूलिका	
360	4903	शकुन दीपिका चौपई	जयविजय देवजय शिष्य

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×11.9 20;50	2	अपूर्ण	20वीं	आदिहीन; क्षतिग्रस्त
25.8×11.6 10;33	21	पूर्ण	19वीं	अन्त में 'द्रोणपृच्छा' है
27.5×11.9	35–109	अपूर्ण	1882	क्षतिग्रस्त; अप्राप्त पत्र 88, 89
25.8×12 10;42	12	"	19वीं	क्षतिग्रस्त; स्फुट पत्र
26.5×12 15;48	7	"	"	स्फुट पत्र
24.2×11.8 14;39	3	"	20वीं	अन्तरहित
26×11 14;53	1	पूर्ण	19वीं	स्फुट पत्र
25.6×10.5 18;55	3	अपूर्ण	"	अन्तरहित
23.8×10.8 11;33	5	"	"	"
22.1×11.2 13;31	3	पूर्ण	20वीं	
23.4×12.5 11;21	5	"	"	
24.5×10.2 11;36	2	"	19वीं	
26.1×11 18;47	9	"	"	लि. क. धनजी मुनि

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
361	6528	शकुन पृच्छा	
362	6924	शकुन प्रश्नावली	
363	5974	शकुन बत्तीसी	डूरभूजी सांखला
364	5976	"	"
365	6935	शकुन विचार	
366	4739	शकुनावली	
367	4740	"	
368	4741	"	
369	4742	"	सतीदास पण्डित
370	4743	"	गर्ग ऋषि
371	4872	"	
372	4873	"	
373	4940	"	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15.2×22 13;13	46–79	पूर्ण	20वीं	
16×11.6 10;24	21	"	19वीं	
30 5×14 1 13;41	9–10	"	1905	लि. क. रामसुख ऋषि लि. स्था. बीकानेर
30 5×14.1 13;41	11–12	"	"	लि क. रामसुख ऋषि लि. स्था. बीकानेर
23 5×10.2 15;40	3	"	19वीं	
26 6×11.7 12;46	6	अपूर्ण	20वीं	अन्तरहित
25 8×11.6 16;31	5	"	"	"
25 2×11 15;32	4	पूर्ण	"	
25.1×11.1 13;48	11	"	1913	लि. क. रविविजय लि. स्था. जैसलमेर
23.8×10.9 18;41	3	"	1881	लि.क. जसरूप; लि.स्था. पाली क्षतिग्रस्त
25 2×12.5 16;31	4	"	1859	
25.6×11.1 8;33	6	अपूर्ण	20वीं	अन्तरहित
23.5×10.3 10;31	8	पूर्ण	19वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
374	5965	शकुनावली	गर्ग ऋषि
375	6936	,,	
376	6213	शत संवत्सरी फल	
377	4824	शत संवत्सरी	
378	6915	संक्रान्ति विचार	
379	7351	संवत् 1835 से 1850 तक का वर्षफल	
380	5323	संवत्सर फल	
381	7401	संवत्सर मास फल पत्र	
382	6110	समे रा लक्षण	
383	6211	साठ संवत्सर फल	
384	5254	सामुद्रिक-पुरुष-स्त्री लक्षण	
385	7627	साल भर का दोष-अदोष विचार	
386	5786	साहवा निकालने का विचार (दूहा)	

माप से मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
30.5 × 14.1 13;41	41–47	पूर्ण	1905	अपरनाम पाशाकेवली' भाषा बीच बीच में संस्कृत भी है।
25×12.5 13;32	2	अपूर्ण	19वीं	
24×11.3 12;32	6	पूर्ण	"	
25.1×10.9 13;45	14	"	1701	संवत् 1601 से 1700 तक का फलादेश; क्षतिग्रस्त
26×11.3 19;44	2	"	20वीं	
16×11.5 11;16	4	"	19वीं	
24.8×12.4 12;31	2	अपूर्ण	20वीं	अन्तरहित
13×23.8 34;20	8	पूर्ण	18वीं	संवत् 1701 से 1788 तक
25.7×12.5 21;47	6	"	19वीं	लि. क. प्रताप
21.9×11.1 12;28	1–11	"	1841	लि. क. मूला मथेरन लि. स्था. फलोधी
24.8×11.9 15;31	2–6	अपूर्ण	20वीं	आद्यन्तरहित
12.5×24.3 27;19	1	पूर्ण	"	
22.3×10.7 11;27	4	"	"	र. का. 1832

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
387	5226	सुपन विचार चौपई	
388	6033	सूर्य मण्डल विचार	
389	5224	स्वप्न बहोतरी	
390	5223	स्वप्न विचारादि	
391	5777	स्वरोदय ज्ञान	
392	6990	स्वरोदय ग्रंथ	
393	5320	स्वरोदय भाषा	
394	7840	स्वरोदय शास्त्र	चरणदास सुखदेव शिष्य
395	7330	होराचक्रादि यंत्र सारणी	
(15) गणित 396	7615	ऊपरवाड़ी पैसा री व खेत नापने को डोरी	
897	6693	पट्टी-पहाड़ा	
398	6772	"	
399	4148	लीलावती गणित पाटी	लालसिंह

माप से मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.9×10.9 11;32	3	पूर्ण	17वीं	लि. क. ऋषि नरवद
25.9×10 6	8	,,	1682	लि. स्था. मानधाता नगर
24 7×11 4 11;26	8	,,	1918	
25.5×11.4 13;35	2	,,	19वीं	लि. क. प्रेमहंस
26.7×11 7 17;45	8	अपूर्ण	20वीं	
21.3×21.5 27;32	10	पूर्ण	1847	
21.7×10 6 19;48	2	,,	19वीं	लि क. खुश्यालचन्द ऋषि
19.5×26.7 30;21	220-229	,,	1894	लि.क. लक्षमण राघव दासाणी लि. स्था. टंकसाल
23×11.2	2	,,	19वीं	
18×31 29;18	1	,,	20वीं	
21.2×14 10;16	9-25	,,	,,	
20.5×12	12	,,	,,	
24.1×11.7 13;34	30	अपूर्ण	1897	अप्राप्त पत्र 1-4, 26, 29 आद्यन्तरहित

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
400	4177	लीलावती गणित पाटी	
401	4196	लीलावती-भाषा	जैतसी
402	4208	"	भास्कराचार्य
403	7674	"	टी. लालचन्द शान्तिहर्ष शिष्य
404	7088	लेखां पईसा का	
405	4218	लेखां री फलावट	
406	7447	"	
407	7442	लेखां री भारणो	
408	7451	लेखां री भोजगढ	
409	7444	लेखां के ऊपर वाड़ि	
410	7445	"	
411	7446	"	
412	7448	"	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.9×10.6 16;42	7–13	अपूर्ण	19वीं	आदिरहित लि. क. अगरचन्द ऋषि
22.4×10.5 14;38	3–22	"	1759	लि. क. जीवणदास
28.1×13 13;31	81	पूर्ण	1997	
19×17 13;18	56	"	1871	टी. र. का. 1736 टी. र. स्था बीकानेर जैतसिंह की प्रेरणा से अनूपसिंह के राज्य में लिखी
20×14 6 12;20	10–12	"	19वीं	
14.2×10.3 12;48	10	अपूर्ण	20वीं	अन्तरहित
17×13.2 13;18	8	पूर्ण	"	
13.5×66 70;20	1	"	"	फटे पत्र
11.5×18.2 17;14	3	"	"	
13.5×42.5 46;20	5	"	"	
21.4×13.3 13;29	6	"	"	
14.2×22 28;22	7	"	"	
28.3×45.5 38;34	2	"	"	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
413	7449	लेखां के ऊपर वाड़ि	
414	7450	"	
415	7633	लेखो मोती और चोर री ऊपर वाड़ो रो	
416	7230	लेखो सील रो	
417	5291	संख्या (पहाड़ा) गणना प्रकार	
(16) संगीत एवं नृत्य			
418	6361	रागमाला टीका	
419	6893	सभाभूषण रागमाला	गंगाराम कवि
420	6360	हिय हुलास रूपमाला	
(17) कामशास्त्र			
421	6532	कोक शास्त्र	आनन्द कवि
422	6522	कोक-सार	"
(18) रत्नशास्त्र			
423	7800	आभूषणों का नक्शा	
424	4075	रत्न परीक्षा	रत्नशेखर वाचक

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16 7×11.2 9;18	4	पूर्ण	20वीं	
21.5×14.3 10;32	5	"	"	
13×22.2 21;22	3	"	"	
10.7×10.2 9;11	4	"	19वीं	
24.8×11.7 10;22	6	अपूर्ण	18वीं	
23.5×10.4 14;44	3–5	"	19वीं	अन्तरहित
15.1×10.1 14;30	9	पूर्ण	1789	र.का. 1744; र.स्था. सांगानेर लि. क. क्षमासुन्दर लि. स्था. बीकानेर
24.7×11.1 14;47	1–3	"	19वीं	
25.4×10 4 17;45	7	"	"	लि. क. धर्मसुन्दर
17.8×15.2 12;16	28	"	1923	अव्यवस्थित पत्र
25.5×10.5	28	"	19वीं	आभूषणों के रंगीन चित्र हैं।
26.4×11.4 15;45	19	"	1826	र.का. 1761; लि. क. सुन्दर लि. स्था. अजिमाबाद

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
(20) मंत्र-तंत्र शास्त्र			
425	7435	अघोर मन्त्र	
426	7635	अलील मंत्र	
427	6953	इन्द्रजाल कौतुक चौरासी तंत्र	
428	6954	चमत्कार चेटक	
429	7634	चोरी पकड़ने का मन्त्र	
430	7113	डाकिनी-शाकिनी मंत्र	
431	7133	पशु रोग नाशक यंत्र	
432	7611	भूत उतारने का मंत्र	
433	7129	भैरव-तंत्र	
434	6674	मंत्र-संग्रह	
435	7365	"	
436	7296	यंत्र-दूर गये पुरुष के आने का	
437	6602	यंत्र-मंत्र	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×10.5 9;34	दूसरा	पूर्ण	19वीं	
17.5×12 13;18	1	"	20वीं	
16×12.3 12;20	28–41	"	1881	
16×12.3 12;20	42–45	"	"	
23.2×12.5 8;24	1	"	20वीं	साथ में वशीकरण मन्त्र
16.4×13.2 11;17	1	"	19वीं	
17×13 17;23	7वां	"	20वीं	
23.2×11 13;28	2	अपूर्ण	"	साथ में लक्ष्मी का मन्त्र है। किनारे फटे हैं।
17×13 17;23	दूसरा	पूर्ण	"	
15.5×19 14;20	67–81	"	1823	
9.5×11.5 18;12	1–4	"	20वीं	लि. क. अमृत विजय
27×24	1	"	1858	लि. क. दयाराम ऋषि
15.2×21.5 29;26	1–4	"	1934	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
438	5033	शत्रु मुख स्तम्भन यंत्र	
439	5780	सन्तान विधि	
440	5778	सर्प का विष उतारने का मंत्र	
441	6268	„ „	
442	5329	सिद्धिखण्ड-मंत्रसार	नित्यनाथ
443	7363	सूर्यमंत्र-सयन्त्र	
444	6369	हठविद्या प्रदीपक	
445	7436	हनुमान पताका विधि	
(21) स्तुति-स्तोत्र 446	7239	क्षेत्रपाल की आरती	रामचन्द
447	7939	„ „	„
448	6553	गणेश री पाटी	नरहर
449	6835	देवी (गोरी) की आरती	
450	7628	महालक्ष्मी स्तोत्र	

आकार से मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
27.9 × 12.3 12; 43	2	पूर्ण	20वीं	स्फुट पत्र लि.क. मोहनलाल ब्राह्मण
17.7 × 11.8 8; 19	3	,,	,,	
26.7 × 12 14; 34	2	,,	1874	लि.क. दुलीचन्द; लि.स्था. भिण्डर
24.9 × 11.5 10; 28	3	अपूर्ण	20वीं	साथ में 'शरीर बदोबस्त मन्त्र'
24.7 × 12.8 12; 34	12	पूर्ण	1915	लि.क. मोहनलाल ऋषि ज्ञानचन्द शिष्य; लि.स्था लोहमंडी अकबराबाद; 9वां पत्र दो बार है; अपरनाम 'उड्डीश तन्त्र'
13.3 × 10.5 12; 17	1	,,	20वीं	
24.6 × 9.7 22; 64	3	,,	19वीं	अपरनाम 'मुक्ति-बिलास-भाषा';
21.2 × 10.9 13;33	1	,,	20वीं	
17.5 × 7.5 10; 22	चौथा	,,	19वीं	
29 × 18 17; 26	87–88	,,	1926	
21 × 10.6 9; 28	3	,,	20वीं	पत्र 2-3 पर है; गीगा आचारज का ग्रन्थ अपूर्ण है।
15.5 × 10.7 7; 20	29-31	,,	1889	
15.8 × 11.7 12; 28	1	,,	20वीं	र. का. 1947

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
451	7086	रामसाह पीर रो सिलोको	अबीरचन्द
452	7683	वीर विलास	नथमल कवि
453	4866	शनिश्चर-छंद	हेम कवि
454	4979	,,	
455	4998	,,	हेम कवि
456	7932	,,	,,
457	4715	शनिश्चर स्तोत्र	
458	4706	शारदा माता रो छन्द	संत कुशल कवि
459	4185	शारदाष्टक	
460	6984	शिवध्यान स्तोत्र	
461	4954	श्रीदेवी वर्णन	
462	5298	संकटमोचन हनुमान स्तोत्र	
463	5953	सरस्वती-कवित्त	

नाप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत)	विशेष ज्ञातव्य
20×14.6 12;20	7-8	पूर्ण	19वीं	
18.5×25 8 21;19	194-195	,,	1947	
25.9×11.7 11;28	2	,,	20वीं	
23.1×10.7 12;37	1-2	,,	1829	लि क. उदयचन्द ऋषि
20×12.9 12;21	1-3	,,	20वीं	
29×18 17;26	82-83	,,	1926	
21.6×11.3 11;25	2	,,	20वीं	
25.5×10.5 11;33	3	,,	1860	
25.1×12.1 15;36	22वां	,,	19वीं	
23.3×11.7 8;26	1	,,	20वीं	लि. क. शिवनाथ
25 2×10.5 13;48	2	,,	18वीं	
16×8.4 8;20	4	अपूर्ण	20वीं	
24.9×12.2 13;29	5-6	,,	,,	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
464	5280	सरस्वती छन्द	
465	5952	"	
466	5275	सरस्वती भवानी स्तोत्र	
467	7614	सरस्वती-स्तोत्र	
468	7469	सात वारां री आरती	
469	5263	सिलोका संग्रह	
470	7085	सूरजजी रो सिलोको	
471	7299	" "	
472	6172	स्तुति (पारसी भाषा मय)	
473	6371	हनुमान चालीसा	तुलसीदास
22 (1) जैनागम एवं दर्शन 474	6399	क्षेत्र समास प्रकरण बालावबोध	
475	6622	जीव शिक्षा	

माप से. मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.8×11 4 13;42	2	पूर्ण	1807	र का. 1778; लि.क. हीरसागर लि. स्था. सीहोर
24.9×12.2 13;39	4–5	"	20वीं	
26 2×12.2 11;34	प्रथम	"	19वीं	
21.5×11.2 12;38	1	"	1917	लि. क. अखैचन्द महात्मा
20.3×14 3 13;20	1	"	1954	लि. क. चांदमल
26×12.5 8;23	11	अपूर्ण	20वीं	संग्रह सूची—1. सूरज रो सिलोको, सेवक 1-3 पत्र; 2. रामसाह पीर रो सिलोको, अबीरचंद 3-5; 3. नेमजो रो सिलोको-कुशलविजै 5-8 4. जाम्भैजी रो सिलोको (अपूर्ण)9-11
20×14.6 12;20	5–6	"	19वीं	फुटकर पत्र
18.7×15.5 13;24	तीसरा	"	"	अन्तरहित
23.5×11.1 13;37	1–3	पूर्ण	1885	27 छंद हैं; लि.स्था. आणंदपुर
13.3×12.3 8;11	6	"	1966	
26.5×11.7 15;41	3	अपूर्ण	19वीं	अन्तरहित
25×10.5 14;44	2	"	"	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
476	6676	नवतत्त्व प्रकरण-बालावबोध	
477	7889	नवतत्त्व बालावबोध	
478	6122	पंचम कर्मग्रंथ गाथार्थ	
479	6771	पन्नवणा सूत्र ना 18वां पद ना बोल	
480	6750	पृथ्वीकाय की जात	
481	5253	महादण्डक विचार	
482	4151	लघु-दण्डक	
483	4165	"	
484	4175	"	
485	4193	"	
486	4203	"	
487	6825	"	
488	4174	लब्धिसार टीका	नेमिचन्द्र

माप से मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.7×11.1 14;50	3	अपूर्ण	20वीं	
29×18 17;26	59–66	पूर्ण	1926	
24.9×10.8 21;56	दूसरा	"	18वीं	
24.7×10.7 15;54	2	"	19वी	
11.5×10.5 10;16	15	"	20वीं	
22.7×11.8 12;31	छठा	अपूर्ण	"	अन्तरहित
25.8×11.6 16;41	6	पूर्ण	1950	लि. क. मूलचन्द ऋषि; लि. स्था. कुचेरा
25.4×11.1 16;45	7	"	1739	लि. क. कान्हजी ऋषि
25.6×11.2 20;46	3	"	1887	
25.6×11 24;51	5–6	अपूर्ण	19वीं	आदिरहित
25.4×11.1 17;41	4	पूर्ण	1888	
25.8×11 17;48	2–6	"	19वीं	
31.2×15.9 17;46	194	"	1945	लि. क. भूरालाल शर्मा; लि. स्था. अलवर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
489	4609	विचार षट् त्रिंशिका बालावबोध	गजसार, धवलचन्द्र शिष्य
490	4454	विपाक हुण्डी	
491	6777	षट्द्रव्य निरूपण	
492	5035	षट्पंचाशत प्रश्नोत्तर	
493	6903	संग्रहणी सूत्र-बालावबोध	
494	6778	संग्रहणी सूत्र भाषार्थ	
495	6065	सद्व्रत नी टीप	लावण्यकमल
496	5236	सप्तनयादि विचार	
497	6861	"	
498	5283	समयसार नाटक (भाषा)	बनारसीदास
499	5840	"	"
500	5841	"	"

माप से. मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.3×10.5 12;31	11	अपूर्ण	19वीं	प्रथम पत्र अप्राप्त
25.8×10.8 21;51	8	पूर्ण	20वीं	लि. स्था. सोजत
27×12 16;42	3-6	"	1945	
24.9×11 13;35	6	"	1899	लि.क. धनसुख; लि स्था. देशनाक; भगवती सूत्र गत
26×11.8 18;60	5	अपूर्ण	19वीं	
27×12 16;42	1-12	पूर्ण	1945	
25.8×11.8 13;30	6	अपूर्ण	19वीं	र. का. 1846
25×12.2 16;35	15	पूर्ण	"	
25×13.5 11;26	6-9	अपूर्ण	20वीं	
25×10.9 19;61	28	पूर्ण	1764	र.का. 1693; र स्था. आगरा लि. क. भाग्यचन्द्र; लि.स्था. देवराजसर (बीकानेर)
23.7×10.3 11;34	81	अपूर्ण	1732	र का. 1693; लि.क. शुभाचन्द; लि. स्था. उदयपुर अप्राप्त पत्र 5-8
23.7×9.6 16;47	9	"	18वीं	अन्तरहित

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
501	5895	समयसार नाटक (भाषा)	बनारसीदास
502	5917	" "	"
503	5995	" "	"
504	5230	समाधि तन्त्र दोधक शतक	जसविजय
505	5842	समाधि तन्त्र बालावबोध	बा. पर्वत धर्मार्थी
506	7547	साधु समाचारी	
507	5256	सिन्दूरप्रकरण-सूक्ति मुक्तावली भाषा	
508	5257	" "	मू. सोमप्रभाचार्य टी. कुंवरपाल; बनारसी शिष्य
509	5258	" "	"
510	5326	सिद्ध पंचाशिका-बालावबोध	देवेन्द्रसूरि
511	6180	स्थानांग री हुण्डी	
512	6176	स्थानांग-सूत्र भाषा	
513	6179	स्थानांग सूत्र बालावबोध	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.सवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.9 × 12.7 20; 50	31	अपूर्ण	19वीं	अन्तरहित; त्रुटित; कीटबद्ध
23.6 × 13.6 15; 30	66	"	20वीं	"
25.6 × 10.4 13; 43	3–52	"	19वीं	आद्यन्तरहित
25.8 × 11.8 11; 42	4	पूर्ण	1790	
27.2 × 12.8 13; 41	120	"	"	लि. क. मनजी ऋषि
26.7 × 11.7 17; 50	1–2	"	20वीं	
26 × 10.7 16; 50	6	"	1831	र.का. 1641; लि.क. हरजी;
24.7 × 10.8 21; 32	9	"	1904	" लि.क. उत्तमचंद्र साधु लि. स्था. जयनगर
24.5 × 11.2 15; 51	7–8	"	1795	र.का. 1641; लि.क. रामचन्द्र लि. स्था. वीदुपुर
26 × 11 1 14; 40	30	"	1651	लि.क. वीरसिंह; किनारे क्षतिग्रस्त।
25 × 11.7 13; 41	21	अपूर्ण	20वीं	
25.8 × 11.3 18; 38	10	"	18वीं	
26 × 11.2 19; 39	17	"	19वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
514	6181	स्थानांग सूत्र नौवां ठाणा	
515	6182	स्थानांग सूत्र दश ठाणा ना बोल	
516	6183	" "	
517	6184	" "	
22 (2) जैन-प्रकरण			
518	7371	अच्छेरा (चौथा व पांचवां)	
519	6596	अट्ठापावे बोल को अल्पाबहुत्व	
520	7480	अतीत अनागत मोक्ष विचार	
521	6472	अतीत चौबीसी ज्ञातव्य (यंत्र)	
522	5967	उठावणा री गाथा-सभाषा	
523	7483	उदीरणादि द्वार विचार	
524	6506	उदीरणा विचार एवं कर्म भेद	
525	6769	उनपच्चास भांगा री विगत	
526	7294	उनसित्तर बोल	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल वि.संवत्	विशेष ज्ञातव्य
25.4×10 8 11;37	22	अपूर्ण	20वीं	
25×11 19;43	14	पूर्ण	1878	लि. क. कनणी आर्या लि. स्था. बीकानेर
24.9×10.9 17;34	35	"	18वीं	लि. क. आर्या वरजां
21.4×11.3 21;28	30	"	1966	लि. क सूरजकुंवर आर्या लि स्था. भीलवाड़ा
25.5×11.5 13;45	2	अपूर्ण	20वीं	स्फुट पत्र
25.8×12 47;30	1	पूर्ण	1899	
24×11.9 16;48	2	"	19वीं	
26×11 4 ———	2	"	20वीं	
30.5×14.1 13;41	1–3	"	1905	लि. क. रामसुख ऋषि लि स्था. बीकानेर
24.6×13 15;36	4	"	19वीं	
25×11.2 12;42	3	"	"	
26×12 15;50	8–9	"	1880	
17.7×10 132;12	1	"	1934	खरड़ा

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
527	7485	कनकावली-रत्नावली तप यंत्र	
528	7348	कर्मंमना उदीरणा	
529	6554	गत द्वार इन्द्रिय द्वारादि	
530	6782	गति सन्निपातिक एवं भांगा विचार	
531	7295	गर्भ चेतावनी	जिनहर्ष
532	6493	गर्भ विषयक बोल	
533	4668	गुण ठाणा बासठियो	
534	7518	गुणमाला	
535	6072	गुण स्थानक क्रमारोह-भाषा	भैया
536	6547	गुण स्थानक प्रत्याख्यान	
537	6536	खण्डा जोयण	
538	6250	चित समाधि ना दस बोल	जैमल ऋषि
539	6251	चौदह गुण ठाणा अनुबंध द्वार	

माप से मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23.6 × 11.1 ———	2	पूर्ण	20वीं	
24.7 × 11 24; 80	3	,,	18वीं	
26 × 12.6 10; 38	3	अपूर्ण	20वीं	
10 7 × 24 5 42; 24	2	पूर्ण	,,	
352 × 118 252; 11	1	,,	1923	खरड़ा
12.2 × 26 ———	4	,,	19वीं	लि.क जसू; लि.स्था. उदयपुर क्षतिग्रस्त;
26.4 × 11.8 18; 28	4	,,	1868	लि.क इन्दु आर्या; लि.स्था. पालि
24.5 × 11.2 18; 34	2	,,	20वीं	
25.1 × 10 6 17; 62	दूसरा	,,	19वीं	अन्त में "काल अष्टक" है;
25.8 × 11.3 20; 62	8	,,	20वीं	
26.2 × 12.6 12; 32	6–9	अपूर्ण	,,	आदिरहित
25.4 × 11.9 13; 38	तीसरा	पूर्ण	19वीं	र.का. 1833; र.स्था. मेड़ता
25.4 × 11.9 13; 38	4–5	,,	,,	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एव टीकाकार
540	6591	चौदह गुण ठाणा नीं आमना	
541	6590	चौदह स्वप्न	
542	6854	„	
543	5925	चौवीस जिन तप गुणनो	
544	4195	चौबीस जिन लेखा	
545	6556	„	
546	6592	„	
547	7836	चौवीस तीर्थङ्करां सर्वसमुच्चय-यंत्र	
548	4667	चौवीस दण्डक	धर्मसुन्दर गणि
549	7596	चोरासो बोल आदि	
550	7533	च्यार प्रकार के ध्यान एवं उनके नाम (यंत्र)	
551	5251	च्यार-सरणा	
552	7422	„	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
11.2×25.5 17;52	8	पूर्ण	19वीं	
25.2×11 11;30	2	"	"	लि. क. दुलोचन्द
26.2×12 13;50	1	"	"	
26.2×13 17;43	15–16	"	"	
24.1×10.9 17;37	4	अपूर्ण	18वीं	अन्तरहित
16.8×12.8 8;16	14	पूर्ण	20वीं	
25.6×10 6 15;34	3	"	19वीं	
19.5×26.7 30;31	195-198	"	1884	
21 5×10.5 13;36	1	"	20वीं	
27.8×11.8 15;38	5	"	19वीं	पहले पत्र पर नववाड़ का झूलणा है
11.2×26 44;24	1	"	"	लि. क. देवा
22.7×11.8 12;31	1–4	"	20वीं	अन्त में महादण्डक विचार है
19.5×14 15;24	3	"	19वी	अपरनाम "पद्मावती जीव-रास खमावणा" है

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
553	6624	जम्बूद्वीप आदि क्षेत्रों की अतीत अनागत चोवीसो	
554	6626	जोव कर्मबन्धादि विविध बोल	
555	6610	जीव भेद गुण ठाणा	
556	7993	जीव रास आराधना	समयसुन्दर
557	7890	जीव विचार प्रकरण बालावबोध	
558	6611	जोयण प्रमाण	
559	4194	ज्ञान-लब्धि	
560	4226	,,	
561	6948	ज्ञान स्वरूप सिद्धान्त	
562	6628	ठाणा सात	
563	4847	तप चिंतवणा	
564	7105	तीर्थमाला	समयसुन्दर
565	5006	तीर्थावली	,,

माप से मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र सख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21×11.2 19;32	6	पूर्ण	20वीं	
31×15.9 18;42	3	„	„	
26.8×13 8 19;26	3–20	„	„	
29×18 17;26	127-128	„	1926	
29×18 17;26	66–72	„	„	
26.6×11.4 16;44	2–6	„	19वीं	
25.7×12 3 17;46	3	अपूर्ण	„	अन्त रहित
10.8×25.4 35;21	9	पूर्ण	17वीं	भगवतीसूत्री गत
21.8×11 8;22	3	अपूर्ण	19वीं	
27.8×12 18;36	11	पूर्ण	20वीं	
25.5×11.5 15;47	2–3	„	1950	लि.क. मूलचन्द; लि.स्था. कुचेरा
11.3×9.5 8;12	34–36	„	1880	
15×21.1 25;15	15वां	„	19वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम			कर्त्ता एवं टीकाकार	
566	5453	तीर्थावली	[illegible]	[illegible]	समयसुन्दर	[illegible]
567	7586	„	„	„	„	[illegible]
568	7357	तेवीस बोल नो स्वरूप		„	[illegible]	[illegible]
569	7229	तेहरवें से बाइसवें तीर्थंकर तक लेखा		„	[illegible]	[illegible]
570	7590	त्रिषष्टि-शलाका-यन्त्र-सारणी			क्षमाकल्याण	[illegible]
571	6652	ध्यानादि-विचार		[illegible]	[illegible]	[illegible]
572	7544	पच्तीस पर्यदेशनास		[illegible]	[illegible]	[illegible]
573	6698	पांच अतिचार	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
574	6757	पांच संस्थान	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
575	4356	बन्ध-द्वार	[illegible]	[illegible]		[illegible]
576	4331	बावीस परिषह	[illegible]	„	[illegible]	[illegible]
577	4429	बावीस परिषह-वर्णन		[illegible]	[illegible]	[illegible]
578	4366	बासठ मार्गणा		[illegible]	[illegible]	[illegible]

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21.3×11.2 8;16	1–3	पूर्ण	1871	लि. क. सांवतमल लि. स्था. बीकानेर
19.1×9.3 11;28	1	"	20वीं	
13 3×8 8 8;15	16–49	अपूर्ण	19वीं	अप्राप्त पत्र 17-44
21.2×14.5 12;18	5	पूर्ण	"	
11.5×12.2 32;20	1	"	20वीं	
28×12 17;45	11	अपूर्ण	"	
27×11.8 25;58	2	पूर्ण	"	सार्थ में शील की बत्तीस उपमा है;
26.5×11.3 14;38	प्रथम	अपूर्ण	19वीं	
26×11.3 18;48	2	पूर्ण	20वीं	
24.6×11.4 17;40	9	"	1840	लि. क. ज्ञानी आर्या
24 8×10.8 11;34	2	"	18वीं	क्षतिग्रस्त
26.7×12.6 13;35	3	"	1874	लि. क. वीरचन्द्र लि. स्था. हरिहर दुर्ग
11.8×24.5 37;25	5	"	1892	लि.क. हरिकिशन; लि.स्था. उज्जैन

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
579	6852	बासठियो इक[illegible] द्वार	
580	6868	बासठियो ताजिका यन्त्र	
581	5018	बीस बोल तीर्थङ्कर गोत्र बन्ध रा	
582	6775	बोल विचार	
583	7601	बोल हुण्डी रा	
584	4199	भरतजी री रिद्धि वर्णन	
585	6784	भार रो मान	
586	7327	मंगल च्यार का बोल	
587	7507	महावीर का सत्ताईस भव	
588	6805	महावीर-गर्भ-अभिग्रह–प्रसंग	
589	6800	महावीर स्वामी व सत्ताइस आचार्य परम्परा	
590	6807	मास खमण रो पारणो	जिनराज सूरि
591	6081	मुंहपत्ती के बोल	

माप से. मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25 8×12.3 16;34	8	पूर्ण	19वीं	
26×12 21;26	3	"	1832	
15.6×10 9;21	27-30	अपूर्ण	19वीं	अन्तरहित
26.5×11.2 17;44	7-27	"	20वीं	
25×11 12;28	3 5	"	19वीं	लि. क. चन्द्रभाण लि. स्था. रोहिट; आदिरहित
24.9×11.5 16;35	4-5	पूर्ण	"	
25.2×12 23;58	4	"	"	साथ में 'सूत्र गत विचार'
23.5×11.5 21;36	प्रथम	"	"	जीर्ण
26×10.7 12;42	2	"	18वीं	
26.3×12 16;34	2	"	20वीं	
24 3×11 13;30	7	"	"	
22 5×10.5 11;36	5	"	"	
25.6×13.1 12;23	तीसरा	"	"	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
592	4126	लब्धि ना सोलह द्वार	
593	4125	लब्धि-यन्त्र	
594	6823	लेखो चौबीस तीर्थंकरां रो	
595	7587	वर्तमान जिन चौबीसी लेखा	
596	7588	,, ,, ,,	
597	4669	वायु काय नो दण्डक	
598	4517	विचार-पत्र	
599	4556	,,	
600	4557	विचार-पत्र सबालाबोध	
601	4614	विद्या-लक्ष्मी संवाद-द्वात्रिंशिका	सारंग
602	4453	विशेष बोल	
603	6873	वीस स्थानक बोल	
604	4289	व्रत-कर्मादि नामावली	

माप से मी.; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
11.5×25.5 38;18	3	पूर्ण	18वीं	भगवतीसूत्र गत
24.8×12 26;52	3	"	"	
25.3×12 18;28	6	"	1881	लि. क. दुलीचन्द
27.2×12.7 12;38	1	"	20वीं	
25.3×12.1 14;38	1	"	"	"
26.3×10.6 19;40	4–12	अपूर्ण	19वीं	चिपके पत्र एवं क्षतिग्रस्त;
24×10.3 15;44	45–80	"	"	आद्यन्तरहित
25.6×10.5 14;50	4	"	"	अन्तरहित
26.1×12.2 13;31	12	"	"	"
24.2×10.9 13;38	दूसरा	"	"	र.का. 1676; लि.स्था. रूपनगर प्रथम पत्र अप्राप्त;
27.6×12.6 12;32	12	पूर्ण	20वीं	
15×18 29;24	प्रथम	"	1803	
25×11.1 15;24	4	"	20वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
605	5899	शत्रुञ्जय-उद्धार	
606	7597	शील के सोलह बोलादि	
607	4159	शील रा कड़ा	
608	4808	"	
609	4859	"	
610	6931	शील रा सोलह कड़ा	
611	7362	शीलव्रत लीलोती री विगत	
612	4948	शीलोदीपक एकत्रीसकम	शान्तिमन्दिर शिष्या
613	5252	श्रावक का तीन मनोरथ	
614	4846	श्रावक का इक्कीस बोल	
615	4180	श्रीकृष्णजी री रिद्धि	जैमल ऋषि
616	6121	संख्यात-असख्यात अनंता विचार बालावबोध	
617	6290	संग्रहणीसूत्र व्याख्या	

नाप से.मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
20.8×11.5 11;25	6–10	अपूर्ण	19वीं	लि.क. माणकचन्द; आदिरहित;
27.1×12 17;42	8	पूर्ण	,,	
21.3×11.3 17;33	3	,,	1945	लि. क. जड़ाव आर्या लि. स्था. पाली
22.6×10.6 11;29	5	,,	19वीं	
20.9×10.2 18;41	1–2	अपूर्ण	,,	अप्राप्त पत्र 3-8; अन्तरहित
26×14 11;38	1–4	,,	20वीं	
14×9 9;16	3	,,	,,	स्फुट पत्र
25.9×10 7 13;40	3–4	,,	18वीं	अप्राप्त पत्र 1-2
22.7×11.8 12;31	4–6	पूर्ण	20वीं	
25.5×11.5 15;47	1–2	,,	1950	लि.क. मूलचंद; लि. स्था. कुचेरा
25.1×12.1 15;36	17–19	,,	19वीं	
24.9×10.8 21;56	1–2	,,	18वीं	
25.9×11.1 16;46	12–17	अपूर्ण	19वीं	आद्यन्तरहित

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
618	6239	संतसठ बोल सग्रह	
619	5193	सतसठ बोल की समेकित	जयविजय गणि
620	5918	सत्तरिसय जिन नो गुणनो	
621	5926	सत्तरिसय ठाणा गुणना	
622	5813	सत्तरिसय ठाणा यंत्र	टीकमदास ऋषि
623	5814	,, ,,	
624	5332	सत्तरिसय ठाणा सारणी	
625	5133	,, ,,	
626	5245	सत्तावीस बोलों का थोकड़ा	
627	5246	सत्तावीस-भव	
628	6286	सनातक रा छत्तीस द्वार	
629	6063	समेकित ना सतसठ बोल	जयविजय नयविजयशिष्य

नाप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26.1×12.7 13;32	4	अपूर्ण	19वीं	
25.4×12.6 13;33	5	पूर्ण	1900	लि.क. सेवा; लि.स्था. बेनातट चिपके हुए पत्र:
25.5×12.2 18;24	2	,,	20वीं	
26.2×13 17;43	16–17	,,	19वीं	
25.5×12.5 22;47	6	,,	1884	र.का. 1836; लि.क. तीजां आर्या लि. स्था. सांडेराव
24.1×12 ———	10	,,	1977	लि.क. होरालाल लि. स्था. भीनासर
25.5×11.5 ———	13	,,	1896	लि. क. दानविशाल मुनि लि. स्था. कलकत्ता बन्दर
23.9×11.2 18;27	2	अपूर्ण	20वीं	अन्तरहित
25.3×11.5 12;38	4	पूर्ण	,,	अन्त में—1. पार्श्वनाथ दशभव-स्तवन-कवियण 2. सुणज्यो गोड़ीजी (पद) जिनराज
26.5×11 19;38	3	अपूर्ण	18वीं	
26.1×10.7 14;31	7	,,	17वीं	
27.2×12.4 ———	3–5	पूर्ण	20वीं	आदिरहित

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
630	6068	समकित ना सतसठ बोल	
631	6069	" "	
632	6282	समेकित शुभाशुभ प्रकृति विचार	
633	5803	सर्वजिन बोल	
634	5209	सर्वबन्ध देशबन्ध तथा छह आरा रो अधिकार	
635	6884	साठारोपम नो उत्कृष्टो	
636	7835	सात व्यसन सवैया	
637	5314	सात समुद्कघात-भिक्षु पडिमा आदि	
638	6911	साधु उपमा	
639	6281	साधु ने अठारह थानक निषेध	
640	6285	सामायिक बोल	
641	6297	सामायिक-स्वरूप	
642	6293	सासन चतुर्विंशति तीर्थंकर लेखा	

माप से मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.सवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.8×11 11;38	2	पूर्ण	19वीं	
25 4×11 14;46	1–4	,,	,,	साथ में 'चार ध्यान रा भेद'
27.6×12.2 15;39	4	,,	,,	
24.2×11 16;29	11	,,	,,	साथ में—चतुर्विशति दण्डक बोल आदि हैं।
24.3×11 9 17;43	13	,,	,,	लि. क. दौलतराम गट्टाणी
22 7×11 12;34	4	,,	,,	
19.5×26.7 30;21	194-195	,,	1884	लि. क. हिन्दूमल ऋषि लि. स्था. जैसलमेर
24.8×11 16;39	5	,,	18वीं	
25×11.7 17;40	2	,,	20वीं	
25.5×12 13;37	3	अपूर्ण	19वीं	
22.2×10.5 12;28	3–13	,,	20वीं	आद्यन्तरहित
24.7×11.5 16;37	2 6	,,	18वीं	आद्यन्तरहित; जीर्ण
26×11.9 17;40	2	पूर्ण	1870	लि क. नानगराम ऋषि लि. स्था. मेड़ता

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
643	5287	सासोसास रो थोकड़ो	
644	5325	सिद्धान्त सारोद्धार	
645	5183	सिद्धार्थ चन्द्रगुप्त के स्वप्नादि	
646	5163	सीताजी की आलोयणा	कुशल कवि
647	6294	सूत्रां रे बोलां री विगत	
648	7595	सैंतालीस उग्रादि दोष	
649	5247	सैंतालीस दोष की विगत	
650	5955	सैद्धान्तिक-विचार	
651	5956	"	
652	5898	सो बोल	
653	6325	हर्ष पत्रिका दोधक	अनूपचन्द्र ऋषि
654	6334	हुण्डी पत्र उनसत्तर बोल की	
22 (3) वैनाचार			
655	6462	अतिचार	

माप से मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.4 × 11.2 15; 44	2	पूर्ण	19वीं	
27.4 × 10.9 17; 40	24	अपूर्ण	"	
24.1 × 11.9 20; 38	2	पूर्ण	20वीं	
24.8 × 12.6 9; 27	3–11	"	"	
26.1 × 10.7 11; 33	8	"	1834	लि. क. रतना ऋषि
22.8 × 10.5 17; 42	1	"	19वीं	
25.9 × 10.9 13; 43	3	"	20वीं	लि.क. विनयसाधु
25.9 × 11 13; 47	10	"	18वीं	
24 × 11.3 19; 52	3	अपूर्ण	19वीं	
26.3 × 11.6 15; 38	4	"	1858	आदिरहित
21 × 10.9 9; 28	2	पूर्ण	20वीं	र. का. 1936
28.3 × 12.7 7; 23	45	"	1896	लि. स्था. हरिदुर्ग
21.2 × 10.5 11; 28	2–20	अपूर्ण	20वीं	आद्यन्तरहित

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
656	7853	अतिचार	
657	5200	अष्ट प्रकारी पूजा विधि	
658	7603	अष्टाह्निका महोत्सव	
659	6494	आलोयणा तप उपवास	
660	5928	चैत्री पूनम चैत्यवंदन विधि	
661	6621	जिन पूजा	
662	5921	ज्ञान-पंचमी-चैत्यवंदन-विधि	
663	5919	नवपद-क्षमा-श्रमण-दान विधि	
664	6071	निर्वाण काण्ड भाषा	भैया
665	7482	पक्खी चोमासी संवत्सरी प्रतिक्रमण विधि	
666	7516	प्रतिक्रमण विधि	
667	5922	प्रतिक्रमण हेतु	क्षमाकल्याण गणि
668	6489	प्रतिमा पूजन विवाद	

माप से. मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
29×18 17;26	21–29	पूर्ण	1926	साथ में—140 श्रावक बारह व्रत का
22.8×10.5 13;32	5–7	"	19वीं	
26×11 10;36	3	अपूर्ण	1842	लि. क शीतलरुचि लि. स्था. पाडलोपुर; असम्बद्ध पत्र।
25.6×11.1 ———	2	"	19वीं	
26 2×13 17;43	18–19	पूर्ण	"	
26.5×12 14;42	2–7	अपूर्ण	20वीं	प्रथम पत्र अप्राप्त
26.2×13 17;43	11–12	पूर्ण	19वीं	
26.2×13 17;47	8–10	अपूर्ण	"	आदिरहित
25.1×10.6 17;62	1–2	पूर्ण	"	र. का. 1741
23.5×12 11;28	2	"	20वीं	लि.क. धर्मसुन्दर; लि.स्था. उज्जैन
25.8×12.2 15;42	7–9	अपूर्ण	19वीं	आद्यन्तरहित
26.2×13 17;43	12–14	पूर्ण	"	
15.6×10.8 12;22	2–6	अपूर्ण	"	साथ में बोल विचार है;

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
669	7546	प्रत्याख्यान-भाषा	
670	7484	मङ्गलीक वाचना-उठावणा समय	
671	7534	महावीर स्वामी के उपरान्त प्रासाद प्रतिमा गणना	
672	6597	मार्गणा संस्थापना	
673	5375	मुंहपति प्रतिलेखन विधि	
674	7583	" " "	
675	4428	विंशति स्थानक पूजा-विधि	
676	4516	वीर जन्मोत्सव वर्णन	
677	4691	वीर-जिन-उपाधान-विधि	
678	5003	वीरजी रो पारणो	
679	4328	वीस स्थानक तप करण-विधि	
680	4427	" " "	
681	5927	" " "	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×11.2 15;47	1	पूर्ण	19वीं	
26.8×14.8 13;34	2	"	"	
11.2×26 44;24	1	"	"	लि. क. देवा
25.8×12 47;30	3	"	1899	
24.8×12.4 9;33	5-6	"	20वीं	
25.6×10.9 14;53	प्रथम	"	19वीं	
26.2×11.9 14;29	13	अपूर्ण	20वीं	अन्तरहित
26 1×12.2 12;27	3	"	"	अन्तरहित; क्षतिग्रस्त
25.3×11.6 13;48	13वां	"	19वीं	"
15×21.1 25;15	12-14	पूर्ण	"	
25.5×11 9;28	2	"	20वीं	लि क. उदयसागर
27.5×13.1 17;45	34	"	1871	लि. स्था. अजीमगंज
26.2×13 17;43	17-18	"	19वीं	

क्रमाक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
682	4332	वीसस्थानक पूजाविधि	आनन्दविजय
683	4495	,,	जिनहर्ष सूरि
684	6568	,,	
685	4452	व्याख्यान पद्धति	
686	4805	श्राद्ध आलोचना	क्षमाकल्याण
687	4804	श्राद्धातिचार	
688	4782	श्रावक-अतिचार	
689	4942	,,	
690	4848	,,	
691	4943	,,	
692	4917	श्रावक के तीन मनोरथ	
693	4965	श्रावक द्वादश कुलक	समयसुन्दर
694	4957	श्रावक ना उनतीस गुण	

माप से मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
20 4×10 9 10;25	16	पूर्ण	1940	र का. 1940; र.स्था. बीकानेर लि.क. धीरसुन्दर; लि स्था. बीकानेर
25.3×13 1 11;31	1–21	,,	20वीं	
16 3×25 5 33;22	9वां	,,	,,	
23.3×10.4 13;36	10–14	अपूर्ण	1886	लि. क. दयाचन्द ऋषि लि. स्था. आनन्दपुर
25 3×12.1 16;46	5	पूर्ण	19वीं	
25.4×11.5 10;40	4	,,	,,	
25.3×12.2 10;25	12	,,	20वीं	
25×11.3 10;27	5	,,	1894	
25.9×12.9 12;38	7	अपूर्ण	1909	
24 9×11.6 10;35	11	पूर्ण	19वीं	
24 9×11.7 14;38	2	,,	,,	
24.2×11.2 17;48	प्रथम	,,	18वीं	र.का. 1689; र स्था. बीकानेर
24.6×11.3 22;50	,,	,,	20वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
695	4792	श्रावक नी करणी	जिनहर्ष
696	4793	"	"
697	4850	"	"
698	4198	श्रावक नी सतवीसी	रत्नमुनि
699	4845	श्रावक प्रतिक्रमण विधि	
700	4778	श्रावकविधि प्रकाश	क्षमाकल्याण गणि
701	4779	"	"
702	4780	"	"
703	7071	श्रावक-श्राविका-वंदना-गाथा	
704	4794	श्रावक स्वाध्याय	
705	4788	श्रावक-आराधना	राजसोम उपाध्याय
706	4789	"	"
707	4795	"	"

नाप से मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26.4×12.4 11;30	2	पूर्ण	20वीं	
23.1×10 2 8;27	3	"	"	
24 1×10.6 11;30	4	"	"	
24 9×11.5 16;35	2–3	अपूर्ण	19वीं	
25.6×11.7 16;35	8	पूर्ण	20वीं	
25.4×10 6 14;36	16	अपूर्ण	19वीं	र.का. 1838; र.स्था. जैसलमेर लि. स्था. जैसलमेर
24.9×11.7 11;33	22	"	1875	लि. स्था. विक्रमपुर प्रथम पत्र अप्राप्त
26.3×11.8 13;47	15	पूर्ण	19वीं	र.का. 1838; र.स्था. जैसलमेर
13.4×9.8 11;22	10वां	"	"	
24 3×10 2 14;25	1	"	"	
26.3×11.8 14;37	7	"	1894	लि.क. हर्षचंद्र; लि.स्था. प्रोढिनगर
25.8×11.5 15;40	8	"	19वीं	लि. क. लालचन्द लि. स्था. जैसलमेर
25.5×11.4 13;39	1–9	"	1927	लि.क. हंसराज; लि.स्था. फलोधि

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
708	4790	श्रावक आराधना विधि	
709	4944-प	श्रावकाचारादि स्वाध्याय संग्रह	
710	4784	श्रावकातिचार-चौपई	पार्श्वचन्द्र सूरि
711	4849	" "	"
712	6098	संथारग पयन्ना ढाल	
713	5248	संलेषणा की पाटी	
714	7022	संलेषणा रा अतिचार	
715	5194	सत्तरभेदी-पूजा	साधुकीर्त्ति
716	5625	"	साधुकीर्त्ति अमर माणिक्य शिष्य
717	6218	"	
718	6240	"	
719	7010 प	सत्तरभेदी-पूजा आदि	साधुकीर्त्ति
720	5244	सप्त मण्डली तपोविधि	

नाप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.9×10.7 13;34	7	पूर्ण	1780	लि. क. हरचन्द
25.2×11 17;56	18	,,	1820	
25.2×11.3 11;26	12	,,	1842	लि. क. भोजराज ऋषि लि. स्था. विक्रमपुर
26.6×13.2 13;33	10	,,	20वीं	
25.7×11.1 14;41	3	,,	19वीं	लि. क. रतनां आर्या
22.1×9.5 7;23	2	,,	20वीं	
17.5×12 11;18	12	,,	,,	
24.5×12.6 12;34	8	,,	1859	लि. क. क्षमारत्न मुनि लि. स्था. वेणुचर
24.2×10.6 11;49	5	,,	19वीं	र. का. 1618
25.3×11.3 15;35	4	,,	,,	
25.9×11.6 20;55	2	,,	20वीं	12वीं पूजा पर्यन्त
11.6×8.6 8;14	35	,,	,,	र. का. 1618
24.7×11.4 14;49	2	,,	,,	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
721	6288	सम[illegible] नी अतिचार आलोचना	
722	5678	सहस्रकूट-जिन-पूजा	
723	5390	साधु अतिचार	
724	5391	साधु अतिचाराष्टक	
725	6238	साधु-प्रायश्चित-विधि आदि	क्षमाकल्याण
726	5186	सामायिक पारणा-विधि	
727	6248	सामायिक-व्रत-विधि	प्रमोदमाणिक्य
728	5297	सिद्धगिरि नी पूजा	सुमतिमण्डन धर्मविशालशिष्य
729	5920	सिद्धचक्र (नवपद) आराधना-विधि	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत)	विशेष ज्ञातव्य
26.4×12.1 14;37	3	पूर्ण	1893	लि.क. रतनचंद; लि स्था. अलवर
20.9×13.4 13;29	10	"	1941	र.का. 1940; र.स्था बीकानेर लि.क. पांचीलाल; लि.स्था.बीकानेर
25.4×12.9 14;31	4	"	1956	लि. क. राजविजय लि. स्था. जैतारण अन्त में 'रात्रि-पोषह-विधि है।
24.5×10.1 9;31	5	अपूर्ण	19वीं	तेलसिक्त; दूसरा पत्र अप्राप्त
25.4×11.7 18;41	6	"	20वीं	साथ में हैं— 1. नावविचार 5वां पत्र 2. मेघ विचार 5वां पत्र 3. षट् द्रव्य 5वां पत्र 4. एकादश-परिषह 5वां पत्र 5. अष्टापद स्तवन–जसवन्तसागर शिष्य; छठा; 6. शीतलनाथ स्तवन विजयक्षमा सूरि; छठा 7. नेमि जिन गीत; छठा 8. कर्म पुदगल योग विचार; छठा
27.1×12.8 11;31	3	पूर्ण	"	
25.4×11.9 13;38	1	"	19वीं	र. का. 1649
21.2×11.5 11;27	12	"	20वीं	र. का. 1930
26.2×13 17;43	10–11	"	19वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
730	6856	सिद्धचक्र (नवपद) आराधना विधि	
731	5184	सिद्धार्थ-राजा-पुत्र-महोत्सव	
732	5556	स्तवन-वीस-स्थानक-पूजा	विजयलक्ष्मीसूरि विजय सौभाग्यसूरि शिष्य
733	5197	स्नात्र पूजा विधि	देवचन्द
734	5198	"	"
735	5199	"	"
736	5623	"	"
737	5624	"	"
738	6220	"	
739	6252	"	
740	5622	"	वच्छ भण्डारी
741	5735	"	
742	5736	"	

माप से मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26.2×12 13;50	1	पूर्ण	19वीं	
26×10.9 14;42	2	अपूर्ण	18वीं	अन्तरहित
23×11.7 11;37	8	पूर्ण	20वीं	र. का. 1845
22.5×10.4 10;32	8	"	1871	लि. क. गंगाराम ऋषि लि. स्था. जयनगर
19.8×9.4 9;23	9	अपूर्ण	19वीं	अन्तरहित
22.8×10.5 13;32	1–5	पूर्ण	"	
24.8×11.5 11;38	2–5	अपूर्ण	20वीं	लि. क. पुण्यसुन्दर प्रथम पत्र अप्राप्त
24.6×11.7 15;40	6	पूर्ण	"	र. का. 1843 लि. क. सदासुख ऋषि अपरनाम-अष्ट प्रकारी पूजा
25×12.1 12;33	3	अपूर्ण	"	अन्तरहित
12.5×22.3 22;12	12	पूर्ण	"	
25.6×10.8 11;41	4	"	"	एक स्तुति संस्कृत में है;
25×16.7 20;39	5	"	1924	र.का. 1872; लि.क. खेमराज लि. स्था. साघेली
24.7×11.4 15;41	4	अपूर्ण	1820	लि. क. तीर्थविजय लि.स्था. खमणोरनगर; जीर्ण-शीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
743	6074	स्नात्र-पूजा-विधि	देवचन्द
22 (4) रास-चउपई			
744	7336	अंजना सती री ढाल	
745	4201	अठारह नाता रो चौढालियो	लोहट
746	6571	अट्ठावीस लब्धि नी ढाल	सरूपचन्द
747	5936	अनाथी मुनि चौढालियो	क्षेमकुशल
748	5939	अनाथी सन्धि	खेमो खेतसीऋषिशिष्य
749	6473	अमरसेन वयरसेन चौपई	जयरंग पुण्यकलश शिष्य
750	5523	अरण्यक मुनि चौढालियो	
751	4958	अर्जुनमाली सतढालियो	
752	5683	अष्ट मदोपरी ढाल	चौथमल ऋषि
753	6163	आचार छत्तीसी	खुशालचन्द
754	7017	आणन्दमुनि चरित्र	
755	7821	आणन्द-सन्धि-चोपई	श्रीसार रतनहर्षशिष्य

माप से.मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23.3 × 11 9; 21	11	अपूर्ण	20वीं	
23 × 10 14; 34	8	"	18वीं	
24.9 × 11.5 16; 35	6–8	पूर्ण	1892	लि.क. रतनचंद; लि.स्था. लश्कर
16.3 × 22.5 33; 22	11–12	"	20वीं	
25.1 × 11.3 13; 43	तीसरा	अपूर्ण	19वीं	अन्तरहित
24.7 × 10.9 21; 48	4–6	पूर्ण	18वीं	र.का. 1745; लि स्था. कल्याणपुर
25.2 × 10.7 17; 44	1–9	"	1732	र. स्था. जैसलमेर लि. क. उदयसौभाग्य जयरंग गणि शिष्य
25.2 × 11.6 13; 44	2	"	19वीं	साथ में महावीरतपस्तवन
24.6 × 11.3 22; 50	1–2	"	20वीं	
25.6 × 11.6 13; 37	चौथा	"	"	र.का. 1872; र स्था. पाली
24 × 11.1 15; 33	6–7	"	"	अन्त में मेरुसिज्झाय;
24 × 10.2 13; 42	5	"	19वीं	जीर्ण
19.5 × 26.7 30; 21	54–64	"	1884	र.का. 1688; र.स्था. पुष्कर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
756	7971	इन्द्रभूति गुरुलब्धि-गीतमाष्टक	पद्मरंग
757	5938	इलापुत्र चोढालियो	पेमो ऋषि उदयसिंहऋषिशिष्य
758	6855	इषुराजा भृगुपुरोहित रो अधिकार	
759	6073	उपदेश पच्चीसी	भैया
760	7999	उपदेश सत्तरी	श्रीसार रत्नहर्ष शिष्य
761	4026	ऋषभ चरित्र	रायचन्द ऋषि
762	5682	कपट-पच्चीसी	रायचन्दऋषि जैमलशिष्य
763	7820	केशी वचनाप्त परदेशी प्रबोध चौपई	ज्ञानचन्द
764	6132	क्रोध-मान-माया चौढ़ालियो	भवसागर
765	6047	क्षमा छत्तीसी	समयसुन्दर
766	6385	"	"
767	6386	"	"
768	6387	"	"

नाप से मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
29 × 18 17; 26	109वां	पूर्ण	1926	
24.7 × 10.9 21; 48	3–4	,,	18वीं	
26.2 × 12 13; 50	1	,,	1899	लि. स्था. देशनोक
25.1 × 10.6 17; 62	2–3	,,	19वीं	
24 × 18 ———	128-131	,,	1926	
25.9 × 11.9 26; 50	13	,,	1841	र.का. 1840; र.स्था. पीपाड़ लि.क. अखू आर्या; लि स्था. पीपाड़
25.6 × 11.6 ———	3–4	,,	20वीं	र. का. 1833; र. स्था मेड़ता
19 5 × 26.7 30; 21	31–54	,,	1884	
23.7 × 11.8 13; 34	2–4	,,	19वीं	
25.2 × 11.7 12; 36	6–8	,,	20वीं	
21.6 × 13.4 13; 25	3	,,	1856	र. स्था. नागोर; लि. क. उद्योतविजय
25.1 × 10.7 10; 32	2	,,	1827	र.स्था. नागोर; लि.क. पुरुषोत्तम; लि. स्था. बंगलानगर
25 × 10.7 11; 36	8	,,	19वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
769	6388	क्षमाछत्तीसी	समयसुन्दर
770	6390	"	"
771	6396	"	"
772	7864	"	"
773	7328	क्षमापच्चीसी	जैमल ऋषि
774	5942	खन्धक कुंवर रो चौढालियो	
775	6594	गजसुकुमाल ढाल	लावण्यकीर्ति
776	7387	गुणव्रत नी ढाल	
777	6551	गुणावली चौपई	
778	4157	गौतम-रासो	रायचन्द ऋषि
779	6540	"	विजयभद्र सूरि
780	7494-ब	गौतमस्वामी अष्टक	
781	7411	पद-पहाड़ा-सवैया नो रास	

माप से मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×10 4 9;31	3	पूर्ण	19वीं	लि. क. सकलकीर्त्ति गणि
24.9×10.7 11;34	3	"	18वीं	
25 3×11.1 15;29	2	"	1830	र.स्था. नागोर; लि.क. राजसिंह ऋषि; लि. स्था. सोजत
29×18 17;26	46–48	"	1926	
23.5×11.5 21;36	दूसरा	अपूर्ण	19वीं	आद्यंश अप्राप्त
20.7×10.1 9;29	20–25	पूर्ण	20वीं	
24.5×10.5 15;44	2–4	अपूर्ण	19वीं	लि.क. भोजराज; लि.स्था. बीकानेर
15.2×10.7 13;18	14–15	पूर्ण	20वीं	र. का. 1911
21.6×10 5 10;32	16	अपूर्ण	"	
21.3×11.3 17;33	1–2	पूर्ण	19वीं	र. का. 1834; र. स्था. बीकानेर
14 3×12.3 11;15	4–12	अपूर्ण	"	आद्यंश अप्राप्त
17.5×11.5 11;18	78	पूर्ण	"	
11.6×9.5 7;12	17 (4-21)	अपूर्ण	1880	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्ता एवं टीकाकार
782	5002	पद-पहाड़ा-सवैया नो रास	विनयप्रभ
783	7856	"	
784	7096	पद-पहाड़ा री ढाल	
785	6557	चंद राजा री चौपई	मोहनविजय
786	7349	चन्दननृप वीरमती की ढाल	
787	6196	चन्दनबाला री वेल	अजितदेव सूरि
788	6559	चवदह रतन रो विस्तार	
789	6580	चित्रसेन पद्मावती चौपई	कान्तिसागर उत्तमसागर शिष्य
790	6560	चोबीस-तीर्थंकर-लेखा	
791	6566	जम्बूद्वीप अतीत-चोबीसी	
792	6191	जम्बूस्वामी चरित्र	
793	6601	जम्बूस्वामी री ढाल	प्रभव
794	7264	जिनचन्द्रसूरि-मभ्कर-नानाष्टक	

माप.से.मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25 × 21 1 25; 15	6-12	पूर्ण	19वीं	
29 × 18 17; 26	36–40	”	1926	
15.5 × 10.6 13; 20	6–7	अपूर्ण	19वीं	आद्यंश अप्राप्त
16 3 × 22.9 27; 22	24	”	20वीं	अव्यवस्थित पत्र
15 7 × 12.2 10; 18	10	”	19वीं	
25 × 10.8 17; 53	दूसरा	पूर्ण	20वीं	
26 5 × 12.3 20; 56	4	”	19वीं	
26 × 11.5 16; 46	35	”	1789	र.का. 1757; र.स्था. बालीनगर लि स्था. जालीर लि. क. भाणसागर
25.8 × 13.3 16; 26	8	”	19वीं	
16 3 × 25.5 33; 22	7वां	”	20वीं	
21 4 × 12.8 16; 24	7–22	”	”	
13.5 × 21.5 27; 24	9–19	अपूर्ण	19वीं	आदि-अन्त-रहित
17.5 × 7.5 9; 24	25–27	पूर्ण	1865	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
795	6434	ज्ञान पच्चीसो	बनारसी
796	6437	"	"
797	6429	ज्ञान-सागर बावनी	चम्पालाल
798	6887	ज्ञानाज्ञान सत्तावनी	
799	7517	तपशील री ढाल	आसकरण ऋषि
800	6415	त्रिलोक सुन्दरी चौपई	सबलदास
801	6638	थावच्चा ढाल	माधव
802	5025	शुकसेलग चौपई	राजहर्ष पुण्यहर्ष शिष्य
803	6197	थूलिभद्रजी नी सीयल बेल	वीर विजय
804	7355	थूलिभद्र नवरासो	उदयरत्न
805	6186	थूलिभद्र स्वामी नवरासो	"
806	6187	"	"
807	6188	"	"

माप से मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25 × 11.3 12; 31	2	पूर्ण	20वीं	
25.7 × 11 4 15; 40	पहला	,,	19वीं	
21.5 × 11.3 7; 46	6	अपूर्ण	20वीं	5वां पत्र अप्राप्त
26.2 × 12.2 15; 50	1–2	पूर्ण	1931	
24.7 × 11.2 19; 30	1	,,	20वीं	
24.6 × 11.9 15; 32	8	,,	19वीं	
25.5 × 11 16; 34	2	अपूर्ण	18वीं	आद्यंश अप्राप्त
25.4 × 10.5 15; 45	18	पूर्ण	,,	र.का. 1707; र स्था. वीकानेर (18वां पत्र त्रुटित)
21.8 × 10.1 10; 34	14	,,	1907	र. का. 1862 लि. क. वीरवेताल यति लि. स्था. कलकत्ता
14 × 9.5 11; 20	14–21	अपूर्ण	19वीं	
25 × 11 14; 45	3	पूर्ण	1801	र.का. 1759; लि.स्था. वीकानेर
24 5 × 11.6 15; 36	6	,,	1908	र.का. 1759; लि.स्था. देवीपुर
25 × 12 12; 27	5	,,	19वीं	र. का. 1759

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
808	6189	थूलिभद्र स्वामी नवरासो	उदयरत्न
809	6190	,,	,,
810	6185	,,	,,
811	6160	दरसण-पच्चीसी	मनरूप
812	5940	दरसण-भद्र-नृप-चोढालिया	
813	5030	दाम-शील-तप-भावनाधिकार	
814	6650	दान-शील-तप-भावना चौपई	
815	7301	दान-शील-तप-भावना-शिक्षा	समयसुन्दर
816	7222	दान-शील-तप भावना-संवाद	,,
817	4966	देवकी री ढाल	
818	6644	द्रोपदी-चौपई	कनककीर्त्ति
819	5933	धर्म छत्तीसी	धर्मसिंह उपाध्याय
820	5800	ध्यान रो चौढालियो	

नाप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.9 × 13 11; 26	4-11	अपूर्ण	1858	र. का. 1759
21.4 × 12.8 16; 24	1-7	पूर्ण	20वीं	र का. 1759; लि.क दौलतराम लि. स्था. खाचरोद
26.3 × 10.6 9; 37	10	"	19वीं	र. का. 1759
24 × 11.1 15; 33	2-3	"	20वीं	र.का. 1877; र स्था. बीसलपुर
24.7 × 10.9 21; 48	6-7	"	18वीं	र.का. 1786; र.स्था. सोजत; अन्त में पट बांध व सिज्भाय;
15.2 × 9 8 8; 17	31-48	"	1865	र.का. 1662; र.स्था. सांगानेर
25 × 11 18; 38	3	"	19वीं	
18.7 × 15.5 13; 24	5वां	"	"	
15.5 × 11.5 10; 18	7	अपूर्ण	"	अन्तिमांश अपूर्ण
24.2 × 11.2 ———	1-2	पूर्ण	18वीं	
25.7 × 12 7 12; 27	3	अपूर्ण	19वीं	
24.7 × 12.2 14; 30	3-4	पूर्ण	"	लि. स्था. सालावास
26.3 × 12 21; 47	चौथा	अपूर्ण	1825	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
821	6438	ध्यान-बत्तीसी	बनारसी
822	6672	नमि-राजा नी ढाल	समयसुन्दर उपाध्याय
823	6666	नलदमयन्ती चरित्र	ज्ञानसागर क्षमालाभशिष्य
824	4179	नवकार-रास	कान्ह
825	4860	निक्षेप–चौपई	
826	6657	नेमनाथ-बारहमासा	
827	7551	"	कवियण
828	7580	"	"
829	6574	नेमनाथ ब्याहुलो	मनरूप मोहनसागरशिष्य
830	6154	नेमनाथ-राजीमती-बारहमासा	लाल विनोदी
831	7421	नेम-राजीमती-ढाल	
832	6765	नेम-राजीमती-सीख	माणकचन्द
833	7030	नेम-राजुल-बारहमासा	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.7×11.4 15;40	1–2	पूर्ण	19वीं	
26×11 14;32	17–21	अपूर्ण	„	ढाल 10 से 15 तक;
25.7×10.8 15;48	5	पूर्ण	„	र. का. 1758; जीर्ण;
25.1×12.1 15;36	15–17	„	„	
20.9×10.2 ———	9–15	अपूर्ण	„	आद्यन्तरहित
21×34 38;34	पहला	„	20वी	लि. क. चुन्नीलाल लि. स्था. कलकत्ता
25.7×11.4 11;24	2	पूर्ण	19वीं	लि क. उम्मेदा; लि.स्था. जोजावर
23×10.5 13;38	1	„	20वीं	
16 3×25.5 33;22	19–20	„	„	
25×11 14;52	4–6	„	18वीं	
11×8.2 10;17	36वां	अपूर्ण	1831	
26×12 15;50	तीसरा	पूर्ण	1880	
10 6×7.9 8;12	8–15	„	19वीं	र.का. 1795; लि. स्था. नागौर;

क्रमांक एव विवरण	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एव टीकाकार
834	7381	नेमि-राजुल-नवरसो	
835	6668	नेमि-विवाह-आंकणी-होरी-पद	अमृत धवल
836	7123	पच्चीस बोल रो चौढालियो	सुरतराम मुनि
837	6135	पनरै तिथि रो पखवाड़ो	रूपचन्द
838	7159	पार्श्वनाथ-जिन पंच-कल्याणक-गर्भित 17 ढालियो	समयसुन्दर
839	7929	पास प्रगट गोड़ी धणी सत ढालियो जिन स्तुति	जिनसागर सूरि
840	6927	पुरन्दरकुमार चौपई	
841	7374	पृथ्वीचन्द्र-गुणसागर-रास	
842	4519	बारह-भावना-सन्धि	जयसोम
843	7097	बारह-व्रत-री ढाल	
844	7098	"	
845	7386	"	
846	7489	बुढाला री ढाल	

माप से मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26×18 5 12; 26	1	अपूर्ण	19वीं	
23 5×10.5 18; 46	2	पूर्ण	,,	
11×6.6 8; 12	60-73	अपूर्ण	,,	
26.7×12.3 17; 36	दूसरा	पूर्ण	,,	
17 5×7.5 8; 22	3-5	,,	,,	
29×18 17; 26	80-81	,,	1926	र. का. 1682
16 2×22.8 23; 18	26-38	अपूर्ण	20वीं	
25.3×10.8 16; 60	2	पूर्ण	16वीं	
25 2×10 7 11; 35	3	अपूर्ण	20वीं	अन्तरहित
15 5×10.6 13; 20	7-10	पूर्ण	19वीं	
10.2×7.2 7; 12	3-33	अपूर्ण	,,	आद्यन्तरहित
15.2×10.7 13; 18	12-14	,,	20वीं	र.का. 1832; आद्यंश अप्राप्त;
23.7×12.5 18; 55	3	,,	,,	अव्यवस्थित पत्र

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
847	7388	भवजीव करणी नी ढाल	
848	4161	मयणरेहा चौपई	
849	6788	मरुदेवी नी ढाल	
850	6789	माधवानल-कामकन्दला चौपई-आदि	
851	7527	मानतुंग-मानवती-कथा-ढाल	
852	4011	रत्नचूड़ चौपई	
853	4028	"	
854	5552	रहनेमि-राजुल-ढाल	
855	7997	रांचा-बत्तीसी	
856	6812	राजा-मुञ्ज-चौपई	
857	4054	राजुल पच्चीसी	
858	6155	"	लालचन्द (विनोद)
859	4013	रात्रि-भोजन-चौपई	धर्मसमुद्र वांचक

माप से. मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15.2 × 10.7 13; 18	16वां	अपूर्ण	20वीं	
21.3 × 11.3 17; 33	4	"	1945	अन्तरहित
26.5 × 10.8 11; 42	4–7	"	17वीं	आद्यन्तरहित
13.5 × 17.7 17; 16	8	"	19वीं	स्फुट पत्र
25.1 × 11.1 11; 42	2	"	20वीं	
26.1 × 11.4 15; 54	11	पूर्ण	1680	लि. क. सहजपाल ऋषि
25.5 × 11.3 15; 42	11	अपूर्ण	18वीं	अन्तरहित; कीट-भक्षित;
24.2 × 10.2 20; 52	7वां	पूर्ण	1930	
29 × 18 17; 26	125-127	"	1926	
25.2 × 10.8 16; 34	7–17	अपूर्ण	18वीं	आद्यन्तरहित
26.4 × 11.4 15; 44	2	"	19वीं	अन्तरहित
25 × 11 14; 52	6–8	पूर्ण	18वीं	
24.5 × 11.2 11; 33	18	"	19वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
860	4059	रात्रि-भोजन-चौपई	लक्ष्मीवल्लभ
861	4052	रात्रि-भोजन-दोष-चौपई	
862	4034	रामकृष्ण चौपई	
863	4057	राम-चरित्र	चौथमल ऋषि
864	4027	राम-चरित्र राम-रसायन	केशवराज मुनि
865	7309	रामयश-रसायन	"
866	4056	राम-रावण-चरित्र	"
867	7986	रिसह जिणेसर सोजमो कुशलसूरि चतुष्पदिका	जयसागर उपाध्याय
868	4096	रोहिणी री ढाल	दीपविजय
869	4176	लालचन्द बावनी	लालचन्द ऋषि
870	4186	लीलावती चौपई	मानसागर
871	6818	"	जिनोदय सूरि
872	4153	लीलावती ढाल	

नाप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.2×10.7 13;40	18	अपूर्ण	19वीं	अन्तरहित
25.9×10 6 14;44	3	"	"	"
26×11.4 15;41	7	पूर्ण	1853	लि. क. कल्याणजी लि. स्था. मोजाबाद
25.7×11.4 19;41	17	"	19वीं	र. का. 1859
26.1×12 17;47	4	अपूर्ण	"	अन्तरहित
26 7×11 18;50	72	पूर्ण	1761	लि. क. छाजू ऋषि लि. स्था. खुरमपुर
26 5×12.1 12;29	19	अपूर्ण	19वीं	अन्तरहित
29×18 17;26	117-118	पूर्ण	1926	
17.5×64.8 64;28	1	"	1975	र का. 1859; र.स्था. खम्भात लि. स्था. खारथी
24 2×12.1 15;42	7	"	20वीं	र. का. 1873
28.4×11.9 17;43	35	अपूर्ण	19वीं	अन्तरहित
16 2×22.5 21;16	18–22	"	20वीं	आद्यन्तरहित
25.2×11.8 25;45	1–2	पूर्ण	19वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
873	6817	लीलावती री कथा	जिनोदय सूरि
874	4414	वंकचूल चौपई	
875	4445	"	रत्नचन्द्र
876	4500	"	त्रिविक्रम
877	6848	"	लालचन्द
878	4497	वच्छराज महामुनि चौपई	सत्यसागर रत्नसागरशिष्य
879	4444	वज्रकंवर रो चौढालियो	
880	4371	वत्स-राजर्षि-कथा-प्रबन्ध	सहजकीर्ति गणि
881	4303	वयरस्वामी पन्द्रह ढालियो	जिनहर्ष शान्तिहर्षशिष्य
882	44[illegible]9	वयरस्वामी प्रबन्ध	जयसोम
883	4654	"	"
884	4499	वलकलचीर चौपई	समयसुन्दर उपाध्याय
885	4641	वस्तुपाल-तेजपालरास	समयसुन्दर

माप से मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत)	विशेष ज्ञातव्य
23×15.3 13; 27	2–19	अपूर्ण	19वीं	आद्यन्तरहित
26.1×10.7 13; 45	4	पूर्ण	18वीं	
25.5×11.8 13; 35	3	"	1933	लि.क. लक्ष्मीनारायण महात्मा
25.3×11.1 12; 34	16	"	1795	र.का. 1706; र.स्था. कृष्णगढ लि. क. कुशलसिंह लि. स्था. बीकानेर
25.5×12.2 24; 48	6	अपूर्ण	19वीं	
25.6×11 23; 70	20	पूर्ण	1841	र.का. 1799; र.स्था. सूरत लि. क. गुमानचन्द मुनि लि. स्था. नागौर
24.4×12.9 13; 30	3	"	20वीं	
25.3×10.9 25; 82	12	"	18वीं	र.का. 1672; र.स्था. खीमसर
24.5×11.5 13; 35	5	"	19वीं	र. का. 1759
25.9×10.9 13; 42	7	"	18वीं	र. का. 1659
25×10.4 13; 37	7	"	1660	र.का. 1659; र.स्था. जोधपुर लि क. भोजा
25.9×10.7 13; 47	5–12	अपूर्ण	17वीं	र.स्था. जैसलमेर; आद्यन्तरहित
23.7×10.5 13; 41	2	पूर्ण	18वीं	र. का. 1682

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
886	4308	विक्रम-चरित्र	
887	4309	"	अभयसोम
888	4450	"	लक्ष्मीवल्लभ उपाध्याय
889	4451	"	अभयसोम
890	4570	"	
891	4579	विक्रम-चरित्र-खापरा-चोर-चौपई	अभयसोम जिनचन्द्रसूरिशिष्य
892	4580	"	लाभवर्द्धन (लालचन्द)
893	4513	विक्रम चरित्र चौपई	जिनयसमुद्र
894	4575	विक्रम चरित्र (लीलावती) चौपई	अभयसोम जिनचन्द्रसूरि शिष्य
895	4576	"	"
896	4577	"	"
897	4578	"	"

माप से मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26.4×10.8 14;51	29	पूर्ण	19वीं	
25.7×10.8 19;48	9	"	1749	र.का 1724; लि.क. रत्नशील लि. स्था फलोदी;
26.4×10.8 11;40	107	"	19वीं	र. का. 1728
23.3×10.2 16;36	10	अपूर्ण	20वीं	अन्तरहित
25.5×11.2 15;38	9	"	19वीं	
25.9×11.3 19;64	7–12	पूर्ण	1728	र. का. 1724
25.1×11.8 18;40	14	"	19वीं	र.का. 1723; र.स्था. जैतारण
23.8×9.7 17;24	2–14	अपूर्ण	17वीं	आद्यन्तरहित;
25×12 15;42	11	पूर्ण	19वीं	र. का. 1724 लि.क. पन्नालाल महात्मा लि. स्था. नागोर
26.2×11.2 15;45	10	"	1749	र. का. 1724 लि. क. भाणविजय लि. स्था. सुजाणपुर
26.6×11.7 11;40	12	अपूर्ण	19वीं	र. का. 1724
25.9×11.3 19;64	1–7	पूर्ण	1728	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
898	4610	विक्रम चोपई	लाभवर्द्धन (लालचन्द)
899	4611	"	"
900	4494	विक्रम-पंचदण्ड-चरित्र	लक्ष्मीवल्लभ
901	4310	विक्रम पंचदण्ड छत्रोत्पत्ति	
902	4571	विक्रम-पंचदण्ड-रास	लक्ष्मीवल्लभ
903	4612	"	"
904	4493	विक्रमसेन-चौपई	मानसागर
905	4652	विक्रमादित्य-खापरा-चोर-चौपई	लाभवर्द्धन
906	4307	विद्या-विलास-चौपई	आनन्दउदय जिनतिलक शिष्य
907	4438	विजयकुंवर चोढालियो	रामचन्द्र
908	4655	विजयकुंवर ढाल	लालचन्द
909	4656	"	"
910	4442	विजयकुंवर रो रास	लालचन्द ऋषि दौलतरामशिष्य

माप से. मी.: पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत)	विशेष ज्ञातव्य
25×11.4 13; 48	5-13	अपूर्ण	19वीं	आद्यन्तरहित
26×12 20; 44	21	पूर्ण	1923	र.का. 173?; लि.क. मिरंगा लि. स्था. हरसाला
23.7×12.8 18; 40	25	अपूर्ण	20वीं	अन्तरहित
26.4×11.3 18; 62	2?	पूर्ण	1726	लि क. देवीदास सांवल लि.स्था. उचांणा-कर्म?ाटी
24 6×11.1 17; 41	8	अपूर्ण	19वीं	स्फुट पत्र
24 8×11.8 19; 46	3-61	"	"	आदिरहित
25.4×11.1 15; 37	10-35	"	20वीं	आद्यन्तरहित
25 9×12.3 17; 41	16	पूर्ण	1877	लि.क. नेमचन्द; लि.स्था. फलोदी
24 4×11.9 19; 58	6	"	18वीं	र.का. 1662; र स्था. बालोतरा
24 6×11.8 16; 44	2	"	20वीं	र का. 1910; र.स्था. नागोर
26 4×11.7 15; 31	3	"	1881	र का 1861; र.स्था. रामपुरा (कोटा); लि.क दलीचन्द लि स्था. कानोड़
24.4×11.3 16; 42	2	"	19वीं	र. का. 1861 र. स्था. रामपुरा (कोटा)
25.5×11.1 13; 35	4	"	1966	" " "

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
911	4443	विजयकुंवर रो रास	लालचन्द ऋषि दौलतरामशिष्य
912	4312	विजयकुंवर विजयाकुंवरी री ढाल	लालचन्द ऋषि
913	4315	,,	लालचन्द ऋषि दौलतराम शिष्य
914	4311	विजयकुंवर विजयासती चौढालियो	हर्षकीर्ति चन्द्रकीर्ति-सूरि शिष्य
915	4313	विजयसेठ विजयासती रास	रायचन्द मुनि गुणसागरशिष्य
916	4381	विजयसेठ विजयासती नी ढाल	हर्षकीर्ति सूरि चन्द्रकीर्तिशिष्य
917	4314	विजयसेठ विजयासती स्वाध्याय (चौढालियो)	,,
918	4441	विमय नो सतढालियो	
919	4501	विमल-मन्त्री-मनोहर-प्रगट-प्रबन्ध	लावण्यसमय गणि
920	4573	वीराङ्गद चौपई	
921	430	वैदर्भी नी चौपई	प्रेमराज
922	4302	,,	,,
923	4434	,,	,,

माप से. मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.8×12 8;29	8	पूर्ण	20वीं	र. का. 1861 र. स्था. रामपुरा (कोटा)
26.1×11.3 12;32	6	"	19वीं	" " "
24 1×11.2 20;50	2	"	20वीं	" " "
23 3×10.5 12;27	2	"	"	
25×9.6 11;44	6	"	19वीं	र.का. 1682; र स्था. सोपरगढ़
25×11.7 12;37	2	"	"	
24.5×12.2 9;31	3	"	20वीं	
26.6×12.7 15;33	16	"	1818	लि. क. जयचन्द लि. स्था. वीलोण
25.5×10.9 19;60	23	अपूर्ण	20वीं	अन्तरहित
27.3×11.4 17;42	4-19	"	17वीं	
25.6×11.2 17;56	6-9	पूर्ण	19वीं	
25.5×10.9 15;49	3-6	अपूर्ण	1845	आद्यंशरहित
24.8×11.9 11;23	18	"	20वीं	"

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
924	4435	वैदर्भी नी चोपई	प्रेमराज
925	4446	"	"
926	4447	"	"
927	4498	"	"
928	4555	"	
929	4572	"	
930	4640	"	"
931	6358	"	"
932	6376	"	
933	6846	"	नवरंग
934	4568	वैराज्य रास	कवियण
935	4595	वैराग्योपदेश सुगण बुढापा ढाल	
936	4234	व्यवहार-सुद्धि-चोपई	समयसुन्दर वाचक

माप से. मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.4×11.2 14;31	9	पूर्ण	19वीं	
25.9×11.1 12;34	9	"	1949	लि.क. हीरालाल महात्मा लि. स्था. बीकानेर
25.8×11.3 14;33	9	"	20वीं	
25.1×11 ———	6	"	1764	लि.क. डूंगरसी ऋषि
25.8×11.9 13;38	5	अपूर्ण	19वीं	अन्तरहित
25.3×10.6 15;38	3	"	"	स्फुट पत्र
24.4×10.4 14;34	7	पूर्ण	1781	लि.क. वीरविजय गणि लि. स्था. गूढानगर
26.2×12.9 26;62	10–12	"	20वीं	
25.3×11.4 15;40	4	अपूर्ण	"	फुटकर पत्र; तीसरे पत्र पर थारेच्चा सुत तथा नन्दीषेण-चरित्र अपूर्ण है।
25.5×11 14;46	2	"	19वीं	
25.5×11 16;42	5	पूर्ण	18वीं	
21.1×9.9 ———	दूसरा	अपूर्ण	19वीं	अन्तरहित
22.4×10.2 13;37	7	पूर्ण	18वीं	र.का. 1696; र.स्था. अहमदाबाद लि. स्था. भीनमाल

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
937	4856	शत्रुञ्जय-उद्धार-रास	नयसुन्दर भानुमेरुशिष्य
938	4983	" "	" "
939	4974	शत्रुञ्जय-गिरि उद्धार-रास	" "
940	6103	शत्रुञ्जय-गिरि-रास	स नयसुन्दर
941	4895	शत्रुञ्जय-महात्म्य	सहजकीर्त्ति वाचक
942	4744	शत्रुञ्जय रास	सुमतिकल्लोल शिष्य
943	4745	" "	समयसुन्दर सकलचंद शिष्य
944	4747	" "	"
945	4857	" "	" "
946	4982	" "	" "
947	5001	" "	" "
948	7855	" "	" "

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.7×11.7 11;30	2–8	अपूर्ण	20वीं	आद्यंशरहित; र.का. 1638 र. स्था. अहमदाबाद
26.3×11.2 11;39	7	पूर्ण	1681	र.का 1630; र.स्था. अहमदाबाद लि.क. जयविजय गणि
27.2×12.3 15;30	1–5	"	20वीं	र.का 1637; र.स्था. अहमदाबाद
25.4×10.8 11;40	5	अपूर्ण	19वीं	र.का. 1682; र.स्था. नागोर
24.4×11 17;51	85	पूर्ण	1734	र. का. 1684 लि. क. कुशललाभ गणि लि. स्था. नागपुर
26.1×10.9 13;45	23	"	18वीं	
24.6×10 3 10;34	1–8	"	19वीं	र.का. 1686; र.स्था. नागोर
19.3×9 5 10;26	8	"	1867	" " " लि. स्था. बीकानेर
22×10.7 11;21	1–10	"	20वीं	र.का. 1688; र.स्था. नागोर दूसरा पत्र अप्राप्त
23.4×10.3 11;37	6	"	18वीं	र.का. 1682; र.स्था. नागोर
15×21.1 ———	6–7	अपूर्ण	19वीं	" " " (आद्यंश रहित)
29×18 ———	31–36	पूर्ण	1926	र.का. 1682; र.स्था. नागोर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
949	4831	शाम्ब-प्रद्युम्न-चरित्र	समयसुन्दर उपाध्याय
950	4703	शाम्ब-प्रद्युम्न-चोपई	समयसुन्दर गणि
951	4704	„ „	„ „
952	4705	„ „	„ „
953	6217	„ „	„ „
954	5315	शालिभद्र चरित्र	मतिसार
955	5316	„ „	„
956	6926	„ „	मतिसार जिनसिंहसूरीशिष्य
957	4702	शालिभद्र चोपई	„ „ „
958	4883	„ „	जिनराज सूरि
959	6247	„ „	मतिसार
960	4854	शालिभद्र-धन्ना-चोपई	मतिसार जिनसिंहसूरिशिष्य
961	5789	„ „	„ „ „

माप से मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.9×11	33	पूर्ण	1734	र. का. 1659
25 3×11.1 17;39	17	"	"	र.का. 1659; लि.क. वृद्धिविजय लि. स्था. मोइकानगर
26.2×11.4 16;40	3–21	अपूर्ण	1784	र का. 1659; लि.स्था. सातिया लि. क. सुन्दरविजय
25 1×10.7 14;38	6	"	19वीं	अन्तरहित
24.6×11 13;35	27	पूर्ण	1661	र. का. 1659 लि.क. वस्ता साहाजीशिष्य
19.7×12.3 12;27	2–32	"	19वीं	र. का. 1678
24 7×10.2 13;43	23	"	1875	"
16 2×22.8 23;18	1–26	अपूर्ण	20वीं	र. का. 1672
24.1×11 14;38	22	पूर्ण	1826	र. का. 1678
25.9×11.5 14;35	4–18	अपूर्ण	19वीं	
12.3×21.5 31;21	66	पूर्ण	1793	र. का. 1678 लि. क ज्ञानविजय
27.4×12.4 12;50	17	"	1912	र. का. 1678 लि.क. लाभचन्द ऋषि;
25.1×11.6 14;34	25	"	1918	र. का. 1678

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एव टीकाकार
962	5790	शालिभद्र-धन्ना-चौपई	मतिसार जिनसिंहसूरिशिष्य
963	6284	"	
964	7819	शालिभद्र-मुनि-चौपई	"
965	4449	शालिभद्र ब्यावलो	
966	4700	शिखरजी रास	बालचन्द्र
967	4865	शील-पच्चीसी	नेता किशनाशिष्य
968	4807	शील-रास	वजयदेव सूरि
969	4834	"	"
970	4863	"	"
971	4864	"	"
972	4905	"	विनयसुन्दर भानुमेरुशिष्य
973	4906	"	विनयसमुद्र
974	4907	"	

माप से. मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.4×11.9 15;47	13	अपूर्ण	20वीं	
25.6×12.1 20;41	2–5	"	19वीं	र.का. 1781; लि.क. दानमल मुनि
19.5×26.7 30;21	13–31	पूर्ण	1884	र. का. 1678 लि. क. हिन्दूमल ऋषि
25.6×11.7 20;48	2	अपूर्ण	19वीं	
26.4×13.1 10;33	10	पूर्ण	20वीं	र.का. 1907; अजीमगज
23.3×10.5 12;27	2	"	"	लि. क. दौलतराम लि. स्था. झालरापाटन
25.8×10.5 13;42	8	"	1877	लि. क. शिवलाल लि. स्था विक्रमपुर
25.4×10.6 14;31	10	"	1780	लि. क. वीर लच्छी साध्वी
25.1×11 17;48	5	"	1863	लि. क. राजू आर्या
25.1×11 11;37	6	अपूर्ण	20वीं	
25×11.2 13;31	11	पूर्ण	18वीं	र. का. 1619
22.1×11.1 15;42	4	"	19वीं	र. का. 1604
24.7×10.7 14;45	6	अपूर्ण	"	अन्तरहित

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
975	6929	शील-रास	
976	4832	शीलवती चौपई	देवरत्न देवकीर्ति शिष्य
977	4963	शीलोपरि नारद चौपई	लब्धिरत्न धर्ममेरु शिष्य
978	4870	श्रावकातिचार चौपई	पार्श्वचन्द्र सूरि
979	4751	श्रीपाल चरित्र	सुयशविजय एवं विनयविजय
980	4752	"	"
981	4753	"	"
982	4754	"	"
983	4755	"	"
984	4839	"	"
985	4885	"	"
986	4886	"	

माप से. मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.7 × 11.7 12; 34	6	अपूर्ण	20वीं	
24.8 × 11.4 16; 48	2–17	"	1721	र. का. 1698; र.स्था. वालसीसर
25.1 × 10.8 14; 42	5	पूर्ण	18वीं	र. का 1676 र. स्था. नवहर नगर लि. क. भुवनकलश
25.6 × 11.4 12; 36	8	"	19वीं	
26.9 × 12.4 15; 34	55	"	1859	र.का. 1738; र.स्था. राणेर लि. स्था. भैरुंदानगर
25.8 × 11.7 13; 38	50	अपूर्ण	19वीं	अन्तरहित
25.2 × 11.3 13; 45	56	पूर्ण	1778	र.का. 1738; र स्था. रानेर लि. क. भूषणचन्द शुभाचन्द लि. स्था. राजनगर
26.9 × 11.4 18; 47	31	"	19वीं	र. का. 1728; र.स्था. राणेर
24.6 × 11.2 16; 43	55	अपूर्ण	1858	र.का. 1738; र.स्था. रानेर लि.क. लाभचंद; लि.स्था. जैसलमेर
25.3 × 11.5 14; 38	2–67	"	1808	र.का. 1738; र.स्था. रानेर लि. क सुन्दर विजय लि. स्था. दासपा
25.7 × 11 10; 27	59	पूर्ण	1878	र.का. 1638; र.स्था. रानेर लि. क. पदमविजय लि. स्था. बालपुर
25.5 × 11 11; 31	48	"	19वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
987	4887	श्रीपाल चरित्र	विनयविजय कीर्तिविजय शिष्य
988	4902	"	चौथमल ऋषि
989	4838	"	सुजसविजय एवं विनयविजय टी. गणेशरुचि गणि
990	4951	"	
991	6699	श्रीपाल मयण सुन्दरी रास	
992	4756	श्रीपाल रास	ज्ञानसागर माणिक्यसागर शिष्य
993	4757	"	ज्ञानसागर गुणदेवसूरि शिष्य
994	4918	"	
995	4987 (2)	"	विनयविजय
996	4996	श्रीमती चोपई	विजय हर्ष
997	4947	"	"
998	4952	श्रेणिक नृप चरित्र	

माप से. मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.2×11.7 15;35	12	अपूर्ण	19वीं	प्रथम खण्ड मात्र
23.5×10.9 12;34	37	पूर्ण	20वीं	र.का. 1891; र.स्था. सादड़ी लि.क. जीवणमल महात्मा लि. स्था नागौर
26 8×11.9 18;50	79	"	1819	र.का. 1738; र.स्था. रानेर लि. क. तीर्थविजय लि. स्था. उदयपुर
25.9×12.2 14;44	2	अपूर्ण	20वीं	अन्तरहित
25 5×11 3 14;38	5	"	19वीं	आद्यन्तरहित
26 2×11.5 17;42	23	पूर्ण	1774	र.का. 1726; र.स्था. रेणपुर
25 6×11 13;40	12	"	1808	र. का. 1531; लि.क. रविविजय लि. स्था. महिमापुर
23.6×11.8 11;25	2–16	अपूर्ण	19वीं	आद्यन्तरहित
25×10.6 13;25	57	"	"	अन्तरहित
25.1×11.5 19;40	2	पूर्ण	"	लि.क. आर्या इन्दु छोटी
25×11.2 19;44	2	"	1856	लि.क. गुमानचंद; लि.स्था. मेड़ता
25.3×11 14;46	5	अपूर्ण	20वीं	अन्तरहित

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्ता एवं टीकाकार
999	4911	श्रेणिक राजा नो रास	
1000	6295	श्रेणिकराय चरित्र	त्रिलोक ऋषि
1001	5036	षट् भाइयों की ढाल	माल मुनि
1002	5680	संगत इक्कीसी	आसकरण जैमल शिष्य
1003	5296	सम्मेत शिखर गिरि प्रबन्ध	जसकीर्ति
1004	6099	सम्मेत शिखर गिरि रास	आलमचन्द सत्यरत्न जिनहर्ष सूरि शिष्य
1005	7801	,,	
1006	5180	सम्यक्त्व कोमुदी चोपई	आलमचन्द वच्छराज
1007	5994	,,	
1008	6082	सम्यक्त्व जीत चोढालियो	रायचन्द्र ऋषि जैमल शिष्य
1009	5937	संगती (संगतो) नृप चोढालियो	
1010	5304	संवर पट्	
1011	5880	संवाद शतक	समयसुन्दर

माप से मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.1 × 12.3 16; 49	4	अपूर्ण	20वीं	अन्तरहित
24.6 × 11.9 14; 46	6	"	19वीं	"
24 2 × 12.3 13; 26	28	पूर्ण	1916	र. का. 1857 र. स्था. माण्डवी-बिन्दर
25 6 × 11.6 13; 37	पहला	"	20वीं	र. स्था तिंवरी
22.2 × 10.1 15; 30	30	"	17वीं	लि क. दयाकलश लि. स्था. खादिरपुर
25.8 × 12 6 13; 37	4	अपूर्ण	19वीं	
15 × 12.8 19; 19	1–17	पूर्ण	1880	र का. 1880; लि.क. सत्यरत्न लि. स्था सिराजगंज
26 3 × 12 3 14; 30	15	अपूर्ण	19वीं	अन्तरहित
24.6 × 10.9 16; 50	20–44	"	18वी	आद्यन्तरहित
22 1 × 10 4 16; 38	2	पूर्ण	19वीं	र का. 1833; लि.क. धर्मा आर्या लि. स्था. बीकानेर
24.7 × 10.2 21; 48	1–3	"	18वीं	
21.6 × 11.7 10; 27	2	"	19वीं	
25.7 × 11.3 12; 30	2–6	अपूर्ण	1800	र.का. 1666; र.स्था. सांगानेर लि.क. जेठमल; लि.स्था. निबाजग्राम

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1012	7234	सतरह ढालियो	
1013	6085	सनत्कुमार चक्रवर्ती चोढालियो	कुशल कवि
1014	5935	सनत्कुमार चोढालियो	"
1015	5802	सनत्कुमार नी ढाल	चौथमल ऋषि
1016	6215	समकितसार प्रश्नोत्तर पच्चीसी	जेठमल रूपचन्द शिष्य
1017	5855	समरादित्य चरित्र	पद्मविजय गणि
1018	5799	समवसरण चोपई	जैमल ऋषि
1019	7585	सवैया चतुर्विध संघ	धर्मसिंह
1020	6161	साधुगुण पच्चीसी	मनरूप
1021	5195	सायर सेठ चोपई	सहजकीर्ति
1022	5219	सिंहलसिंहकुमार चोपई	समयसुन्दर
1023	5631	"	"

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17.5×7.5 10;22	1–2	अपूर्ण	19वीं	
25×10.9 17;52	1–2	पूर्ण	19वीं	र.का. 1789; र.स्था. मेड़ता
25.1×11.3 — — —	2–3	अपूर्ण	19वीं	" "
22.8×11 20;39	2	पूर्ण	"	र. स्था. पीपाड़
23.5×11.6 19;38	16–19	"	1890	र.का. 1878; र.स्था. अहमदाबाद लि. क. माणकचन्द ऋषि लि. स्था. पाटण
23.5×10.7 11;31	2–294	अपूर्ण	20वीं	आद्यन्त रहित
26.3×12 21;47	1–4	पूर्ण	1825	र.का. 1806; र.स्था. नागौर लि. क. उरजा ऋषि लि. स्था. आणन्दपुर
24×11 16;56	पहला	"	1909	
24×11.1 15;33	3–4	"	20वीं	र.का. 1877; र.स्था. बीसलपुर
24.1×10.8 18;46	7	"	1714	र.का. 1675; लि.क. कनकधर्म लि. स्था. गारमदेसर
26.4×12.3 17;42	7	"	1846	र.का. 1672; र.स्था. मेड़ता लि.क. ज्ञानचन्द मुनि
24.6×10.8 11;33	14	"	1676	र.का. 1672; र.स्था. मेड़ता लि. क. वीरपाल

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1024	5664	सिद्ध चक्र-ढाल	जसवाचक
1025	5659	सिद्धचक्र महिमा चोपई (श्रीपाल चरित्र)	जिनहर्ष शान्तिहर्ष शिष्य
1026	5656	सिद्धचक्र (श्रीपाल रास)	ज्ञानसागर उपाध्याय
1027	5896	सीता चरित्र	
1028	6107	सीता री ढाल	
1029	5161	सीता-राम चरित्र चोपई	समयसुन्दर उपाध्याय
1030	6156	सील पच्चीसी	
1031	6.08	सील चौढालियो	ज्ञानचन्द गणि
1032	5674	सुखम छत्तीसी	उदय ऋषि
1033	52.0	सुगुरू पच्चीसी	रूपविजय लाभविजय शिष्य
1034	6157	"	जिनहर्ष शान्तिहर्ष शिष्य
1035	5266	सुदर्शन सेठ कथा कवित्त	दीपचन्द ऋषि बर्द्धमान शिष्य
1036	5267	"	"

माप से मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.3 × 12.2 14;30	2	अपूर्ण	20वीं	
25.7 × 12.5 14;37	38	पूर्ण	1942	र.का. 1740; र.स्था. पाटण लि. स्था. बीकानेर
25.4 × 10.9 11;33	17	"	18वीं	र. का. 1531
25.8 × 12 16;32	2–34	अपूर्ण	19वीं	आद्यन्तरहित
24.5 × 11.7 15;32	3–6	पूर्ण	"	"
25.6 × 12.2 16;34	4–100	अपूर्ण	"	"
24.4 × 11.5 14;32	1–2	पूर्ण	20वीं	
26.2 × 21.1 14;36	10	"	19वीं	लि. क. अणन्दा आर्या लि. स्था. गगदाणा
24.9 × 12.2 21;37	2	"	"	र.का. 1841; र.स्था. नोरंगाबाद
24.5 × 10.6 9;27	2	"	"	र. स्था. बीकानेर
24.4 × 11.5 14;32	2–3	"	20वीं	
26.8 × 11.6 13;34	15	"	1860	लि. क. शिवचन्द्र ऋषि लि. स्था. अकबराबाद
25.8 × 11.4 15;58	6	अपूर्ण	19वीं	अन्तरहित

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1037	5268	सुदर्शन सेठ कथा कवित्त	दीपचन्द ऋषि वर्द्धमान शिष्य
1038	5783	,, ,,	धर्मसिंह
1039	6298	सुदर्शन सेठ चौपई	
1040	5243	सुबाहु ऋषीश्वर सन्धि	पुण्यसागर उपाध्याय
1041	5801	सुबाहुकुमार नो चौढालियो	दीपचन्द ऋषि टोडरमल ऋषि शिष्य
1042	5281	सुबुद्धि चौपई	मुक्तिसुन्दर रंगसुन्दर शिष्य
1043	5220	सुभद्रा नी चौपई	लालचन्द
1044	5788	सुभद्रा नी ढाल	
1045	5222	सुभद्रा सती चरित्र चौपई	रघुपति विद्यानिधान शिष्य
1046	5675	सुभद्रा सती चौपई	मानसागर जीतसागर शिष्य
1047	5676	,,	,, ,,
1048	5221	,,	लालचन्द दौलतराम शिष्य

साप से. मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
22.9 × 11.7 11; 28	3–23	अपूर्ण	1875	र का. 1532 लि क. बगसीराम ऋषि
20.6 × 11.1 26; 32	7	पूर्ण	1929	
24.1 × 10.7 16; 48	2–4	„	19वीं	आद्यन्तरहित
25.8 × 10.5 13; 45	4	„	„	र.का. 1604; र.स्था. जैसलमेर
26.9 × 10.9 15; 40	2	„	1865	र.का. 1861; र.स्था. बगड़ी लि क. लोपा; लि.स्था. जोधपुर
25.8 × 11.2 15; 21	19	„	19वीं	र. का. 1715
24.4 × 11.6 16; 31	6	„	1935	लि. क. पन्नालाल गुरां लि. स्था. भीलड़ा
24 4 × 11.4 18; 48	8	„	19वीं	लि. स्था. बीकानेर
25.3 × 10.6 17; 37	17	„	1844	र.का. 1825; लि.क. सरुपचंद लि. स्था. उदरामसर
26 × 11 4 17; 36	3	„	1849	र.का. 1759; र.स्था. वत्सराजपुर लि. क. हेमराज ऋषि लि. स्था. बोकानेर
24 8 × 10.6 ———	1–९	„	1889	र.का. 1759; र.स्था. वत्सराजपुर लि. क सिणगारा चेली लि. स्था. विक्रमपुर
25 8 × 10.9 19; 62	3	„	20वीं	र.का. 1858; र.स्था. माधोपुर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्ता एवं टीकाकार
1049	6159	सुमति पच्चीसी	मनरूप
1050	5672	सुरसुन्दरी सती चौपई	धर्मसी
1051	5892	,, ,,	धर्मवर्द्धन हर्षविजय शिष्य
1052	5893	,, ,,	
1053	5993	,, ,,	धर्मसिंह
1054	5782	सुल सानो चोढालियो	हीराचन्द स्वामी
1055	6491	सेठ बसंत चरित्र (पद्य)	जैमल ऋषि
1056	5272	सेनक (श्रेणिक) नृप चौपई	
1057	5791	,, ,,	माणकचन्द
1058	5793	सोलह सपना री ढाल	जैमल ऋषि आदि
1059	5794	,, ,,	,,
1060	5797	,, ,,	,,
1061	5796	सोलह सपना नो अर्थ ढाल	,,

माप सें मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24 × 11.1 ———	दूसरा	अपूर्ण	20वीं	र.का. 1877; र.स्था. बीसलपुर
26.1 × 12.8 14; 37	20	,,	19वीं	
20.1 × 11.4 15; 40	24	पूर्ण	1865	र.का. 1736; लि स्था. बीकानेर
26.9 × 11.4 19; 50	8	अपूर्ण	17वीं	आदि का अंश अप्राप्त
27.3 × 11.5 18; 41	13	,,	20वीं	अन्तरहित
24.5 × 12 19; 35	1–3	पूर्ण	,,	अंत में पुण्यसेन चोढ़ालिया तथा मौन एकादशी आदि
25.3 × 11 13; 35	5	,,	19वीं	लि.क. दलीचंद; लि.स्था. नाथद्वारा
26.2 × 11.8 16; 37	8	अपूर्ण	20वीं	अन्तरहित
25.2 × 11.1 19; 43	2	,,	,,	र. का. 1878
24.5 × 11.1 16; 27	4	पूर्ण	,,	1. सोलह स्वप्न ढाल 2. बाहुबल सिज्झाय 3. अरणक मुनि सिज्झाय
22 × 11.1 17; 35	2	,,	1968	लि. क. सूरजकंवर लि. स्था. कोल्यारी
25.3 × 12 10; 37	1–3	,,	20वीं	
25.8 × 11.9 16; 50	2	,,	,,	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1062	5217	सौभाग्य पंचमी	जिनरंग
1063	6105	स्याद्वाद् पच्चीसी	तिलोक ऋषि
1064	6312	हंसराज बच्छराज चौपई	जिनोदय सूरि
1065	6313	"	महिमासिंह मुनि शिवनिधान शिष्य
1066	6314	"	जिनोदय सूरि जयतिलक सूरि शिष्य
1067	6315	"	" "
1068	6316	"	" "
1069	6335	"	" "
1070	6336	"	" "
1071	6346	"	जिनोदय सूरि
1072	6349	"	"
1073	6350	"	"
1074	6157	"	"

माप से. मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26×10.6 13;33	3–23	अपूर्ण	19वीं	आदिरहित; र. का. 1738
22.9×11.7 14;44	3	पूर्ण	20वीं	र. का. 1929
26×11.2 15;34	29	,,	19वीं	र. का 1680
25.3×11 13;48	19	अपूर्ण	,,	अन्तरहित; र. का. 1680
25.8×12.2 14;34	33	पूर्ण	1842	र.का. 1680; लि.क. वैजमल लि. स्था. अमररायपुर
25.7×10.9 15;48	26	,,	1774	लि. क. छाजमल ऋषि लि. स्था. औरंग
25.6×11.1 16;48	20	,,	1744	लि. क. छाजू मुनि लि. स्था. बमाणियो ग्राम
25.3×11 11;28	51	,,	1863	र.का. 1680; लि.क. मुक्तिसागर
25.2×11.5 16;41	32	,,	19वीं	
25.6×10.7 17;51	2–21	,,	1726	लि. क. पदमसी लि. स्था. नबसरा ग्राम
25.9×13.8 15;40	29	,,	1911	र.का. 1680; लि.क. अमरचन्द खरतरगच्छ
25.8×12 17;43	33	,,	1855	लि. क. मांगजी गुरांजी लि. स्था. बाड़मेर
26.2×12.9 26;62	1–10	अपूर्ण	20वीं	मध्य का अंश अप्राप्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1075	6367	हंसराज वच्छराज चौपई	जिनोदय सूरि
1076	6819	,, ,,	,,
1077	6359	हरचन्द राजा प्रवन्ध	
1078	6322	हरचन्द राजा री चौपई	प्रेम मुनि नरसिंह मुनि शिष्य
1079	6375	हरचन्द राजा नो रास	यशोलाभ
1080	6320	हरिवल चरित्र	लब्धिविजय
1081	6352	,,	
1082	6318	,,	राजरत्न सूरि साधुहर्ष शिष्य
1083	6319	हरिवल मुनि चौपई	पुण्यहर्ष पाठक ललितकीर्ति शिष्य
1084	6321	हरिबल रास	कुशलसंयम
1085	6939	हरिवंश उत्पत्ति चौपई	
1086	6801	हरिवंश प्रवन्ध	गुणसागर
1087	6301	हरिवंश वर्णन ढाल	,,

माप से मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.7 × 11.3 14; 38	45	पूर्ण	1888	लि. क. पं. देवविजय लि. स्था. बोर ग्राम
16.2 × 22.5 21; 16	5	अपूर्ण	20वीं	आद्यन्तरहित
23 3 × 10.6 16; 47	6	"	"	अन्तरहित
24.9 × 12 2 15; 41	13	पूर्ण	"	र का. 1858 र.स्था. कटाल्या (जोधपुर)
24 3 × 11.5 12; 29	10	अपूर्ण	19वीं	अन्तरहित
25.1 × 11.2 14; 30	48–93	"	1902	आदिरहित; र. का. 1810 लि. क. रत्नउदय लि. स्था. अहमदनगर
26.7 × 11.4 14; 40	30	"	18वीं	
26 × 11 17; 52	9	पूर्ण	17वीं	र. का. 1592
25.4 × 11.1 15; 35	12	"	1883	र.का. 1735; र.स्था. पचासर
26.3 × 11.4 19; 47	18	"	1650	लि. क. रत्नशील लि. स्था. निजामपुर
23.2 × 9 3 10; 34	7	अपूर्ण	20वीं	
21.8 × 13 17; 40	46–63	"	19वीं	आद्यन्तरहित
25.4 × 11 15; 37	19	पूर्ण	"	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1088	6337	हित्तोपदेश सत्तरी	श्रीसार रत्नहर्ष शिष्य
1089	6351	„ „	„
1090	6333	हेतु श्लोक दोहा	
1091	6303	होलिका चरित्र	विनयचन्द
1092	6304	„ „	„
22 (5) जैन-कथा			
1093	7305	अठाई रो व्याख्यान	
1094	6495	आनन्द श्रावक नी कथा	
1095	7811	कालिकाचार्य कथा	
1096	6623	जरासंघ की पुत्री की बात	गुणसागर मुनि
1097	5671	ज्ञान पंचमी कथा	
1098	7529	दृष्टान्त कथाएं	

माप से मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.2×11.1 10;34	4	पूर्ण	19वीं	लि. क. खुशालसागर लि. स्था. फलोदी
24.8×10.4 12;32	4	"	1826	लि.क. अभयचंद; लि.स्था. फलवर्द्धी
23×10.4 12;39	4	"	19वीं	
24.6×11.4 15;42	2	"	1889	
24.9×11.8 15;35	3	"	20वीं	
22.7×12.2 15;19	1	"	19वीं	
26.6×11 13;34	10	अपूर्ण	"	स्फुट पत्र
26.2×11 11;44	20	पूर्ण	1608	लि. स्था. पंचन नगर प्रथम एवं अन्तिम पत्र जीर्ण; किनारे कटे पत्र; अन्तिम पत्र पर पट्टावली हैं।
24×12 25;34	3	अपूर्ण	20वीं	
23.5×11 17;59	2	;.	1848	लि. क. जैतसी गणि लि. स्था. बीकानेर
25.2×11 20;40	1	पूर्ण	19वीं	लि. क. मोतीलाल साधु सूची—1. बुद्ध कथा 2. दशारण भद्र कथा की टूट 3. दस माह हरिषेण चक्रवृति नो दृष्टान्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1099	7221	नवकार प्रभाव की कथाएं	
1100	4227	ललितांगकुमार नी वार्ता	जैतसी
1101	6841	वच्छराज कथा	ऋषभसागर विनोदसागर शिष्य
1102	4316	विनयोपरि विनयचंद श्रेष्ठि पुत्र कथा	,, ,,
1103	4317	,,	
1104	4558	व्याख्यान-पत्र	
1105	4559	,,	
1106	4806	शील तणा व्याख्यान	
1107	4811	शीलोपदेशमाला बालावबोध	टी. मेरुसुन्दर उपाध्याय
1108	4862	,,	,,
1109	494[illegible]	श्रीपालचरित्र	
1110	7558	संग्रहणी सूत्र री छूटक गाथा	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×11.5 13;32	26-33	अपूर्ण	19वीं	आद्यन्तरहित; अप्राप्त पत्र-32 वां सूची —1. चिड-पिड चोर नी कथा 2 हुडका चार चोर नी कथा 3 आचार्य नी वार्त्ता।
26.4×12 17;46	8	पूर्ण	1900	लि. क. सिरदारमल लि. स्था. सादड़ी
25.5×11 15;50	10	अपूर्ण	17वीं	
27.8×12.7 21;41	20	पूर्ण	1880	र.का. 1830; लि स्था. प्रहलादपुर
27.3×12.1 19;47	21	"	19वीं	" " "
23.2×10.4 12;37	7-9	अपूर्ण	18वीं	आद्यन्तरहित; स्फुट पत्र
26×11.7 13;30	2	"	20वीं	" "
26.1×13 9;27	35	"	"	अन्तरहित
23.2×11.1 14;31	86	"	18वीं	"
28.4×12.3 13;52	9-158	"	17वीं	आद्यन्तरहित; अप्राप्त पत्र 72-103, 120-122, 135
24.9×11.8 11;39	4	"	19वीं	अन्तरहित
26×12 13;46	1	पूर्ण	20वीं	सुहमुक्को का अर्थ'

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1111	6079	सामायिक रा आठ दृष्टांत	
1112	5164	सीताजी की कथा	
1113	6109	सुदर्शन सेठ कथा	
1114	5215	सौभाग्य पंचमी कथा	
1115	5214	सौभाग्य पंचमी व्याख्यान	
1116	6123	" "	
1117	6170	स्थविरावली व्याख्यान	
1118	5196	स्नात्र पंचाशिका बालावबोध	शुभशील गणि मुनिसुन्दर शिष्य टी. जिनहर्ष
1119	6317	हंसराज वच्छराज कथा	
1120	6347	हरिवंश अधिकारे कथा	
1121	7021	हेम सेठ नी दस कथाएं	
1122	6356	होलिका व्याख्यान	
1123	6305	होली नी कथा	

नाप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.3 × 10.9 17; 54	6	अपूर्ण	19वीं	
25.8 × 11.7 16; 37	9	पूर्ण	,,	
22.3 × 10.9 15; 50	11	अपूर्ण	,,	अंतहीन
26.2 × 12.4 17; 43	3	पूर्ण	1888	लि.क. सुमेरचन्द ऋषि लि.स्था. विक्रमपुर
25 × 11.2 13; 31	5	,,	1920	जलसिक्त
26 × 11.6 17; 48	1–4	,,	1888	लि.स्था. विक्रमपुर
24.9 × 11.7 14; 32	15	,,	19वीं	लि.क. माणकचन्द
26.3 × 11 10; 31	8–19	अपूर्ण	,,	आदिहीन
23.8 × 10.3 14; 37	18	,,	18वीं	अंतहीन
26.8 × 11.5 20; 54	20	पूर्ण	,,	
20.5 × 10.7 10; 28	10	अपूर्ण	20वीं	आद्यन्तहीन; साथ में असम्बद्ध पत्र
26.3 × 12.1 12; 28	8	,,	20वीं	अंतहीन
25.6 × 12.5 13; 42	3	पूर्ण	20वीं	क्षतिग्रस्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1124	6306	होली नी कथा	
22 (6) स्तुति-स्तवन			
1125	7880	अंगीया अजब बनी-पद	सुगुण सेवक
1126	7952	अंतरजामी सुण, पार्श्वस्तवन	जिनहर्ष
1127	4970	अंतरिक्ष पार्श्वजिन स्तवन	भावविजय विजयप्रभ शिष्य
1128	4971	" "	लावण्यसमय
1129	7988	" "	जिनचन्द्रसूरि शिष्य
1130	6120	अंतरिक्ष पार्श्वनाथ स्तोत्र	चेतन
1131	7919	अजब ज्योति मेरे जिनके पद	आनन्दविजय
1132	5302	अजितनाथ रो चैत्य वंदन	
1133	6998	अठारह नाता री सज्झाय	नयविमल बुद्धिविमल शिष्य
1134	5228	अट्ठावीस लब्धि स्तवन	धर्मवर्द्धन विजयहर्षसूरि शिष्य
1135	6467	अणियसेना सज्झाय	
1136	7379	अध्यात्म उपयोगी स्तुति	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21.6×11.7 12; 26	3	पूर्ण	20वीं	
29×18 17; 26	57वां	„	1926	
29×18 17; 26	96वां	„	„	
24.5×10.2 11; 33	6–10	„	18वीं	र.का. 1586
24.5×10.2 11; 33	10–13	„	„	
29×18 17; 26	120-121	„	1926	र.का. 1855
24.7×10.9 11; 40	1–2	„	1931	र.का. 1836 लि.क. मोतीलाल साधु लि.स्था. जहाड़मंदर
29×18 17; 26	77वां	„	1926	
24.8×12.9 7; 19	2रा	„	1900	लि.क. मानविजय
11.8×14.2 15; 14	1–3	„	20वीं	लि.क. केशवचन्द
25.9×12.1 16; 37	4–5	„	„	र.का. 1726; र.स्था. लूणकरणसर
26.5×12.2 19; 62	4	„	19वीं	लि.क. रूपचन्द ऋषि अंत में-चेतन बत्तीसी; रायचन्द र.स्था. जोधपुर
25×11 19; 45	1	„	1842	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1137	7173	अध्यात्म-पद	देवचन्द्र
1138	7194	,,	सुमति
1139	7195	,,	गुणविलास
1140	6660	अनघड़ की लावणी	कपूरचन्द
1141	6661	,, ,,	,,
1142	7540	अनाथी मुनि सज्झाय	समयसुन्दर
1143	7995	'अपने घर बैठा लीला करो' स्तवन	,,
1144	4137	'अब मन मेरे मुनि' उपदेशी	
1145	6744	'अमरसर मंडण'-स्तवन	,,
1146	7964	'अमल कमल जिम धवल'-स्तवन	जिनचन्द
1147	7126	अमावस्या का स्तवन	
1148	7003	अमीझरा पार्श्वनाथ-स्तवन	
1149	6089	अयमंता री सज्झाय	श्रीदेव ज्ञानचन्द शिष्य

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17.5×7.5 8;22	5-6	पूर्ण	19वीं	
17.5×7.5 8;22	13वां	"	1867	
17 5×7.5 8;22	"	"	"	
21×34 38;34	2रा	"	20वीं	लि क. चुन्नीलाल लि.स्था. कलकत्ता
21×34 38;34	"	"	"	लि.क. चुन्नीलाल
24×10.7 14;41	1	"	1806	लि.क. भागचन्द ऋषि लि.स्था. लावाग्राम
29×18 17;26	125वां	"	19:6	
26 3×13.1 11;31	6-7	अपूर्ण	19वीं	अंतहीन
26.2×11 11;42	31वां	"	17वीं	अप्राप्त पत्र 29-30
29×18 17;26	103-104	पूर्ण	1926	र.का. 1722
11×6 6 8;12	79-85	पूर्ण	19वीं	
11.×10.1 7;11	11-16	"	20वीं	
25×10.9 17;52	5वां	"	19वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1150	7983	अरज करूं कर जोड़-गीत	
1151	6087	अरणक मुनि सज्झाय	कवियण
1152	6088	,, ,,	रूपविजय
1153	6482	,, ,,	समयसुन्दर
1154	7018	,, ,,	
1155	7873	,, ,,	समयसुन्दर
1156	7180	अरिहन्त स्तुति पद	आनन्दघन
1157	7973	अरे लाला श्री जिन कुशल पद	राजसागर
1158	7974	अरे लाला श्री जिन दत्त पद	राजहर्ष
1159	7278	अवंति पार्श्वनाथ जिन गीत	
1160	4162	अष्ट अरिहंत स्तवन	रायचन्द ऋषि
1161	7117	अष्टमी रो स्तवन	

नाप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
29 × 18 17; 26	115-116	पूर्ण	1926	
25 × 10.9 17; 52	4था	"	19वीं	
25 × 10.9 17; 52	"	"	"	
15.9 × 11.1 8; 18	2-9	"	20वीं	साथ में– 1. पंच परमेष्ठी स्वाध्याय (अपूर्ण) 2. इलापुत्र स्वाध्याय-लब्धिविजय 3. वैराग्य स्वाध्याय-राजसमुद्र 4. सीता सज्झाय-जिनहर्ष
25.2 × 11.5 19; 48	3	अपूर्ण	19वीं	
29 × 18 17; 26	55वां	पूर्ण	1926	
17.5 × 7.5 8; 22	8वां	"	1867	
29 × 18 17; 26	110-111	"	1926	
29 × 18 17; 26	111वां	"	"	
17.5 × 7 5 9; 24	34वां	"	1865	
21.3 × 11.3 17; 33	1	पूर्ण	1945	र.का. 1836; र.स्था. नागोर
11 × 6.6 8; 12	24-29	अपूर्ण	19वीं	आदिहीन

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1162	5463	अष्टमी स्तुति	
1163	5512	" "	जिनसुख सूरि
1164	7391	अष्टापद गिरि स्तवन	
1165	7476	अष्टापद स्तवन	जसवन्तसागर शिष्य
1166	7931	अहो जगत् गुरू-स्तुति	भूधरदास
1167	7957	अहो दुरमतड़ी वैरण सज्झाय	आनन्दघन
1168	7921	आज आनन्दघन जोगी आयो स्तुति	"
1169	7895	आज तो बधाई स्तवन	रूपचन्द
1170	7905	आज तो हमारे पाद-स्तुति	जिनचन्द्र
1171	7934	आज तो भलो ऊग्यो स्तुति	
1172	7996	आज सकल मंगल स्तुति	
1173	7273	आत्म पद	रूपचन्द
1174	5501	आत्म प्रबोध स्वाध्याय	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24 6×10.8 11;27	11वां (ब)	पूर्ण	19वीं	
21.7×11.5 8;19	2रा	"	20वीं	
10 6×7 6;9	20–22	"	"	
19.1×10.2 10;32	1	"	"	
29×18 17;26	81–82	"	1926	
29×18 17;26	99वां	"	"	
29×18 17;26	78वां	"	"	
29×18 17;26	73वां	"	"	
29×18 17;26	75वां	"	"	
29×18 17;26	83–84	"	"	
29×18 17;26	125वां	"	"	
17 5×7.5 9;24	3रा	"	1865	
25.4×11.6 12;32	2रा	"	20वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1175	6575	आत्म सज्झाय	रूप ऋषि
1176	7200	आत्म हित ज्ञान पद	हरखचन्द
1177	7202	" "	मन्दिर कलश
1178	5494	आत्मोपदेश स्वाध्याय	
1179	7992	आदहे आदहें पंचतीर्थ स्तवन	लावण्यसमय मुनि
1180	5162	आदि जिन आलोयणा स्तवन	समयसुन्दर उपाध्याय
1181	7174	आदि जिनस्तवन	आनन्दवर्द्धन
1182	5466	आदि जिनस्तुति	समयसुन्दर
1183	7863	आदिनाथ आलोयणास्तवन	"
1184	4997	आदिनाथस्तवन	वीरविजय
1185	6737	" "	समयसुन्दर
1186	7075	आदिनाथ स्तुति	नन्दसूरि
1187	7504	" "	"

नाप से मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16.3×25.5 33;22	20वां	पूर्ण	20वीं	
17.5×7.5 8;22	15वां	,,	1867	
17.5×7.5 8;22	17वां	,,	,,	
17.8×12.7 18;32	चौथा	,,	20वीं	
29×18 17;26	123वां	,,	1926	
24.8×12.6 9;27	1–3	,,	20वीं	
17.5×7.5 8;22	छठा	,,	19वीं	
24.6×10.8 11;27	12–13	,,	,,	
29×18 17;26	45–46	,,	1926	
26.4×11 13;37	दूसरा	,,	18वीं	
26.2×11 11;42	22वां	अपूर्ण	17वीं	23वां पत्र अप्राप्त
13.4×9.8 11;22	13वां	पूर्ण	19वीं	
26×10.8 11;40	चौथा	,,	17वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1188	5498	आदीश्वरस्तवन	सुबुद्धिविजय
1189	6046	आदीश्वर विनती	कीर्त्तिविजय उपाध्याय
1190	4154	आदीश्वर बिरूदावली स्तवन	वसंतपाल गणि
1191	7901	आपे ही खेल खेलंदा स्तुति पद	रूपचन्द
1192	4294	आलोयण स्तवन	लावण्यसमय मुनि
1193	7550	" "	धर्मसिंह
1194	7557	आवती चौबीसी स्तवन	देव कल्लोल
1195	7947	इक मन वंदो वीर-महावीर स्तवन	जैतसी कवि
1196	7120	इग्यारस रो स्तवन	समयसुन्दर
1197	6702	इलापुत्र नी सज्झाय	लब्धिविजय
1198	7871	" "	समयसुन्दर
1199	6710	ईर्या पाथिकी मिथ्या दुष्कृत विचार-पार्श्वनाथ-स्तवन	"
1200	7906	उठो नी मोरे आत्मराम स्तुति पद	लाभोदय

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.4×11.6 12;32	प्रथम	पूर्ण	20वीं	
25.2×11.7 12;36	4-6	"	"	
25.2×11.8 25;45	दूसरा	"	19वीं	
29×18 17;26	74वां	"	1926	
25.6×11.2 17;56	2-3	"	19वीं	
27.5×11.8 21;61	1	"	20वीं	र.का. 1854; लि.क कपूरचन्द
24 5×10.3 11;32	1	"	"	
29×18 17;26	92-93	"	1926	लि. स्था. शाहपुरा
11×6.6 8;12	36-38	"	19वीं	र.का. 1681; र.स्था. जैसलमेर
29×13 5 10;26	16वां	अपूर्ण	"	आदिरहित
29×18 17;26	54वां	पूर्ण	1926	
26.2×11 11;42	1-2	"	17वीं	
29×18 17;26	75वां	"	1926	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1201	7237	उपदेश पद	राजाराम
1202	5549	उपदेशी	अगरचन्द
1203	7161	उपदेशी-पद	रूपचन्द
1204	5534	उपदेशी सज्झाय	अगरचन्द
1205	5536	,, ,,	खोड़ीदास
1206	7950	ऊग्यो घन दिन आज पार्श्वस्तवन	धर्मसिंह
1207	4561	ऋषभ गीत	
1208	7193	ऋषभ जिन पद	कर्मसिंह
1209	7214	,, ,,	जिनदास
1210	4746	ऋषभ जिन स्तवन	
1211	6232	,,	
1212	7124	,,	सुरतराम मुनि
1213	7319	,,	

माप से मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17.5×7.5 10;22	तीसरा	पूर्ण	19वीं	
24.2×10.2 20;52	छठा	"	1930	
17.5×7.5 8;22	प्रथम	"	19वीं	
24.2×10.2 20;52	"	"	1930	र.का. 1930; र.स्था. गोंडल
24.2×10.2 20;52	दूसरा	"	"	
29×18 17;26	95वां	"	1926	
25.6×11 13;29	1–2	"	19वीं	
17.5×7.5 8;22	13वां	"	1867	
17.5×7.5 8;22	22वां	"	1876	
24.6×10.3 10;34	8वां	"	19वीं	
26.5×11.9 11;25	3–4	"	"	लि. स्था. आगरा
11×6.6 8×12	74–75	"	"	र..का. 1878
15.4×11.4 13;22	प्रथम	अपूर्ण	20वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1214	7251	ऋषभ जिन स्तुति-पद	लाल कवि
1215	7286	" "	साधुकीर्त्ति
1216	7289	" "	गुणविशाल
1217	7291	" "	टोडर
1218	7292	" "	हरखचन्द
1219	7293	" "	"
1220	7171	ऋषभ जिन स्वागत पद	साधुकीर्त्ति
1221	5502	ऋषभदेव स्तवन	
1222	6906	" "	मोहन रूपविबुध शिष्य
1223	7156	" "	जिनचन्द्रसूरि
1224	7945	ऋषभ स्तवन	देवचन्द
1225	7969	" "	लालचन्द
1226	5983	ऋषभाष्टक	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17.5×7.5 9;24	12–13	पूर्ण	1865	
17.5×7.5 9;24	37वां	"	"	
17.5×7.5 9;24	38वां	"	"	
17.5×7.5 9;24	39वां	"	"	
17.5×7.5 9;24	39–40	"	"	
17.5×7.5 9;26	40वां	"	"	
17.5×7.5 8;22	5वां	"	19वीं	
25.4×11.6 12;32	2–3	"	20वीं	
16.5×10.9 11;26	प्रथम	"	"	
17.5×7.5 9;22	8वां	"	19वीं	
29×18 17;26	91वां	"	1926	
29×18 17;26	107-108	"	"	र.का. 1839; र.स्था. बीकानेर
30.5×14.1 13;41	81वां	"	1905	

क्रमांक एवं विवरण	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1227	7031	ऋषि भारमल नागोर चातुर्मास गीत	
1228	4565	करकडू प्रत्येक बुद्ध सज्झाय	समयसुन्दर
1229	7904	करू आराधना तेरी स्तुति	नवल
1230	7938	कलंकी सज्झाय	
1231	7167	कलिकाल योगेश्वर स्तुति पद	
1232	7892	कामितकाम गवीस्तवन	
1233	7428	कायवाडी सज्झाय	पद्म
1234	5363	काल सज्झाय	विनयपाल
1235	5525	कुंथुनाथ स्तवन	
1236	7989	कुशल गुरु कुशल करो गीत	जिनचन्द्र सूरि
1237	7893	कुशलगुरु देख के स्तवन पद	लालचन्द
1238	7376	कूड़ा कलियुग सज्झाय	प्रीतविमल
1239	6858	कृष्णबलभद्र सज्झाय	लावण्य समय

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
10 6×7.9 8;12	16-18	पूर्ण	19वीं	र. का. 1880
25.6×11 13;29	चौथा	"	"	
29×18 17;26	74-75	"	1926	
29×18 17;26	86-87	"	"	
17.5×7.5 8;22	तीसरा	"	19वीं	
29×18 17;26	72वां	"	1926	
22×10.2 9;26	1	"	1869	
25.8×11.8 13;39	2	"	19वीं	
21×11.4 10;21	दूसरा	"	20वीं	
29×18 17;26	121वां	"	1926	
29×18 17;26	72-73	"	"	
25.3×11.3 14;53	1	"	20वीं	
26.2×12 13;50	1	"	19वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1240	7867	केशीकुमार सज्झाय	रूपविजय विनयविजय शिष्य
1241	6685	'ओटो कलियुग आयो' सज्झाय	प्रीतविमल
1242	6091	गजसुकुमाल स्वाध्याय	सिंहसौभाग्य
1243	7252	गडालामंडन जिनकुशलसूरि स्तवन	जिनभक्ति सूरि
1244	7254	" "	"
1245	7256	" "	जिनभक्ति सूरि जिनयुक्ति सूरि शिष्य
1246	7969	गर्भवास में चितवे-सज्झाय	
1247	6137	गिरिनार गिरि मंडन स्तवन	आनन्द विमल
1248	7570	गीत हरियाली-पद	नेमिविजय सुमतिविजय उपाध्याय शिष्य
1249	7912	गुण अनंत अपार-स्तुति पद	समयसुन्दर
1250	6859	गुरू गीतानि	कमललाभ
1251	7562	गुरू निन्दा उथाप सज्झाय	मेघविजय वाचक
1252	7201	गुरू स्तुति पद	मतिमन्दिर

नाप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
29×18 17;26	52वां	पूर्ण	1926	
23.5×11.3 17;38	प्रथम	"	20वीं	
25×10.9 17;52	8वां	"	19वीं	
17.5×7.5 9;24	13–14	"	1865	
17.5×7.5 9;24	14–15	"	"	र. का. 1781
17.5×7.5 9;24	17–18	"	"	
29×18 17;26	94–95	"	1926	
25.6×11.8 12;56	प्रथम	"	19वीं	र. का. 1882
24.8×9.8 13;56	"	"	20वीं	
29×18 17;26	76वां	"	1926	
26.2×12 13;50	1	"	19वीं	
26×11 17;58	प्रथम	"	"	
17.5×7.5 8;22	16वां	"	1867	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्ता एवं टीकाकार
1253	7617	गुरू स्तुति पद	राममुनि
1254	7805	" "	लाभउदय रूपचन्द आदि
1255	6543-प	गोड़ी पार्श्व उत्पत्ति वृद्धि स्तवन आदि	
1256	6544	" "	प्रीतविमल
1257	5506	गोड़ीपार्श्वनाथ स्तवन	अमृतवल्लभ
1258	7190	गोड़ीपार्श्वनाथ जिन पद	रूपचन्द
1259	7987	गोड़ीपार्श्वनाथ वृद्ध स्तवन	प्रीतविमल
1260	6687	" "	
1261	7000	" "	जिनभक्ति यतिश्वर
1262	7004	" "	मतिसागर
1263	7375	" "	गंगाराम धर्मसी शिष्य
1264	7413	" "	भुवनकीर्त्ति
1265	7244	गोड़ी पार्श्वनाथ स्तुति पद	

माप से. मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.7×12.3 8;30	1	पूर्ण	20वीं	
15×12.8 19;19	20–23	"	1880	
15.6×12.6 18;20	30	"	20वीं	जीर्ण एवं स्फुट-पत्र
15.2×11.4 24;32	2	"	"	
25.4×11.6 12;32	4–5	"	"	
17.5×7.5 8;22	11वां	"	1867	लि. स्था. बीकानेर
29×18 17;26	118-120	"	1926	
23.5×11.3 17;38	प्रथम	"	20वीं	
11×10.1 7;11	3	"	"	
11×10.1 7;11	17–18	"	"	
25.3×11.3 14;53	1	"	"	
11×8.2 10;17	19–20	"	1837	
17.5×7.5 10;22	6–7	"	19वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1266	5528	गौतम स्वामी गीत	समयसुन्दर
1267	6880	,, ,,	,,
1268	7857	,, ,,	,,
1269	5436	गौतम स्वामी रास	विनयप्रभ
1270	5005	गौतम स्वामी स्तवन	समयसुन्दर
1271	5490	,,	
1272	5454	गौतम स्वामी स्तुति	समयसुन्दर
1273	7250	,,	लब्धिनिधान
1274	6745	घंघाणी मण्डव नवीन प्रतिमा स्तवन	समयसुन्दर
1275	4727	चन्दनबाला सज्झाय	ज्ञानविमल
1276	7160	चन्द्रप्रभु जिन पद	आनन्द

माप से मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×11.1 11;34	दूसरा	पूर्ण	1788	लि. स्था. बीकानेर
15×18 29;24	12वां	"	1803	
29×18 17;26	40–41	"	1926	
25.1×11.4 14;41	2–5	"	20वीं	र.का. 1412; अन्त में है— 1. अजितनाथस्तवन 2. प्रभु से लागो म्हारो नेह पद —सेवाराम
15×21.1 25;15	14–15	"	19वीं	
14.5×10.1 15;22	1–2	"	20वीं	साथ में है—1. चिंतामणि पद—बनारसी; र. स्था. आगरा 2. जिनपद—जिनदास 3. अन्तरिक्ष पार्श्वनाथ पद —आनन्दघन 4. पार्श्वनाथ पद-कनक-कीर्त्ति
21.3×11.2 8;16	3–4	"	1871	लि. क. सांवतमल लि. स्था. बीकानेर
17.5×7.5 9;24	12वां	"	1865	
26.2×11 11;42	31–32	"	17वीं	
24.2×12.2 12;29	दूसरा	"	20वीं	
17.5×7.5 8;22	प्रथम	"	19वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1277	7177	चन्द्रप्रभु जिन पद	राजनन्द
1278	7178	चन्द्रप्रभु जिनस्तवन	जैतसी
1279	7288	चन्द्रप्रभु जिनस्तुति	गुणविलास
1280	4995	चन्द्रप्रभुस्तोत्र	वीरविजय तेजसार शिष्य
1281	7573	चन्द्रभाण रो सवैइयो	मुनि चन्द्रभाण
1282	6577	चक्रवाल तपस्तवन आदि	रूपचन्द
1283	7879	चालो राजा श्रेणिक-स्तवन	सुगुणसेवक
1284	5500	चावत री सज्झाय	लवध
1285	5493	चिंतामणी जिनस्तवन	
1286	7184	चिंतामणी पार्श्वजिनस्तवन	बनारसी
1287	7416	चिंतामणी पार्श्व-लघु स्तवन	समयसुन्दर

माप से. मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र सख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17.5×7.5 8;22	7वां	पूर्ण	1867	
17.5×7.5 8;22	"	"	"	
17.5×7.5 9;24	38वां	"	1865	
26.4×11 13;37	प्रथम	"	18वीं	
23.2×12.7 11;22	2	"	1907	लि. क. कन्हैयालाल लि. स्था. बीकानेर अन्त में पद 'तुम तो भले' हैं।
16×25.5 33;22	26–29	"	20वीं	जीर्ण; अन्त में है— 1. शांति जिनस्तवन—26 2. समेत शिखरस्तवन—26 —सुमति विजय 3. आदिनाथस्तवन—27 4. शत्रुंजयस्तवन—27 5. सीमंधरस्तवन 28-29-जिनहर्ष
29×18 17;26	57वां	"	1926	
25.4×11.6 12;32	1–2	"	20वीं	
17.8×12.7 18;32	3–4	"	"	
17.5×7.5 8;22	9वां	"	1867	लि. स्था. बीकानेर;
11×8.2 10;17	23–24	"	1831	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1288	7418	चिंतामणी पार्श्व-स्तवन	बनारसी
1289	5008	चिंतामणी पार्श्वनाथ स्तवन	समयसुन्दर
1290	7005	" "	
1291	4298	चेलणा महासती सज्झाय	समयसुन्दर
1292	5429	चौदह पूर्व स्तवन	सौभाग्यसूरि
1293	4200	चौदह बोल नी सज्झाय	रायचन्द ऋषि
1294	6561	चौवीस जिन गीत	जयसागर
1295	8000	चौवीस जिन नाम नगरी स्तवन	जयसागर उपाध्याय जिनभद्रसूरि शिष्य
1296	7477	चौवीस जिन नो छन्द	विजयानन्द सूरि शिष्य
1297	7494-अ	चौवीस जिन पदावली	उदयरत्न
1298	5496	चौवीस जिन स्तवन	
1299	7427	"	
1300	7172	"	समयसुन्दर

आकार से. मी. ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
11×8.2 10; 17	24–25	पूर्ण	1831	
15×21.1 25; 15	16वां	"	19वीं	
11×10.1 7; 11	19–21	"	20वीं	
25.6×11.2 17; 56	चौथा	"	19वीं	
25 9×12.1 16; 37	5–6	"	20वीं	र. का. 1896 र. स्था. बालूचर नगर
24.9×11.5 16; 35	"	"	19वीं	
25.5×11 9; 14	1	"	"	लि. क सुन्दर मुनि; शोभन पत्र
29×18 17; 26	131-133	"	1926	र. का. 1493
21×17 8 15; 28	1	"	20वीं	
25.5×11.3 15; 52	1	अपूर्ण	"	पद 6-15 पूर्ण; पद 5 एवं 16वां अपूर्ण; पद 1-4, 17-24 अप्राप्त
17.8×12.7 18; 32	5वां	पूर्ण	"	
16.5×11.8 13; 29	1	अपूर्ण	"	
17.5×7.5 8; 22	5वां	पूर्ण	19वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1301	5548-प	चौबीस तीर्थंकर स्तवन	अगरचन्द
1302	4496-प	चौबीस स्तवन	देवचन्द्र
1303	5420-प	"	जसविजय
1304	5529-प	"	मोहनविजय रूपविजय शिष्य
1305	5687-प	"	जिनराज सूरि
1306	6036-प	"	अमृतचन्द्र सूरि
1307	6037-प	"	
1308	6572	"	रूप ऋषि
1309	5946	"	रुचिर विमल
1310	7568	च्यार गच्छपति गुरु सज्झाय	नेमविजय सुमतिविजय शिष्य
1311	6090	च्यार प्रत्येक बुद्ध सज्झाय	समयसुन्दर
1312	7891	छत्रपति थारे पाय नमै-स्तवन	
1313	6426	छमासी स्तवन	

आकार से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24 2 × 10.2 20; 52	5-6	पूर्ण	1930	
25.3 × 13.1 11; 31	22-38	,,	20वीं	
26 8 × 11.6 13; 14	8	,,	1845	लि. क. विद्याचन्द्र
22.5 × 11.6 14; 28	11	,,	,,	
25.7 × 12 16; 33	4	,,	19वीं	
23 9 × 11.8 12; 34	4	अपूर्ण	20वीं	15वें तीर्थंकर तक
25.7 × 10.9 15; 55	2-7	,,	19वीं	आद्यन्त रहित
16 3 × 25.5 33; 22	13-18	पूर्ण	20वीं	
24.8 × 10.2 10; 30	4	अपूर्ण	,,	
24.8 × 9.8 13; 56	1	पूर्ण	,,	
25 × 10 9 17; 52	6-7	,,	19वीं	
29 × 18 17; 26	72वां	,,	1926	
25.9 × 12.1 16; 37	3-4	,,	20वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1314	7916	छोटीसी जान जरा सा जीवन पद	आणन्दराम
1315	7472	जम्बूस्वामी स्वाध्याय	कवियण हीरविजयसूरि शिष्य
1316	7924	जय बोल पास जिनेसर स्तुति पद	जिनचन्द्र सूरि
1317	7246	जिनकुशल सूरि गीत	साधुकीर्त्ति पाठक
1318	7247	" "	जयसागर उपाध्याय
1319	7253	" "	अभयकुशल
1320	7261	" "	चरित्रसुन्दर
1321	7265	" "	जैतसी पुण्यकुशल शिष्य
1322	7258	जिनकुशल सूरि गुरु पद	लालचन्द
1323	7255	जिनकुशल सूरि गुरु स्तवन	दौलत उदयसागर शिष्य
1324	7262	जिनकुशल सूरि वृद्ध स्तवन	सेवक
1325	5456	जिनकुशल सूरिस्तवन	जिनभक्ति सूरि
1326	5457	" "	

माप से.मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
29×18 17;26	77वां	पूर्ण	1926	
24.2×11 15;38	1	"	1805	लि. क. मनरूप विजय लि. स्था. चाणोद
29×18 17;26	79वां	"	1926	
17.5×7.5 9;24	1–2	"	1865	
17.5×7.5 9;24	2–4	"	"	
17·5×7.5 9;24	14वां	"	"	
17.5×7.5 9;24	22वां	"	"	
17.5×7.5 9;24	27वां	"	"	
17.5×7.5 9;24	19–20	"	"	
17.5×7.5 9;24	15–17	"	"	र. का. 1838
17.5×7.5 9;24	22–23	"	"	
21.3×11.2 8;16	6–7	"	1871	र. का. 1781
21.3×11.2 8;16	7–9	"	"	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1327	5458	जिनकुशल सूरिस्तवन	समयसुन्दर
1328	7257	,, ,,	जिनभक्तिसूरि
1329	7259	,, ,,	जिनलाभ सूरि
1330	7267	,, ,,	भुवनकीर्त्ति
1331	7461	,, ,,	धर्मसिंह
1332	7249	जिनदत्त सूरि गीत	रघुपति
1333	7260	,, ,,	श्रीसार
1334	7263	जिनदत्त सूरि वृद्ध स्तवन	जयचन्द
1335	7915	जिन धरम नहीं कीता-स्तुति	
1336	7917	जिन धरम पायो स्तुति	
1337	7134	जिन धर्म सज्झाय	कीर्त्तिमुनि
1338	7881	जिन नाम सिमरले-पद	सुगुण सेवक
1339	7426	जिन-पद	मुखराम

माप सें. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21.3×11.2 8;16	9वां	पूर्ण	1871	
17.5×7.5 9;24	19वां	"	1865	
17.5×7 5 9;24	20वां	"	"	
17.5×7.5 9;24	30वां	"	"	
25.5×13.8 16;40	1	"	20वीं	
17.5×7.5 9;24	11वां	"	1865	
17.5×7.5 9;24	21–22	"	"	
17.5×7.5 9;24	23–24	"	"	
29×18 17;26	77वां	"	1926	
29×18 17;26	"	"	"	
26.6×12.8 11;42	1	"	1957	लि. क. रामप्रताप
29×18 17;26	57वां	"	1926	
16.5×11.5 10;19	1	अपूर्ण	20वीं	ढाल-नणदीरो वीरो; किनारे त्रुटित

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1340	7591	जिन-पद	सहजकीर्त्ति जिनरंग सूरि शिष्य
1341	5460	जिन-पद संग्रह	
1342	6599-प	"	
1343	7410-प	"	रूपचन्द
1344	7165	जिन भक्ति पद	
1345	7884	जिनराज जुहारो पद	सुगुण सेवक
1346	7577	जिनराज सूरीश्वराणां गीत	आनन्दकीर्त्ति
1347	7935	जिनवर में शान्ति-पद	
1348	6766	जिनवाणी सज्झाय	माणकचन्द
1349	7192	जिन स्तुति पद	जगतराम
1350	7196	" "	रूपचन्द
1351	7204	" "	अमृतउदय

नाप से. मी; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.6×10 6 12; 42	1	पूर्ण	20वीं	ढाल-वधावा री
21.3×11.2 8; 16	10-12	"	1871	लि. क पं. सावंतमल लि स्था. बीकानेर; पद सूचा— 1. दादाजी दीण-जिनरंग 2. कामति काम-गणि-रत्ननिधान 3. जय बोले-पास—जिनचन्द्र
8 8×8.4 14; 16	56	"	1852	
12×28.8 25; 18	1	"	20वीं	
17.5×7.5 8; 22	2-3	"	19वीं	
29×18 17; 26	58वां	"	1926	
25×11 11; 40	प्रथम	"	19वीं	लि. क. आनन्दकीर्ति
29×18 17; 26	84वां	"	1926	
26×12 15; 50	चोथा	"	1880	र.का. 1874; र.स्था. जोधपुर
17.5×7.5 8; 22	12वां	"	1867	
17.5×7 5 8; 22	14वां	"	"	
17.5×7.5 8; 22	17वां	"	"	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1352	7205	जिन स्तुति पद	देवचन्द्र
1353	7206	"	न्यायसागर
1354	7211	"	रूपचन्द
1355	7215	"	समयसुन्दर
1356	7216	"	आनन्दघन
1357	7235	"	रामचन्द
1358	7238	"	नवल
1359	7241	"	जगतराम
1360	7242	"	मोहन रूपविबुध शिष्य
1361	7243	जिन स्तुति पद (ठुमरी)	उदय
1362	7274	" "	भूधर
1363	7275	" "	जयराम
1364	7276	" "	भूधर

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17.5×7.5 8; 22	18वां	पूर्ण	1867	
17.5×7.5 8; 22	,,	,,	,,	
17.5×7.5 8; 22	20वां	,,	,,	
17.5×7.5 8; 22	22वां	,,	,,	
17.5×7.5 8; 22	22–23	,,	,,	
17.5×7.5 8; 22	तीसरा	,,	19वीं	
17.5×7.5 8; 22	3–4	,,	,,	
17.5×7.5 8; 22	5वां	,,	,,	
17.5×7.5 8; 22	छठा	,,	,,	
17.5×7.5 8; 22	,,	,,	,,	
17.5×7.5 8; 22	32–33	,,	1865	
17.5×7.5 8; 22	33वां	,,	,,	
17.5×7.5 8; 22	,,	,,	,,	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1365	7277	जिन स्तुति पद (ठुमरी)	जगपति
1366	7280	,, ,,	अमृतउदय
1367	7282	,, ,,	अगरचन्द
1368	7364	जिन स्तुति पद	
1369	7827-प	जिन स्तुति पद संग्रह	आनन्दघन, जिनहर्ष आदि
1370	7524	जिन स्तोत्र	किसनमुनि सिद्धराज गणि शिष्य
1371	7882	जियाभज भगवंत-पद	सुगुण सेवक
1372	7326	जीव उत्पत्ति सज्झाय	
1373	7373	जीव कर्म नी सज्झाय	
1374	7361	जीव काया री सज्झाय	सहजसुन्दर
1375	7197	जैन धर्म पद	
1376	5684	ज्ञान गुणमाला	रायचन्द ऋषि
1377	6404	ज्ञान पंचमी स्तवन	लक्ष्मीसूरि

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17.5×7.5 8;22	33–34	पूर्ण	1865	
17.5×7.5 8;22	34-35	"	"	
17.5×7.5 8;22	35वां	"	"	
13.3×10.5 12;17	1	"	20वीं	
19.5×26.7 30;21	88–94	"	1884	
25×12.2 15;37	24वां	"	20वीं	
29×18 17;26	57–58	"	1926	
23.5×10.8 17;38	1	अपूर्ण	19वीं	
25.5×11.5 16;42	4	"	20वीं	स्फुट पत्र
15×11 10;7	1	पूर्ण	"	
17.5×7.5 8;22	14वां	"	1867	
25.6×11.6 13;37	4–5	"	20वीं	र.का. 1855; र.स्था. मेड़ता
24×11.2 7;19	1–4	"	"	लि क. फतहविजय

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1378	6453	ज्ञानपंचमीस्तवन	जिनविजय क्षमाविजय शिष्य
1379	6454	ज्ञानपंचमीस्तवन (वृद्ध)	समयसुन्दर
1380	6455	ज्ञानपंचमीस्तवन (लघु)	"
1381	6742	ज्ञानपंचमीस्तवन (महावीर)	"
1382	7102	" "	"
1383	7168	ज्ञानस्तुति पद	रूपचन्द
1384	6430	ज्ञान पद	जगरूप
1385	6627	झांझरिया ऋषि सज्झाय	भावरत्न सूरि
1386	7970	झिर मिर बरसै-पद	विजयमूर्त्ति
1387	6917	ठाणाङ्ग सूत्र सज्झाय	विजयचन्द्र
1388	7033	ढंढण ऋषि सज्झाय	जिनहर्ष
1389	7870	" "	"
1390	5430	तिलक तपस्या स्तवन	विमलविजय

माप से. मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26.4×11.4 11;33	5	पूर्ण	1915	र.का. 1793; र.स्था. पाटण लि. स्था. देशनोक
26.3×13.2 10;31	1–3	"	20वीं	
26.3×13.2 10;31	तीसरा	"	"	
26.2×11 11;42	26–28	"	17वीं	
11.3×9.6 8;12	22–29	"	1880	
17.5×7.5 8;22	चौथा	"	19वीं	
25.2×11.9 15;44	3	"	20वीं	
26.3×12 14;34	2	"	1924	र. का. 1756 लि क. गुलावचन्द गंधर्व लि. स्था. पाटण
29×18 17;26	108-109	"	1926	र. का. 1766
21×11 8;22	3–4	"	20वीं	
10.6×7.9 8;12	21–22	"	19वीं	
29×18 17;26	53–54	"	1926	
25.9×12.1 16;37	6–7	"	20वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1391	6564-प	तिलक तपस्या स्तवन	रू. ऋांष
1392	6635	तीज आदि स्तवन संग्रह	
1393	7382	तीर्थावली गीत	समयसुन्दर
1394	7860	तीर्थावली पद	,,
1.95	7994	तूं आतम गुण जाण-गीत	बनारसी
1396	7122	तेरस रो स्तवन	
1397	7911	तेवीसवां जिनराज थारे-पद	रूपचन्द
1398	5471	त्रयोदशी स्तुति	
1399	6405	त्रीजा महाव्रत री सज्झाय	कान्तिविजय
1400	6406	त्रेसठ सलाका पुरुष स्तवन	वस्तामुनि
1401	6401	त्रैलोक्यसार धर्म-ध्यान विचार रास	सुमतिकीर्त्तिसूरि प्रभाचन्द्र शिष्य
1402	6228	थंभण पार्श्वनाथ स्तवन	कुशललाभ
1403	7885	थांरे मुखड़ा री-पद	बाल कवि

माप से मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16.3×25.5 33;22	छठा	पूर्ण	20वीं	र. का. 1883
25.7×11.7 13;32	2–10	अपूर्ण	"	
25×12.5 13;34	1	"	19वीं	
29×18 17;26	42वां	"	1926	
29×18 17;26	125वां	"	"	
11×6.6 8;12	44–47	"	19वीं	र. का. 1777
29×18 17;26	76वां	पूर्ण	1926	
24.6×10.8 11;27	14वां	"	19वीं	
24×11.2 7;19	4–5	"	20वीं	लि. क. फतहविजय
23.8×12 11;30	2	"	"	
26.9×11.8 7;21	16	"	1778	लि. क. 1627 लि. क. रुप पाण्डया लि. स्था. समवाड़ा
24.6×10.2 9;29	5	"	1900	अन्त में—प्राकृत में (अपूर्ण) गौतमस्वामीस्तवन
29×18 17;26	58वां	"	1926	

क्रमाक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1404	6086	थावच्चाकुंवर री सज्झाय	पुण्यपाल
1405	6639	थूलिभद्र ढाल-पद	उदयरत्न
1406	6192	थूलिभद्र-सज्झाय	राम गुणसागर शिष्य
1407	6193	,,	
1408	6194	,,	जिनहर्ष
1409	6195	,,	लालचन्द मुनि
1410	6229	,,	वीरविजय वृद्धिविजय शिष्य
1411	7618	,,	उदयरत्न
1412	7029	,,	
1413	7923	दया मिठाई रस भरी स्तुति	जिनचन्द्रसूरि
1414	5424	दश पच्चखाण स्तवन	रामचन्द्र गणि पद्मरंगवाचक शिष्य
1415	6647	दशवैकालिक गीत	जैतसी पुण्यकलश शिष्य

माप से मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×10 9 17;52	तीसरा	पूर्ण	19वीं	
22.5×11 13;30	3	अपूर्ण	"	आद्यन्तरहित
26.1×11.1 17;47	2	पूर्ण	"	
25.4×10.8 14;33	2	"	"	
25×10.8 17;53	प्रथम	"	20वीं	
25×10.8 17;53	"	"	"	
26.5×11.9 11;25	1–2	"	"	लि स्था. आगरा
14.5×17.2 15;15	2	अपूर्ण	"	आद्यन्तरहित
10 6×7.9 8;12	6–8	पूर्ण	19वीं	
29×18 17;26	78–79	"	1926	
25.9×12.1 16;37	1–2	"	20वीं	र. का. 1731
25×10.5 10;35	1–4	"	19वीं	र. का. 1777
25×10.5 10;35	5वां	"	"	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1417	6876	दशवैकालिक गीत	जैतसी पुण्यकलश शिष्य
1418	4296	दश श्रावक सज्झाय	श्रीसार
1419	6045	दशार्णभद्र सज्झाय	लालविजय
1420	6092	" "	"
1421	4858	दादा जिनकुशल सूरि गीत	जिनराजसूरि समयसुन्दर शिष्य
1422	5218	" "	जिनरंगसूरि
1423	5459	" "	"
1424	7147	" "	जिनचन्द्रसूरि
1425	7148	" "	"
1426	7149	" "	"
1427	7150	" "	"
1428	7151	" "	"
1429	7152	" "	जिनलाभ सूरि

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15×18 29; 24	7–9	अपूर्ण	1803	आदिरहित
25.6×11.2 17; 56	चौथा	पूर्ण	19वीं	
25.2×11.7 12; 36	2–4	,,	20वीं	लि. क. विवेकविजय लि. स्था. पादरा
25×10.9 17; 52	9–11	अपूर्ण	19वीं	अन्त में—दशार्णभद्र-छंद है।
22×10.7 11; 21	10वां	पूर्ण	20वीं	
26×10.6 13; 33	23–34	,,	19वीं	
21.3×11.2 8; 16	10वां	,,	1871	
17.5×7.5 9; 22	प्रथम	,,	19वीं	
17.5×7.5 9; 22	,,	,,	,,	
17.5×7.5 9; 22	दूसरा	,,	,,	
17.5×7.5 9; 22	2–3	,,	,,	
17.5×7.5 9; 22	तीसरा	,,	,,	
17.5×7.5 9; 22	चौथा	,,	,,	

क्रमांक एवं विवरण	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1430	7153	दादाजिनकुशल सूरि गीत	जिनरंगसूरि
1431	7154	,, ,,	,,
1432	7960	,, ,,	
1433	7981	,, ,,	जिनचन्द्र
1434	7985	,, ,,	जिनरंगसूरि
1435	7007	दानलीला-पद	कृष्णदास
1436	4299	दान-शील-तप भावना सज्झाय	समयसुन्दर
1437	7869	दुरमति नी सज्झाय	आनन्दघन
1438	7896	देखो माई आज ऋषभ-पद	साधुकीर्त्ति
1439	7564	दोय तीर्थङ्करां री स्तवन	रायचन्द ऋषि जैमल ऋषि शिष्य
1440	4300	धन्ना शालिभद्र गीत	समयसुन्दर
1441	6138	धर्मजिन स्तवन	आनन्दविमल
1442	6654	,,	हमीर

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17.5×7.5 9;22	5वां	पूर्ण	19वीं	
17.5×7.5 9;22	"	"	"	
29×18 17;26	101वां	"	1926	
29×18 17;26	115वां	"	"	
29×18 17;26	116-117	"	"	
18×11.8 8;18	14	"	20वीं	
25.6×11.2 17;56	4-5	"	19वीं	
29×18 17;26	53वां	"	1926	
29×18 17;26	73वां	"	"	
21.2×11.2 18;42	1	"	20वीं	र.का. 1842; र.स्था. बीकानेर
25.6×11.2 17;56	5वां	"	19वीं	
25.6×11.8 12;56	दूसरा	"	"	
23×11.5 10;26	"	अपूर्ण	1819	लि. क. शिवसागर प्रथम पत्र अप्राप्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1443	7478	धर्मनाथ जिन त्रिभंगी छन्द	
1444	7245	घुलेवा पार्श्वनाथ स्तुति पद	ऋषभदास
1445	7910	" "	"
1446	6759	नन्द ऋषि सज्झाय	
1447	5434	नन्दीश्वर स्तवन	जिनचन्द्र
1448	7918	नगरी प्यारी प्यारी-पद	नयविमल
1449	4297	नमि राजर्षि सज्झाय	समयसुन्दर
1450	4158	नवकार गुण वर्णन	
1451	6670	नवकार चोढालियो संग्रह	जिनहर्ष

माप से. मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21 × 17.8 15; 28	1	पूर्ण	20वां	
17.5 × 7.5 10; 22	7वां	"	19वीं	
29 × 18 17; 26	76वां	"	1926	
26 × 12 15; 50	प्रथम	"	1850	
25.9 × 12.1 16; 37	10वां	"	20वीं	अन्त में—चैत्री पूनम स्तवन अपूर्ण है।
29 × 18 17; 26	77वां	"	1926	
25.6 × 11.2 17; 56	चोथा	"	19वीं	
21.3 × 11.3 17; 33	दूसरा	"	1945	लि क. जंड़ाव आर्या लि. स्या पाली
25.7 × 12 3 19; 50	14	अपूर्ण	19वीं	र का. 1732; र.स्या. शिवपुर पत्र त्रुटित; जीर्ण एवं चिपके साथ में है— 1 नवकार चोढालियो दयाकुशल 1-2; 2. जिन दक्षत जिनशल रो चोढ़ालियो पत्र 2-6 चिपके;. 3. धन्ना ऋषि सज्झाय (अपूर्ण) तिलोकसी—6 4 गज सुकुमाल सज्झाय 6 5. नन्दी खेल सज्झाय जिनराज-6-7 6 आनन्द निवारण सज्झाय- सहल 7; पत्र 7-11 चिपके

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1452	6044	नवकार छन्द	कुशललाभवाचक
1453	7948	नवकार महामंत्र छन्द	"
1454	7858	नवकार महिमा	पद्मराज
1455	5009	नवकार स्तवन	समयसुन्दर
1456	7859	"	
1457	7415	नवकार स्मरण स्तवन	पद्मराजमुनि गुणसागर शिष्य
1458	5004	नवकार स्वाध्याय	" "
1459	7887	नवपद नी थूई-पद	भीमराज मुनि
1460	5475	नवपद स्तुति	"
1461	7118	नवमी रो स्तवन	
1462	4163	नववाड़ि-सज्झाय	नगरचन्द
1463	4205	"	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
				7. नवकार चौढालियो पाठक राजसोम, 11-13 8 नेम राजुल बारहमाला (अपूर्ण) जिनराज, 13-14
25.2×11.7 12; 36	1-2	पूर्ण	20वीं	
29×18 17; 26	93-94	"	1926	
29×18 17; 26	41वां	"	"	
15×21.1 25; 15	16-17	अपूर्ण	19वीं	अन्तरहित
29×18 17; 26	41-42	पूर्ण	1926	
11×8.2 10; 17	21-23	"	1831	
15×21.1 25; 15	14वां	"	19वीं	
29×18 17; 26	59वां	"	1926	
24.6×10.8 11; 27	15-16	"	19वीं	
11×6.6 8; 12	29-33	"	"	
21.3×11.3 17; 33	7	"	1941	र.का. 1879; र.स्था. रामपुरा लि. क छगनो आर्या
24.3×10.2 14; 40	दूसरा	"	19वीं	र. स्था. फतहपुर

क्रमांक एव संख्या	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एव टीकाकार
1464	6149	नववाड़ि सज्झाय	जिनहर्ष
1465	6150	,, ,,	,,
1466	6151	,, ,,	,,
1467	6153	,, ,,	अजितदेव सूरि
1468	6667	,, ,,	जिनहर्ष
1469	6665	मान्या-कृष्ण देवकी सज्झाय	
1470	5007	नाकोड़ा पार्श्वनाथ स्तवन	समयसुन्दर
1471	5520	,, ,, ,,	,,
1472	7106	,, ,, ,,	,,
1473	7412	,, ,, ,,	,,
1474	5294	नागोरपुर मण्डण आदिनाथ स्तुति	जसराज सुमति हर्ष शिष्य
1475	5293	नागोपुर मण्डण महावीर स्तवन	जसराज भोजराज शिष्य
1476	6662	ज्ञाता सज्झाय	चौथमल ऋषि

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26.3×12.4 13;31	5	पूर्ण	1866	लि. स्था. बिलाड़ा
25.1×11 13;37	5	"	19वीं	अन्त में राजिमती पद हैं।
25×11 14;52	1–3	"	18वीं	र. का. 1729
25×11 14;52	चौथा	"	"	
26×10.5 13;42	5	अपूर्ण	1736	र. का. 1729 लि. क. उदयसौभाग्य लि. स्था. तिंवरी
23×12.5 16;22	3	पूर्ण	20वीं	लि. क. प्यारकंवर
15×21.1 25;15	15–16	"	19वीं	
23.7×12.1 14;34	तीसरा	"	"	नीचे का बार्डर क्षतिग्रस्त
11.3×9.6 8;12	36–38	"	1880	
11×8.2 10;17	19वां	अपूर्ण	1831	आदिरहित
26.4×10.9 14;42	5–6	पूर्ण	1692	
26.4×10.9 14;42	5वां	"	"	
21.5×11.5 12;32	3	"	1964	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1477	6680	नारी री सज्भाय	
1478	7212	निरंजन जिनस्तुति पद	रूपचन्द
1479	7213	" "	"
1480	7909	" "	"
1481	7236	निवृत्ति-पद	भूधर
1482	7109	नींद री सज्भाय	
1483	5455	नेमनाथ जिनस्तवन	
1484	5499	" "	नगो
1485	5507	" "	
1486	5508	" "	मनरूप
1487	5521	" "	
1488	5538	" "	अगरचन्द
1489	5542	" "	रत्नसागर

माप से. मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17×11.2 11;26	दूसरा	अपूर्ण	20वीं	प्रथम पत्र अप्राप्त
17.5×7.5 8;22	20वां	पूर्ण	1867	
17.5×7.5 8;22	21वां	"	"	
29×18 17;26	76वां	"	1926	
17.5×7.5 10;22	तीसरा	"	19वीं	
11.3×9.6 8;12	46–47	"	1880	
21.3×11.2 8;16	4–5	"	1871	लि. क. पं. सांवतमल लि. स्था. बीकानेर
25.4×11.6 12;32	प्रथम	"	20वीं	
25.4×11.6 12;32	5वां	"	"	
25.4×11.6 12;32	5-6	"	"	र. स्था. रायपुर
20.1×10.5 11;29	2	"	1926	साथ में हैं— 1. शंखेश्वर पार्श्वपद-कीर्त्तिसागर 2. नेमिनाथ पद-वेदप्रताप
24.2×10.2 30;52	तीसरा	"	1930	
24.2×10.2 20;52	चोथा	"	"	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1490	5544	नेमनाथ जिनस्तवन	जीवनमल
1491	5545	,, ,,	भूधर
1492	5546	,, ,,	जिनदास
1493	5550	,, ,,	खोड़ीदास
1494	6655	,, ,,	हमीर
1495	6758	,, ,,	माणकचन्द
1496	7209	,, ,,	न्यायसागर
1497	7424	,, ,,	सिद्धिचन्द्र
1498	7514	नेमनाथ जिनस्तवन (पद)	
1499	7575	,, ,,	
1500	6474	नेम राजिमति गीत	भुवनकीर्त्ति
1501	7284	नेम राजिमती रेखता	विजयकीर्त्ति
1502	7512	नेम राजुल पद	,,

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.2×10.2 20; 52	5वां	पूर्ण	1930	
24.2×10.2 20; 52	"	"	"	
24.2×10.2 20; 52	"	"	"	
24.2×10.2 20; 52	छठा	"	"	र. का. 1927 र.स्था. नृपदुर्गनगर
23×11.5 10; 26	2–3	"	1819	लि. क. शिवसागर
26×12 15; 30	प्रथम	"	1880	
17.5×7.5 ———	19वां	"	1867	
25.4×11 16; 44	1	"	18वीं	
24×10.3 11; 28	दूसरा	"	20वीं	
22.2×10.1 11; 33	1	"	"	
25.2×10.7 17; 44	9वां	"	1732	
17.5×7.5 9; 24	30वां	"	1865	
24×10.3 11; 28	प्रथम	"	20वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1503	7513	नेम राजुल पद	
1504	4181	नेम राजुल नवभव	
1505	4182	नेम राजुल लावणी	
1506	7567	नेम राजुल होरी पद	राम
1507	7163	नेमि जिन पद	भतू
1508	7182	,, ,,	
1509	7268	,, ,,	
1510	7269	,, ,,	
1511	7270	,, ,,	चन्दविजय
1512	7271	,, ,,	जयराम
1513	7272	,, ,,	राजाराम
1514	7279	,, ,,	जगपति
1515	7087	नेमिनाथ सिलोका	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×10.3 11;28	1-2	पूर्ण	20वीं	र. का. 1851; र. स्था. अलवर
25.1×12.1 15;36	19-20	"	19वीं	
25.1×12.1 15;36	20वां	"	"	
24.4×11.2 7;22	1	"	20वीं	
17.5×17.5 8;22	दूसरा	"	19वीं	
17.5×17.5 8;22	8-9	"	1867	
17.5×17.5 8;22	31वां	"	1865	
17.5×17.5 8;22	"	"	"	
17.5×17.5 8;22	"	"	"	
17.5×17.5 8;22	31-32	"	"	
17.5×17.5 8;22	32वां	"	"	
17.5×17.5 8;22	34वां	"	"	
20×14.6 12;20	8-10	"	19वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1516	7073	नेमिनाथ स्तुति	
1517	7074	„	
1518	4562	नेमि-राजिमती स्तवन	
1519	7198	नेमिसर जिन पद	जगतराम
1520	7907	नैणां सफल भई-स्तुति पद	रामदास
1521	5433	पंच कल्याणक स्तवन	पुण्यसागर
1522	7414	पंच परमेष्टि मंत्र स्तवन	पद्मराजमुनि गुणसागर शिष्य
1523	5535	पंच महाव्रत सज्झाय	कांतिविजय कीर्त्तिविजय शिष्य (आचारांग सूत्र गत)
1524	6896	„ „	
1525	7481	„ „	कांतिविजय
1526	5361	पंचमी तप स्तवन	
1527	5393	„ „	समयसुन्दर
1528	6822	„ „	„

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
13.4×9.8 11;22	12-13	पूर्ण	19वीं	
13.4×9.8 11;22	13वां	"	"	
25.6×11 13;29	दूसरा	"	"	
17.5×7.5 8;22	14वां	"	1867	
29×18 17;26	75वां	"	1926	
25.9×12.1 16;37	8-10	"	20वीं	
11.7×8.2 10;17	20-21	"	1921	लिपिकाल 1931
24.2×10.2 20;52	1-2	"	"	आचाराङ्ग सूत्र गत
26.5×12.3 12;34	2	अपूर्ण	20वीं	
25.8×11.8 16;44	2	"	"	
25.4×10.8 13;35	2	पूर्ण	1932	लि. क. मोतीलाल साधु साथ में है— 1. लोभ सज्झाय-भावसागर 2. भूलो मन भंवरा-सज्झाय महमंद
25.9×11.8 10;30	1-3	"	1941	
25.9×11.3 11;38	दूसरा	अपूर्ण	19वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1529	7968	पंचमी तपस्तवन	समयसुन्दर
1530	4796	पद्मावती रानी आराधना	"
1531	5509	पदानि पद संग्रह	
1532	4098	परदेसी राजा नी सज्झाय	
1533	5479	पर्युषण पर्वस्तुति	जिनलाभ सूरि
1534	5511	" "	"
1535	6895	पहले पद अरिहंत-सज्झाय	आसकरण
1536	6158	पांडव-सज्झाय	कवियण हीरविजय शिष्य
1537	6365	"	"
1538	7170	पार्श्वजिन काव्य पद	
1539	4184	पार्श्वजिन छन्द	
1540	7188	पार्श्व जिन पद	बनारसी
1541	7189	"	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
29×18 17; 26	107वां	पूर्ण	1926	
25.5×11.4 13; 29	9–11	„	1927	अपरनाम 'जीवरास खमावणा'
25.4×11.6 12; 32	छठा	„	20वीं	सूची—1. अविन्यासनी सेज दिया रुपचन्द; 2. अण आंबे चरखा
23.1×11.4 16; 32	1	„	1869	लि. क. बकसीराम लि. स्था. बीकानेर
24.6×10.8 11; 27	17–18	„	19वीं	
21.7×11.5 8; 19	प्रथम	„	20वीं	अन्त में स्फुट श्लोक हैं।
26×12.3 8; 24	4	„	„	र. का. 1827 लि. क. हरचन्द मुनि लि. स्था. देवरिया
24.4×11.5 14; 32	3–4	„	„	
23.9×10.7 13; 30	2–3	„	19वीं	
17.5×7.5 8; 22	चौथा	„	„	
25.1×12.1 15; 36	21–22	„	„	
17.5×7.5 8; 22	11वां	„	1867	
17.5×7.5 8; 22	„	„	„	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1542	7210	पार्श्वजिन पद	
1543	7191	"	ज्ञानसागर
1544	5017	पार्श्वजिन स्तवन	मतिविशाल
1545	6048	"	जसविजय नयविजय शिष्य
1546	6233	"	हीरसागर वृद्धिसागर शिष्य
1547	6872	पार्श्वजिन स्तवन द्वय	आनन्द
1548	7218	पार्श्वजिन स्तुति पद	ज्ञानविमल
1549	7281	" "	रंगविजय
1550	7283	पार्श्वजिन स्तुति रेखता	अमृत उदय
1551	5503	पार्श्वनाथ गीत	
1552	4729	पार्श्वनाथ छन्द	श्रीसार रत्नहर्ष शिष्य
1553	5386	" "	
1554	4969	पार्श्वनाथ जिनस्तवन	चरणप्रमोद

माप से.मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17.5×7.5 8;22	19–20	पूर्ण	1867	
17.5×7.5 8;22	12वां	„	„	
15.6×10 9;21	17–18	„	19वीं	
25.2×11.7 12;36	1	„	20वीं	
20.5×11.9 11;25	चौथा	„	19वीं	लि. स्था. आगरा
16×11.5 11;22	11वां	„	20वीं	
17.5×7.5 8;22	23वां	„	1867	
17.5×7.5 8;22	35वां	„	1865	
17.5×7.5 8;22	35–36	„	„	र.का. 1833; लि.क. चतुर्भुज लि. स्था. बीकानेर पंजाबी मिश्रित भाषा
25.4×11.5 12;32	तीसरा	„	20वीं	
23.5×11.2 11;31	2–3	„	„	
24.8×11.1 19;51	5–6	„	19वीं	
24.5×10.2 11;33	4–5	„	18वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1555	7157	पार्श्वनाथ जिनस्तवन	जिनलाभ सूरि
1556	5385	पार्श्वनाथ निसाणी	जिनहर्ष
1557	7089	पार्श्वनाथ प्रभाती	उदयलाभ
1558	6658	पार्श्वनाथ लावणी	कुशलचन्द मुनि
1559	6659	„ „	प्रेमचन्द
1560	7219	„ „	दुलीचन्द
1561	7626	पार्श्वनाथ सवैया	
1562	5264	पार्श्वनाथ सिलोका	
1563	4293	पार्श्वनाथ स्तवन	सुधर्म सूरि
1564	5504	„ „	माल
1565	5538	„ „	अगरचन्द
1566	5435	पार्श्वनाथ-स्तवन (वृद्धि)	प्रीतिविमल
1567	5539	„ „	खोड़ीदास

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17.5×7.5 9;22	6-7	पूर्ण	19वीं	
24.8×11.1 19;51	3-5	"	"	
20×14.6 12;20	12-13	"	"	
21×34 38;34	प्रथम	"	20वीं	लि क. चुन्नीलाल लि. स्था. कलकत्ता
21×34 38;34	1-2	"	"	लि. क. चुन्नीलाल लि स्था. कलकत्ता
17.5×7.5 8;22	24वां	अपूर्ण	1867	आदिरहित
21×9.5 11;24	1	पूर्ण	20वीं	लि. क. हीरालाल यति
25×12.1 19;47	2	"	"	र. का. 1851
25.6×11.2 17;56	1-2	"	19वीं	
25.4×11.6 12;32	3-4	"	20वीं	
24.2×10.2 20;52	प्रथम	"	1930	लि. क. अमरसी, लीलाधर लि. स्था. कालावड़
25.1×11.4 14;41	1-2	"	20वीं	
24.2×10.2 20;52	तीसरा	"	1930	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1568	5781	पार्श्वनाथ-स्तवन (वृद्धि)	कीरत खेमकरण लूंकागच्छी शिष्य
1569	6723	पार्श्वनाथ-स्तवन (लघु)	
1570	6739	" "	समयसुन्दर
1571	6875	" "	
1572	6877	" "	धर्मसी
1573	7521	" "	खेमकरण रंकागच्छ शिष्य
1574	7553	" "	लक्ष्मीवल्लभ गणि
1575	7554	" "	"
1576	7629	पार्श्वनाथ स्तवन पद	रामविजय
1577	4996	पार्श्वनाथ स्तोत्र	वीरविजय
1578	4999	" "	करमचन्द मुनि
1579	7802	पार्श्व स्तुति पद	सुगुण प्रमोद
1580	7803	" "	सत्यरत्न

माप से. मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.7×11.9 9;28	2	पूर्ण	20वीं	
26.2×11 11;42	14वां	,,	17वीं	
26.2×11 11;42	24–25	,,	,,	
15×18 29;24	छठा	,,	1803	र. का. 1707
15×18 29;24	9वां	,,	,,	
25×12.2 15;37	23वां	,,	20वीं	
23×10.6 11;31	1	,,	19वीं	लि. क. वेणीदास लि. स्था. बीकानेर
23×10.6 11;31	1	,,	,,	,, ,, लि. क. वेणीदास
25×11 11;32	1	,,	,,	
26.4×11 13;37	दूसरा	,,	18वीं	
20×12.9 12;21	तीसरा	,,	20वीं	
15×12.8 19;19	18वां	,,	1880	
15×12.8 19;19	,,	,,	,,	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1581	7804	पार्श्वस्तुति पद	सुगुण प्रमोद
1582	6701	पुंडरीकस्तवन	चौथमल ऋषि
1583	7991	" "	साधुकीर्त्ति अमरमाणिक्य शिष्य
1584	6067	पुण्यप्रकाश आराधना वीर जिनस्तवन	विनयविजय कीर्त्तिविजय शिष्य
1585	7468	पुण्य री सज्झाय	गुणवाचक
1586	6763	पुज टोडरमल गुण सज्झाय	माणकचन्द
1587	7592	पूंज जिनराज सूरि गुरु गीत	सहजकीर्त्ति जिनराज सूरि शिष्य
1588	7913	पूजाजी को मारे काम हैं-स्तुति पद	रिखभदास
1589	7220-प	पूजास्तवन संग्रह	
1590	7967	प्रणमूं श्री गुरु-ज्ञान पंचमीस्तवन	समग्रसुन्दर
1591	7903	प्रात उठ सुमरियै-स्तुति पद	क्षमाकल्याण
1592	7162	प्रीति-पद	रूपचन्द
1593	7175	प्रेम-पद	आनन्दघन

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15×12.8 19; 19	19वां	पूर्ण	1880	
26.5×11 18; 44	2	"	19वीं	र.का. 1823; र.स्था. मेड़ता
29×18 17; 26	121-123	"	1926	
26.9×12.3 15; 52	11-13	"	1838	र.का. 1729; र.स्था. रानेर
25.6×12.8 12; 36	1	"	19वीं	
26×12 15; 50	तीसरा	"	1880	र. का. 1879
25.6×10.6 12; 42	प्रथम	"	20वीं	
29×18 17; 26	76वां	"	1926	
11.5×10.2 15; 15	51	अपूर्ण	19वीं	पत्र चिपके हुए
29×18 17; 26	106-107	पूर्ण	1926	
29×18 17; 26	74वां	"	"	
17.5×7.5 8; 22	1-2	"	19वीं	
17.5×7.5 8; 22	छठा	"	"	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1594	7926	फाग खेले श्री नेमि-स्तुति	ऋद्धिहर्ष
1595	6776	बंभड़वाडी महावीर घग्घर निसाणी	
1596	7886	बलि बलि हूं घ्याऊं थूई पद	जिनलाभ सूरि
1597	7473	बाजे बाई समभणी सज्झाय	
1598	7121	बारव्रतरो स्तवन	सोम
1599	5427	बारहमासी स्तवन	विजयविमल सौभाग्यसूरि शिष्य
1600	7872	बाहुबली-सज्झाय	समयसुन्दर
1601	4288	बीजस्तवन	ऋद्धिविजय प्रमोदविजय शिष्य
1602	5519	भक्तामरमहिमास्तवन	पुण्यरत्न
1603	7900	भज मन नाम नंदन स्तुति	
1604	7897	भले मुख देख्यो स्तुति	मालदास
1605	5295	भीनमाल पार्श्वनाथस्तवन	जसराज
1606	7032	भूल्यो मन भंवरा-सज्झाय	महमंद

माप से मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
29×18 17; 26	7वां	पूर्ण	1926	
27×12 16; 42	1-2	"	1945	लि. क. मोतीलाल साधु लि. स्था. हिंडवए पंजावी मिश्रित भाषा
29×18 17; 26	58-59	"	1926	
25.1×11.8 11; 38	1	"	19वीं	लि.क. मेघसुन्दर; लि.स्था. हमीरपुर
11×6.6 8; 12	38-44	"	"	र. का. 1665
25.9×12.1 16; 37	चोथा	"	20वीं	र.का. 1902; र.स्था. बालूचर
29×18 17; 26	54-55	"	1926	
24.1×11 9; 23	2	"	20वीं	र. का. 1801
23.7×12.1 16; 34	2-3	अपूर्ण	19वीं	नीचे की बोर्डर क्षतिग्रस्त साथ में समयसुन्दर कृत चिंतामणी पार्श्वनाथस्तवन
29×18 17; 26	74वां	पूर्ण	1926	
29×18 17; 26	73वां	"	"	
26.4×10.9 14; 42	छठा	"	1692	लि.क. जसराज भोजराज शिष्य
10.6×7.9 8; 14	19-21	"	19वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1607	7624	मंगलीक स्तोत्र	उदयजस
1608	7125	मंविरस्तवन	दौलतराय साधु
1609	4136	मति ताको नारी-उपदेशी	
1610	6686	मन उपदेश सज्भाय	विजयहर्ष
1611	7874	मन भंवरा सज्भाय	
1612	7266	मरोट मंडण जिनकुशल सूरि छन्द	भीमराज
1613	5488	मल्लि जिनेश्वरस्तवन	
1614	7183	महावीर जिन पद	न्यायसागर
1615	6767	महावीर जिन सज्भाय	माणकचन्द
1616	7287	महावीर जिनस्तुति	हरखचन्द
1617	7563	महावीर तपस्तवन	सेवक
1618	7807	महावीर पारणास्तवन	मुनिमाल
1619	7862	"	"

माप से. मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21.5×11 13;34	1	पूर्ण	20वीं	
11×6.6 8;12	77-78	"	19वीं	र. का. 1853
26.3×13.1 11;31	छठा	"	"	र. का. 1886 र. स्था. महामन्दिर जोधपुर
23.5×11.3 17;38	प्रथम	"	20वीं	
29×18 17;26	55-56	"	1926	
17.5×7.5 9;24	28-30	"	1865	प्र. क. सिद्ध सुमेरचन्द्र सागर शुभ वरसै
24×11.1 22;48	2	"	20वीं	त्रुटित पत्र
17.5×7.5 8;22	9वां	"	1867	
26×12 15;50	चौथा	"	1880	र.का. 1878; र.स्था. सुभटपुर
17.5×7.5 8;22	37वां	"	1865	
26×11 17;58	प्रथम	"	19वीं	
15×12.8 19;19	28-30	"	1880	
29×18 17;26	43-45	"	1926	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1620	5514	महावीरस्तवन बालावबोध	जयविजय गणि
1621	6034	,, ,,	विनयविजय कीर्त्तिविजय शिष्य
1622	6035	,, ,,	लक्ष्मण
1623	6722	,, ,,	समयसुन्दर
1624	7865	महावीरस्तवन (वृद्ध)	,,
1625	7978	,, ,,	देवचन्द
1626	5541	महावीरस्वामीस्तवन	अगरचन्द
1627	7207	मुनि सुव्रत जिन पद	हरखचन्द
1628	6740	मुनि सुव्रतस्वामीस्तवन	समयसुन्दर
1629	4563	मृगा पुत्र-सज्झाय	खेम
1630	7560	,, ,,	खेममुनि खेतसी मुनि शिष्य
1631	4216	मेघकुमार सज्झाय	
1632	4295	मेघकुमार सज्झाय (राजर्षि)	श्रीसार

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26.4×11.7 14;53	18	पूर्ण	1767	र.का. 1733; र.स्था. इदलपुर लि.क. दानविजय रूपविजय शिष्य लि. स्था. राजनगर
25.1×11.5 16;37	5–7	"	1850	र.का. 1732; लि.क. दीपसागर प्रथम महावीर स्तवन 1729 में रचित है।
25.7×10.7 14;37	3–4	अपूर्ण	19वीं	र.का. 1531; अप्राप्त पत्र 1-2
26.2×11 11;42	13–14	पूर्ण	1654	
29×18 17;26	48–49	"	1926	र. स्था. जैसलमेर
29×18 17;26	113वां	"	"	
24.2×10.2 20;52	चोथा	"	1930	
17.5×7.5 8;22	18वां	"	1867	
26.2×11 11;42	25–26	"	17वीं	
25.6×11 13;29	2–3	"	19वीं	
24.3×11 13;55	1	"	1922	लि. क. सुगनलाल
23.6×11.3 11;34	प्रथम	"	19वीं	क्षतिग्रस्त
25.6×11.2 17;56	3–4	"	"	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1633	5543	मेधकुमार सज्झाय	श्रीदेव
1634	6793	" "	
1635	7561	" "	श्रीसार
1636	4564	मेतराज मुनि सज्झाय	रामसाधु
1637	7878	मेरा जीवड़ा लग्या-स्तवन पद	
1638	4131	मैं नित नवाऊं सीस-लावणी	जिनदास
1639	5492	मोक्ष नो स्तवन	
1640	5373	मौन एकादशी स्तवन	समयसुन्दर
1641	7966	" "	"
1642	7877	म्हे तो गिरिनार चढ स्तवन	
1643	7104	युग मंदिर स्तवन	कांतिविजय
1644	7898	यूं ही जन्म गंवायो	
1645	7813	योग अष्टक सज्झाय	जसविजय नयविजय शिष्य

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24 2×10.2 20; 52	4-5	पूर्ण	1930	
25.5×11 16; 48	3	"	19वीं	
26×11 17; 58	1	"	"	
25.6×11 13; 29	3-4	"	"	
29×18 17; 26	57वां	"	1926	
26.3×13.1 11; 31	3-4	"	19वीं	
17.8×12.7 18; 32	तीसरा	"	20वीं	साथ में, राग सोरठ में— 'मोही शरए सदा' पद है
24.8×12.4 9; 33	3-4	"	"	
29×18 17; 26	105-106	"	1926	र.का. 1681; र.स्था. जैसलमेर
29×18 17; 26	56-57	"	"	
11.3×9.6 8; 12	32-33	"	1880	
29×18 17; 26	73-74	"	1926	
26×10.8 14; 42	4	"	1818	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1646	7962	रंग मच्यो जिन द्वार स्तवन	रत्नसागर
1647	4050	रतन गुरू सज्झाय	
1648	7883	राखूं रे हमारे घट	जिनहर्ष सूरि
1649	7208	राग कल्याण जिन स्तुति	
1650	4078	राजगीता-शंखेश्वर पार्श्वस्तवन	उदयविजय
1651	4053-प	राजिमती सज्झाय	
1652	6152	" "	हितविजय
1653	7026	राजुल गीत	देवविजय
1654	6078	राजुल रो लहरियो	दौलतमुनि
1655	6076	रात्रि भोजन सज्झाय	जैमल ऋषि
1656	7185	राम लंका विजय रूपक अरिहंत पद	जिनराज
1657	7621	रायकुंवरी सज्झाय	
1658	7990	रे जीव जिन धर्म कीजिये स्तवन	समयसुन्दर

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
29×18 17;26	102-103	पूर्ण	1926	
25×10.8 16;37	1–2	"	20वीं	
29×18 17;26	58वां	"	1926	
17.5×7.5 8;22	19वां	"	1867	
25.5×11.4 13;32	3	"	1804	
24.9×10 9 17;52	6	अपूर्ण	19वीं	स्फुट पत्र एवं अस्तव्यस्त
25×11 14;52	3–4	"	18वीं	
10.6×7.9 8;12	1–2	"	19वीं	
21.8×10.3 14;28	4–6	"	20वीं	अन्त में रूपचन्द कृत पद – 'मुजरा साहिब मुजरा'
21.8×10.3 14;28	2–3	"	"	
17.5×7.5 8;22	10वां	पूर्ण	1867	
25.2×11 18;43	1	अपूर्ण	17वीं	
29×18 17;26	121वां	पूर्ण	1926	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1659	7539	रेवंती सज्झाय	वल्लभ
1660	5425	रोहिणी स्तवन	श्रीसार
1661	7902	लख चौरासी फिर हुं स्तुति पद	रामचन्द
1662	4256	लघु आलोयणा	लाला रणजीतसिंह
1663	5537	ललित-छन्द	खोड़ीदास
1664	4155-प	लावणी-उपदेशी-पद संग्रह	
1665	4178-प	लावणी-संग्रह	
1666	4127	लावणी-समकित निरूपण	रत्नचन्द
1667	4129	लावणी-सातवार	जिनदास
1668	4130	लावणी-नेमराजुल	"
1669	4131	लावणी-सप्त व्यसन	चम्पाराम दीवान
1670	4138	लावणी-जिन	
1671	4197	लावणी-नेमराजुल	

माप से.मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×10.7 14;41	1	पूर्ण	1806	लि. क. भाग्यचन्द ऋषि लि. स्था. लांबा ग्राम
25.9×12.1 16;37	2-3	"	20वीं	र. का. 1720
29×18 17;26	74वां	"	1926	
23.2×11.8 15;41	9वां	"	20वीं	लि. स्था. बीकानेर
24.2×10.2 20;52	2-3	"	1930	र.का. 1820; र.स्था. पाटण
25.4×12.1 20;53	47	अपूर्ण	19वीं	
25×12.1 15;36	1-15	पूर्ण	"	
26.3×13.1 11;31	1-2	"	"	
26.3×13.1 11;31	2-3	"	"	
26.3×13.1 11;31	तीसरा	"	"	
26.3×13.1 11;31	5वां	"	"	
24.4×12.4 11;33	प्रथम	"	20वीं	
25.1×11.4 17;46	2-4	अपूर्ण	19वीं	आदि रहित

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1672	5526	लोद्रवा पार्श्वनाथ स्तवन	लालचन्द शान्तिहर्ष शिष्य
1673	6820	" "	" "
1674	7933	" "	धर्ममंदिर दयाकुशल शिष्य
1675	4204	लोभ-सज्झाय	भावसागर मुनि
1676	4217	"	"
1677	6907	"	लावण्य समय
1678	6995	वरकाणा पार्श्वनाथ स्तवन	
1679	7377	" "	जिनहर्ष
1680	4455	वर्धमान स्तवन	मू. पार्श्वचन्द्र सूरि टी. राजचन्द्र सूरि
1681	7393	"	जैतसी
1482	7958	वरला छै विलास	जिनकीर्त्ति सूरि
1683	4666	वसंत राग पद	आनन्दघन, जिनलाभ
1684	7927	वामा नंदन भेंट, स्तुति	मतिमंदिर महेन्द्रकुमार शिष्य

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×11.1 11;34	प्रथम	पूर्ण	1788	र का. 1732; र स्था बीकानेर
25.9×11.3 11;38	"	"	19वीं	
29×18 17;26	83वां	"	1926	र. का. 1723
24.3×10.2 14;40	1–2	"	19वीं	
23.6×11.3 11;34	प्रथम	"	"	क्षतिग्रस्त
16.5×10.9 11;26	1–2	"	20वीं	
13.3×11.1 9;14	3	"	1795	
25.3×11.3 14;53	प्रथम	"	20वीं	
26×11.2 16;48	2–13	"	17वीं	साथ में—छब्बीस द्वारचक्र सस्तबक है।
11.3×6 6;11	10	"	20वीं	
29×18 17;26	99–100	"	1926	
21.5×10.5 13;36	1	"	20वीं	
29×18 17;26	79–80	"	1926	र. का. 1898

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1685	4290	वासु पूज्य स्तवन	श्रीसार
1686	5527	,,	लालचन्द शांतिहर्ष शिष्य
1687	6821	,,	,, ,,
1688	6741	विक्रमपुर मण्डण अवबुद्ध आदिनाथ स्तवन	समयसुन्दर
1689	4156	विजयकुंवर-विजयकुंवरी सज्झाय	लालचन्द ऋषि
1690	4637	विजय चिंतामणी स्तवन	विजयसेन सूरि
1691	6857	विजयदान सूरीश्वर गीत	विवेक कुशल लक्ष्मीरुचि शिष्य
1692	7541	विजयदेव सूरीश्वर सज्झाय	सूरविजय शीलविजय शिष्य
1693	7423	विजयदेव सूरि स्वाध्याय	सिद्धिविजय शीलविजय शिष्य
1694	7542	विजयसिंह सूरि गीत	सूरविजय शीलविजय शिष्य
1695	7543	विजयसिंह सूरि सज्झाय	,, ,,
1696	7108	विजयसेठ सज्झाय	
1697	6908	विनती-पद	भाग्यकीर्त्ति

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23.1×11.9 14;40	2	पूर्ण	1897	लि. स्था पाली
25.5×11.1 11;34	1-2	"	1788	लि. स्था. बीकानेर किनारे क्षतिग्रस्त
25.9×11 11;38	1-2	"	19वीं	
26.2×11 11;42	26वां	"	17वीं	
21.3×11.3 17;33	3	"	1945	र.का. 1861; र.स्था. कोटा लि. क. जड़ाव आर्या लि. स्था. पाली
25.5×10.6 16;44	4	"	19वीं	
26.2×12 13;50	1	"	18वीं	लि. क. सारंग मथेन
25.7×10.7 15;55	1	"	1693	लि.क. साराईचन्द करमचन्दाणी
25.3×10.7 18;46	1	"	19वीं	
25.7×10.7 15;55	1	"	1693	
25.7×10.7 15;55	1	"	"	
11.3×9.6 8;12	42-45	अपूर्ण	1880	साथ में असम्बद्ध पत्र
16.5×10.9 11;26	दूसरा	पूर्ण	20वीं	र. का. 1926 र. स्था. मकसूदाबाद

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1698	7584	वनता-पद	सकलाल
1699	4560	विमलनाथ जिनस्तवन	
1700	6719	,, ,,	समयसुन्दर
1701	7390	,, ,,	
1702	4514	विमलशाह सिलोका	
1703	5477	विमलाचल स्तुति	
1704	7959	विलसै रिद्ध समृद्ध-जिनकुशल स्तवन	साधुकीर्त्ति पाठक
1705	5554-प	विविध सज्झाय	माधव आदि
1706	4639-प	विविध स्तवन संग्रह	
1707	4657-प	,, ,,	रतनसागर आदि
1708	4477	विषापहार स्तोत्र	
1709	4338	वीर जिनस्तवन	विनयविजय कीर्त्तिविजय शिष्य

माप से मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×11.1 16;56	1	पूर्ण	1909	लि. स्था. बीकानेर अपरनाम-राधाकृष्ण संवाद
25.6×11 13;29	1	"	19वीं	र. का. 1777
26.2×11 11;42	8वां	अपूर्ण	1654	
10.6×7 6;9	17–20	पूर्ण	20वीं	
25.3×10.8 13;39	4	अपूर्ण	19वीं	
24.6×10.8 11;27	16–17	पूर्ण	"	
29×18 17;26	100-101	"	1926	
24.2×10.2 20;52	8–9	"	1930	
21.2×11 15;37	6	"	1767	लि. क. भाग्यविजय गणि सकल गणि शिष्य; लि.स्था. गंगराड़ (मालवदेश); स्फुट पत्र
25.9×12.9 14;40	11	"	20वीं	
24.8×11.3 22;58	1	"	"	अपरनाम-पुण्यप्रकाश स्तवन(अपूर्ण) अन्त में पद्मावती राणी पद
24.6×11.8 10;25	8	"	"	र. का. 1729 र. स्था. राणेर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1710	4339	वीर जिन स्तवन	विनयविजय कीर्त्तिविजय शिष्य
1711	4436	,, ,,	,, ,,
1712	4437	,, ,,	,, ,,
1713	7972	वीर जिणेसर के रो सीस गौतम स्तवन	लावण्यसमय
1714	7203	वीर जिनस्तुति पद	
1715	4341	वीस जिनस्तुति	ज्ञानसागर
1716	4325-प	वीस विहरमान जिन गीत	जिनराज सूरि
1717	4326-प	,, ,,	,,
1718	4616-प	,, ,,	लालचन्द
1719	4322	वीस विरहमान जिन स्तवन	देवचन्द्र गणि
1720	4323	,, ,,	,,
1721	4324	,, ,,	,,
1722	4448-प	,, ,,	क्षमाविजय

माप से. मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.3×11.7 15;36	5	पूर्ण	1951	र.का. 1729; र.स्था. राणेर लि.क. बंशीलाल जेठमल महात्मा लि.स्था. बीकानेर
24.6×12.1 14;35	5	"	19वीं	र.का. 1729; र.स्था. राणेर अंत में चैत्री पूनमस्तवन (अपूर्ण)
26×12.4 14;36	4	"	20वीं	र.का. 1729; र.स्था. राणेर
29×18 17;26	110वां	"	1926	
17.5×7.5 8;22	17वां	"	1867	
24.5×11.3 13;34	4-10	अपूर्ण	20वीं	र.का. 1878; र.स्था. विक्रमपुर
24.9×10.7 9;35	9	पूर्ण	"	
24.7×10.2 13;45	6	"	19वीं	क्षतिग्रस्त
24.6×11 13;46	4	अपूर्ण	"	अंतहीन एवं किनारे कटे हुए
26.3×11 22;76	4	पूर्ण	1891	लि.क. धनसुख मुनि लि.स्था. बीकानेर
24.8×11.6 16;35	8	"	1852	लि.क. दोला लि.स्था. माण्डवी बन्दर
25.8×11.5 14;40	8	"	1808	लि.क. नारायण; लि.स्था. नवानगर
25×11.5 14;41	6	"	19वीं	लि.क. विजयगणि

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1723	4569-प	वीस विरहमान जिन स्तवन	
1724	4638-प	" "	जसवाचक नयविजय शिष्य
1725	6724	वीस विरहमान तीर्थंकर स्तवन	
1726	4051	वीस विरहमान सज्झाय	कनकसुन्दर
1727	5547	" "	अगरचन्द उत्तमचन्द शिष्य
1728	5943	वीस विरहमान स्तवन	
1729	5467	वीस विरहमानस्तुति	
1730	7569	वीस स्थानक सज्झाय	नेमिविजय सुमतिविजय उपाध्याय शिष्य
1731	5432	वीस स्थानक तपस्तवन	केशरीचन्द मुनि
1732	5449	" "	विजयलक्ष्मी सूरि विजयसौभाग्य सूरि शिष्य
1733	7574	" "	क्षमाविजय शिष्य
1734	7954	" "	वस्ता मुनि
1735	4252	वृद्ध-नवकार	जिनवल्लभ सूरि

माप से. मी.; पंक्ति प्रति-पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.9×10.9 17;47	140-147	अपूर्ण	19वीं	
25.4×11.6 16;37	5	पूर्ण	1822	लि. क. जीतरुचि लि. स्था. धवलपुर
26.2×11 11;42	14–16	„	17वीं	
25×10.8 16;37	दूसरा	„	20वीं	
24.2×10.2 20;52	5वां	„	1930	र.का. 1928; र.स्था. राजकोट
20.7×10.1 9;29	25–26	„	20वीं	र. का. 1895 लि. क. सरदारमल लूणिया अंत में साधुगुण (अपूर्ण)
24.6×10.8 11;27	13वां(अ)	„	19वीं	
24.8×9.8 13;56	प्रथम	„	20वीं	
25.9×12.1 16;37	8वां	„	„	र. का. 1845
22.8×11 12;25	14	„	1915	र. का. 1845 अन्तिम पत्र क्षतिग्रस्त
25.8×12 12;34	1	„	20वीं	
29×18 17;26	97–98	„	1926	र. स्था. रत्नपुर
25.5×12.1 12;46	2	„	19वीं	लि. क. नन्दलाल

क्रमांक एवं संख्या	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1736	4253	वृद्ध नवकार	जिनवल्लभ सूरि
1737	4254	„ „	„ „
1738	4255	वृद्धालोयणा	लाला रणजीतसिंह
1739	7233	वैराग्य-पद	सुगन मुनि
1740	4567	वैराग्य सज्झाय	रत्नतिलक
1741	4401	वैराग्यस्तवन	
1742	4566	वैराग्योपदेश	जीतसागर
1743	4763	शंखेश्वर जिनराजस्तवन	रत्नविजय मुनिविजय शिष्य
1744	4968	शंखेश्वर पार्श्वनाथ जिन गीत	उदयविजय विजयसिंह शिष्य
1745	4919	शंखेश्वर पार्श्वनाथ स्तवन	जसविजय
1746	5524	„ „	उदयरत्न
1747	6131	„ „	जिनहर्ष
1748	7002	„ „	जिनलाभ

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.6×11 4 13;33	4	अपूर्ण	18वीं	पत्र सं. 1-2; अप्राप्त
24.8×10.5 13;40	2	पूर्ण	19वीं	क्षतिग्रस्त
23.2×11.8 15;41	1–9	"	20वीं	लि. स्था. बीकानेर
9.8×16 18;44	1	"	"	
25.5×11.3 14;42	1–2	"	1744	लि.क. प्रीतिविजया साध्वी लि.स्था. कृष्णगढ़; क्षतिग्रस्त साथ में धन्ना सज्झाय
25.4×11.6 10;31	2	"	19वीं	
25.5×11.3 14;42	प्रथम	"	1744	लि.क. प्रीतिविजया साध्वी लि.स्था. कृष्णगढ़; क्षतिग्रस्त अपरनाम-सगुण बुढापा सज्झाय
25.9×13.2 13;27	9	"	20वीं	
24.5×10.2 11;33	1-4	"	18वीं	
25.4×11.7 15;53	1	अपूर्ण	19वीं	
21×11.4 10;21	प्रथम	पूर्ण	20वीं	
23.7×11.8 13;34	दूसरा	"	19वीं	
11×10.1 7;11	9–11	"	20वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1749	7417	शंखेश्वर पार्श्वनाथ स्तवन	जिनहर्ष
1750	7980	„ „	जिनचन्द्र
1751	4764	शंखेश्वरस्तवन	हंसभवन सूरि
1752	4749	शत्रुञ्जय उद्धारस्तवन	नयसुन्दर भानुमेरू शिष्य
1753	4750	„ „	„ „
1754	5299	शत्रुञ्जय गिरिनार स्तवन	प्रेमविजय विमलहर्ष शिष्य
1755	4748	शत्रुञ्जय तीर्थमालास्तवन	अमृतविजय
1756	7199	शत्रुञ्जय पद	लाभसागर
1757	6720	शत्रुञ्जय मण्डन आदिनाथस्तवन	समयसुन्दर
1758	6743	„ „	„
1759	6113-प	शत्रुञ्जय मण्डनादि स्तवन	पार्श्वचन्द सूरि
1760	4305	शत्रुञ्जय यात्रास्तवन	विमल
1761	7389	शत्रुञ्जय स्तवन	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
11×8.2 10; 17	24वां	पूर्ण	1831	
29×18 17; 26	114-115	"	1926	
25.6×11 13; 37	2	"	17वीं	र. का. 1610; क्षतिग्रस्त
12×15.1 11; 11	21	"	20वीं	र.का. 1637; र.स्था. अहमदावाद
26.4×11.5 12; 40	7	"	19वीं	" " "
27.4×11.8 11; 34	2	"	"	
24.4×13 15; 31	10	"	1877	र.का. 1840; लि.क. अमरचन्द्र लि. स्था. पालीताणा
17.5×7.5 8; 22	15वां	"	1867	
26.2×11 11; 42	11–12	अपूर्ण	1654	आलोचनागर्भित आदि का अंश अप्राप्त
26.2×11 11; 42	28वां	पूर्ण	17वीं	
25.2×12.6 15; 48	3	"	19वीं	
23.1×12.1 15; 33	1	"	"	क्षतिग्रस्त
6.7×7.3 6; 7	10	"	20वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1762	5472	शत्रुञ्जय स्तुति	
1763	4723	शान्ति जिनस्तवन	जसविजय नयविजय शिष्य
1764	4730	" "	उदयविजय विजयसिंह सूरि शिष्य
1765	7875	" "	
1766	7179	शान्ति जिनस्तुति पद	ज्ञान उद्योत
1767	7186	" "	"
1768	7285	" "	समयसुन्दर
1769	7430	शान्तिनाथ छन्द	गुणसागर पद्मसूरि शिष्य
1770	4731	शान्तिनाथ त्रिभंगी छन्द	बनारसी
1771	4724	शान्तिनाथ स्तवन	गुणसागर पद्मसूरि शिष्य
1772	4725	" "	विजयराज देवतिलक शिष्य
1773	4726	" "	गुणसागर पद्मसूरि शिष्य
1774	4728	" "	" "

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.6×10.8 11;27	14–15	पूर्ण	19वीं	
26.9×12.8 15;31	3	"	20वीं	
25.9×11.5 21;48	4	"	18वीं	
29×18 17;26	59वां	"	1926	
17.5×7.5 8;22	8वां	"	1867	
17.5×7.5 8;22	10वां	"	"	
17.5×7.5 9;24	37वां	"	1865	
21.5×13 16;44	1	"	20वीं	
23.5×11.5 10;33	9	"	19वीं	
25×12.1 13;37	1	"	20वीं	
25.8×11.6 13;51	4	"	19वीं	सीमन्धरस्तवन सहित
24.2×12.2 12;29	1–2	"	20वीं	
23.5×11.2 11;31	1–2	"	19वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1775	5505	शान्ति जिनस्तुति पद	जसकीर्त्ति
1776	5515	,, ,,	गुणसागर
1777	5516	शान्तिनाथस्तवन	
1778	5517	,, ,,	भैरूदास
1779	5518	,, ,,	
1780	5686	,, ,,	बालचन्द मुनि गंगामुनि शिष्य
1781	6231	,, ,,	हीरसागर वृद्धिसागर शिष्य
1782	7522	,, ,,	गोविन्द मुनि
1783	7861	,, ,,	गुणसूरि पद्मसागर शिष्य
1784	4967	शारदाष्टक	बनारसी
1785	4908	शारदा छन्द	संतकुशल विनयकुशल शिष्य
1786	7928	शारदा जिनस्तुति	मतिविशाल
1787	4855	शालिभद्र-सिलोको	

माप से. मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.4×11.6 12;32	चौथा	पूर्ण	20वीं	
23.7×12.1 16;34	1–2	„	19वीं	नीचे का किनारा क्षतिग्रस्त
23.7×12.1 16;34	दूसरा	„	„	„ „ „
23.7×12.1 16;34	„	„	„	„ „ „
23.7×12.1 16;34	„	„	„	र.का. 1742; र.स्था. मेड़ता
24.7×11.2 13;39	2	„	„	र.का. 1684; र.स्था. उदयपुर
26.5×11.9 11;25	तीसरा	„	„	लि. स्था. आगरा
25×12.2 15;37	23वां	„	20वीं	
29×18 17;26	42–43	„	1926	
22.1×10.3 13;35	1	„	19वीं	
21.7×11.7 13;29	1–3	„	„	
29×18 17;26	80वां	„	1926	
23.9×12 14;36	3	अपूर्ण	19वीं	अन्तरहित

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1788	4904	शालिभद्र-सिलोको	रामसिंह कनकाब्रम शिष्य
1789	5317	" "	विमल
1790	6106	" "	
1791	6878	" "	
1792	4994	शीतलनाथस्तवन	वीरविजय तेजसार शिष्य
1793	7001	" "	समयसुन्दर
1794	7119	" "	
1795	7232	शील पद	सुगुन मुनि
1796	5271	शील महिमा सज्झाय	हर्षकीर्त्ति सूरि
1797	5027	शील री सज्झाय	
1798	6130	" "	
1799	6922	" "	
1800	4867	शुक्ल-कृष्ण-पक्ष सज्झाय	हर्षकीर्त्ति चन्द्रकीर्त्ति शिष्य

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.2×12.4 14;48	6	पूर्ण	1978	र. का. 1781
25.5×11.4 13;33	2	"	1855	लि. क अमरसागर लि. स्था. देलवाड़ा
25.1×12.1 21;44	3	अपूर्ण	19वीं	
15×18 29;24	9-10	पूर्ण	1803	
26.4×11 11;37	प्रथम	"	18वीं	
11×10.1 7;11	8	"	20वीं	
11×6.6 8;12	33-36	"	19वीं	
9.8×16 18;24	1	"	"	
23×10.2 12;25	2	"	20वीं	
26.2×11.1 12;47	2	"	"	
23.7×11.8 13;34	प्रथम	अपूर्ण	19वीं	
19×11 16;34	6	"	"	
25×11 11;37	2	पूर्ण	1724	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1801	6762	शुद्ध मुनि री सज्झाय	माणकचन्द
1802	4964	शुद्ध श्रावक गीत	जिनहर्ष
1803	4945	श्रावक 21 गुण स्वाध्याय	समयसुन्दर
1804	4160	श्रावक नीं करणी सज्झाय	कुशलचन्द ऋषि
1805	7993	,, ,,	जिनहर्ष
1806	5977	श्रीपूज्या रो समाधो	महासिंह
1807	7930	श्रेणिक चेलणा सज्झाय	समयसुन्दर
1808	5038	षट् संवर सज्झाय	,,
1809	7176	संत स्नेही याचना पद	आनन्दघन
1810	7576	संदेशा गीत	ल लचन्द मुनि
1811	5239	संभव जिनस्तवन	हेमकीर्त्ति
1812	5292	संमेत शिखर स्तवन	जसविजय कल्याणविजय शिष्य
1813	5629	,, ,,	वल्लभ

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26×12 15;50	दूसरा	पूर्ण	1880	र.का 1877; लि.क. रतनचन्द साथ में माणकचन्द के पद
24.2×11.2 17;48	प्रथम	,,	18वीं	
25.2×10.7 17;47	1	,,	1756	
21.3×11.3 17;33	1	,,	1945	लि. स्था. पाली
29×18 17;26	124-125	,,	1926	
30.5×14.1 13;41	12वां	,,	1905	र.का. 1852; र.स्था. गुजरात लि. क. रामसुख ऋषि लि. स्था. बीकानेर
29×18 17;26	81वां	,,	1926	
25.3×10.9 14;44	2	,,	18वीं	साथ में 'कर्म छत्तीसी'; द्वितीय पत्र खण्डित
17.5×7.5 8;22	7वां	,,	19वीं	
25×11 11;40	1	,,	,,	लि. क. आनन्द कीर्त्ति
26.3×11.5 6;22	2	,,	20वीं	र. का. 1901
26.4×10.9 14;42	1–5	,,	1692	
21.1×11.1 9;19	4	,,	1902	र. का. 1879 लि. क. ऋषि सवासुख लि. स्था. अजीमगंज

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1814	6136	संमेत शिखर स्तवन	आनन्द विमल
1815	7914	" "	
1816	5357	संयम श्रेणी सज्झाय सस्तबक	यशोविजय
1817	4139	संवरषट् सज्झाय	
1818	5354	संवर सज्झाय	
18 9	7868	संसार असार री सज्झाय	सोमविमल
1820	4128	सक्कन री बात तेरे-लावणी	जिनदास
1821	4132	सजन तेरा मन-लावणी	चम्पाराम दीवान
1822	4134	" "	" "
1823	5353	सज्झाय-दशवैकालिक गीत आदि	
1824	5359	सज्झाय-संसार अथर कर जाणा	
1825	5366	सज्झाय-मेतराज मुनि	कनकविजय शिष्य
1826	5369	सज्झाय 'तू तो चेतो रे'	जैमल ऋषि

माप से मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.6×11.8 12; 56	प्रथम	पूर्ण	19वीं	र. का. 1881
29×18 17; 26	76–77	„	1926	
26.3×10.6 10; 40	5	„	1826	
24.4×12.4 11; 33	1–2	„	20वीं	
25.7×12.6 9; 28	2	„	„	
29×18 17; 26	52–53	„	1926	
26.3×13.1 11; 31	दूसरा	„	19वीं	
26.3×13.1 11; 31	4–5	„	„	
26.3×13.1 11; 31	5वां	„	„	
24.7×11.5 16; 52	4	„	19वीं	
25.6×11.2 14; 25	2	„	„	
26.1×11.2 11; 31	2	„	20वीं	र.का. 1777; र.स्था. बीकानेर पत्र 2-4
19.4×11.1 13; 30	2	„	„	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1827	5370	सज्झाय तू तो चेत सके तो चेत	
1828	6894	सज्झाय-'दान-शील-तप भावना'	
1829	7006	सज्झाय 'केवल ज्ञान निधान'	रत्ननिधान
1830	7565	सज्झाय-'शील सदा नित पालो'	चन्द्रभाण
1831	7936	सज्झाय-सचिता चित विचार	विनयविमल धीरविमल शिष्य
1832	5353-प	सज्झाय संग्रह	
1833	5358	सज्झाय-संग्रह	
1834	5360	" "	
1835	5362-प	" "	
1836	5364	" "	
1837	5365-प	" "	लक्ष्मीवल्लभ आदि
1838	5367	सज्झाय- संग्रह	
1839	53 8	सज्झाय-संग्रह	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23.3×10.6 6; 20	5	पूर्ण	1844	लि.क. झाथो ऋषि अजबराम शिष्य लि.स्था. बीकानेर सज्झाय के 12 पद हैं
24.7×12 13; 34	4	,,	20वीं	दो सज्झाय हैं।
11×10.1 7; 11	22-24	,,	,,	
21.2×11.2 18; 42	प्रथम	,,	,,	र.का. 1848; र स्था. चुरु
29×18 17; 26	84-85	,,	1926	
26.1×12.4 12; 44	6	,,	20वीं	
23.8×11.2 13; 27	5	,,	19वीं	सूची—1 शांतिनाथ सज्झाय-कवियण 1-2 2 अनाथी ऋषि ,,-मुनिराम 2-4 3 अरणक सज्झाय-कीर्त्तिमुन्दर 4-5 4 मेतराज मुनि सज्झाय कबकविजय 5
25.1×12.4 8; 25	3	,,	,,	1 गजसुकुमाल सज्झाय 2 धन्ना सुकुमाल सज्झाय रतनो
25.8×11.9 17; 51	4	,,	1891	लि. स्था. जैसलमेर
23.2×11.8 13; 30	7	,,	1715	लि.क. नित्यसुन्दर; लि स्या हैदराबाद ज्ञानसार का आत्म सज्झाय, कृष्ण री ढाल, अनाथी सज्झाय, मेघकुमार सज्झाय व अरणक मुनि सज्झाय पत्र 1-7 में।
26.4×11.2 12; 46	6	,,	20वीं	
25.6×11.7 11; 26	3	,,	,,	
24.2×10.5 13; 41	2	,,	,,	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्ता एवं टीकाकार
1840	5371	सज्झाय-संग्रह	
		1 अतिसय स्तवन	—
		2 खामण सज्झाय	गुणसागर
		3 महावीर पारणो	"
		4 समकित सज्झाय	"
		5 गणधर मुनिवर पद	"
		6 अरणक श्रावक सज्झाय	"
		7 उपदेशी सज्झाय	"
1841	5372	सज्झाय-संग्रह	वस्तामुनि
		1 रात्रि भोजन सज्झाय	"
		2 तेरह काठिया सज्झाय	कुशलसागर
		3 वीर सुणो सज्झाय	"
1842	5387	सज्झाय-संग्रह	
		1 चौदह नेम मर्यादा विधि (अपूर्ण)	नगजी
		2 थोड़ा दिना का जीवणा	"
		3 काया माया दोनूं पारकी	"
		4 पर उपगारी साधु	जयरंग
		5 साधु वंदना	लक्ष्मीवल्लभ गणि
		6 स्फुट कवित्त	
		7 क्रोध सज्झाय	महमंद
		8 अरिहंत सज्झाय	सहजसुन्दर

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26.5×11.8 23;51	2	पूर्ण	20वीं	
"	प्रथम		"	
"	"		"	
"	1–2		"	
"	दूसरा		"	
"	"		"	
"	"		"	
"	"		"	
24.8×12.4 9;33	1–3	"	"	
"	1–2		"	
"	2–3		"	
"	तीसरा		"	
24.8×11.1 19;57	6–11	"	19वीं	
"	6		"	
"	7		"	
"	7		"	
"	8		"	
"	8–9		"	
"	9–11		"	
"	11वां		"	
"	"		"	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1843	5705	सज्झाय-संग्रह	
		1 पांच आरा नी सज्झाय	जिनहर्ष
		2 सामायक 32 दोष सज्झाय	कमलविजय
		3 मान री सज्झाय	
		4 प्रतिक्रमण सज्झाय	धर्मसी
1844	5900-प	सज्झाय-संग्रह	
1845	5901	"	
		1 आत्म-सज्झाय	राजसमुद्र
		2 जीव-सज्झाय	"
		3 नेम राजुल सज्झाय	उदयविजय पाठक
		4 नेम राजुल सज्झाय	जिनहर्ष
		5 नेम राजुल सज्झाय	"
		6 दस श्रावक सज्झाय	मुनि श्रीसार
		7 नेम राजुल बारहमासो	जिनहर्ष
1846	5992	सज्झाय संग्रह	
		1 अठारह नाता रा दूहा (अपूर्ण)	
		2 अर्जुन माली ढाल	जैमल
		3 नेमि ढाल (अपूर्ण)	
1847	6061-प	सज्झाय-संग्रह	

माप सें. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.1 × 10.7 12; 33	4	पूर्ण	20वीं	
"	1–2		"	
"	2–3		"	
"	3–4		"	
"	चौथा		"	
25.6 × 11.1 21; 52	2–55	"	19वीं	
25.2 × 11 15; 40	2–4	"	"	
	दूसरा			
"	"			
"	"			
"	2–3			
"	तीसरा			
"	3–4			
"	चौथा			
20.4 × 11.7 19; 37	6	"	"	
	प्रथम			
	1–3			र. का. 1823
	3–6			
25.3 × 10 5 16; 46	2–13	अपूर्ण	20वीं	लि. क. छाजूराम

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1848	6062	सज्झाय-संग्रह	मुक्ति विलास
		1 चोवीस अतिसय सज्झाय	
		2 सिद्धाचल स्तवन	
		3 आचार्य नी सज्झाय	
		4 उपाध्याय नी सज्झाय	
		5 संत नी सज्झाय	
		6 जीव नी सज्झाय	
1849	6128	सज्झाय-संग्रह	
		1 गजसुकुमाल सज्झाय (अपूर्ण)	देवचन्द
		2 प्रभंजना सज्झाय	"
		3 काया जीव सज्झाय	राजसमुद्र
		4 जिनवाणी सज्झाय	लालचन्द वाचक
1850	6134	सज्झाय-संग्रह	
		1 कर्मा री सज्झाय	ऋद्धिहर्ष
		2 आतम सज्झाय	रतनतिलक
1851	6242-प	सज्झाय-संग्रह	
1852	6289 प	" "	देवसेवक मुनि

आकार से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26.7×11.4 16; 50	2	अपूर्ण	1858	लि. क नागरमल
"	प्रथम		"	
"	"		"	
"	1–2		"	
"	दूसरा		"	
"	"		"	
"	"		"	
24.7×10.7 9; 40	4–9	"	19वीं	
26.7×12.7 17; 36	1–2	पूर्ण	"	
25×10.6 22; 58	11–44	"	"	
26.5×11.4 21; 42	7	"	18वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1853	6643	सज्झाय-संग्रह 1 जिन बारहमासा 2 समदेसटी सज्झाय 3 श्र.वकनी सज्झाय 4 मेघकुमार सज्झाय 5 देसला री सज्झाय	मुनिसार; जिनहर्ष साध
1854	6932 (प)	सज्झाय-संग्रह	
1855	6553	सतरंज-ढाल	
1856	6565	सत्तरिसय जिनस्तवन गुणना	
1857	6075	सतरे सतियां सज्झाय	रायचन्द्र ऋषि
1858	7984	सद्गुरुजी थे सांभलो गीत	लाभउदय भुवनकीर्त्ति शिष्य
1859	7982	सद्गुरु जिन कुशल गीत	जिनचन्द्र
1860	6084	नसतकुमार गीत	समयसुन्दर
1861	6881	„ „	जिनराज
1862	6083	सनतकुमार सज्झाय	खेम मुनि
1863	5785	समकित स्वाध्याय सस्तबक	
1864	5285	समकित स्तुति	यशोविजय विनय-विजय शिष्य
1865	7929	„ „	रूपचन्द

माप से. मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24 × 11.3 15; 34	3	पूर्ण	18वीं	
26 × 14 11; 38	9	अपूर्ण	20वीं	स्फुट-पत्र
24 2 × 10.2 20; 52	7–8	„	1930	
16.3 × 25.5 33; 22	6–7	„	20वीं	
21.8 × 10.3 14; 28	1–2	पूर्ण	„	र.का. 1850; र.स्था. मेड़ता
29 × 18 17; 26	116वां	„	1926	
29 × 18 17; 26	115वां	„	„	
25 × 10.9 17; 52	प्रथम	„	19वीं	
15 × 18 29; 24	12वां	„	1803	
25 × 10.9 17; 52	प्रथम	„	19वीं	र. का. 1746
24.7 × 11 10; 37	2	„	„	
25.7 × 11.9 14; 38	4	„	20वीं	अन्त में जिनस्तवन है
29 × 18 17; 26	79वां	„	1926	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1866	69·8	समवायाङ्ग सूत्र सज्झाय	विनयचन्द्र
1867	5250	समवसरण स्तवन	सोमसुन्दर सूरि
1868	5491	सरस्वती रो छन्द	कुशल कवि विनयकुशल शिष्य
1869	5703	सर्वजिनस्तवन	खुशालचन्द मुनि
1870	6746	सर्वजिन तीर्थंकर वृहत् स्तवन	समयसुन्दर
1871	5356	सलूणा सज्झाय	
1872	6235	सवैया छूटक संग्रह	ज्ञानसुन्दर, जिनहर्ष धर्मसिंह
1873	7525	" "	लालचन्द ऋषि
1874	6236	सहसफणा मंडोवरा पार्श्वनाथ छंद	म[illegible]रंग चन्द्रकीर्त्ति शिष्य
1875	4975	सहस्र कूट जिनस्तवन	रामविजय जिनलाभसूरि शिष्य
1876	5798	सात व्यसन सज्झाय	जयरंग पुण्यरंग शिष्य
1877	6095	साधु गीतानि	समयसुन्दर
1878	4409	साधु गुण सज्झाय	चन्द्रभाण ऋषि

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.सवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21 × 11 8; 22	4–5	अपूर्ण	20वीं	
24.4 × 10.3 11; 26	4	पूर्ण	"	
17.8 × 12.7 18; 32	1–2	अपूर्ण	"	अप्राप्त पत्र दूसरा (व)
25.8 × 10.9 12; 38	2	पूर्ण	"	र. का. 1893 लि. स्था. राजनगर
24.5 × 10.5 10; 30	प्रथम	"	17वीं	प्रथम पत्र पर दृष्टिदोष से रह गया प्रथम स्तोत्र
23.6 × 11.4 14; 22	3	"	19वीं	
26 1 × 11.1 14; 47	1–2	"	20वीं	
25.2 × 12.2 15; 37	24–26	"	"	
26.1 × 11.1 14; 47	2–4	"	"	
27.2 × 12.3 15; 36	5वां	"	"	
25.3 × 12 10; 37	तीसरा	"	"	
25.3 × 10.7 17; 41	2	"	19वीं	स्फुट-पत्र
21.2 × 11 11; 22	4–5	"	20वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्ता एवं टीकाकार
1879	6093	साधु गुण सज्झाय	
1880	6097-प	साधु गुण सज्झाय आदि	विजयदेव सूरि आदि
1881	6259	,, ,,	आनन्द विमल
1882	6283	,, ,,	चन्द्रभाण ऋषि
1883	7490	,, ,,	
1884	5422	साधु गुण सोलही	,,
1885	5377	साधु-वन्दना	समयसुन्दर
1886	5378	,,	पार्श्वचन्द्र सूरि
1887	5379	,,	
1888	5380	,,	समयसुन्दर
1889	5381	,,	पुण्यसागर उपाध्याय

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×10.9 15;50	1-2	पूर्ण	19वीं	
25×10.8 15;51	5	"	"	
17.6×11.3 7;10	35	अपूर्ण	20वीं	लि. क पुण्यसागर आदिहीन; पत्र 8-11 रिक्त अन्त में—कल्याण सज्झाय; बाल व्याकरण अपूर्ण है।
25.6×12.1 20;41	प्रथम	पूर्ण	19वीं	र. स्था. फतेहपुर लि. क दानमल मुनि लि. स्था. झूंझू
10×31 36;16	1	अपूर्ण	20वीं	फटा पत्र
18.7×11.4 12;24	2	पूर्ण	19वीं	र.का. 1863; र.स्था. फतेहपुर लि. क. मगना साध्वी लि. स्था. अजीमगंज; अन्त में अबीरचन्द कृत; स्फुट सवैया
26.1×12.5 13;32	25	अपूर्ण	20वीं	15वीं ढाल तक
26.5×10.7 12;41	6	पूर्ण	1862	लि.क. टेकचंद; लि.स्था. विक्रमपुर
25.5×11 16;34	3	"	19वीं	
26.6×11.2 20;50	11	"	1775	र. का. 1697 लि. क. हीरानन्द लि. स्था. आसणीकोट
25×10.9 11;31	7	"	19वीं	

क्रमांक एव विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1890	5383	साधु-वन्दना (गुणस्तवन)	जैमल ऋषि
1891	5384	„ „	आसकरण
1892	5615	„ „	पार्श्वचन्द्र
1893	5616	„ „	„
1894	5617	„ „	„
1895	5618	„ „	„
1896	5804	„ „	श्रीदेव मुनि ज्ञानचन्द शिष्य
1897	5805	„ „	„ „
1898	5806	„ „	„ „
1899	5807	„ „	„ „
1900	5808	„ „	
1901	5809	„ „	
1902	58 0	„ „	जैमल ऋषि

माप से. मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.7×11.2 15;40	3	पूर्ण	19वीं	त्रुटित पत्र
24 8×11 1 19;51	1–3	"	"	र. का 1838 अन्त में देवीदास कृत चौबीस जिनस्तवन
25.3×11.4 12;25	8	"	"	र का 1697; लि.क. पद्मा आर्या लि. स्था. पालणपुर
26.7×11.9 8;26	12	"	1874	लि. क हुकमचन्द ऋषि लि. स्था. जादव
25.8×12.1 18;48	3	"	20वीं	
25.5×11.1 13;35	5	"	19वीं	
25.7×11.7 14;33	12	"	"	
25.5×11.8 16;38	2–10	अपूर्ण	1912	अप्राप्त पत्र 3-4
23.2×11.1 14;34	10	पूर्ण	1937	लि. क. किशनलाल बोहरा लि.स्था. जोधपुर; किनारे क्षतिग्रस्त
25.8×11.9 11;36	13	"	20वीं	
25.2×10.9 17;44	2	"	1864	आर्या राजू
25 6×12.7 9;24	6	"	20वीं	
25.2×10.9 17;41	2	"	19वीं	लि.क. आर्याराजू; लि.स्था. जोधपुर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1903	5811	साधु-वन्दना (वृहद् स्तवन)	समयसुन्दर सकलचन्द्र शिष्य
1904	5884	,, ,,	जैमल ऋषि
1905	5891	साधु-वन्दना	
1906	5941	,,	ज्ञानचन्द्र
1907	6094	,,	
1908	6096	साधु-वन्दना (आगमोक्त)	देवमुनि ज्ञानचन्द शिष्य
1909	6126	,, ,,	जैमल ऋषि
1910	6127	,, ,,	देवमुनि ज्ञानचन्द्र शिष्य
1911	7356	,, ,,	जैमल ऋषि
1912	7818	,, ,,	रूपसुन्दर मुनि
1913	5389	साधु साध्वी गुण नी सज्झाय	जैमल ऋषि
1914	5392	साधु-स्वाध्यायादि 1 नेम राजिमती गीत 2 षटलेश्या स्वाध्याय 3 सात वार नी स्वाध्याय 4 पन्नरे तिथि स्वाध्याय	मनोहर मुनि कल्याणसूरि शिष्य ,, ,, ,,

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.3×10 6 14;42	21	पूर्ण	1828	र. का. 1697 र. स्था. अहमदावाद
24 6×10.3 15;37	4	"	19वीं	
26.3×10.6 12;36	2	"	20वीं	
20.7×10.1 9;29	1–20	"	"	
25×10.9 15;50	2–4	अपूर्ण	19वीं	स्फुट-पत्र
25.1×11.6 16;42	7–9	"	"	आदिरहित
25.2×11.1 20;56	2	पूर्ण	"	
24×11.9 17;44	7	"	1895	लि. क. माणकचन्द लि. स्था. अठाणा
13.3×8.8 8;15	12–15	अपूर्ण	19वीं	आदिरहित
19.5×26.7 30;31	3–13	पूर्ण	1884	र. का. 1624 लि. क. हिन्दूमल ऋषि
23.2×10.2 13;47	3	"	1833	लि. क. भोजराज लि.स्था. बीकानेर; क्षतिग्रस्त
26.6×11.6 12;40	4 प्रथम 1–2 2–3 3–4	"	1692	लि. क. मनोहर मुनि

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1915	6760	साधु-सज्झाय	
1916	6764	सामायिक-सज्झाय	माणकचन्द
1917	5331	सिद्ध क्षेत्रस्तुति	
1918	5330	सिद्ध गिरिस्तवन	क्षमाविजय वाचक
1919	5660	सिद्ध-चक्र नवपदस्तवन	ज्ञानसार
1920	5663	" "	कनककीर्त्ति
1921	5662	सिद्ध-चक्रस्तुति	ज्ञानविमल
1922	6070	सिद्ध चतुर्दशी	
1923	5301	सिद्धाचल चैत्यवंदन	पद्मविजय
1924	7107	सिद्धाचल पद	चैनविजय, टोडर
1925	5303	सिद्धाचलस्तवन	पद्मविजय
1926	5704	" "	कान्तिविजय
1927	7318	" "	पद्म

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26×12 15;50	प्रथम	पूर्ण	1880	
26×12 15;50	तीसरा	"	"	र. का. 1880
25.5×10.8 11;28	2	"	1934	लि.क. भू चंद; लि. स्था. चाणोद
21×12.3 10;18	2	"	20वीं	
25.5×10.3 11;35	6	"	19वीं	र.का. 1871; र.स्था. बीकानेर
23.3×11 10;27	2	"	"	
25.3×12.1 15;45	4	"	"	
25.1×10 6 17;62	प्रथम	"	"	
24.8×12.9 7;19	1–2	"	1900	लि. क. मानविजय रत्नकंवर वाचनार्थं
11.3×9.6 8;12	38–42	"	1880	
25.4×13 9;22	2	"	20वीं	रत्नकंवर वाचनार्थं
24×11 14;33	2	"	1869	लि.क. सिद्धविजय साध्वी
15.4×11.4 13;22	प्रथम	"	20वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1928	7963	सिद्धाचल स्तवन	क्षमा कल्याण वाचक
1929	6077	सीता नी सज्झाय	
1930	5551	" "	
1931	6573	सीता सती सज्झाय	जिनहर्ष
1932	6656	" "	"
1933	7955	सीमन्धर गीत	जिनराज सूरि
1934	7956	सीमन्धर चैत्यवंदन	
1935	5203	सीमन्धर जिन विज्ञप्ति	जयविजय नयविजय शिष्य
1936	5204	" "	" "
1937	5608	सीमन्धर जिन विज्ञप्ति सस्तबक	" "
1938	6569	सीमन्धर जिन स्तवन	
1939	6912	" "	लावण्य समय
1940	6066	सीमन्धर जिन स्तुति	

माप से.मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
29×18 17;26	103वां	पूर्ण	1926	
21.8×10.3 14;28	3–4	"	20वीं	
24.2×10.2 20;52	6–7	"	1930	
16.3×25.5 33;32	19वां	"	20वीं	
23×11.5 10;26	3–4	"	1819	लि. क. शिवसागर
29×18 17;26	98वां	"	1926	
29×18 17;26	98–99	"	"	
24.1×12.3 15;35	15	"	1881	लि. क. वीर वेताल लि. स्था. कलकत्ता
22.7×12.6 14;25	23	"	1779	लि. क. नायकविजय लि. स्था. आणन्दपुर गंगाराम वाचनार्थ
26.1×13.6 17;49	2–78	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण-शीर्ण; आद्यन्तरहित र.का. 1830; लि.क. लाला अप्राप्त पत्र 4, 67, 77
16.3×25.5 33;25	9वां	"	20वीं	
25.5×11.3 17;42	2	"	"	र. का. 1562 लि. क. सुन्दरविजय
26.9×12.3 15;32	11वां	"	1838	लि. स्था. जैसलमेर अप्राप्त पत्र 1-10

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एव टीकाकार
1941	5208	सीमन्धर-वीनती	जिनहर्ष
1942	5201	सीमन्धर वृद्धि स्तवन	जसविजय नयविजय शिष्य
1943	5202	सीमन्धर वृद्धि स्तवन (सस्तबक)	" "
1944	7965	" "	भक्तिलाल उपाध्याय
1945	5205	सीमन्धर स्तवन	कुशलविजय विनयविजय शिष्य
1946	5206	"	
1947	5207	"	भक्तिलाल
1948	5374	"	
1949	6230	"	जिनराज
1950	7894	"	जिनहर्ष
1951	7946	"	देवचन्द्र
1952	6249	सीमन्धर स्वामी पत्र	कवियण
1953	6768	" "	

माप से. मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.6×12.1 7;27	2	पूर्ण	19वीं	
26×10.8 14;47	2–5	अपूर्ण	"	प्रथम पत्र अप्राप्त
26.1×11.3 17;40	18	पूर्ण	1865	लि. स्था. मुलतान. देवचन्द वाचनार्थं
29×18 17;26	104-105	"	1926	
25.5×10.9 12;45	2	"	19वीं	
25.7×11.4 10;30	3	"	"	
25.7×12.4 10;3	2	"	"	
24.8×12.4 9;33	4–5	"	20वीं	
26.5×11.9 11;25	2–3	"	19वीं	लि. स्था. आगरा
29×18 17;26	93वां	"	1926	
29×18 17;26	91–92	"	"	
25.4×11.9 13;38	1–3	"	19वीं	
26×12 15;50	5–7	"	1880	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1954	6214	सीमन्धर स्वामी स्तवन	जयविजय नयविजय शिष्य
1955	7103	,, ,,	कनकसुन्दर
1956	6486	सीहचलो छन्द	रूपचन्द
1957	6761	सुगुरू सज्झाय	कुशलचन्द ऋषि
1958	7908	सुख उपने दुख कल गये जिन स्तुति	
1959	7920	सुणियां वातां राज जिन स्तुति	रिषभदास
1960	5673	सुदर्शन श्रेष्ठि सज्झाय	
1961	6899	सुदर्शन श्रेष्ठि शील सज्झाय	दीपमुनि
1962	69:0	सुमति-पद	सुखलाल विमलमुनि शिष्य
1963	4135	सुमिर गुरु का सरणा-लावणी	चम्पाराम दीवान
1964	7979	सुरमणि समसहु-नवपद स्तवन	जिनलाभ सूरि
1965	7169	सुविधि जिन काव्य पद	समयसुन्दर
1966	7187	सुविधि नाथ पद	

माप से मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
22.7×11.2 13; 32	4	पूर्ण	1866	लि. स्था. नागपुर
25.2×11 11; 42	६वां	"	1654	
26.2×11 11; 42	12–13	"	"	
15×18 29; 24	10–11	"	1803	
25.1×11.8 18; 27	2	"	1964	र. का. 1827 लि. क. आर्या फूलकंवर
25.9×11.8 10; 30	3–6	"	1941	
25.9×11.8 10; 30	छठा	"	"	
25.9×11.8 10; 30	7–8	"	"	र. का. 1884
25.9×11.8 10; 30	8–9	"	"	र. का. 1883
24.5×10.8 11; 33	छठा	"	20वीं	
23.7×11.7 16; 35	चौथा	"	"	
23.6×10.7 8; 24	प्रथम	,	"	
23.6×10.7 8; 24	दूसरा	अपूर्ण	"	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1993	5418	स्तवन-संग्रह (चन्द्रप्रभ पद)	
1994	5419	स्तवन-संग्रह	
		1 नवपद-स्तवन	
		2 शिखर-स्तवन	आनन्द विमल
		3 सिद्धाचल-स्तवन	नयविजय
		4 अष्टपाद जिन-स्तवन	आनन्द विमल
		5 आज महोछव पद	प्रतापसिंह
		6 वृद्धि यंत्र भरण	
1995	5421	स्तवन-संग्रह	
		1 मगसी पार्श्वदेव लघु स्तवन	जोधमुनि
		2 रह नेमि सज्झाय	जिनहर्ष
		3. वीरस्तवन	देवगुप्त सूरि
		4 श्रीराणपुरस्तवन	
1996	5423-प	स्तवन-संग्रह	
1997	5450	"	
		1 आदनाथ अदीस रो पद	
		2 जम्बूदीप ने भरत में-पद	
		3 तिण नगरी भई वंस-पद	
		4 तिण अवसर तिण काल-पद	
		5 रूसो ज्या बेन जीण-पद	

माप से मी ; पंक्ति प्रति-पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23.6×10.7 8;24	दूसरा	पूर्ण	20वीं	
26.3×11.5 17;45	2	,,	,,	
	प्रथम	,,	,,	र. का. 1897
,,	,,	,,	,,	र. का. 1881
,,	,,	,,	,,	
,,	1–2	,,	,,	
,,	दूसरा	,,	,,	
,,	,,	,,	,,	
26.2×12 14;31	2	,,	,,	
	प्रथम	,,	,,	
,,	1–2	,,	,,	
,,	दूसरा	,,	,,	
,,	,,	,,	,,	
26.4×11.2 13;36	15	,,	1967	र.का. 1965; लि.क. किशनचंद्र व्यास; लि. स्था. पाली
25×11.7 12;31	3	अपूर्ण	19वीं	अन्तरहित; क्षतिग्रस्त
	प्रथम	,,	,,	
,,	,,	,,	,,	
,,	1–2	,,	,,	
,,	2–3	,,	,,	
,,	3	,,	,,	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1998	5451	स्तवन-संग्रह	
		1 चौबीस जिनस्तवन	पद्मविजय
		2 शाश्वत जिनस्तवन	"
		3 सिद्धाचल-स्तवन	"
		4 गिरनार गिरिस्तवन	"
		5 अर्बुदाचल स्तवन	"
		6 अष्टापदस्तवन	"
		7 सम्मेत शिखरस्तवन	"
1999	5452	स्तवन-संग्रह ('रे जीव जिन धर्म')	समयसुन्दर
2000	5489	स्तवन-संग्रह (लघु गौतम रास)	लावण्य समय
2001	5510	स्तवन-संग्रह	
		1 नेमीश्वरस्तवन	नगजी
		2 पार्श्वनाथस्तवन	खेमकरण
		3 इण शहर अमोलक-पद	जीवणदास
		4 वर्धमान जिन-पद	जसवाचक
		5 सीमन्धर स्वामी पद	जसवन्त सागर
		6 श्रावकाचार पद	
2002	5522-प	स्तवन-संग्रह	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25 5×11 5 13;42	2–6	अपूर्ण	19वीं	प्रथम पत्र अप्राप्त
11.3×9.6 8;12	29–32	पूर्ण	1950	
17.2×20.9 25;19	11–12	,,	20वीं	सिन्धी भाषा में लिखित
26×12 15;50	प्रथम	,,	1880	
29×18 17;26	75–76	,,	1926	
29×18 17;26	77–78	,,	,,	
24.9×11 8;20	3	,,	1833	लि. क. जीवणदास ब्राह्मण लि. स्था. पाली
24.6×11.4 10;30	8	,,	20वीं	
16.5×10.9 11;26	3–4	,,	,,	र. का. 1922
26.3×13.1 11;31	5–6	,,	19वीं	
29×18 17;26	114वां	,,	1926	
17.5×7.5 8;22	चौथा	,,	19वीं	
17.5×7.5 8;22	10वां	,,	1867	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1967	7155	[illegible] नाथ पद	रूपचन्द
1968	6916	सूर्यगडांग सज्झाय	विनयचन्द्र
1969	6234	सेरीया मण्डन पार्श्वनाथस्तवन	महिमाहर्ष जिनहर्षसूरि शिष्य
1970	7951	सेवो पास शंखेश्वरोस्तवन	उदयरत्न
1971	7240	सोरठिया दूहा नेमजिन रा	
1972	7961	सोलह सतिया सज्झाय	उदयरत्न
1973	5630	सोलह स्वप्न सज्झाय	जैमल ऋषि
1974	5894	" "	"
1975	6111	" "	"
1976	5431	सोलिया-स्तवन	
1977	6112	सोलिया तपस्तवन	
1978	5216	सोभाग्य पंचमीस्तवन	कांतिविजय प्रेमविषय शिष्य
1979	4972	स्तम्भनक पार्श्वनाथस्तवन	शांतिचंद्र सकलचंद्र शिष्य

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17.5×7.5 8;22	छठा	पूर्ण	19वीं	
26×11 8;22	तीसरा	,,	20वीं	अप्राप्त पत्र 1-2
26.5×11.7 14;49	2	,,	,,	
29×18 17;2[illegible]	95-96	,,	1926	
17.5×7.5 10;22	[illegible]वां	,,	19वीं	
29×18 17;26	101-102	,,	1926	
25×11.7 15;43	2	,,	20वीं	क्षतिग्रस्त
23.1×11 6 13;30	3	,,	19वीं	
25.8×10.8 12;39	2	,,	,,	
25.9×12.1 16;37	7-8	,,	20वीं	
21×11 9;22	2	,,	,,	
25.4×11 15;38	4	,,	1823	र.का. 1799; र.स्था. पालनपुर लि. स्था. समदड़ी
24.5×10.2 11;33	13-16	,,	18वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1980	6169	स्तम्भनक पार्श्वनाथ स्तवन	कुशललाभ
1981	6718	स्तम्भनक पार्श्वनाथ स्तवन (लघु)	समयसुन्दर
1982	6721	" "	"
1983	6869	स्तम्भनक पार्श्वनाथ स्तवन (वृद्ध)	कुशललाभ
1984	5945	स्तवन धड़ा	आसकरण ऋषि
1985	5394	स्तवन-संग्रह (रोहिणी तपस्तवन)	श्रीसार
1986	5395	स्तवन-संग्रह (छमासी तपस्तवन)	
1987	5396	स्तवन-संग्रह (सत्तर सौ जिनस्तवन)	रूपचन्द कृष्ण ऋषि शिष्य
1988	5397	स्तवन संग्रह (तिलक तपस्यास्तवन)	" "
1989	5400	स्तवन-संग्रह (गौतम स्वामी स्तोत्र)	
1990	5415	स्तवन-संग्रह (अजित जिनस्तवन)	
1991	5416	स्तवन-संग्रह (शंखेश्वर पार्श्वस्तवन)	
1992	5417	स्तवन-संग्रह (सरस्वती अष्टक)	दयासूरि

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
27.3×12.8 14;32	13	पूर्ण	1928	
	1–10	"	"	
"	10–11	"	"	
"	11वां	"	"	
"	"	"	"	
"	11–12	"	"	
"	12वां	"	"	
"	13वां	"	"	
21.3×11.2 8;16	प्रथम	"	1871	लि. क. सांवतमल लि. स्था. बीकानेर
14.5×10.1 15;22	"	"	20वीं	
26.8×11.2 11;44	2	"	"	
	प्रथम	"	"	
"	"	"	"	
"	1–2	"	"	
"	दूसरा	"	"	
"	"	"	"	
"	"	"	"	
26×11.6 18;48	2–6	"	1879	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
2003	5555-प	स्तवन-संग्रह	
2004	5560-प	"	
2005	5561	"	
		1 सुलसा सज्झाय	
		2 मिच्छामी सज्झाय	
		3 मेतराज मुनि सज्झाय	विजय
		4 चैत्यवन्दन	
		5 वीर नमस्कार	पद्मविजय
		6 आलोयणा गीत	धर्मसी
		7 अठावन भाषा	ज्ञानविमल
		8 गजसुकुमाल सज्झाय	
2006	5562-प	स्तवन-संग्रह	
2007	5563	"	
		1 पार्श्वनाथस्तवन	खेमकरण
		2 पार्श्वनाथस्तवन	
		3 कहा मानो सज्झाय	
		4 शांतिनाथ स्तवन	ऋषि जैमल
		5 महावीर स्वामी स्तवन	
		6 तारादेरानी सज्झाय	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26.4×11.1 12;42	13	पूर्ण	20वीं	
26.2×12.4 12;50	6	,,	,,	
25.6×12.6 12;32	8	,,	,,	
24.5×10.9 14;43	8	,,	1880	लि. क. चारित्रविलास लि. स्था. कानासर
28×11.5 14;45	4	,,	19वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
2008	[illegible]4-प	स्तवन-संग्रह	
2009	5685	"	
		1 रहनेमि सज्झाय	
		2 गोतम स्वामी सज्झाय	
		3 नवकार छन्द	कुशललाभ
		4 अवयन्ता ढाल	लक्ष्मीरत्न
		5 उपदेश सज्झाय	
		6 वीर जिन वृद्धस्तवन	समयसुन्दर
		7 शत्रुञ्जय मण्डनस्तवन	
		8 चोवीस तीर्थंकर लेख	
2010	5689-प	स्तवन-संग्रह	धर्मकीर्त्ति
2011	5691-प	"	
2012	5693-प	"	
2013	5723	"	
		1 सिखामण सज्झाय	उदय
		2 शील-सज्झाय	
		3 पार्श्वनाथ स्तवन	जिनहर्ष

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×11.5 14;40	8	अपूर्ण	20वीं	र. का. 1959
24.9×11.9 11;34	6–24	"	"	
25.5×10.6 28;62	2	पूर्ण	19वीं	
21.7×11.6 12;29	36	"	"	
25.4×12.1 15;41	11	"	1885	
26.3×12 13;35	3	"	20वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
2014	5725	स्तवन-संग्रह	
		1 पुण्डरीक स्तवन	साधुकीर्त्ति
		2 उपधान स्तवन	समयसुन्दर
		3 कमल तपस्तवन	
		4 सोलिया स्तवन	लच्छ ऋषि
2015	5726	स्तवन-संग्रह	
		1 सीमन्धर-स्तवन (अपूर्ण)	लावण्य समय
		2 अजित जिनस्तवन	कल्याण हंस
		3 नेमि राजुल गीत	रुचि विमल
		4 वीर जिनस्तवन	समयसुन्दर
		5 पार्श्वनाथस्तवन	रतनसागर
		6 पार्श्वनाथस्तवन	
		7 गौतम स्वामीस्तवन (अपूर्ण)	
20.6	5727-प	स्तवन-संग्रह	
2017	5728	"	
		1 नेमि राजिमती स्तवन	जीतसागर
		2 आत्म-सज्झाय	महमंद
		3 शुक्लपक्ष-सज्झाय	हर्षकीर्त्ति
		4 जिनरिख जिनपाल सज्झाय (अपूर्ण)	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×12.2 15;45	3	पूर्ण	20वीं	
25.9×10.4 16;44	6–8	अपूर्ण	19वीं	
20.1×11.7 15;32	7	पूर्ण	19वीं	
20.8×11.6 13;24	6	,,	20वीं	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
2018	5944-प	स्तवन-संग्रह	
2019	5947	"	
		1 उपदेशी स्तवन (अपूर्ण)	
		2 आगम अर्थ अनोपम (अपूर्ण)	
		3 आचार छत्तीसी	रतनचन्द
		4 समझ छत्तीसी	"
		5 आचार बावनी	
		6 तीन सुमति सज्झाय (अपूर्ण)	रायचन्द ऋषि
2020	6038	स्तवन-संग्रह	
		1 चिंतामणी पार्श्वनाथस्तवन	कुशलविजय
		2 नेमजी स्तवन	मुनि दौलत
		3 शंखेश्वर पार्श्वनाथस्तवन	
		4 ऋषभ जिनस्तवन	
		5 गोड़ी पार्श्वनाथस्तवन	
		6 चिंतामणी पार्श्वनाथस्तवन	सकलविजय
		7 नेमिनाथस्तवन	लब्धि विजय
		8 ऋषभ जिनस्तवन	श्रीविजय

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.8×13.9 11; 36	5–51	पूर्ण	20वीं	
23.9×12.6 17; 36	14–21	अपूर्ण	19वीं	आद्यन्तरहित; 15वां पत्र अप्राप्त
"	14वां	"	"	र. का. 1820
"	"	"	"	
"	16–17	"	"	
"	17–18	"	"	
"	18–20	"	"	र. का. 1832
"	21वां	"	"	
25.7×10.5 13; 41	3	पूर्ण	"	
"	प्रथम	"	"	
"	"	"	"	
"	1–2	"	"	
"	2	"	"	
"	"	"	"	
"	2–3	"	"	
"	3	"	"	
"	"	"	"	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
2021	6039	स्तवन-संग्रह	
		1 चौरासी आशातना स्तवन (अपूर्ण)	धर्मसी
		2 पैंतालीस आगम सूत्र स्तवन	,,
		3 शान्तिनाथ स्तवन	गुणसागर
		4 आलोयणा स्तवन	धर्मसी
		5 साधु वन्दना (अपूर्ण)	
2022	6041	स्तवन-संग्रह	
		1 शीतलनाथ स्तवन (अपूर्ण)	समयसुन्दर
		2 पुण्डरीक स्तवन	साधुकीर्त्ति
		3 शत्रुञ्जय स्तवन	राजसमुद्र
		4 पंचमी लघुस्तवन	समयसुन्दर
2023	6048-प	स्तवन-संग्रह	
2024	6049	,,	
		1 नेमिस्तवन	
		2 वीर पद	क्षमाकल्याण
		3 पर्यूषण लावणी	
2025	6162	स्तवन-संग्रह	
		1 पार्श्वनाथ स्तवन	मनरूप
		2 धर्मनाथ स्तवन	,,
		3 संभवनाथ स्तवन	,,

माप से. मी ; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत)	विशेष ज्ञातव्य
24.5×10.5 19;55	3	अपूर्ण	19वीं	पत्र 6, 8-9 हैं (स्फुट-पत्र)
"	छठा	"	"	
"	"	"	"	
"	8वां	"	"	
"	8-9	"	"	
"	9वां	"	"	
15.4×11.2 13;44	15-16	"	1843	लि.क. राजधर्म; लि.स्था. नागोर
"	"	"	"	
"	"	"	"	
"	"	"	"	
"	"	"	"	
27.7×12.7 24;47	11-17	"	20वीं	आद्यन्तरहित
24.6×12.2 13;31	2	पूर्ण	"	
"	"	"	"	
"	"	"	"	
"	"	"	"	
24.1×11.1 15;33	4-6	"	"	
"	"	"	"	र.का. 1875; र.स्था. नागोर
"	"	"	"	र.का. 1856; र.स्था. जोधपुर
"	"	"	"	र.का. 1877; र.स्था. बिसलपुर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
2026	6164	स्तवन-संग्रह	
		1 ऋषभ जिनस्तवन	मनरूप
		2 उपदेशी-सज्झाय	,,
		3 जिन विनती	,,
		4 शान्तिनाथस्तवन	सबलदास
		5 गुरुस्तवन	जसकरण
		6 सीमन्धर स्वामीस्तवन	चौथमल
		7 दशार्णभद्र चोढालियो (अपूर्ण)	कुशलसीस
2027	6167-प	स्तवन-संग्रह	
2028	6168-प	,,	
2029	6237-प	,,	
2030	7394-प	,,	
2031	7548	स्तवन-संग्रह	
2032	6129	स्तुति-संग्रह	
2033	5513-प	,,	
2034	6042-प	,,	

माप से. मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×11.1 15;33	10–12	पूर्ण	20वीं	
"	"	"	"	र.का. 1854; र. स्था. बिसलपुर
"	"	"	"	
"	"	"	"	
"	"	"	"	र. का. 1875
"	"	"	"	
"	"	"	"	
"	"	"	"	र. का. 1876
25.2×10.9 13;37	7	"	"	लि.क. खुशालयति लि.स्था. देवलीपुर
22×12.1 9;20	24	"	1901	लि.क. भगवान; लि.स्था. सिद्धपुर
25 8×11.5 11;35	12	"	1965	
9×6 5;9	3–172	अपूर्ण	20वीं	
26.7×11.7 17;50	1–6	पूर्ण	"	
25.4×11.1 15;21	2	"	1932	लि. क. मोतीलाल साधु लि. स्था. कानका वड़ोदा
24.2×11.2 12;31	5	"	1934	लि.क. हंसराज; लि.स्था. पोकरण
25.5×11.3 14;39	7–11	"	20वीं	आद्यन्तरहित

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
2035	5307	स्वाध्याय	नित्यविजय लावण्यविजय शिष्य
2036	6216	स्वाध्याय-अष्टादश	जसविजय नयविजय शिष्य
2037	5306	स्वाध्याय-संग्रह	
2038	5626-प	" "	
2039	5495	होली-पद	
2040	7164	हरिअंत स्तुति पद	बनारसी
2041	7899	हां रे जिन राज-पद	रूपचन्द
2042	6338	हितोपदेश-सज्झाय	समयसुन्दर
2043	6362	हिंसा धर्म निवारण सज्झाय	रतन ऋषि
2044	6364	हीरविजय सूरि निर्वाण सज्झाय	विवेक हर्ष
2045	7479	हुसीड़ा की सज्झाय	
2046	7870	हे प्रभु तार चिंतामणी स्तवन	
2047	7922	होली खेलिये नर-जिन स्तुति	जिनचन्द्र सूरि

माप से मी.; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23.9 × 10.1 12; 34	2	पूर्ण	20वीं	लि. क. जयविजय
25.2 × 11 17; 38	5	"	19वीं	अन्त में दो जिन पद हैं— 1 आ तन कच्ची मिट्टी का-रूपचन्द 2 म्हारी अरज सुणो-ज्ञान विमल
24.2 × 10.5 12; 43	5	अपूर्ण	20वीं	अन्तरहित
25.7 × 10 9 11; 33	27	पूर्ण	19वीं	
17.8 × 12.7 18; 32	4–5	"	"	साथ में जिन पद हैं।
17.5 × 7.5 8; 22	दूसरा	"	"	
29 × 18 17; 26	74वां	"	1926	
24.4 × 11.9 10; 28	3	"	20वीं	अपरनाम पद्मावती-सज्झाय'
23.5 × 10.4 14; 44	3	"	"	र.का. 1867
23 9 × 10.7 13; 30	1–2	"	19वीं	
25.3 × 11 11; 32	1	"	20वीं	
29 × 18 17; 26	56वां	"	1926	
29 × 18 17; 26	78वां	"	"	

'प' चिह्नित ग्रंथों (गुटकों) में उपलब्ध कृतियों की सूची

(परिशिष्ट-क)

709/4944

क्र सं.	रचना नाम		पत्र संख्या
1	श्री जिन भासित सरस्वती सज्झाय		255
2	श्रावक रो व्रत सेविये		255
3	श्रावक तूं उठै प्रभात	जिनहर्ष	255-256
4	चतुर नर सुणज्यो		256-257
5	प्रणमी गोतम गणधर		257
6	दस मन रा दस वचन री	श्रीसागर विद्या शिष्य	257
7	शारद प्रणमी रै	मुनि दयासागर	257
8	बत्तीस अनंत काय सज्झाय	लखमीरतन सूरि	258
9	ज्ञान वीर निरमल आणी	खेमकरण धर्म शिष्य	258
10	भावै पूंजूं भावै पूजूं		258
11	चतुर नर जाणीयै रै	रतनसागर	258-259
12	प्रहअठी प्रणमुं दसे श्रावक	रूपा	259
13	दस श्रावक री सज्झाय	धर्म	259-260
		र. का. 1553, र. स्था-चित्रकूट	
		लि. क. नन्न सूरि, लि स्था. आनंदपुर	
14	आणंद श्रावक संधि	मुनि श्रीसार हेमकीर्त्ति	260-268
		र. का. 1884	
15	मंगल करण नमीजै चरण	विजयभद्र	268
16	समद विजै शिखा देवी को नंदन	दीपो	268-269
		र. स्था. कुलभछ नगर	
17	सुपन स्नेही हो सामली	आणंद ऋषि	269
18	सात व्यसन वद जो भवि प्राणी	किसनदास	269
19	पंचेन्द्रिय स्वाध्याय	जिनहर्ष	269

———

719/7010

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
1	अष्ट प्रकारी पूजा		26-29
2	वंदन सदन सुख मदन (पद्य)	ग्यान सार	324
3	मनावो प्रीतम कूं		324-325
4	मनवा जिणंद गुण गायें		325
5	नेमजी चाहे तोरी	रतन	325
6	एकली छोड़के मेरो नेम	रूपचन्द	325-326
7	समझ नर जीवना थोड़ा	,,	326
8	अवत उधारो मोही चाहियें	हरखचन्द	326-327
9	देखो रें जिणंदा प्यारा	किसनगुलाब	327-328
10	चालो सखी वंदन जाइयैं		328
11	आसा औरन की क्या कोजै	आनंदघन	328-329
12	अवधू राम-राम जग गावै	,,	329-330
13	अवधू सो जोगे गीरू मेरा	,,	330-331
14	अवधू क्या सुवत तन	,,	331-332
15	अवधू निरत बिरला कोई		332-333
16	हां रे जीया जिन बोलो	रूपचन्द	333-334
17	क्यूं जी जिनराज जी मोसूं	वगत	334
18	जिन प्यारो-प्यारो	पुण्यविजय	334-335
19	ग्यान नहीं पाया रै	जिनदास	335-336
20	ग्यान तुम पाया रैं	,,	336-337
21	सांझ समै जिण वंदो	,,	337
22	पर बही बलीं		337-338
23	प्रभु भजले रे	आनंदघन	338
24	तज मन कुमता कुड़	,,	338
25	हां रे रंग गैरी केसर	हिन्दूमल	338-339
26	सीमन्धर जी रो स्तवन	पदमविजै	339-340
27	सांच तो बताओ ग्यानी	अमीचन्द	340-341
28	अरजी मोरी सइया		341
29	तू हो मेरी आदि जिणेसर	हरखचन्द	341
30	आज बधाई बाजै	बालचन्द	341-342
31	पोथी री टीप		343-352

1258/6543

क्र सं.	रचना नाम	कर्ता	पत्र संख्या
1	श्री थंभण पार्श्वनाथ स्तवन	कुशललाभ	1-4
2	भूलो मन भमरा कांई भमै	महमद	5
3	राणपुर स्तवन	समयसुखकर 1674	5
4	गौणी जी स्तवन		6
5	राणपुर स्तवन	वांचक मेघराज	6
6	महावीर स्तवन	समयसुन्दर	7-8
7	बाहुबली स्तवन		9-10
8	धन्ना शालिभद्र रास (अपूर्ण)		11-25
9	पार्श्वनाथ स्तवन		26
10	सुण बहिन प्रीउडो परदेसी		26
11	थंमण पार्श्वनाथ स्तवन (अपूर्ण)		27
12	गौडी जी स्तवन (सेवक)		27
13	विविध छंद अस्त-व्यस्त (जीर्ण)		28-30

——

1305/4496

1	ऋषभनाथजी स्तवन	देवचन्द्र	22
2	अजिनाथ स्तवन	,,	22-23
3	संभवजिन स्तवन	,,	23
4	अभिनदंन स्तवन	,,	23-24
5	सुमति स्तवन	,,	24
6	पदम प्रभुजिन स्तवम	,,	25
7	सुपासनाथ स्तवन	,,	25-26
8	श्री चन्द्रप्रभु स्तवन	,,	26
9	सुविधनाथ स्तवन	,,	26-27
10	सीतलजिन स्तवन	,,	27-28
11	श्रेयांस स्तवन	,,	28-29
12	वासुपूज्य स्तवन	,,	29
13	विमलजिनस्तवन	,,	29-30
14	अनंतजिनस्तवन	,,	30
15	धर्मनाथ स्तवन	,,	30-31
16	शांति जिन स्तवन	,,	31-32

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
22	नेमि स्तोत्र	जसविजय	7-8
23	पार्श्वजिन स्तोत्र	जसविजय	8
24	महावीर स्तोत्र	जसविजय	8

1307/5529

1	ऋषभजिन गीत	मोहनरूप विजय शिष्य	1
2	अजितजिन गीत	"	1
3	संभवनाथजिन गीत	"	1
4	अभिनदंनजिन गीत	"	1-2
5	पदमप्रभुजिन गीत	"	2
6	सुपार्श्वजिन गीत	"	2-3
7	चन्द्राप्रभुजिन गीत	"	3
8	सुवुधजिन गीत	"	3-4
9	शीतलजिन गीत	"	4
10	श्रेयांसजिन गीत	"	4-5
11	वासुपूज्यजिन गीत	"	5
12	विमलजिन गीत	"	5-6
13	अनंतजिन गीत	"	6
14	कुंथुजिन गीत	"	6-7
15	अरिनाथजिन गीत	"	7
16	मल्लिनाथजिन गीत	"	7-8
17	मुनिसुव्रतजिन गीत	"	8
18	नमिजिन गीत	"	8-9
19	नेमनाथजिन गीत	"	9
20	पार्श्वजिन गीत	"	9-10
21	महावीरजिन गीत	"	10
22	सुमतजिन गीत	"	10-11
23	शांति जिन गीत	"	11
24	हां रेम्हारै धर्म जिणंद सूं (पद)	"	11

1308/5687

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
1	ऋषभ जिन गीत स्तवन	जिनराज	1
2	अजितनाथ जिन गीत	"	1
3	संभव जिन गीत	"	1
4	अभिनंदन जिन गीत	"	1
5	सुमतिनाथ जिन गीत	"	1
6	पदम प्रभु जिन गीत	"	1-2
7	सुपार्श्वनाथ जिन गीत	"	2
8	चन्द्रप्रभु जिन गीत	"	2
9	सुविधिनाथ जिन गीत	"	2
10	शीतलनाथ जिन गीत	"	2-3
11	श्रेयांस जिन गीत	"	3
12	वासुपूज्य जिन गीत	"	3
13	विमलनाथ जिन गीत	"	3
14	अनंतनाथ जिन गीत	"	3
15	धर्मनाथ जिन गीत	"	3-4

—·—

1309/6036

1	ऋषभजिन स्तवन	अमृतचन्द्र सूरी	1
2	अजितजिन स्तवन	" "	1
3	संभवजिन स्तवन	" "	1
4	अभिनंदनजिन स्तवन	" "	1-2
5	सुमतिजिन स्तवन	" "	2
6	पदमप्रभुजिन स्तवन	" "	2
7	सुपार्श्वजिन स्तवन	" "	2-3
8	चन्द्रप्रभुजिन स्तवन	" "	3
9	सुविधजिन स्तवन	" "	3
10	शीतलजिन स्तवन	" "	3
11	श्रेयांसजिन स्तवन	" "	3
12	वासुपूज्यजिन स्तवन	" "	3-4
13	विमलजिन स्तवन	" "	4
14	अनंतजिन स्तवन	" "	4
15	धर्मजिन स्तवन	" "	4
16	शान्तिजिन स्तवन	(अपूर्ण)	4

1310/6037

क्र. सं.	रचना नाम		कर्त्ता	पत्र संख्या
1	नेमिनाथ स्तवन (अपूर्ण)			2
2	नेमिनाथ स्तवन	आणंदमुनि	र. का. 1773 र. स्था मेड़ता	2-3
3	सीमंधर स्तवन	कवियण		3
4	शांतिनाथ स्तवन			3-4
5	पद्म प्रभु स्तवन			4-5
6	महावीर स्तवन	कवि जैत		5-6
7	वीर स्तवन	मनमोहन		6
8	चन्द्राप्रभु स्तवन	सेवक		6-7
9	ऋषभ स्तवन			7
10	सद्गतिदायक (ढाल) अपूर्ण			7

1311/6572

1	मोरा मन तुम सूं लग्यो (पद)	ऋषिरूप	13
2	करुणा के सागर	"	13
3	नेमजिन स्तवन	"	13
4	कर गयो जी को जंजाल	"	13
5	प्रभुनेम	"	13
6	संभव जिन	"	13
7	सुनहूँ विमलजिन	"	13
8	अब न रहूंगी	"	13
9	मैं तोरे रंग माती	"	13-14
10	सुख हूँ न बोल्या	"	14
11	कैसे रहूँगो अकेली	"	14
12	चेतन खेले होरी	"	14
13	जग मोहि बो सूं	"	14
14	ऋषभजिन स्तुति	"	14
15	अजितजिन स्तवन	"	14-15
16	शीतलजिन स्तवन	"	15
17	पदम प्रभु स्तवन	"	15
18	चन्द्र प्रभु स्तुति	"	15

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
19	विमल स्तुति	ऋषिरूप	15
20	उभेद खिल भरे (पद)	,,	15
21	विछिया चुराई किण चोर	,,	15
22	मोने लागी लोर	,,	15-16
23	शीतल जिन स्तवन	,,	16
24	नेमि जिन स्तवन	,,	16
25	तेरे उ दरस कूं नैंना ललचाई	,,	16
26	वीर जिणेसर तेरे दरस	,,	16
27	महि तेरी जग में	,,	16
28	हो अभी जो अहो	,,	16
29	धरम जिनेसर वृद्धिये	,,	16-17
30	सुविध स्तवन	,,	17
31	भूंडी रे भूख अभागी	,,	17
32	वंदू में श्री नमि राज	,,	17
33	आज सखी म्हारे मंगल	,,	17-18
34	सासन देवी स्तुति	,,	18
35	पद्मावती देवी स्तुति	,,	18
36	चक्र केसरी माता स्तुति	,,	18

1345/6599

1	तू आत्तम गुण जाण दे (पद)		1
2	आज उजस छै रे अधिको (पद)		1
3	नहीं ऐसो जनम वारो वार (पद)	हरखचन्द	1-2
4	घर आवो न नेमी (पद)	रूपचन्द	2-3
5	घर आवो तो कहूँ (पद)		3
6	महल चढ़ी रे मोरा नाथ (पद)	रूपचन्द	3
7	नव भव प्रीत समीठी (पद)		3-4
8	वंदि मै वंदि मै वंदि मैं (पद)	उदयरतन	4
9	नेम मिलै तो वातां कीजिये	रूपचन्द	4-5
10	जब रथ दूर गयो	सिवरमणी	5
11	हूं तो वालमनै वाली (पद)		5
12	ऋषभ जी स्यूं लागू (पद)	ऋषभदास	5-6

क्र. सं	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
13	लगावो रे चित जिन पद	जगतराम	6
14	जैन धर्म पायो	नवल	6
15	मोरी आम धार सुविध पद	रूपचन्द	7
16	राजुल पुकारे नेम पीया पद	विजयचन्द	7
17	मोती ड मेह छुठारे पद	आणंद	7
18	म्हारा सामलोया नी बात पद	कनककुशल	7-8
19	जल भरवा किम जाऊं	मोहन	8
20	अब चले देखे वां मानी	मोहन	8-9
21	रूप भलो जिनजी को	चन्द	9
22	निरंजन यार वो रे मेरा	रूपचन्द	9
23	तूं निरंजन इष्ट है मेरा	रूपचन्द	9-10
24	सिध वध नी वात रहूं	चेतन	10
25	दीजै मोरा राज	राज	10
26	प्रथम जिणन्दा प्रभुजी	कुशलमुनि	10-11
27	आज आणन्द भयो	पदमविजै	11
28	जम्बू जगत सुपनो जाण	अभय	11-12
29	अटकै नैना जिन चरणा	नवल	12
30	समै समझ कै कीजी मैं (अपूर्ण)		12
31	जिण वाणी स्तुति	कान्त कवि	13
32	प्रभुजी वोर जिणन्द	रंगविजय	13-14
33	सच्चे साहिब हो	रूपचन्द	14-15
34	मोहि कैसे तारोगे	रूपचन्द	15
35	शीतल शीतलनाथ सेवो	उदयरतन	15
36	विमल साहरू रूप जोतां	,,	15-16
37	बोल-बोल रे प्रीतम बोल	,,	16
38	श्री पासजी प्रगट प्रभावी (स्तवन)	मानविजय	16-17
39	मोने रे मानै कबी पद	आणन्दघन	17
40	मोने रे मानै कबी मिले पद	आणन्दघन	17
41	ए जिन कैण एया लाग रे पद	आणन्दघन	18
42	प्रभु दरसण पायो पद	रामदास	18
43	आवो म्हारा रसिया पद	राज	18-19
44	ललनावती विजय जयकारी पद	वाचिकजस	19-20
45	केइ सुझाव पड्या छै पद		20
46	जिम नायक के आज पद	रतनसेवक जाचक	20-21

क्र सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
47	श्री सुपास जिनवर	सेवग	21
48	अब रंग रसीया	पं. हीरा	21-23
49	अष्टापद आदरीये	रिद्धहर्ष सं. 1744	23
50	आंखीयां नवै हो	आनन्दराम	24
51	मेरे साहिब तुमही हो	वाचकजस	24-25
52	पावापुर पुषरा पावा	नवल	25
53	वाजित रंग बधाई	जिनसागर	25
54	मोतियां नो थाल भरकै	अश्वसेन	26
55	इण रै डूंगरिया स्तवन	नयविमल	26
56	चेतन तूं कया भूलै (पद)	राजाराम	27
57	प्यारा माने लागो छै	मानतुंग	27-28
58	प्रभु थांरे लेरा म्हे	सैनविजय	28
59	मरु देवी के नन्दन	धींगडमल, धुवैल	28
60	तुम तो भलैं वीरां छो जी	खुस्यालचन्द	29
61	राजुल छोड नेमजी (स्तवन)	जसवंत सागर	29-30
62	काया पानी अति कूडी (पद)	पं. जिनविजय	30-31
63	गिरु आरे गुण तुम तजा स्तवन	वाचक जस	31-32
64	जाके चरण पति (पद)	रूपचन्द	32
65	जिनराज महाराज बहुत गुण (लावणी)	चन्द्रभाण सं. 1852	32-33
66	वायो नन्दन साहिवा हा जी	सुखदेव	33
67	जिन स्तुति ,, ,,		33
68	वेनप मण्डणा पास धणो	लाभसोम	34
69	सब दु:ख टालोगे महावीर	सोभागविमल	34-35
70	कृपा करो निगोडी	रूपचन्द	35
71	तेवी समा जिनराज	कुशल	35
72	वो नर देही प्राय	नन्दनन्दन	35-36
73	प्रभुजी से लागो	शिवराम	36
74	लगी लगन कहो को छूटै	राजसिंघ	36-37
75	मोरो निरंजन यार	आनन्दघन	37
76	निसदिन जोऊं थारी	आनन्दघन	37-38
77	हूँ तो वालम नै वाली	राजकुंवर	38
78	तूं मेरा मन में प्रभु	कनककीर्त्ति	38
79	अटकै नैण प्रभु सरणै	नवल	38

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
80	तुम देखो महाराज	सेवक	39
81	लोक चवदके पार की नारी	रूपचन्द	39
82	समर समर सुखदायक		39-40
83	गोडी रो डोढियो उ परचो		40
84	छोडो मोरो छे डोरो रे		40
85	हांरे मैं पीतम कियो छे		40-41
86	हांरे थंभू कुण मानै तेरी	सेवक	41
87	छतीयां चाहत प्राण मिलण	..	41
88	इतजान मतै हो प्राननाथ	आली	42
89	सिद्धाचल वदो रे नर नारी	ज्ञान उद्योत	42
90	धेवो वीर नेम कुमार		42
91	वारत खेलन की अब आई	उत्तमसागर	43-44
92	कौन कामण कीनो थो	भनोहर	44
93	तरलै मोही सीतल स्वामी	पण्डित	45
94	वीर रे वीर कासूं कहीये	आनन्द	45
95	पुद्‌गल हा क्या विसवाण	नवल	45-46
96	जगपति पास जिन रामा	लालचन्द	46
97	देख्या दरस तुम्हारा रे	रूपचन्द	46-47
98	सांवरो नेम प्यारो री	राजरतन	47
99	नेम जी चालो ता तुमनै	विनयविजय	47-48
100	भलै डै अ देख्यो श्री जिनवर	मालदास	48-49
101	आज म्हारे हरख वधाई	क्षमाकल्याण 1847	49
102	श्री पारस प्रभु साहिब मेरे	अमृत धर्म	49-50
103	मोडा त वीर सुहावै	भुवनकीर्त्ति	50-51
104	पावापुर महावीर जिनेसर		51
105	काम काव्य काफी (दूहा)		51-52
106	साधू सहजै दूवला (सोरठा)		52
107	पाली नगर सोहामणो (पद)	आनन्दराम सेवक	52-53
108	इडन कल्याण तोसो जोरी	जगराम	53
109	आंखियां मेरी बावली	खुस्यालराम	53-54
110	अजब जोत मेरे जिनकी	हीर	54
111	पास दरस लगै अब मोहि		55

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
112	पद		55
113	स्फुट लेख। एवं दूहा		56

—

1346/7410

1	सलूणे धर्म मेरे (पद)	जस	1
2	साझ ससे नित	दास	,,
3	नीके नैन तिहारे	देवचन्द	,,
4	देखो री जिणन्द थारी	गुलाब	,,
5	नैगा सफल भये		,,
6	देख री जिणंद थारा	गुलाब	,,
7	जगनायक के आनन्द	रतन	,,
8	मुजरो मान लीजो	रूपचन्द	,,
9	ऋषि सोभत परस	सेवक	,,
10	जाग रे सब रैन विहाणी	ग्यानसागर	,,
11	हो आली जाने थारी	,,	,,
12	देखो सहीयो मेर लग गई	जिनचन्द	,,
13	मोरवा पपईया बोलै	आणंद	,,
14	गरज गरज घन आइयो	गजानन्द	,,
15	तुम बिन दीनानाथ दया	उदय	,,

—

1372/7827

1	जीवरि चल्यो जा तूं	जिनराज	88
2	मन रे तूं छोड माया	राजसमुद्र	,,
3	कैसो सास को बेसास	जिनराज	,,
4	विदेसी मेरे आय रहे	राजसमुद्र	,,
5	आतम ओल्यां तोही आवे		,,
6	तिसएा तीन युवन में जागी		88-89
7	हम बैठे अपने मौन सूं		89
8	मुख नीको सीतलनाथ को	समयसुन्दर	,,
			,,

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
9	निपट हम झाल रह्यो		89
10	आज मैं सजण आणन्द पायो	जिनचन्द	"
11	सलोणे साहिब आवेगें	आणन्दघन	"
12	विवेक धीरा सह्यो न परै	आणन्दघन	"
13	पूछी मैं आली खबरि	आणन्दघन	89-90
14	भादूं की राति काती सीव है	आणन्दघन	90
15	कित जाण मते हो प्राणनाथ	आणन्दघन	"
16	सिरनामी सामी सामी	वाचक	"
17	मेरे हृदय पद्मं प्रभु	कविराज	"
18	नेमी धमाल	सुखलाभ	"
19	आत्म जयपद	विनयविवेक	90-91
20	जागि रे जागी तूं जागि	सुमतिरंग	91
21	जीव जान मेरी सफल	आनन्दघन	"
22	असा विलोवणा विलोव	सुमति	"
23	आँगन कल्प फल्योरी	समयसुन्दर	"
24	तव प्रभु अजीत	अजीत	"
25	भयो रीमजमी आज		91-92
26	सफल नित अभिनन्दन की सेवा	जिनराज	92
27	चेतन सुमति सुंराचिरे	जिनराज	"
28	देखो री मैं चन्द्रप्रभ	जिनहर्ष	"
29	आलो घन ओदित्यु घन	राज	"
30	दीपै वडली मैं जिनको	महिमराज	"
31	आत्मगीत	सुमति	92-93
32	हो नेमि रंगीले	कीर्त्तिविलास	93
33	राजुल ताढी विनवै	मल्लदास	"
34	दादो देरावर दीयै	धर्म्मसी	"
35	ठमकि उभकि ठवति पाय		"
36	प्रीत की रीत नई हो	आनन्दघन	94
37	अवधू ममता रंग नहीं	आनन्दघन	94
38	ओधू नटनागर की बाजी	आनन्दघन	94
39	सहन रे जीव अपणो कीयो	माल	94

—

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
	1395/6635		
1	तीज़ रो स्तवन (अपूर्ण)	सेवकदास	2-3
2	चौथ रो स्तवन	,,	3-4
3	पंचम रो स्तवन	,,	4
4	षष्टम रो स्तवन	,,	4-5
5	सातम रो स्तवन	,,	5-6
6	अष्टमी रो स्तवन	,,	6
7	नवमी रो स्तवन	सेवक	6-7
8	दसमी रो स्तवन		7-8
9	ग्यारवीं रो स्तवन		8-9
10	बारहमो रो स्तवन		9-10
11	चंद पूरि नगर भलि रे भाय	पद	10
	1592/7220		
1	सत्तर भेदी पूजा (चिपके पत्र)		1-3
2	नवपद स्तवन (चिपके पत्र)	लालचन्द	4-5
3	पार्श्व जिनस्तवन	जिनलाभ	5-6
4	पार्श्व जिनस्तवन	जिन भक्ति सूरी	6-7
5	जाऊं री मैं तो गिरनार (पद)		7
6	वांकै गढ को कौन चढी	रूपचन्द	7-8
7	पद संग्रह (चिपके पत्र)		8-10
8	गाफल मान तेरो दाव वण्यो	ग्यानसार	10
9	दास खडा जिन मूरत दा	आणन्दविजै	10
10	मेरो लागो छै नवल स्नेह	रूपचन्द	10-11
11	वारो नणदल वीर कहूँ		11
12	हे सहीयो ले गयो चित		11
13	मेरो पीया परसंग		11-12
14	नोकी तो देखी मूरत पास	हरष	12
15	आज आयां चाला सहीयो	लाभउदय	12-14
16	ते दिन क्या रे आवस्यां		14-15
17	प्यारे नेम सूं पेम किया		15

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
18	कित गये पांचू किसान		16
19	यू केर छूटै मेरी रे मांन रे		16
20	पद (अपूर्ण)	दीपचन्द	17
21	गौडी पार्श्वनाथस्तवन		17-18
22	पार्श्व जिनस्तवन	जैतसी	18-19
23	पार्श्व जिनस्तवन	कीर्त्तिसागर	19-20
24	गौडी पार्श्वस्तवन	वाचक महिमाकल्याण	21-22
25	पार्श्व जिनस्तवन	जिनहर्ष सूरी	22-23
26	वे कर जोडी विनऊं (पद)	कीर्त्तिसागर	23-24
27	दीठो हो प्रभु दीठो	जसवाचक	24-25
28	पास प्रभुजी म्हारो सगुण		25
29	अर्बुदाचल स्तवन	जिनलाभ सूरी, 1821 सं.	25-27
30	श्री सद्गुरु जिनकुशलस्तवन	कीर्त्तिसागर	28
31	दादा पूरो हो मन वांछित	गुणविनय	28-29
32	चरण कमल परिवारी	कीर्तिसागर	29
33	दरसण देज्यो हो		29
34	अलवेसर आज भले		30
35	इष्ट देवजी स्तवन	लक्ष्मीवल्लभ	30-31
36	जगत गुरु कुशलस्तवन		31
37	काहु देख्या कानवी	जिनहर्ष	32
38	जिन राज म्हाराज बहुत गुण (चिपके पत्र)		32-34
39	सज्भाय	कीर्त्ति	34-35
40	नेमजी से कहियो (चिपके पत्र)		35-36
41	विदेशी जीया जिनके	कीर्त्तिसागर	36
42	जिनसे मनवा लाग रह्या	जिनहर्ष	36-37
43	छोरा नै क्यूं मारे	आनन्दघन	37
44	माई मेरो मन तेरो (चिपके पत्र)		37-38
45	कांई कांई कहै समझाऊं रे	वुध	38
46	सरस सुभ वाणी मेहा	जोधराज	38
47	जिन चरणा सूं चितलाव	आनन्दघन	38-39
48	हो ऋषभ विहारी थारी	ऋषभदास	39
49	तुम दरसण की चाह भई	कीर्त्तिसागर	40

1654/4053

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
13	गोयम कवि	जिनहरख (अपूर्ण)	181
14	तेरे ही कारण मेहा जिनवर आया	देवसेवक मुनि	199
15	धारणी मनावै हे मेघ	प्रीतिविजै	199
16	प्रथम गणधर गुण लीनो रे (अपूर्ण)	मेघ कुमार	199

1667/4155

1	सुण चेतन रे तुम गुण	मनिराम (लावणी संग्रह)	1
2	हलाहल कलजुग चल आयो	,,	1
3	हलाहल कलजुग मत जाणो	,,	1-2
4	समुद्र विजै सत गुण	,,	2
5	छप्पन करोड़ जादव मिल आये	गुमानचन्द	2
6	सब रंग आस क्यों करे	जिनदास	2-3
7	साची वात की श्राप जी	मुनिराम	3
8	संसारी लोकां गंदी देवी	मुनिराम	3
9	संसारी लोकां सात व्यसन	रामचन्द	3
10	चन्दा प्रभु चित मोय लीयो		3
11	अब सदा नमु सरस्वती तेरी	जिनदास	4
12	वित गयो नर भव को	आणनदी	4
13	तजो काम मद माम लाल		4
14	तुम तजकर राजल नार	जिनदास	4
15	गई सब तेरी सील	जिनराज	4
16	लाभ नहीं लियो जिणंद भजके	जिनदास	4-5
17	श्री आदनाथ निखाणी	,,	5
18	सुकृत की बात तेरे हाथ	,,	5
19	दे गया दगा दिलदार सुणो	,,	5
20	तूं अलूज्यो जंजाल जगत में	,,	5-6
21	सदा नमु जिनराज चरण कूं	,,	6
22	तुम भजो जिनेसर देव	,,	6
23	आयो अब समगत के घर	,,	6
24	तुम तजो जगत का ख्याल	,,	6

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
25	एक जिनवर का नाम हीया में (अपूर्ण)	..	6-7
26	साध दे पर उपगारी	कनिराम	8
27	तरसत अखियां हुई दुम पखिया	लक्ष्मीवल्लभ	8
28	नेम न जाणी मोरी पीर	शिवरतन	8
29	नेमजी वंदन नार चली		8
30	प्रभु जी प्रगट फुरमावै	जिनराज	8
31	मैं नहीं रहूं घर के मांय	मुनिराम	8-9
32	नैम की जान बणी भारी	जिनदास	9
33	चेतन जी अब चेतीय	मुनिराम	9
34	चेतन तेरी रसना	वीनैचन्द	9-10
35	मारग में मारग में लूटै पांच	ऋषभ ऋषि, (1800, धारानगर)	10
36	सीख सांभलो सतगुरु की	जिनदास	10
37	फिर अब लगी मेरा तन में	जिनदास	10
38	तू कुमत वलैसणं नार लगी	जिनदास	10
39	खबर नहीं है जग में	अखैमल	10
40	तुम वात सुनो नी इक मेरी		10-11
41	चले न किसका जोर		11
42	अजि तू सुणियें प्राणी		11
43	मूरख लख जा रे		11
44	हांरे जुगविच वडार रामा (अपूर्ण)	बलवन्त	16
45	जग तारक जिन राज जिनराय	हीराचंद, 1914	17
46	वीतराग जिनदेव नमु	लालचन्द, (1861, कोटा)	17-18
47	जिण सासण सामी अन्तरजामी	अनोपचन्द	18
48	मगध देस राज गिरी नगरी	खुशालचन्द, (1870, पीपाड़)	18-19
49	चेत चेत नरण फल मतरे		19
50	तुम तारणं तारण भव निवारण		19
51	सुणो सुणो अंग्रेज बहादर (अपूर्ण)		19
52	सीतल जिनवर कह प्रणाम (ढाल)		20
53	सांभल सीख गुरा तणी	चौथमल	20
54	मांस खमण रे पारणो	मुनि रामचन्द	20
55	धन मुनि धन मानेवर	,,	20
56	जम्बू द्वीप विदेह में मुनिवर	वृद्धिचन्द	20-21

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
57	वीरा वरंजु रंजु वीछुए गोद से	मुनिराम	21
58	थमे जिन चरणा चित धर रे	रामचन्द	21
59	सुणी मैं वीनती हो प्रभु	,,	21
60	जादव राव आठ भवरी प्रीतडो	,,	21
61	महा विदेह में थे वसरे	,,	21
62	फीटक सिंघासण उपरे	,,	21-22
63	भाखे श्री जिनराज काल	,,	22
64	प्रमाद माहे बेस जावै	,,	22
65	दस दिसट ते दोहिलो	रामचन्द, 1910, नागोर	22
66	अरिहंत देव ने लख्या	वृद्धिचंद, नागोर, 1908	22-23
67	सुख कमी हो जिन जी	रामचन्द	23
68	ऋषभ अजित संभव अभिनन्दन	,,	23
69	सामी सुधरमा दो गणधर पाचमा	मुनि रामचन्द	23
70	तीरथंकर ते नमु रे	खुशालचन्द	23
71	ले ले की मन दीपर वीरे	राम	23
72	जीवा मोरे मानव भव	राम	23
73	श्रेण कहे नाडी चढयो रे	राम	23-24
74	भवि गण बांधो मति	रामचन्द	24
75	तेली लो खरची जोय	मुनिराम	24
76	श्री संत प्रभु जी संत वरते	रामचन्द	,,
77	हां जी नेम जी	राम	,,
78	झूठा बोलो वचन को परलो	मुनिराम	24-25
79	हूं थने वरजूं हूं	रामचन्द	25
80	दान तो दीजो प्राणी	रामचन्द 1930, नागोर	,,
81	दान सुपातर मुनि कूं दीजै	,,	,,
82	श्री जिनराज महाराज	मुनिराम	,,
83	चारु गत भमीयो घणो	मुनिराम	,,
84	छपर पुराना पड गया जो	मुनिराम	26
85	जोवन जावै छै जी		,,
86	सत फुरसत गुरमत	रतनचन्द	,,
87	मारग में मारग में लूटे या	ऋषभ ऋषि, 1800, धार	,,

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
88	चेतन तेरी रसना वस	हीनैचन्द	26
89	काया तूं चल संग हमारी	कबीर	,,
90	हे ममता बिन धोडी नद दे	कबीर	,,
91	ज्ञान रसीली रे वाणी	आसकरण	,,
92	झडझडाया ना मीले रे	भानुनाथ	,,
93	जोबनिया भोजा फोजा	रत्न	27
94	समता रस का प्याला	रत्नचन्द	,,
95	तन वस्त्र में रंग लगानो	जिनदास	,,
96	पीले रे प्याला दोय मत वाला	सुज्ञानी	,,
97	किम बिखिया रस नजर भरे	लालचन्द	,,
98	चवदै थानक रा जीव	ग्यानी	,,
99	मारी तू टोडी सी नावडी		,,
100	सावल रे साचलीया सामी	जिनराज	,,
101	सांवरीयो साहिव दे मेरो	रत्नचन्द	,,
102	प्रात उठ श्री संत जिणंद को	,,	27-28
103	तू धन संत जिणेसर सामी	,,	28
104	जीवा थानै मोद सलावै	जसरूप	,,
105	संता जिणदा अचरानंदा	नायक	,,
106	जय जिणंदा जय जिणन्दा	सेवक	,,
107	अटलक दान सुपातर दीजै	देव, 1869	,,
108	कौन नींद सूतो मन मेरा	वेन सागर	,,
109	प्रात उठ नित सिमरण कीजै	ऋष मनरूप, जोधाणो	,,
110	जैन धरम पायो	नवल	28-29
111	अभिमान न करणो कोइ		29
112	एक दीन राणो राज वीरे		,,
113	आंधो भोजन रात नो सरे		,,
114	राजा मुहता ने माडीया	रूपचन्द	29-30
115	अनुभव प्रीतम कैसे मनासी	आणंदघन	30
116	अव मेरे पति देव निरंजन	,,	,,
117	बालूडी अबला जोर किसो	,,	,,
118	साध संगत विन कैसे	,,	,,
119	आत्म अनुभव रसिक हो	,,	,,
120	सतवंती सीता पति भरता	नवल	,,
121	तूं त्रिहूं काल अकेलो	वनारसी	,,

क्र. सं.	ग्रन्थ नाम	कर्ता	पत्र संख्या
122	विजो विजो नाम ततसार	लालचन्द	30
123	मन अटक्यो जी मेरो		,,
124	यु हीं जनम गमायो	नायक	,,
125	पण्डित वादव देते झूठा	कबीर	,,
126	पंथीडा रे पंथ चले गो		30-31
127	पुदगल का कया विसवास		31
128	विखिया बस जलम गयो रे		,,
129	आण मन सुधी आसता	समयसुन्दर	,,
130	कर गुदराया गरीबी से तो	कबीर	,,
131	तन धन सुखिया कोई न देख्या	,,	,,
132	संतो ! भाई कूवे भांग पडी	,,	,,
133	माया केम जुरै दर की	,,	,,
134	चांचड़ी री पुतली ने	,,	,,
135	कैसी विध समजान रे	,,	,,
136	कैसी कर छूटे कहो नी	केलचन्द	31-32
137	राम राजा नव निधन मेरी	कबीर	32
138	स्वारथ कीसर बदेस	समयसुन्दर	,,
139	सांठ रोवे नेम प्यारो रे भाई	राजरत्न	,,
140	तेरे तनका तनक भरो	कबीर	,,
141	चावत मत करो भरतणी	लवध	,,
142	मैं जाण्यों तूं जासी रे		,,
143	अब मोरी साहायक दो जिनराज	रतन	,,
144	तूं किण रो कुण थारो		,,
145	ते मेरा दरद न पायो	बुध	,,
146	पिंडत पुछ पीया कीम पाणी	कबीर	,,
147	मन रे अगम तीरथ कूं चलणा	,,	,,
148	फिर गई रामदुहाई	तुलसीदास	32-33
149	मनला थीग्हीं तेरी काया		33
150	मम रे तोने को तवेर कही दे		,,
151	किसका छोर छोकरा दे		,,
152	जब रथ दूर गयो तब चेती	रूपचन्द	,,
153	जाण्यो थारो भाव प्रभुजी	रत्नचन्द	,,
154	भोला मन कब सिमरै	कबीर	,,
155	देख्या दुनिया विच अजब	बुधर	,,

क्र सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
156	क्या नैणा समझावै	कबीर	33
157	सुणिया रे बावू कुरल	,,	33-34
158	हां रे नगरी प्रेम की	,,	34
159	गुजर गई सारी रैण	,,	,,
160	जिन मेरो विरथा हमारी	नायक	,,
161	जीवडला यूं ही जनम गुमायो		,,
162	वधां ने विच में ही वेच लीयो	कबीर	,,
163	विनवै सुमत्रा नारी	रत्नचन्द	,,
164	मानव को भव पायके	,,	,,
165	करम गत न्यारी	,,	,,
166	काथा पिऊं कायो राज		,,
167	आतो गटवा को राज		,,
168	नाम धरायो फकीर रे		35
169	जोगा रंभ को मारग बसों		,,
170	मत कर मान गुमान	लालचन्द	,,
171	मत को करीबो प्रीत	मान	,,
172	मुसाफर चोकस रहणा	रसकनाथ	,,
173	एक आस चली जिनवर	रतनचन्द	,,
174	मत ताको नार विराजी		,,
175	निन्दा मोरी कोय करो		,,
176	तूं क्या ढूंढे वन वन में		,,
177	जोवन धन छन प्राहुणो	कबीर	,,
178	संसारी लोकां सात विषय	रामचन्द	35-36
179	काहा रे अज्ञानी जीव कूं	जिमराज	36
180	आज प्रण म्हारे देश पधारया	रत्नचन्द	,,
181	फाग मिलिया ज्ञान तणा	,,	,,
182	मन सतगुर सीख कहा भूले	,,	,,
183	गुर सर गुरसर कुया जगस	,,	,,
184	कठन लगन की पीर वे	,,	,,
185	घण इन्द्रो के वसन पडीयै	विनैचन्द	,,
186	अवधू क्या सीवे तनमय में	आणंदघन	,,
187	नहीं अैसो जलम वार-वार	रत्न	,,
188	हारे मन लोभी थारो		36-37
189	भजले प्रभुजो संघाती	अमोलक	37

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
190	तू हीर याद आवै रे दरदन में		37
191	बुढला तेरी अकल की		,,
192	आरणक मुनि चाल्या	नाथ	,,
193	चेतन तूं ध्यान आरत नी	जेसर	,,
194	राज तणा अति लोभीया	समयसुन्दर	,,
195	प्रेम धरी प्रीतम मने प्यारी		,,
196	देखी रे सूरत पारस की		37-38
197	तेरी फूल सी देह पलक में पलटै	नाथ	38
198	मना तूं प्रभु चरणा चितलाय	आणंदघन	,,
199	ऐसी तेरी समझ कैसी	भूधर	,,
200	मेरो मन वसकर लीनो	लालचन्द	,,
201	आज आयो रे उछाह		,,
202	किरत थारी हें माता	भगवत	,,
203	समुद्र वीजै सुत नै		,,
204	तोरण आयो फिर गयो		,,
205	सखी कहै राजल सुणो		,,
206	ऐसे मुनि राज छकाय	वीनैचन्द	38-39
207	अब घर आवो जी		39
208	सुमतपाल सिव मारण	जिणदास	,,
209	कंकर कूं संकर मानै	,,	,,
210	तजु तजु में उनकु गुरु कूं	जिनदास	,,
211	सुध सरदा जैन घर पणी	,,	,,
212	देख्यो नी आदेसर बाबो	चन्द्रकुशल	,,
213	खडा एक सो आठ सहेलडी	नथमल भगवान शिष्य	,,
214	सुभद्रा आढी ने कहे सुण	चोरडिया चौपासनी	,,
215	धरम रूचि मुनिवाय की	मुनिराम	40
216	मोह करम मोटो घणो	ऋषि चौथमल	,,
217	हूं तो वाट जोती हो	रामचन्द्र	,,
218	हे प्रभुजी दरसण देखण	रत्नचिंतामणि	41
219	हे प्रभुजी मैं तुज सूं	कल्याण	,,
220	ऋषभ अजतसंभव स्वामी	रामचन्द्र 1836, नागोर	,,
221	प्रह उठी प्रभाते वहु	जेमल	,,
222	पूरव सुकृत पुन्यकरी जै	ऋषि चौथमल, 1853, मेडता	,,

——

1668/4178

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
15	क्यूं गफल में पड्या	कुशल	6
16	तुम तज्यो जगत् को ख्याल	जिनदास	6-7
17	दुनिया अजब बाजार है (गिरोह छन्द)		7-8
18	टुक हर सहबा कूं छोड़ दिया		8-9
19	कोडी होवे जीव के पास (अपूर्ण)		9
20	यह चीज कीसी की खट्टी है।		9-10
21	लखले तूं ही जरा हजूर		10
22	तुम जयो मंत्र नवकार	जिणदास	11
23	सुकृत की बात बात	,,	11
24	तूं उलझो जंजाल जगत् की	,,	11-12
25	तज्यो काम मद मान		12
26	समझ दिल भटकत नहीं	चन्द्रप्रताप	12
27	वीत गयो नर भव को	जिणदास	12-13
28	आज मोह साध किलाओ रे	रतनचन्द	13-14
29	खब नहीं जुग मेहे पलकी		14
30	भव कजण भजो भगवान्	बोनचन्द, (1853)	14-15
31	नेमीजी की बारै मासी	लखमीचन्द	15

1708/5554

1	नेमनाथ जी सज्झाय		8
2	स्फुट सीख		8
3	इकत्रिसा सवैया		8
4	गजसुकुमाल अवन्तानि सज्झाय	ऋषि जयमल र. का.—1830 र. स्था.—पीपाड़	8
5	राजुल नी सज्झाय	सोमविमल सूरि	8
6	राजेमती रो झूलणो	माधव र. का.—1877 र. स्था.—गोडण	8-9
7	आदिनाथस्तवन	माधव, 1895, गोड़ण	9
8	महावीर जिनस्तवन	ऋषि रायचन्द, 1837, मेड़ता	9
9	श्री वर्द्धमानसज्झाय	धर्मसी	9
10	सोलह सति सज्झाय		9

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
11	चौदह स्वप्न नाम		9
12	तजो मन कुमति कुटिल वाको संग रे	आनन्दघन	9
13	गोरी रे बिन अवगुण के ठोरि		9

1709/4639

1	शत्रुंजयजिनस्तवन	विमलहर्ष प्रेमविजै	33-34
2	पार्श्वनाथ दस भव स्तवन	पाठक	34
3	पहली गुरु सुमरु अरिहंत (अपूर्ण)		34-35
4	जिन भवन चौरासी आसातन स्तवन (अपूर्ण)		35
5	चौवीसदण्डकस्तवन	पासचन्द, लि. क. भाग्यविजय गणि	40
6	श्री वीर जिणेसर सू परे (अपूर्ण)		41
7	दादा पार्श्वनाथ स्तवन (अपूर्ण)	कीर्तिविजय	45
8	नेमिनाथस्तवन	दानकुशल	45
9	सीमन्धर जिनस्तवन	लालविजय	45-46
10	गौडी पार्श्वनाथस्तवन	जिनराज	46

1710/4657

1	दरसण बिन दूखन लागे	याल	1
2	पतियां मैं कैसे लिखू	मीरा	1
3	दरसण प्राण जीवं नयन		1
4	विन दरसन मोहि	आनन्दघन	1
5	जिनराज बिना	महिरचन्द	1
6	जो जिन तेडे रूपचन्द	रूपचन्द	1-2
7	मारु जी सोही लीयो		2
8	मैं तो पीव पायो		2
9	अब तो भूलै ना ही	मीरा	2
10	मोरी मत थांसू		2
11	चतुर नर चौपड	रतनसागर	2
12	गोडी पार्श्वनाथ स्तवन	जिनचन्द	2
13	वैराग्य स्तवन	महसद	2-3
14	पार्श्वनाथजीस्तवन	जिनचन्द	3

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
15	गौडी पार्श्वनाथ जी अमृत ध्वनि	[illegible]	3-4
16	सारथीडा रथवाली जोय	नयनविमल	4-5
17	नेमीजी रो सिलोको	कुशल विने	5-6
18	पार्श्वनाथ घग्घर निसाणी	सेवक	16
19	पिया प्यारे नूं मेरी		6-7
20	जीया मान ले मोरी		7
21	सो मील बैठो बछाई		7
22	गुजरीया बोला ई ना बोले	चन्द्रसखी	7
23	उमर आई साहिबाजो	माणिकसागर	7
24	नेमि राजुल गीत	माणिकसागर	7
25	धन्ना महामुनि सज्झाय	तिलोकसी	7-8
26	कृष्णजी रो दुपद		8
27	लावणी	जिनदास	8-9
28	अब मोहो दरसण	खेम	9
29	काल हरो जण बंधव	राजरतन	9
30	दरसन प्राण जीव	आनन्दघन	9
31	हां जी म्हारे सास रै	ग्यानसार	9
32	हो जीय जाने मेरी	आनन्दघन	9
33	समझ को सिर धूर	भूधर	9
34	महावीर स्वामी पार जो	मुनिमाल	9-10
35	हो कृपा निधान		10
36	अब तो भूलां नाही	हीरा	10
37	वा दिन का कर सोच	बनारसी	10-11
38	सुण रे सुजाण प्यारे (पद)		11
39	मंत्र-तंत्र		11

1719/4325

1	सीमन्धर गीत	जिनराज	1
2	युगमंधर गीत	„	1-2
3	वाहु गीत	„	2
4	सुबाहु गीत	„	2-3
5	सुजात गीत	„	3
6	स्वयंप्रभु गीत	„	3
7	ऋषभावन गीत	„	3-4

क्र. सं.	रचना नाम	कर्ता	पत्र संख्या
8	अनंत वीरज गीत	जिनराज	4
9	सूरप्रभु गीत	,,	4
10	विशाल गीत	,,	5
11	वज्रधर गीत	,,	5
12	चन्द्रानन गीत	,,	5-6
13	चन्द्रबाहु गीत	,,	6
14	भुजंगम गीत	,,	6
15	ईश्वर प्रभो गीत	,,	6-7
16	नेमजिन गीत	,,	7
17	वीरसेन गीत	,,	7-8
18	महाभद्र गीत	,,	8
19	देवजस गीत	,,	8
20	अजीत वीरज गीत	,,	8-9
21	वीस विरहमान गीत	,,	9

1720/4326

1	सीमन्धर स्वामी गीत	जिनराज	1
2	युगमंधर गीत	,,	1
3	बाहु गीत	,,	1
4	सुबाहु गीत	,,	1-2
5	सुजात गीत	,,	2
6	स्वयं प्रभु गीत	,,	2
7	रिषभानन गीत	,,	2
8	अनन्तवीय गीत	,,	2-3
9	विशाल गीत	,,	3
10	सूर प्रभु गीत	,,	3
11	वज्रधर गीत	,,	3
12	चन्द्रानन गीत	,,	3-4
13	चन्द्रबाहु गीत	,,	4
14	भुजंगस्वामी गीत	,,	4
15	नेमि प्रभु गीत	,,	4
16	ईश्वर प्रभु गीत	,,	4
17	वीरसेन गीत	,,	4-5
18	देवजस गीत	,,	5

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
19	महाभद्र गीत	जिनराज	5
20	अजित वीरज गीत	"	5
21	विरहमाण जिन वीस गीत	"	5-6

1721/4616

1	सीमन्धर जिन गीत	लालचन्द	1
2	जुमंधर जिन गीत	"	1
3	बाहु जिन गीत	"	1
4	सुबाहु जिन गीत	"	1-2
5	सुजात जिन गीत	"	2
6	स्वयंप्रभु जिन गीत	"	2
7	ऋषभानन जिन गीत	"	2
8	अनन्तवीरज जिन गीत	"	2-3
9	विशाल जिन गीत	"	3
10	सुप्रभु जिन गीत	"	3
11	वज्रधर जिन गीत	"	3
12	चन्द्रानन जिन गीत	"	3-4
13	चन्द्रबाहु जिन गीत	"	4
14	भुजंग जिन गीत	"	4
15	ईसर जिन गीत	"	4
16	नेमि जिन गीत	"	4
17	वीरसेन जिनगीत (अपूर्ण)	"	4

1725/4448

1	सीमंधर जिनस्तवन	खिमाविजय	1
2	युगमंधर जिनस्तवन	"	1
3	बाहु जिनस्तवन	"	1
4	सबाहु जिनस्तवन	"	1
5	सुजातस्वामी जिनस्तवन	"	1-2
6	स्वयं प्रभु जिनस्तवन	"	2
7	ऋषभानन जिनस्तवन	"	2
8	अनन्त वीर्य जिनस्तवन	"	2-3
9	सूर प्रभु जिन स्तवन	"	3

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
10	विशालस्वामी जिनस्तवन	खिमाविजय	3
11	वज्र प्रभु जिनस्तवन	,,	3
12	चन्द्रानन जिनस्तवन	,,	3-4
13	चन्द्रबाहु जिनस्तवन	,,	4
14	भुजंग प्रभो जिनस्तवन	,,	4
15	ईश्वर प्रभो जिनस्तवन	,,	4
16	नेमो प्रभो जिनस्तवन	,,	4-5
17	वीर प्रभो जिनस्तवन	,,	5
18	महाभद्र जिनस्तवन	,,	5
19	चन्द्रयश जिनस्तवन	,,	5
20	अजित वीर्य जिनस्तवन	,,	5-6
21	वीस विरहमानः	,,	6
	1726/4569		
1	सीमंधर जिनस्तवन	खेमकरण	1-2
2	सीमंधर स्वामीस्तवन	खेमकरण	2
3	थे तो माह विदेह ना वीसी सीमंधर	कानसी	2
4	मुझ हियडं हो जालउ	जिनराज	2
5	जग जयवन्ता जाणीयै	लालचन्द	2-3
6	इण जम्बू द्वीप जाणीयै	जिनराज	3
7	श्री सीमन्धर वंदीयै	ज्ञानचन्द	3
8	चन्द लीया जिन जी नै कही जै	हर्षकुशल	3-4
9	चन्दा जी हो म्हे अरिहंत	जगरूप	4
10	वहिरभानअठार मारे	विजैसाहिब	4
11	सीमन्धर स्तवन	सेवक	4-5
12	प्रथम सीमन्धर स्वामी		5
13	जेवन्त जिनवर गाइयै	दमसत श्री पूज्य शिष्य र. का. 1736	5
14	सीमन्धरजी सुगज्यो मोरी	लालचन्द	5-6
15	सीमन्धर	हीरानन्द	6
16	जुगमन्धरस्तवन	जिनराज	6
17	श्री बाहुस्तवन	,,	6
18	सुबाहु जिनस्तवन	,,	6-7
19	सुजात जिनस्तवन	,,	7

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
20	स्वयंप्रभु जिनस्तवन	जिनराज	7
21	ऋषभानन जिन स्तवन	"	7
22	अनन्त वीर्य जिनस्तवन	"	7
23	विशाल जिनस्तवन	"	7
24	सूरप्रभु जिनस्तवन	"	7
25	वज्रधर जिनस्तवन	"	7
26	चन्द्रानन जिनस्तवन	"	7-8
27	चन्द्रबाहु जिनस्तवन	"	8
28	भुजंगम् जिनस्तवन	"	8
29	नेम प्रभो जिनस्तवन	"	8
30	ईश्वर प्रभो जिनस्तवन	"	8
31	वीरसेन जिनस्तवन	"	8
32	देवजात जिनस्तवन	"	8

1727/4638

1	सीमंधर स्तवन	वाचक जस नयविजय शिष्य	1
2	युगमन्दिर स्तवन	नयविजय	1
3	बाहुजिन स्तवन	विजयानन्द	1
4	सुबाहु गीत	नयविजय	1
5	रामचन्द्र के बाग सुजात स्तवन	"	1-2
6	स्वयं प्रभु जिनस्तवन	गुणवाचक	2
7	ऋषभ जिनस्तवन	नयविजय	2
8	अनन्त वीर्य स्तवन	वाचक जस	2
9	सूरप्रभ जिनस्तवन	नयविजय	2-3
10	विशाल स्वामी जिन स्तवन	वाचक जस	3
11	वज्रधर स्वामी स्तवन	नयविजय	3
12	चन्द्रानन जिन स्तवन	वाचक जस	3
13	चन्द्रबाहु जिन स्तवन	सेवक	3-4
14	भूजंग जिन स्तवन	वाचक जस	4
15	ईश्वर जिन स्तवन	वाचक जस	4
16	नेम प्रभु जिन स्तवन	नयविजय	4
17	वीरसेन जिन स्तवन	वाचक जस	4-5
18	देवयश स्वामी स्तवन	जस वाचक	5

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
19	चन्द्रयश जिनस्तवन	जसवाचक	5
20	अजित वीर्य जिनस्तवन	"	5

1762/6113

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
1	शत्रुंजय मण्डनस्तवन	पार्श्वचन्द सूरि	1
2	फलोदी पार्श्वनाथस्तवन	"	1-2
3	पार्श्वनाथस्तवन	पद्मचन्द सूरि	2
4	सुमतिनाथस्तवन		2
5.	शीतलनाथस्तवन	रामचन्द सूरि	2
6	पार्श्वनाथस्तवन	विमल चरित्र	2
7	चन्द्रप्रभुस्तवन	पार्श्वचन्द सूरि	2-3
8	आदि अजित शान्तिनाथस्तवन	"	3
9	पार्श्वनाथ जिनस्तवन	"	3
10	श्रेयांस जिन स्तवन	वीर मुनि	3

1835/5353

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
1	अरज हमारी सुणो दीनपति कौन भांति		1
2	तेरी सूरत से जिन मेरा जुहरे रे	शिवचन्द	1
3	नायत सुरगण संगीत सुरिगण मिलि सारी	बाल	1
4	मन मोहयी टीकाय पास जिणंद मुख मटके	चन्द	1
5	नेमीनाथ जी रो ब्याहलो	रतनमुनि	1-4
6	नेम राजमती बारहमासो	जिनहर्ष	4
7	इला पुत्र सिज्झाय	लब्धिविजय	4-5
8	शील सिज्झाय		5-6
9	तीर्थावली	समयसुन्दर	6
10	भूलो मत भंमरा काई भमो भमीयो	महमद	6

1838/5362

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
1	नेम राजुल बारहमासो	महानंद	1
2	कडवा बोल्यां मनरथ होके		1-2
3	नागला सज्झाय	समयसुन्दर	2
4	आत्मप्रबोध सज्झाय	सुन्दरदास	2

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
5	करक मुनि सज्झाय	सुन्दरदास	2
6	भरथ बाहुबल सज्झाय	,,	2
7	अंका नो स्तवन	कीर्तिविजय	3
8	श्याम ते साय व सामु न जोनो	प्रेम ऊदय	3
9	जीवा काया सज्झाय	राजसमुद्र	3
10	पार्श्वजिनस्तवम	लाल रामचंद्र शिष्य	3
11	सुभद्रासज्झाय		3
12	सिद्धस्तवन	रतनचन्द्र	3
13	पार्श्वनाथ स्तवन	कीर्तिप्रभ खेमकर्ण शिष्य	3-4
14	इण काल रो भरोसो को नहीं	रतनचन्द र. स्था. किशनगढ़	4
15	शील सज्झाय	रतनचन्द	4

1840/5365

1	चेलणा सज्झाय	समयसुन्दर	1
2	नेमि राजर्षि सज्झाय	,,	1
3	धन्ना मुनि सज्झाय	श्री दवे	1-2
4	मृगापुत्र सज्झाय	मुनि खेम	2
5	मेता महामुनि सज्झाय	लक्ष्मीरतन	3
6	प्रथम प्रत्येक बुद्ध सज्झाय	समयसुन्दर	3
7	दूजा ,, ,, ,,	,,	4
8	तीजा ,, ,, ,,	,,	4
9	चौथा ,, ,, ,,	,,	4
10	च्यारे ,, ,, ,,	,,	4
11	अरणक मुनि सज्झाय	,,	5
12	धन्ना रिषि सज्झाय	विद्याकीर्ति	5
13	बाहुबल महामुनि सज्झाय	विमलकीर्ति	5-6
14	नेम राजमति सज्झाय	लक्ष्मीवल्लभ	6

1847/5900

1	अगरह नावरा सज्झाय		2
2	चित्त संभूति चोढालियो		2-4
3	नेमीराजमति नी हलूर	गज्ञानन्द	4

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
4	नेमि राजुल गीत	जिनरंग	4-5
5	नवकार नो रास	जिणदास श्रावक	5-6
6	तृष्णा सज्झाय		6
7	बुढ़ापा नी सज्झाय	नारायणदास सोनी	6
8	जीव सज्झाय		7
9	काया जीव सज्झाय	पूनो	7
10	कीरत छज सज्झाय		7
11	इक्षुकारी अध्ययन सज्झाय		8
12	कायागीत	राजवल्लभ	8
13	प्रथमऊ सम्मल पारकी चतुर नर जाजिम करो नई वेराग रे		8
14	सुभद्रा सती सज्झाय		8-9
15	नेमिनाथ बारहमासो	कुलालसागर	9
16	वरमाता कायागीत	जिनरंग सूरि	9
17	द्वारका नी सज्झाय		9-10
18	जिनस्तवन	गुणसागर	10
19	इन्द्रि विषय परिहार सज्झाय	सेवक	10-11
20	तरियारे भाई तरियारे जिण धर्म जणई करिया		11
21	खटोला स्वाध्याय	मालवेद	11
22	कर्म सज्झाय		11
23	मान सज्झाय		11-12
24	खन्दक सज्झाय	कवियण	12
25	शील सज्झाय		12-13
26	शीलोपरि सज्झाय		13
27	नववाढ़ि नी सज्झाय	अजितदेव सूरि	13-14
28	दान सज्झाय	नेमविजय	14
29	देवानन्दा की सज्झाय		14
30	मधु बिंदु सज्झाय	आणंद प्रमोद शिष्य	14-15
31	प्रतिक्रमण सज्झाय	धर्मसिंह मुनि	15
32	पद सज्झाय	तेजसिंह गणि	15
33	'ज्ञानी कहि जीव तुमे समझोहि	कविजिन	15
34	दस दृष्टान्त नी सज्झाय		15-16
35	आत्म प्रतिबोध सज्झाय		16

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
36	काप्रावाडी गीत	पद्मतिलक	16
37	उपदेश सज्झाय		16
38	धर्म परीक्षा स्तुति		16-17
39	जिन विनती	विजयदेव सूरि	17
40	नेमि बारामासो	चारित्र कुशल	17-18
41	बारहमासो		18
42	नेमिनाथ राजमति सज्झाय	ऋद्धि हरष	18
43	फाग सज्झाय	रतन सागर	18
44	गज सुकमाल सज्झाय	तेजसिंह शिष्य	18-19
45	आत्मशिक्षा स्वाध्याय		19-20
46	जम्बू सज्झाय	पूनो	20
47	तेरह काठिया सज्झाय		20
48	परदेशी सज्झाय	ज्ञानचन्द	20
49	भूले मन भवरा की सज्झाय		21
50	अनाथी रिषि सज्झाय	समयसुन्दर	21
51	दान ऊपर रेवती री सज्झाय	बल्लभमुनि	21
52	भाव पूजा सज्झाय	ऋषि राज	21-22
53	गौतम पृच्छा	आनन्दमुनि	22-24
54	अवगतिं आत्मा हो प्राणीलाल दीधा रा फल जोय		24
55	मन पंखिया सज्झाय		24
56	कलावती सति सज्झाय		24
57	उपदेशी सज्झाय		24-25
58	धन्ना अणकार सज्झाय		25
59	सुमति कुमति सज्झाय		25
60	दया संवेग सज्झाय	पाशचन्द	25
61	धन्ना शालिभद्र सज्झाय		25-26
62	सिद्ध स्तवन		26-27
63	बारह राशि सज्झाय	गंगदास	27
64	नेम जी की बारहमासी		27
65	सोलह सती सज्झाय		27-28
66	पाँच संवर की सज्झाय		28
67	चंदन मलियागिरि सज्झाय	चन्द्रविजय मुनि	28-29
68	विजय सेठ विजया सेठाणी सज्झाय		29-30

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
69	नेमि राजुल गीत	जप	30
70	राजमति सज्भाब		30
71	शील सुरंगी चूनडी	हीरानन्द	30-31
72	शान्तिनाथस्तवन	गुणसागर	31
73	एक सय सन्तरि तीर्थंकर स्तोत्र		31-32
74	चौबीसजिनस्तवन	आणंद	32
75	दया सज्भाय	कविगण	32-33
76	सुज्ञान गीत		33
77	नींदडली सज्भाय	कनकनिधान	33
78	नववाड सज्भाय		33
79	10 श्रावक सज्भाय	मुनि जसराज	33-34
80	ढढण ऋषि उज्भाय	जिनहरष	34
81	मेवारज मुनि सज्भाय	रामा P/o कनक विजय	,,
82	गौतम पृच्छा सज्भाय		34-35
83	निरमोही सज्भाय	श्रावकदास	35-36
84	नागला सज्भाय		36
85	शालिभद्र सज्भाय	हर्षकुशल	,,
86	कक्का बत्तीसी		36-37
87	रात्रि भोजन सज्भाय		37-38
88	चार पहर सज्भाय		38
89	श्रावक नी करणी सज्भाय	समयसुन्दर	38-39
90	श्रावक बरम की सज्भाय	साधु	39
91	अनाथी ऋषि सज्भाय		39
92	नेमिनाथ राजमती सज्भाय		,,
93	कर्म समान नहीं कोय सज्भाय	ऋषि हर्ष	39-40
94	बाहुबल सज्भाय	समयसुन्दर	40
95	पनरे तिथि की सज्भाय	गंगदास	40-41
96	तुबड़ा की सज्भाय		41
97	पाँच बधावा		,,
98	तेरह मंगल		41-42
99	चेलण सती सज्भाय	समयसुन्दर	42
100	निरञ्जन सज्भाय	कविगण	,,
101	शील छत्तीसी	गुणविजय वाचक	42-43
102	लिंग बत्तीसी		43-44

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
103	पार्श्वनाथ निसाणी	जिनहर्ष	44-45
104	चन्द्रायणा	सदारंग	45-46
105	जूवटा की सज्झाय	आणंद	46
106	मल्लिनाथजी चोढालिया स्तवन		46-47
107	कमलावती राणी सज्झाय		47-48
108	दीपावली पर्व सज्झाय	पांचाण मुनि	48
109	अर्जुनमाली सज्झाय	कान्हा P/o तेजसिंह	48
110	नेमि राजमति बारहमासो	कवियण	48-49
111	सोलह स्वप्न सज्झाय	जैमल्ल ऋषि	49-50
112	विषय परिहार सज्झाय		50
113	गौतम रास	समयसुन्दर	50
114	नवकार मंत्र सज्झाय		50-51
115	नन्दिषेण सज्झाय	जिनराज	51
116	करणीदया सहित सज्झाय	सुन्दर	51
117	बुढापा की सज्झाय	मान कवि	51-52
118	आदि जिन विनती	जिनचन्द्र सूरि	52
119	विषय पच्चीसी	उदय	52-53
120	जम्वू सज्झाय	शिष्य शान्तिविमल	53
121	इलातची पुत्र सज्झाय	लब्धिविजय	"
122	उत्पत्ति सज्झाय	रंग P/o रत्नहर्ष	53-55
123	धन्ना ऋषि सज्झाक		55
124	धन्ना सज्झाय	श्री दवे	"

1850/6061

1	पंच पाण्डव नी सज्झाय	कवियण	2
2	पद्मावती राणी सज्झाय	समयसुन्दर	2-3
3	अनाथी ऋषि सज्झाय	कनकविजय	3-4
4	अरणक मुनि सज्झाय	कीर्तिसूरि	5
5	काम सज्झाय		5-6
6	नन्दिषेण सज्झाय	मेरुविजय	6-7
7	बारहमासो	विद्याविजय	7
8	नांगला की सज्झाय	सेवगराम	7-8
9	सूमर पच्चीसी	जिनहर्ष	8-9

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
10	वीर विनती	समयसुन्दर	9-10
11	समकित सज्झाय	10	10
12	चिन्तामणि पार्श्वनाथ स्तवन	समयसुन्दर	10
13	मंगल सज्झाय	विजयभद्र	10-11
14	अरणक रो ढालियो		11-12
15	पार्श्वनाथ नी नीसाणी	जिनहर्ष	12-13

1854/6242

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
1	अहमुता अधिकार सज्झाय		11 आदिहीन
2	खेल सज्झाय	सेवक	,,
3	शान्तिनाथ स्तवन		,,
4	चौवीस अतिसय स्तवन	सेवक	,,
5	दण्डक स्तवन	पार्श्वचन्द	11-12
6	बुढापा सज्झाय		12
7	जीव सज्झाय	लावण्यसमय	,,
8	जिनस्तवन	कवियण	,,
9	पचक्खाण सज्झाय		,,
10	सूडा गीत		,,
11	शीतलनाथ स्तवन	विजयकीर्ति	12-13
12	चौवीसजिनस्तवन		,,
13	वीर जिन स्तवन	पार्श्वचन्द	13-14
14	साधु सज्झाय	अचली	,,
15	तू मेरा प्रीऊ साजण रे मे तेरी		,,
	वरनारि मेरे जीवन रे		,,
16	मयणा रेखा सती सज्झाय	सेवक	14-1605 संवत्
17	शान्तिनाथस्तवन	कोशल P/o रूपसो	14-15
18	साधु गुण सज्झाय		15
19	कह जह पण्डित एह	समयसुन्दर	15
	नी पाली तुम		15
	ए चतुर विचारि		
20	जा का नाम अलख		15
	निरञ्जन		

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
21	सप्त व्यसन सज्झाय	खेमकुशल	15
22	मुझवई च्यार सरणा होज्यो	समयसुन्दर	
23	पाप अठार जीव परिहारी		15-16
24	लाख चौरासी जीव समावाया		
25	सरसति सामण वीनखु जी		15
	माँगु एक पसाय		
26	सुणि वहना प्रीउड परदेशी		16
	आज कि कल्हि चलेसी रे		16
27	सोलहसती नाम पदमय	कवियण	16
28	साधुवन्दना	पार्श्वचन्द	16-18
29	विषय सज्झाय	लावण्यसमय	"
30	जीव सज्झाय	पद्मकुमार	"
31	सोलह स्वप्न सज्झाय		
32	पन्द्रह तिथि सज्झाय	गङ्गदास	18-19
33	बूझो मेरे पण्डित बुझो मेरे पण्डित		19
34	जीव सज्झाय	लावण्यसमय	19
35	आदिनाथ गीत	पार्श्वचन्द	19
36	एक पुरुष अति दीपत सीयल रयण	सुमतिसुन्दर	19
	भण्डारी रे		
37	श्रावकाचार सज्झाय		19
38	पार्श्वनाथ स्तवन	रंगसाधु	19
39	सीमन्धर स्वामीस्तवन	सेवक	19-20
40	दस श्रावक सज्झाय	नन्दसूरि	20
41	जीव दया सज्झाय		20-21
42	जेण दीधऊ तेणइ लाघु		21
43	पार्श्वनाथस्तवन	विद्याधर	21
44	समकित सज्झाय		21
45	हंस कर्म मोचन सज्झाय	चेतनस्वामी	21
46	पार्श्वनाथ स्तवन		21
47	आतम सज्झाय	ज्ञानचन्द	21-22
48	सम्यक्त्व सज्झाय		22
49	मेघ कुमार सज्झाय	ऋषि गणेशजी शिष्य	22
50	अणगार गुण सज्झाय		22
51	सम्भवनाथ सज्झाय	अभयराज	22-23

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
52	काया सज्झाय		32
53	व्यसन सज्झाय		23
54	दुल्हणदु श्रावक सज्झाय	पासचन्द	23
55	नवकार मन्त्र महिमा सज्झाय		23-24
56	श्याम सुन्दर खेलण चले हो		24
57	शान्तिनाथ स्तवन	सहजसुन्दर	24
58	सती सीता सज्झाय		24-25
59	दसार्ण भद्र राजा ऋद्धि प्रव्ध सज्झाय	लालविजय	25
60	महावीर स्तवन		25-26
61	धर्म सज्झाय		26
62	चन्दनमलियागिरी सज्झाय	लावण्यसमय	26
63	चौबीस जिन सज्झाय		26
64	भोग सज्झाय	लावण्यसमय	26
65	भरत बाहुवली सज्झाय	समयसुन्दर	27
66	पुण्य सज्झाय		27
67	चौवीस जिन स्तवन	श्री गोपाल मुनि	27
68	चौबीस तीर्थंकर परिवार सज्झाय		27
69	ढ़डण मुनि सज्झाय	गणेश मुनि	27
70	तेरे काठियानी सज्झाय		28
71	नेमिनाथ लेख		28
72	नेमिनाथ स्तवन		28
73	कोई कहि पारी मेरे मात सन्देशा		29
74	उपदेशी सज्झाय		29
75	एक रंक सारो सहर जासी		29
76	मेरे पीऊ मति रात्रि परनारि		29
77	नेमि गीत		29
78	वैराग्य सज्झाय	राजसमुद्र	29
79	हम बैठे अपने मुन सो		29
80	रेवती सज्झाय	हर्षकुशल	29
81	मारग बहइ रे उतावलो पद	दामोदर	29-30
82	सामाइक सज्झाय	विद्यासागर शिष्य	30
83	शान्तिनाथ स्तवन	शंकरहर्ष, र. था. राणपुर	30
84	शालिभद्र सज्झाय		30
85	नवकार मंत्र सज्झाय	गुणप्रभ सूरि	30-31

क्र. स.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
86	राम भजीला हो जी रे	कबीर	31
87	डंडीया पहरे धन खड़ी	कबीर	31
88	धन्ना मुनि सज्झाय	गंगादास	31
89	विवाहलो राम-सीता	बखनो	31
90	गोरख हदानि योग		31
91	वीस विहरमान स्तवन	गंगादास	31-32
92	शालिभद्र सज्झाय	हर्षकुशल	32
93	साध री सज्झाय		32
94	सुमति जिन सज्झाय	पार्श्वचन्द	32
95	पार्श्वनाथ स्तवन		32
96	चिन्तामणि पार्श्वनाथ स्तवन		32
97	गाफिल नींद न कर रे	जन हरिदास	32
98	अणभे साध भये उनमाद	"	32
99	सीता-राम विवाहलो	"	32-33
100	परनारी व्यसन	लाभो	33
101	पार्श्वनाथस्तवन	विजयशील	33
102	शालिभद्र सज्झाय	सेवक	33
103	चन्दनबाला सज्झाय		33-34
104	नेमि राजुल गीत	कीर्त्ति	34
105	सास-बहू रो झगड़ो	मेघराज	34
106	वैराग्य गीत	पं. चन्द्रभान	34
107	नेमी गीत	लब्धिविजय	35
108	नेमि राजिमती बारहमासा	गोपालदास	35
109	गौतम सज्झाय		35
1.0	समवसरणस्तवन	ज्ञानदास	35
111	धन्ना ऋषि सज्झाय	विद्याकीर्त्ति,	35
112	राजिमती नेमि गीत	गुजरगोठा	35
113	राजुल सज्झाय	सेवक	35-36
114	आत्म सज्झाय	भुवनकीर्त्ति	36
115	चेलणा सज्झाय	रायचन्द	36
116	रूपसिंह बारहमासा	ऋषि जसवंत, र. का. 1692,	36-37
117	शील चूनड़ी	सारंग मुनि	37
118	नेमिनाथ रास	पुण्यरतन	37-38
119	राजिमती गीत	भुवनकीर्त्ति	39

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
120	उपदेशी सज्झाय	सहज सुन्दर	39
121	गौतमस्वामी विनती	समयसुन्दर	39
122	आत्मप्रबोध सज्झाय	रायचन्द	39
123	वैराग सज्झाय	विजयदेव सूरि	39-40
124	शान्तिनाथ स्तवन	पार्श्वचन्द	40
125	राजिमती गीत		40
126	जिनगीत	मुनिमाल	40
127	आत्म सीख गीत	ज्ञानमेरु मुनि	40-41
128	गौतम स्वामी सज्झाय		41
129	मृगावती सज्झाय		41
130	कृष्णरुकमणी बारहमासा	कवियण	41-42
131	रेवती सज्झाय		42
132	चौदह गुण सज्झाय	आनंदविमल	42
133	बलदेव मुनि सज्झाय		42
134	गौतमस्वामी सज्झाय		42
135	सकल संसार भम्यौ तूं पद	ज्ञानविजय	42
136	पार्श्वनाथ विनती		42-43
137	दीवाली सज्झाय	जीवराज	43
138	जीव दया सज्झाय		43
139	देवगुरु परीक्षा सज्झाय	लाला सुखसहाय	43
140	नमरथ नारी छे अति सारी		43
141	उठ रे नामापुर हु जाई पद		44
142	नववाड़ी सज्झाय	विजयचन्द मुनि	44
143	श्रेयांस नी सज्झाय	जीवराज	44
144	अनंत चौवीसी		44
145	वीस विहरमान सज्झाय		44
146	एक सौ सोलह तीर्थंकर सज्झाय		44
147	धन्ना ऋषि सज्झाय	सेवक	44

1855/6289

[illegible]1	इलाची पुत्र सज्झाय		1
[illegible]2	मल्लिनाथ स्तुवन		1-3

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
3	महावीर जिनस्तवन		3-4
4	कर्मगति सज्झाय		4
5	श्रावक गण सज्झाय		4-5
6	चेतावनी (उपदेशी) सज्झाय		5
7	गज सुकमाल मुनि सज्झाय	जेठमल श्रावक	5
8	साधुवन्दन सज्झाय	ज्ञानचन्द	6
9	धन्ना ऋषि सज्झाय	श्रीदेव	6
10	अरणक मुनि सज्झाय	देवसेवक	6
11	अरिहन्त सज्झाय		7
12	पार्श्वनाथस्तवन	सेवक	7

1857/6932

1	धन स्वामी सतजुगी (अपूर्ण)	रामचन्द	10
2	सुखमाल री सज्झाय (अपूर्ण)		10
3	कर्म गति सज्झाय (अपूर्ण)	उत्तम	22
4	सुगर वचन सुण काने (अपूर्ण)		22
5	चौइसी (चौबीसी)	लालविनोद	36
6	नगरी का कन्दी हो मुनिसर (अपूर्ण)		36
7	तप वडो रे संसार में (ढाल)		40
8	ढाल हीरजी स्वामी की (अपूर्ण)		42
9	पद्मावती की ढाल (अपूर्ण)	समयसुन्दर	45
10	परनारी की ढाल		45
11	चौढालियो	हेमरखी	52-54

1883/6097

1	साधु गुण सज्झाय		1
2	,, ,, ,,	विजयदेव सूरि	1
3	गुरु सज्झाय		1-2
4	उत्तराध्ययन परि विनय सज्झाय		2-3
5	दया सज्झाय	तेजसिंह गणि	3
6	धर्म परि सज्झाय	श्री सार	3-4

क्र. सं.	रचना नाम			कर्त्ता	पत्र संख्या
7	हिंसा परि सज्झाय			पार्श्वचन्द	4
8	चौबीस दण्डक सज्झाय			पार्श्वचन्द	4
9	14 गुण ढाणा री सज्झाय			कर्मसागर शिष्य	5

1999/5423

1	चन्द्रप्रभ साहिबा शिववासी पद	कृपाचन्द्र,		र. का. 1945, र. स्था. वर्धापुरी,	प्रथम पत्र
2	आज आनन्द भयो	,,	,,	र. का. 1945, र. स्था. रायपुर	1-2
3	नवपद जग हितकारी	,,	,,	र. का. 1943,	2 रा
4	श्रेयांस जिन	,,	,,	र का. 1944	,,
5	श्रेयांस जिन	,,	,,		2-3
6	छवि नीकी प्रभुजी की आज	,,	,,	नागपुर	3 रा
7	महाराज आज छवि अनुपम	,,	,,		3 रा
8	पार्श्वजिनंदा प्रभु मेरे	,,	,,		3 रा
9	ऋषभ जिन पद	,,	,,		3-4
10	सिद्धाचल पद	,,	,,		4 था
11	आदि जिन	,,	,,	1958	4 था
12	राणपुरो जिन वंदो	,,	,,		4-5
13	पार्श्व जिन	,,	,,		5 वा
14	नेमि जिन	,,	,,		5 वा
15	अजित जिन	,,	,,		5 वा
16	सुणियो सद्गुरु म्हारा	,,	,,	1941 नागपुर	5-6
17	गेवली	,,	,,		6 ठा
18	वीस स्थानक भुई	,,	,,		6 ठा
19	रोहिणी स्तुति	,,	,,		6 7
20	वीस स्थानक चैत्यवन्दन		,,		7 वा
21	पुण्डरीक स्तवन	कृपाचन्द्र			7 वां
22	वीस विहरमान चैत्यवन्दन		,,		7 वां
23	जम्बू द्वीप सज्झाय		,,		8 वां
24	सिद्धार्थ चैत्यवन्दन		,,		8 वां
25	पुण्डरीक स्तवन		,,		8 वां
26	शत्रुञ्जय गिरि स्तवन		,,		8-9

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता		पत्र संख्या
27	फलोधी पार्श्व स्तुति	कृपाचन्द्र		9 वां
28	पार्श्वनाथ स्तवन	,,		9-10
29	आदिजिन स्तवन	,,		10
30	वीरजिन पद	,,		10
31	चैत्यवन्दन	,,		10
32	आज मनु दरिपण गयो पद	,,	1961	10
33	महावीर जिन पद	,,		10-11
34	ऋषभ जिन पद	,,		11 वां
35	पार्श्वनाथ स्तवन	,,		11 वां
36	शत्रुञ्जय पद	,,		11 वां
37	चैत्यवन्द	,,		11-12
38	आदि जिन पद	,,		12 वां
39	चिंतामणि पार्श्वपद	,,		12-13
40	पार्श्वपद	,,		13 वां
41	हां रे म्हारां प्रभुजिन रो पद	,,	1962	13 वां
42	चैत्यवन्दन	,,	1965	14 वां
43	सिद्धाचल स्तवन	,,		14 वां
44	आदीश्वर स्तवन	,,	1965	14-15
45	चिंतामणि पार्श्वनाथ छंद	,,	1965	15 वां

2005/5522

1	पूरब सुकृत कर मानव (पद)	चौथमल	2 रा
	र. का 1856, र. स्था मेड़ता,		
2	सात में अंगे भाखियो जी (पद)	जिनहर्ष	2 रा
3	वीर सुणो मोरी विनती (पद)	समयसुन्दर	3 रा
4	वीर जिणंद वांदी ने गोतम (पद)	लक्ष्मीरतन	3 रा
5	अठारह नाता ढाल	विमल	3-4
6	सिद्धार्थ नन्दन नमु हो (पद)	चौथमल र. का. 1852, र. स्था. पाली,	4 था
7	होरी स्तवन		4 था
8	सुण-सुण रे भव प्राणी	ऋषभ र. का. 1897	5 वां
9	साधु न जाइये पर घर एकला	जिनराज	5 वां

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
10	वारह व्रत सज्झाय	समयसुन्दर, र. का. 1683 र. स्था. बीकानेर	5 वां
11	गुरु म्हानें दीधी ज्ञान जड़ी (पद)	दयाचन्द र. का. 1881	5 वां

2006/5555

1	चन्द्रप्रभ जिन पद	कृपाचन्द, र. का. 1945, र. स्था. वर्धापुरी.	प्रथम-पत्र
2	जिनपद	,, र. का 1943, र. स्था. रायपुर.	1-2
3	नवपद स्तवन	,, र. का. 1943,	2 रा
4	श्रेयांस जिनपद	,, 1944	2 रा
5	श्रेयांस जिनपद	,, र. स्था. नागपुर	2 रा
6	शांतिनाथ जिनपद	,,	2-3
7	पार्श्व जिनपद	,,	3 रा
8	ऋषभ जिनपद	,, सुमेरपुर	3 रा
9	सिद्धाचल जिनपद	,,	3 रा
10	आदि जिनपद	,, 1958	3-4
11	प्रथम जिनपद	,,	4 था
12	पार्श्व जिनपद	,,	4 था
13	नेमि जिनपद	,,	4 था
14	अजित जिनपद	,,	4-5
15	गुरू वन्दना पद	,, र. का 1944 र. स्था. नागपुर	5 वां
16	गेहुली	,,	5 वां
17	बीस स्थानक थई.	,,	5 वां
18	रोहिणी तप स्तुति	लब्धिरुचि	5-6
19	वीस स्थानक चैत्यवन्दन		6 ठा
20	पुण्डरीक स्तवन	कृपाचन्द	6 ठा
21	वीस विरहमान चैत्यवन्दन	,,	6 ठा
22	जम्बूद्वीप सज्झाय	,,	6 ठा
23	सिद्धार्थ चैत्यवन्दन	,,	6-7
24	पुण्डरीक स्तवन	,,	6-7

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता		पत्र संख्या
25	शत्रुञ्जय जिन यात्रा पद	कृपाचन्द		7 वां
26	चन्द्रप्रभ जिनपद	,,	र. का. 1959	7 वां
27	फलोधी जिन पार्श्व पद	,,		7-8
28	लौद्रवा पार्श्वजिनपद	,,		8 वां
29	मेरूदेवी नन्दन पद	,,		8 वां
30	वीर जिनपद	,,		8-9
31	चैत्यवन्दन पद	,,		9 वां
32	महावीर जिनपद	,,	र. का. 1951	9 वां
33	महावीर जिनपद	,,		9 वां
34	ऋषभ जिनपद	,,		9 वां
35	पार्श्वजिनपद	,,		9-10
36	शत्रुञ्जय जिनपद	,,	र. का. 1969	10 वां
37	चैत्यवन्दन जिनपद	,,		10 वां
38	आदि जिनपद	,,		10-11
39	चिंतामणि पार्श्व जिनपद	,,	र. का. 1948	11 वां
40	वीर जिनपद	,,	र. का. 1962	11 वां
41	सिद्धाचल जिनपद	,,	र. का. 1965	11-12
42	ऋषभ जिनपद	,,		12 वां
43	शत्रुञ्जय जिनपद	,,	1965	12-13
44	चिंतामणि पार्श्व जिनपद	,,	1965	13 वां

2007/5560

1	पार्श्वजिन पद	धर्मसी	प्रथम पत्र
2	नेमनाथ पद		,,
3	गोडी पार्श्वनाथ पद		,,
4	जिनपद	हर्षचन्द	,,
5	देव निरंजन पद	रूपचन्द्र	,,
6	उपदेशी पद	रूपचन्द्र	,,
7	नाथ निरंजन पद	रूपचन्द्र	,,
8	पंथिड़ा पंथ चले पद		,,
9	चिंतामणि पार्श्वनाथ पद	जिनचन्द्र	1-2
10	तूं ही निरंजन पद	रूपचन्द्र,	2 रा
11	मेरा जीवड़ा लाग्या		2 रा

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
12	लग्या मेहा निहड़ा पद	ज्ञानसार	2 रा
13	आदि जिनपद		2 रा
14	वामा राणी हुलरावे पद	चन्द्रकुशल	2 रा
15	नेमिनाथ पद	रामचन्द्र,	2-3
16	जिन पद		3 रा
17	मेरी लाज रख पद		3 रा
18	मेरा मन बस पद	लालचन्द	3 रा
19	बोले सखि वंदत पद		3 रा
20	जिनराज नाम तेरा पद	जिनहर्ष	3 रा
21	शत्रुञ्जय जिन पद	रतनसुन्दर र. का. 1862	3 रा
22	महावीर जिन पद	नवल	3 रा
23	छोटोसी जान जरा पद	आनन्दराम,	3-4
24	नेमिनाथ पद	हर्षचन्द्र,	4 था
25	वीतराग पद	कीर्त्तिसागर	4 था
26	प्रभु को सुमरो पद	रतनसुन्दर	4 था
27	जिनराज देख ले पद		4 था
28	आदि जिन पद		4 था
29	गुण अनंत अपार पद	समयसुन्दर,	4-5
30	एक ध्यान एक तान पद		5 वां
31	नेमि (होरी) पद		5 वां
32	पंचम अरे की सज्झाय	समयसुन्दर	5-6
33	इलापुत्र सज्झाय	समयसुन्दर	6 ठा

2009/5562

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
1	कर्म छत्तीसी	राजसमुद्र, र. का. 1669,	प्रथम पत्र
2	शील छत्तीशी	राजसमुद्र	2 रा
3	क्षमा छत्तीसी	समयसुन्दर	2-3
4	सवा सो सीख	धर्मसी	3-4
5	कर्म सज्झाय	रिद्धिहर्ष	4-5
6	वैराग्य सज्झाय		5 वां
7	उत्पत्ति बहोत्तारो	मुनि श्रीसार रत्नहर्ष शिष्य	5-7
8	राणी पद्मावती सज्झाय	समयसुन्दर	7-8

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता		पत्र संख्या
9	अनाथी ऋषि सज्झाय	समयसुन्दर		8 वां
10	श्रावक नी करनी	जिनहर्ष		8 वां

2011/5564

1	वीस स्थानक थुई	कृपाचन्द		प्रथम पत्र
2	रोहिणी स्तुति	लब्धिरूचि		"
3	वीस स्थानक चैत्यवंदन	कृपाचन्द्र		1-2
4	पुण्डरिकस्तवन	"		2 रा
5	वीस विहरमान चैत्यवन्दन	"		2 रा
6	जम्बूद्वीप सज्झाय	"		2 रा
7	सिद्धाचल चैत्यवन्दन	"		2 रा
8	पुण्डरिकस्तवन	"		2-3
9	शत्रुञ्जय गिरि यात्रास्तवन	"		3 रा
10	चन्द्रप्रभ जिनपदस्तवन	"		3 रा
11	फलोधी पार्श्वनाथस्तवन	"		3 रा
12	पार्श्वनाथ पद	"		3-4
13	आदि जिनपद	"		4 था
14	चैत्यवन्दन	"		4 था
15	महावीर जिनपद	"		4-5
16	महावीर जिनपद	"	र. का 1951	5 वां
17	जिनपद	जिनहर्ष		5 वां
18	ज्ञान पंचमी स्तुति	जिनचन्द्र		5 वां
19	ऋषभ जिनपद	कृपाचन्द्र		5-6
20	पार्श्वनाथ स्तवन	"		6 ठा
21	शत्रुञ्जय जिनपद	"	र. का. 1959	6 ठा
22	गौतमस्वामी पद			6 ठा
23	चैत्यवन्दन	कृपाचन्द्र		6 ठा
24	आदि जिनपद	"		6-7
25	वीतराग जिनपद	"		7 वां
26	चिंतामणि पार्श्वनाथ पद	"		7 वां
27	अयवन्ति पार्श्वनाथ पद	"	र. का. 1948	7 वां
28	महावीर जिनपद	"	र. का. 1962	8 वां

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
	2013/5689		
1	वृद्धस्तवन	धर्मकीर्त्ति	प्रथम पत्र
2	पार्श्वनाथस्तवन	"	"
3	युग प्रधान जिनचंदसूरिस्तवन	"	"
4	पार्श्वनाथ गीत	"	"
5	स्थूलिभद्र गीत	"	"
6	पार्श्वनाथ गीत	"	"
7	शान्तिनाथ गीत	"	"
8	पार्श्वनाथ गीत	"	"
9	आदिनाथ जिन गीत	"	"
10	सीमन्धर स्वामी गीत	"	1-2
11	छिणू जिनवृद्धिस्तवन	"	2 रा
12	ज्ञान पंचमी वृद्धिस्तवन	"	2 रा
13	ज्ञानपंचमी लघुस्तवन	"	2 रा
14	पार्श्वनाथ लघुस्तवन	"	2 रा
15	षड्यदान गीत	"	2 रा
	2014/5691		
1	वीजस्तवन	रिद्धिविजय. र. का. 1871,	1-2
2	पंचमीस्तवन	समयसुन्दर	2-3
3	पंचमीतप विधि		3 रा
4	पंचमी वृद्धिस्तवन	समयसुन्दर	3-5
5	अष्टमीस्तवन	जिनचन्द सूरि, र. का. 1715	5 वां
6	अष्टमीस्तवन	कांतिविजय	5-8
7	एकादशीस्तवन	समयसुन्दर	8 वां
8	मौन एकादशीस्तवन	कांतिविजय, र. का. 1769,	8-13
9	प्रतिक्रमण सज्झाय	रिद्धिविजय	13-15
10	ऋषभ जिनस्तवन	आनन्दघन	15-16
11	वर्द्धमान जिनस्तवन	जसवाचक	16-17
12	सीमन्धरस्वामी स्तवन	जसवाचक	17वां

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
13	अनंत जिनस्तवन	आनन्दघन	17-18
14	धर्मनाथ स्तवन	आनन्दघन	18 वां
15	सात व्यसन सज्भाय	जयरंग	18-19
16	संभवनाथ स्तवन	अभयराज	19-20
17	महावीरस्तवन	समयसुन्दर	20-22
18	इलापुत्र सज्भाय	लब्धिविजय	22 वां
19	मधु विदमानी सज्भाय		22-23
20	सीमन्धर जिनस्तवन	पद्मविजय	23-24
21	दशार्णभद्रस्तवन	लालविजय	24-26
22	शिखामण सज्भाय	सुमतिविजय	26-27
23	नेमि राजुल सज्भाय	रूपविजय	27-28
24	एकादशी सज्भाय	उदयरत्न	28 वां
25	नेमनाथ सज्भाय		28-29
26	मेतराज मुनि सज्भाय	जयरंग	29-30
27	राज री वधाई वाजै पद		30
28	ऐसी विधि तेने पाई पद		30
29	उठो न मोरा आतमराम पद	लाभउदय	30
30	घड़ी-घड़ी पल-पल पद	दौलतराम	30
31	शिखर गिरिस्तवन	चंद	30-31
32	वैराग्य लावणी	अखमल	31-32
33	चतुर नर मन कुं पद	जिनदास	32 वां
34	प्रभुजी हमारे अंतरजामी	मूलचन्द	32-33
35	होणहार सोई होवै पद	,,	33 वां
36	भज भगवान् वंदा पद	,,	33-34
37	राम नाम निज सार पद	गणेशलाल	34 वां
38	वीर प्रभुनी विनती		34-36

2015/5693

1	गौडी पार्श्वनाथ छन्द		1-5
2	शनिश्चर रो छन्द		5
3	चेतन तूं क्या फिरे भूलां	राजाराम	6
4	अन्तरीक पार्श्वजिनस्तवन	लाभ उदय	6
5	विमलगिरि क्यू न भये हम मोर	धर्मसी	

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
6	देखो माई उमड घुमड दोऊ आए	हर्षचन्द	
7	तूं ही जान तूं ही जान तेरा भाव फलेगा	देव	
8	पास जिनन्दा प्रभु मेरे मन बसिया	केरवा	
9	चालो शिखर गिरि वन्दन सजनी		6-7
10	अब कैसे तरोगे भव से		
11	अंगीया अजब बनी छवि देख्या		
12	जिन नाम समरले जीया रे		
13	जिया भज भगवन्त सही रे		
14	मन सुध मंगल आरति कीजे		
15	अर्बुदाचल स्तवन	रूपचन्द	7-8
16	यूं ही जनम गमायो	ज्ञानसार	
17	समझ नर जीवन छोडो	रूपचन्द	
18	शील नित पालियो प्राणी	गंगा	
19	मनवा जिनंद गुण गाये रे		
20	हो मन तिहां जइए, 20 तीर्थंकर सिद्ध हो	लालचन्द	5
21	दरवाजा तेड़ा खोल रे हम दरसण आए लोक है	रूपचन्द	8-9
22	'मोहि कैसे तारोगे दीनदयाल	,,	
23	लोकचन्द के पार किनारे	,,	
24	अवसर पाय कहि तहुं मनवा	,,	
25	हो जिन तेडे दरस परिवारिया	,,	
26	मोरी सुध लीजो हो जिनराजजी	आनन्द	
27	जागो नणद रा वीर रे	ज्ञानसार	
28	पपइया बोले पीऊ-पीऊ घन में	आनन्द	
29	पारसजिन स्तवन	लक्ष्मीवल्लभ	
30	बसज्यो उर में आप हमारे	लालचन्द	
31	वागा मत जारे तेरे काया में गुलजार		9-10
32	दरस बिन तरसन लागे नैन	बाल	
33	मैं हूँ वैरागण मेरे पिया कूं मनावो री	बाल	
34	सिद्धाचल स्तवन	जिनचन्द	
35	आरित रूड़ी-रूड़ी मारा वाला रूडो मास वसन्त	ज्ञान उदय	
36	नेम न जाणी मेरी पीर	शिवरतन	

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
37	झूठी या जगत की माया	ज्ञानसार	
38	मरणा तो आया माया अजु न समाया	,,	10-11
39	मोलि हुई केलि हुई लगी तलावेलि	,,	
40	वारो नणदलवी कहुं कोलवारो	,,	
41	रहे तुम आज कुञ्जी वदन दुराय	,,	
42	प्रभु मेरो व्यथा हमारी	नैनसुख	
43	कुण वनवीर समोरया मैं तो सुनिए श्रवण धुनि आज री	हर्षचन्द	

2019/5727

1	पार्श्वनाथ स्तवन	जयसागर	1
2	जिनस्तुति	कवियण	1
3	शत्रुञ्जय मंडण आदि जिनस्तुति	नन्दसूरि	1-2
4	शत्रुञ्जय स्तवन	जयसोम	2
5	चिंतामणी पार्श्वनाथ स्तवन	समयसुन्दर	2
6	शंखेश्वर पार्श्वनाथ स्तवन	रंगविजय	2-3
7	सज्झाय पार्श्वनाथ स्तवन		5
8	दुविधा कर्म भ्रम की दासी (पद)	सुमति	3
9	गौतमस्तवन	समयसुन्दर	3-4
10	मना तोजु केई विखा समझायो (पद)	सूरदास	4
11	कापर हेड़ा पार्श्वनाथ लघु स्तवन	जिनहर्ष	4
12	चौवीस तीर्थंकर गीत	समयसुन्दर	4
13	वीस विहरमान गीत	समयसुन्दर	4-5
14	गौतमाष्टक	समयसुन्दर	5
15	आदीश्वर गीत	साधुकीर्त्ति	5
16	सासता तीर्थंकर गौतम	समयसुन्दर	5
17	श्रेयांस जिन गीत		5
18	चोवीस जिनगीत		5-6
19	प्राण तिपति न करे न करावै गीत	समयसुन्दर	6
20	तीर्थावली गीत	,,	6
21	आदिनाथ गीत	,,	6
22	महावीर स्वामी गीत	भुवनकीर्त्ति	6-7
23	स्वाध्याय गीत		7

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
24	चतुर्विंशति जिन गीत	शान्तिहर्ष	7
25	शीतलनाथ गीत	समयसुन्दर	7

2021/5944

1	शील सज्झाय (सीताजी की ढाल)		5-8
2	म्हीपत की ढाल		8-9
3	खेतसी स्वामीजी की ढाल		9-10
4	पार्श्वनाथस्तवन		10-11
5	महावीरस्तवन	धर्मसी	11-12
6	धन्ना अणगार सज्झाय		12
7	शंखराजा की सज्झाय		12
8	अमीचन्द ऋषि सज्झाय		13—फलोदी
9	उपदेश सज्झाय		13
10	धन्ना ऋषि सज्झाय	तिलोकसी	13-14—अकबरावाद
11	साधा री बतीस की खमा		14-16—1856
12	साधु वन्दना	साधु	16-21
13	उपदेश री सज्झाय		21-23
14	अमीचन्द		28—1896, चुरू
15	अनाथी मुनि		29
16	भीखु री सज्झाय		29-30—1899, गोगुन्दा
17	भीखु री सज्झाय		30—1891, रामगढ़
18	हेमराजजी महाराज की		30
19	भारीमाल जी		30-31
20	कलश सज्झाय		31-32
21	शील सज्झाय		32-33
22	मुनी वडी सज्झाय		33-34
23	चन्द्रभाण ऋषि सज्झाय		34—1817, फतेहपुर
24	मंगल		34-35
25	जीत गुण सज्झाय		35-36 वां अप्राप्त
26	मेघ कुमार सज्झाय	पूनोजी	37-38
27	भीखन जी स्वामी सज्झाय		38
29	मीनखा देही ऊपर दस दृष्टान्त		38-39
29	भेषण जी स्वामी ढाल		39 (40 वां अप्राप्त)

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
30	विनती	गुलाबकीर्ति	41
31	राजुल सज्झाय	जीवो	41-42
32	पद्मावती की ढाल (अपूर्ण)		42-44—45 वा अप्राप्त
33	सोलह सती की ढाल		46-47
34	महीपत की ढाल		47-48
35	वर्द्धमान स्वामी ढाल		48 वां 1897 कांकरोली
36	गिरनार तीर्थं स्तवन	खेतसी	48-49, 1898, जयपुर
37	कोदर तपसी की ढाल		49-50—1896, चुरू
38	मोती ऋषि की सज्झाय		50-51—1897 कांकरोली
39	बीस तीर्थंकर स्तवन		51

2026/6048

1	आदीश्वर विनती	सेवक, र. का. 1562,	11-12
2	महावीर जिन पद	दुर्गादास	12 वां
3	ऋषभ छत्तीसी	जिनहर्ष	12-13
4	शीतलनाथ स्तवन	समयसुन्दर	13 वां
5	क्रोध सज्झाय	उदयरतन	13 वां
6	मान सज्झाय	उदयरतन	13 वां
7	माया सज्झाय	उदयरतन	13 वां
8	लोभ सज्झाय	वीर सागर	13-14
9	ज्ञान सज्झाय		14 वां
10	उपदेशी सज्झाय		14 वां
11	प्रभाती सज्झाय	मेरू	14 वां
12	दान सज्झाय	रायचन्द	14 वां
13	शील सज्झाय	,,	14 वां
14	तप सज्झाय	,,	14 वां
15	भावना सज्झाय	,,	14 वां
16	गौतम सज्झाय		14-15
17	खामणा सज्झाय		15 वां
18	धर्म सज्झाय	विजयप्रभ	15 वां
19	पंचवरण सज्झाय	अभयराज	15-16
20	महावीर स्तवन		16 वां
21	गौतम स्वामी सज्झाय	कवियण	16 वां

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
22	नवकार छंद	कुशललाभ वाचक	16-17
23	नवकार सज्झाय		17 वां
24	च्यार मंगल सज्झाय	मयाचन्द	17 वां
25	चौवीस जिन स्तवन		17 वां
26	वीस विहरमान		17 वां
27	ऋषभदेव सज्झाय		17 वां
28	पार्श्वजिन स्तवन		17 वां

2030/6167

1	विमलनाथ स्तवन	हर्षकुशल	1-2
2	मौन एकादशी स्तवन	जिनलब्धि सूरि	2-3
3	कापरहेड़ा पार्श्वनाथ स्तवन	हर्षकुशल	3रा
4	फलौधी पार्श्वनाथ स्तवन	जिनलब्धि	4था
5	आदिनाथस्तवन	सुमतिहंस	4था
6	महावीरस्तवन	समयसुन्दर	5वां
7	पार्श्वजिनस्तवन	जसवर्द्धन	5-6
8	गोडी पार्श्वनाथ स्तवन	जगरूप	6ठा
9	शालिभद्र स्तवन	हर्षकुशल	6-7
10	धन्ना ऋषि स्तवन	श्रीदेव र.स्था. आल्हणपुर	7

2031/6168

1	अठाहरे नाता सज्झाय	रिद्धिविजय	1-5
2	नंदीषेण सज्झाय	मनोहर	5-9
3	गर्भ उत्पत्ति सज्झाय	रूपचन्द	9-10
4	रूखमणि राणी सज्झाय	राजविजय	10-11
5	हितोपदेश सज्झाय	राजविजय	11-12
6	गजसुकुमाल सज्झाय	विजयराज	12-14
7	श्वेत फवाड़ियां सज्झाय	देवविजय	14-21
8	आत्म परिग्रह सज्झाय	देवविजय	21-22
9	नेमिनाथ स्तवन	सुन्दर	22-24

क्र. स.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
	2032/6237		
1	सीमन्धर स्वामी स्तवन	रूपचन्द र.का. 1821	(प्रथम)
2	प्रभात पडिलेहण विधि	र.का. 1949 र.स्था. वर्द्धापुर	2-5
3	चन्द्रप्रभ गीत		5वां
4	जिनपद	कृष्णचन्द र.का. 1943 र.स्था. रायपुर	5-6
5	नवपद जग हितकारी		6ठा
6	श्रेयांस जिन पद	कृष्णचन्द र.का. 1944	6-7
7	चन्द्रप्रभ पद	,,	7वां
8	शान्तिनाथ पद	,,	7वां
9	पार्श्वजिन पद	,,	7वां
10	ऋषभजिन पद	,,	7-8
11	सिद्धाचल पद	,,	8वां
12	पार्श्वनाथ पद	कृष्णचन्द र.का. 1958	8-9
13	आदिजिन पद	,,	9वां
14	पार्श्वजिम पद	,,	9वां
15	नेमिजिन पद	,,	9वां
16	अजितजिन पद	,,	9-10
17	सुण्या म्है सतगुरु म्हारा	कृष्णचन्द र.का. 1944	10वां
18	सुण साहेजी भगवती पद	,,	10वां
19	वीरजिन पद	,,	11वां
20	महावीर पारणो पद	मुनिमाल	11-12
	2033/7394		
1	उठ तेरो मुख देखूं (स्तवन)	टोडर	3-5
2	सोयो तूं वहुत दिन	जिनराज	5-7
β	जागो मेरे लाल	जसराज	7-9
4	अंगन कल्प फल्यो	समयसुन्दर	9-10
5	आज तो बधाई		10-13
6	वीराजिन रूप भलो	चन्द	13-15
7	भलो मुख देखो	मालदास	15-16

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
8	ऋषभकुमर कूं वतावो	मनधीर	16-18
9	भाव धर धन्य दिन आज (अपूर्ण)		18-19
10	स्तवन (अपूर्ण)	सेवक	24-25
11	नित नमीयै पारसनाथ	सिंघ	25-26
12	नीकी सूरत पास जिणन्द की	परमचन्द	26-28
13	आली घन हो पीड घनवा(धूमिल अक्षर)		28-29
14	दादोजी दौलतदास	कनककीरत	29-30
15	सदगुरुजी थे सांभलो	भुवनकीरत	30-35
16	अरे लाल श्री जिनकुशल	राजसागर	35-40
17	दादो तो दरसण दाखै (चिपके पत्र)	समयसुन्दर	40-42
18	वलिहारी तोरे नाम	नायक सुरसाल	42-45
19	कैसे-कैसे अवसर में	जिनकुशल	45-47
20	वाल्हेसर मुझ वीनती		47-50
21	वारै मासै	जिनहर्ष	51-65
22	नेमिनाथजी रो बारामासो	लाभोदय सं. 1683	65-74
23	दूसरो बारामासो (नेमीजी रो)	जिनहर्ष	74-81
24	पीया विन कैसे खेलूं होरी	समता	82
25	मत छोडो माने यूं हीरे		83-84
26	नेम निरंजन ध्यावो रे	जिनधर	84-86
27	हेरी आतम रथ खेलो होरी	वालकृष्ण	86-87
28	कित जाण मते हो प्राणनाथ		87-88
29	होरी खेलीयै नर वहुरन अैसो दाव	जिनचन्द	89-91
30	अैसे नेमकुमर खेले वसन्त	समुद्रविजै	91-93
31	माई रंग भर खेलेगें	जिनभक्त	93-95
32	गढ गिरनारि की तलहटी	रिध हर्षवाचक	95-98
33	जय बोलो पास जिणेसर की	अलवेस	98-100
34	जय बोलो पास जिणेसर की	जिनचन्द	100-102
35	एक सुण लो नाथ अरज मेरी		102-104
36	सूरतो थांरी सुहामणी राज	सुविध कुशल	104 108
37	राज पुरो रलीयामणो रे लाल	समयसुन्दर	108-112
38	वरकाणा पुर राजीयो	जिनभक्ति सूरि	112-115
39	जीवन म्हारा ते वीसया जिणेसर	जिनचन्द सूरी	115-119
40	अश्वसेनजी रा हो छावा	जिनचन्द	119-122

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
41	सुगुण स्नेही जिनजी	जिनचन्द	123-126
42	आज आनन्दघन उमडयो	जिनलाभ सूरी सं. 1873	127-131
43	वामानन्दन वन्दीयै	सेवक	131-134
44	पांचि तप तुम्है करो रे प्राणी	समयसुन्दर	134-137
45	सुगुण सोभागी हो साहिव	जैतसी पुण्यकलश शिष्य	137-140
46	जोर वन्यौ खूव वण्यो	वसता मुनि	140-144
47	वामा सुत जी सुपन लागौ	धर्मसी	144-146
48	इण रे डूंगरी यानी झीणी झीणी कोरणी	नयनविमल	146-148
49	वामासुत म्हानै लागो	जयरूप	148-149
50	अन्तरजामी सुणी अलवेसर (अपूर्ण)		151
51	आज सुहावो दीहड़ो	रुघपति	156-159
52	नैयना अटक मानै नांहि	रंगविनय	159-160
53	म्है चालाने प्रीतम जिण रे	प्रेमसागर	160-163
54	श्री गौडीपुरमण्डण प्रभुजी भेंटचा	क्षमाकल्याण	163-166
55	सुण चतुर सुजाण परनारी		166 169
56	तेवीसवा जिनराज जोर थारी	रूपविमल	169-170
57	प्रीउडा जिन चरणां री सेवा	रूपविवुध	170-171
58	वाजित रग वधाई (अपूर्ण)		171

2036/5513

1	वीज स्तुति		प्रथम
2	पंचमी स्तुति		प्रथम
3	पंचमी स्तुति		1-2
4	अष्टमी स्तुति		2रा
5	अष्टमी स्तुति		2रा
6	एकादशी स्तुति		2-3
7	मौन एकादशीस्तुति		3रा
8	चतुर्दशी स्तुति		3रा
9	अमावस्यास्तुति		,,
10	वरकाना पार्श्वजिनस्तुति		3-4
11	सीमन्धरजिन स्तुति		4था

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
12	सिद्धचक्र स्तुति	कुशलसागर	4था
13	ताज तिथि स्तुति		”
14	ऋषभजिनस्तुति	विजयसेन सूरि	”
15	अरिहन्तस्तुति		4-5
16	पुण्डरीकस्तुति		5वां

2037/6042

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
1	द्वारे आ वाहे सज्झाय	मेघचन्द शिष्य	7वां
2	सरस्वती छन्द	हेम	7-8
3	जगदम्बा छन्द	सहजसुन्दर	8वां
4	ऋषभजिन स्तुति		8-9
5	पचमी स्तुति		9
6	मौन एकादशी स्तुति	लालविजय	9
7	शत्रुञ्जय स्तुति		9-10
8	सिद्धचक्र स्तुति	धीरविजय	10
9	वीर स्तुति	भावप्रभ सूरि	10
10	शत्रुञ्जय जिनस्तुति		10-11
11	एकादशी स्तुति	गुणहर्ष शिष्य	11
12	पर्युषण स्तुति		”
13	श्रावक स्तुति		”

2041/5626

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
1	गौतम स्वामी स्वाध्याय	लावण्य समय	1
2	मनक स्वाध्याय		2
3	मेतराज मुनि स्वाध्याय	रामसाधु कनकविजय शिष्य	2-3
4	शील वत्तीसी	गुणविजय	3-4
5	थूलिभद्र स्वाध्याय	शीलविजय एवं सिद्धविजय	4-5
6	दशार्णभद्र स्वाध्याय	लालविजय शुभविजय शिष्य	5-7
7	वयर स्वामी स्वाध्याय	रिद्धिविजय मेरुविजय शिष्य	7-8
8	जीव काया स्वाध्याय	महमंद	8-9
9	खामण स्वाध्याय	रिद्धिसागर	9वां
10	पडिलेहण स्वाध्याय	पं जससागर	10वां
11	सीख स्वाध्याय		10-11

क्र. सं.	रचना नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
12	वचन स्वाध्याय	विजयवन्त चारित्रसागर शिष्य	11वां
13	नवकार स्वाध्याय		11-12
14	इलापुत्र स्वाध्याय	लब्धिविजय	12वां
15	जीव संख्या स्वाध्याय	सिद्धविजय	12-13
16	दान स्वाध्याय	लावण्य समय	13-14
17	शील स्वाध्याय	सिद्धविजय	14वां
18	करकण्डू स्वाध्याय	समयसुन्दर	14-15
19	दान शील तप भावना स्वाध्याय	समयसुन्दर	15वां
20	विरह स्वाध्याय		15-16
21	अरणक स्वाध्याय	रूपविजय	16वां
22	दृढ प्रहार मुनि स्वाध्याय	लावण्य समय	16-18
23	दण्डक ऋषि स्वाध्याय	हर्षमंगल सूरि	18-20
24	रहनेमि राजिमती स्वाध्याय	ऋद्धि विजय	20-21
25	धुलेवा पार्श्व स्वाध्याय		21-22
26	क्षमा छत्तीसी स्वाध्याय	सकलचन्द	22-24
27	आदेश स्वाध्याय		24-25
28	हितोपदेश	रतनसागर	25वां
29	जुवटा स्वाध्याय	आनन्द	25-26
30	जिन शासन रे सुधी (पद)	लक्ष्मीरत्न सूरि	26-27

— -- —

लेखक अनुक्रमणिका

(परिशिष्ट–ख)

(न)

(प)

(ल)
